# अभिनव गीतमंजरी

१

पूर्णमेवावशिष्यते

ACHARYA S.N. RATANJANKAR FOUNDATION

श्रीकृष्ण नारायण रातंजनकर

संगीत कलानिधि

# गुरूवर्य पंडित विष्णु नारायण भातखंडे

बी. ए., एल्. एल्.बी.

(चतुर पंडित)

## सादर समर्पण

गजाननो बुद्धिमतां वरेण्यः गुरूः प्रसन्नो रसिकोऽपि विष्णुः।
यदंघ्रिपद्मेऽभिनवा विनम्रं समर्पिता गीतकमंजरीयम् ॥ १ ॥
दारिद्रय दुर्विलासादधोनिपतिता सखी सरस्वत्याः।
संगीतसुंदरी सौभाग्यमिव प्रापिता येन॥
कल्याणमस्त्विति गुरूं प्रणम्य गांधर्व वेदविज्ञं तं।
गीतमंजरिमभिनवां समर्पयाम्यद्य तच्चरणे॥

— श्री. ना. रातंजनकर, 'सुजान'

पद्मभूषण

# आचार्य श्रीकृष्ण नारायण रातंजनकर 'सुजान'

बी.ए., संगीताचार्य

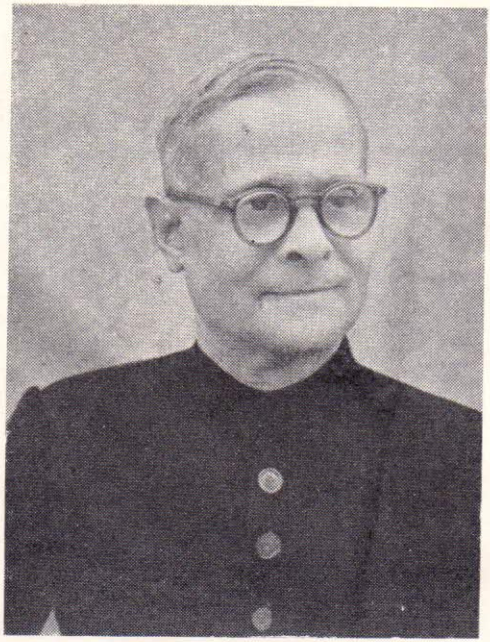



जन्म : ३१ दिसम्बर १९०० निधन : १४ फरवरी १९७४

( लेखक )

श्री

## - मंगलाचरण -

ब्रह्मविष्णुमहादेवान् स्वररागलयास्पदान् ।
प्रणम्याभिनवां गीतमंजरीमारभे श्रियै ॥

# - प्रस्तावना -

हिंदुस्तानी संगीत के गायक-वादकोंमें नई चीजें बनानेवालों की संख्या बहुत कम है इसका कारण रचनाकौशल्य का अभाव बहुतों में होता है ऐसा नहीं है, बल्कि बहुतसे गायक-वादकोंको अपनी रचना के सम्बन्ध में श्रोतागण तथा संगीत के ग्याताओं से पुरस्कार मिलने का विश्वास नहीं होता । कुछ अंश में यह अविश्वास सकारण है क्यों कि साधारणतया देखा जाता है कि हमारे यहाँ विद्यमान कलाकारोंकी अपेक्षा भूतपूर्व कलाकारों को अधिक माना जाता है । संगीत संसार में तो यह परिस्थिति अब भी कायम है । अतएव किसी व्यक्ति को अपनी नई रचना स्पष्ट रूप से श्रोताओं के सामने रखने में डर लगता है । यदि कोई व्यक्ति नई रचना करके, वह स्वयं अपनी नहीं, किसी गुजरे हुवे बडे आचार्य के नाम से लोगों के आगे रख दें तो बहुत से लोग उसको मानने को तय्यार होंगे, जबकि वह अपने ही नाम से उसको प्रसिध्द करने का धाष्ट्र्य करें तो चाहे जैसी सुन्दर रचना हो वह अगर दुतकार न दी गई तो उसका सन्मान होना असम्भवसा होता है ।

हमारे देश में पूर्वाचार, पूर्वपरंपरा का महत्व सभी बातों में माना जाता है । यह परिस्थिति समझते हुवे भी मैं आज इसी धाष्ट्र्य का अवलंबन कर रहा हूँ । मुझे नई चीजें बांधने का शौक आज कोई १५-२० वर्ष से है । मेरे परमपूज्य गुरूवर्य पण्डित भातखण्डेजी ने अेक आध समय पर अपने शिष्यों को इसके बाबत उत्तेजन दिया हुवा मेरे स्मरण में है । पर नई चीजें बांधने के बाबत विशेष आग्रह मेरे एक आदरणीय गुरूबंधु स्व. शंकरराव कारनाड की तरफ से हुवा जब से मैनें नई रचनाएँ करने में विशेष ध्यान लगाया जिसके फलरूप मैं कुछ अपनी बनाई हुई चीजें प्रसिध्द कर रहा हूँ। इन चीजों के गुणावगुणों का विचार पाठ्कों के ऊपर ही सौंपता हूँ। मैने इनमें से बहुतसी चीजें जलसों में तथा रेडिओ प्रोग्राम में गाकर सुनाई हैं और अब भी सुना रहा हूँ ।

रागदारी चीजों के सम्बन्ध में यह बता देना आवश्यक होगा कि, इन की भाषाशैली, हिन्दी साहित्य में एक स्वतंत्र भाग समझना होगा । हिन्दी कविताओं की भाषा रागदारी गायन के लिए क्लिष्ट हो जाती है । बहुत से शब्दों का मृदु रूपांतर करना पडता है । कभी कभी बृजभाषा, मारवाडी, उर्दू, पंजाबी इन सब के महावरे चीजों में एक साथ आये हुये दिखाई पडते हैं । कारण यह है कि चीजें बांधनेवाले गायक-वादक न कवि थे न भाषा पण्डित । अपने काम में वह अनुपम थे इस में कोई संदेह नहीं। रागदारी के लिए अगर भाषाशुध्दि की तरफ दुर्लक्ष करके इन्होंने

शब्दों का रूपांतर करके व्याकरण के नियमोंका उल्लघन किया तो वह क्षम्य समझकर वैसा ही प्रचार रूढ हो गया । यहाँ तक कि सांगीतिक चीजों की भाषाशैली ही निराली हो गई है ।

इस पुस्तक में की कुछ चीजें क्रमिक पुस्तक मालिका में छप चुकी हैं । इन चीजों को स्व. गु. भातखण्डेजी के सम्मति से ही क्रमिक पुस्तक मालिका में स्थान मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुवा था। और दो गीतों की ("जशोदा हरि पालने झुलावै" और "वन्दे मातरम्") शब्द रचना पुराने विव्दानों की है परन्तु मैनें उनका स्वर निरूपण करने का प्रयत्न किया है । इस पुस्तक के सिर्फ आखिरी चार रागों के स्वरविस्तार तथा रागरूप इत्यादि दिये हैं। बाकी रागों के स्वरविस्तार इत्यादि क्रमिक पुस्तक मालिकाओं में पहले ही आ चुके हैं इस लिए उनको दुहराने की कोई आवश्यकता न मालुम हुई ।

बंबई,<br>
ता. ४ जून १९४४ **श्री ना. रातंजनकर**

# प्रस्तावना - आवृत्ति २ री

अभिनवगीतमंजरी की यह दूसरी आवृत्ति संगीत प्रेमिओं की सेवा में प्रविष्ट की जाती है । इस आवृत्ति में प्रथम आवृत्ति में आये हुवे गीतों के अतिरिक्त लगभग एक सौ नये गीत प्रसिध्द किये जाते हैं ।

नये गीतों में कुछ गीत "वर्णम्" नाम के भी हैं। ये "वर्णम्" दाक्षिणात्य संगीत के कुछ "वर्णम्" के मूल तेलगु शब्दोंके स्थान पर संस्कृत शब्द रचकर दिये गये है । "वर्णम्" के पांच धातु (विभाग, चरण अथवा तुक ) होते हैं । इनको क्रमशः (१) पल्लवी, (२) अनुपल्लवी, (३) मुक्तायंपु, (४) चरणम्, एवं (५) चिट्टस्वरम् कहते हैं । "पल्लवी" स्थायी के एवं "अनुपल्लवी" अंशतः अन्तरे के समान होती है। "अनुपल्लवी " के पश्चात "मुक्तायंपू" नामक विभाग होता है जिस में स्वरों की उलट फेर विशेष कठिनता के साथ होती है व यह विभाग "अनुपल्लवी" के साथ गाया जाता है । चौथा विभाग "चरणम् " फिर शब्दों के साथ होता है और उसी को जोडे हुवे कुछ स्वरालाप लयकारी के साथ एक एक ऐसे चार पांच होते हैं जिनको "चिट्टस्वरम्" कहते हैं । यह पांचवा विभाग होता है । इस पुस्तक में (१) यमन (दाक्षिणात्य कल्याणी), (२) हंसध्वनि, (३) भूपाली (दाक्षिणात्य मोहनम्) तथा (४) केदारगौळ, जो एक दाक्षिणात्य संगीत पध्दति का राग है और जो हिन्दुस्तानी संगीत पध्दति के लगभग 'देस' राग के समान है - 'देस' में लगाया जाता हुवा शुध्द निषाद 'केदारगौळ' में नहीं आता, शेष सब 'देस' के समान है - ये चार मूलतः दाक्षिणात्य "वर्णम्" हैं जिनके तेलगु शब्दों के स्थान पर संस्कृत शब्द रचे गये हैं । इन "वर्णो" के अतिरिक्त दो और हैं जो मैनें स्वयम् दाक्षिणात्य वर्णों के आदर्श पर रचे हैं । ये दो वर्णम् (१) भैरव एवं, (२) मियाँकी तोडी में हैं । प्रत्येक वर्णम् का चरणम् गाकर फिर उसको क्रमशः एक एक चिट्टस्वरम् जोड देना होता है । प्रत्येक चिट्टस्वरम् गाकर उसको फिर चरणम् जोड

देना है ।वर्णम् हमारी पध्दति में भी दाखल करने योग्य हैं और इन्हें अपनाना चाहिये ऐसा मेरा विचार है । इनसे विद्यार्थियों को स्वर तथा लय दोनों का ज्ञान सुलभ होगा ।

इस आवृत्ति में आये हुवे नये गीतों में कुछ देशभक्ति के, कुछ मनुष्य धर्म के आदर्शपर, एक गीत श्री. महात्मा गांधीजी के जीवनी पर एवं एक संस्कृत कविता जन्मभूमि के चरणों पर महात्माजी की अंतिम आहुति पर ऐसे हैं।

ध्रुपद, ख्याल, चलती चीजें, सरगमै, तराने, लक्षणगीत, पद, भजन इत्यादि विविध प्रकार के गीतों का यह संग्रह संगीत प्रेमिओं की प्रसन्नता प्राप्त करें यह प्रार्थना ईश्वर चरणों पर है ।

अंतमें मेरे प्रिय बन्धु श्री. गजाननराव एवं प्रिय शिष्य श्री. कृष्णराव गुंडोपंत गिंडे को, जिन्होंनें पुस्तक की लिखित प्रति बनाने में एवं प्रूफ की जांच में परिश्रम किये, शतशः धन्यवाद देकर यह प्रस्तावना समाप्त करता हूं ।

बम्बई, श्री दत्त जयंती
दिनांक, ५-१२-१९४९ श्री. ना. रातंजनकर

# प्रस्तावना - तृतीय संस्करण

लगभग ४० वर्षों के पश्चात् 'अभिनवगीतमंजरी' का प्रथम भाग, पुनर्गठित रूप में , पुनश्च संगीत प्रेमिओं की सेवा में सादर करते हुए हमें अत्यंत समाधान हो रहा है।

इस कालावधि में स्वयम् लेखक ने कई एक बंदिशों को 'अभिनवगीतमंजरी' भाग दूसरा (पूर्वार्ध तथा उत्तरार्ध) व्दारा ईसवी सन् १९६१-६२ में प्रकाशित करवाया था, जिन्हें संगीत प्रेमिओंने अत्यंत चाव से अपनाया, जिससे इन पुस्तकों की प्रतियाँ भी लगभग बिक चुकी हैं। इनके अतिरिक्त, लेखक ने अपने जीवनकाल तक और भी अनेक बंदिशों की रचना की है, जो कि अबतक अप्रकाशित रूप में उनके शिष्यों के पास सुरक्षित रही हैं। कुछ अपरिहार्य कारणों से इन बंदिशों को स्वयम् लेखक प्रकाशित न कर सके । दुर्दैव से दि. १४ फरवरी १९७४ को गुरूवर्य आचार्य रातंजनकरजी का देहावसान हुवा और यह कार्य आगे कार्यान्वित न हो सका ।

भविष्य में, गुरूवर्य के इस कार्य को स्थायीरूप से कार्यान्वित रखने हेतु, उनके निकटतम शिष्यगण तथा कुछ शुभचिंतकों के प्रयत्नों से फरवरी १९८५ में गुरूवर्य की पुण्यस्मृति में "आचार्य एस्. एन्. रातंजनकर फाऊण्डेशन", एक पंजीकृत प्रतिष्ठान के रूप में, अस्तित्व में आयी । इस 'फाऊण्डेशन' व्दारा निर्धारित उद्देशों की मनोमन सराहना करते हुवे, गुरूवर्य रातंजनकरजी के सभी उत्तराधिकारिओं ने सहर्ष उनके समस्त पुस्तकों तथा संगीत सम्बन्धी लेखन सामुग्री के 'प्रकाशन - अधिकार' उक्त 'फाऊण्डेशन'को सौंप दिये जिससे गुरूवर्य के समस्त पुस्तकों का पुनर्मुद्रण एवम् संगीत - सम्बन्धी अन्य लेखन का प्रकाशन कर उसे संगीत प्रेमी जनता की सेवा में प्रस्तुत करने की सुविधा हो गई है ।

इन्हीं प्रयासों के फलस्वरूप ईसवी सन् १९८६ में 'फाऊण्डेशन' ने 'अभिनव - संगीत-शिक्षा'- प्रथम भाग का तृतीय संस्करण प्रकाशित कर, इस नियमित पाठ्यपुस्तक के अभाव की पूर्ति करने में सफलता प्राप्त की । इस वर्ष, 'अभिनवगीतमंजरी' के प्रथम भाग का तृतीय संस्करण संगीत प्रेमिओं के प्रति सादर करने में हम अपने आप को धन्य मानते हैं । गुरूवर्य रातंजनकरजी के देहावसान के कारण अब नई रचनाओंकी निर्मिति का प्रश्न ही नहीं उठता । साथ साथ, उनकी प्रकाशित पुस्तकें भी अब लगभग बिक चुकी हैं। अतएव, अब तक रची हुई समस्त प्रकाशित तथा अप्रकाशित बंदिशों का पुनर्गठन कर पुनश्च तीन भागों में ही प्रकाशन करने का हमने निर्णय लिया है। इस पुनर्गठन प्रक्रिया का तात्पर्य केवल इतना ही है कि एक राग की समस्त बंदिशों का अवलोकन एक साथ करने में तथा इन बंदिशों का समग्ररूप से अभ्यास करने में सुलभता हो सके ।

पुनर्गठित इस प्रथम भाग में हमने कल्याण, बिलावल, खमाज तथा भैरव इन चार थाटोंके लगभग ७४ रागों में २३१ बंदिशों का संकलन किया है। शीघ्र ही इस मालिका के शेष दो भाग इसी स्वरूप में प्रकाशन करने का हमने निश्चय किया है। हमें पूर्ण आशा है कि समस्त संगीतप्रेमी इनकी प्रतीक्षा में रहेंगे ।

इस पुस्तक मालिका के मुखपृष्ठ की निर्मिति हमारे हितैषी श्री. शरद साठे ने आत्मीयता से की है, जिसके लिये हमारी ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाओं सहित धन्यवाद । उसी प्रकार, इस पुस्तक के प्रकाशन में यथायोग्य आर्थिक सहायता प्रदान करनेवाले श्री. करसनदास विसनजी ट्रस्ट के सभी विश्वस्त मण्डल के सदस्यों को जितने भी धन्यवाद दिये जाय, कम होंगे । इस अमूल्य सहायता के कारण ही इस पुस्तक को उचित मूल्य में प्रकाशित करने में हम सफल हो सके, जिससे सर्वसाधारण संगीतप्रेमी भी लाभान्वित हो सके ।

हमें पूर्ण विश्वास है कि एक दीर्घ कालावधि के पश्चात् क्यों न हो, इस पुस्तक मालिका को पुनः प्रकाशित कर, अपने पूज्य गुरूवर्य की अभिलाषा की अंशतः पूर्ति करने में हम सफल हो सके । आशा है कि समस्त संगीतप्रेमी पूर्ववत् इस पुस्तक मालिका को अपनाने में अपना सक्रिय सहयोग हमें प्रदान करेंगे, यही पूज्य गुरूवर्य के चरणों में हमारी विनम्र प्रार्थना है ।

भवदीय

बम्बई, वसंत पंचमी — विश्वस्त मण्डल,

दि. ३१ जनवरी १९९० — **आचार्य एस्. एन्. रातंजनकर फाऊण्डेशन**

बम्बई - ४०० ०१४.

## अनुक्रमणिका


| क्रमांक | राग | गीत के शब्द | पृष्ठ |
|---|---|---|---|
| १. | अल्हैया बिलावल | ग्वार बार सब संग लिये | ६५ |
| २. | " " | निरगुण निराकार | ६७ |
| ३. | अहीर भैरव | गोकुल की अहीरनियाँ | २५४ |
| ४. | " " | देखो देखो री न माने कन्हैया | २५५ |
| ५. | " " | अरे निर्दयी नजरे तू | २५६ |
| ६. | आनंद भैरव | बिन दरस मन तरसत | २५० |
| ७. | " " | कौन गुन कीजे | २५१ |
| ८. | " " | शुभ घरी शुभ दिन | २५२ |
| ९. | कल्याणी- (वर्णम्) | गणेशं हेरंबं वन्दे | १४ |
| १०. | कामोद | दिर दिर दिर दिर तान्न | ४४ |
| ११. | " | कजरा कपोल | ४५ |
| १२ | कुकुभ- (स्तोत्र) | नमो नमो श्री सरस्वती | ८० |
| १३. | कुकुभ बिलावल | जस रहे नाम | ७७ |
| १४. | " " | सुजन सुन साची सीख | ७८ |
| १५. | " " | बनरा बनी आयो | ७९ |
| १६. | केदार- (सरगम) | सासा रेसासा मम पप | ३५ |
| १७. | " - (लक्षणगीत) | दोऊ मध्यम और सब शुचि सुर | ३५ |
| १८. | " | पतित पावन जगदम्ब भवानी | ३६ |
| १९. | " | चन्द्र लज्यो मुख देखि | ३७ |
| २०. | " | जगत उध्दार हे किरतार | ३८ |
| २१. | " | गजगति चाल चलत | ३९ |
| २२. | " | ब्रिज में रास रच्यो है | ३९ |
| २३. | " (स्तोत्र) | अंसालंबित वाम कुण्डल धरं | ४१ |
| २४. | " | तत बितत घन शिखर | ४२ |
| २५. | केदारगौळ - (वर्णम्) | वन्दे देवीं श्री | १५३ |
| २६. | केदारनाट | जय जगत उध्दारन दीनानाथ | १११ |
| २७. | खमाज- (सरगम) | साग मपध मग मगरेसा | १३२ |
| २८. | " - (लक्ष्मणगीत) | सुजन अब राग खमाज सुनो | १३२ |
| २९. | " | सखि साँवरो गिरिधर गोपाल | १३४ |
| ३०. | " | जय विष्णु जय हो | १३५ |
| ३१. | " | कदम्ब की छैया ठाडे कन्हैया | १३९ |
| ३२. | " | नहीं माँगत हूँ | १४० |
| ३३. | " | न खेलूंगी मैं तोसे होरी | १४१ |
| ३४. | " | जमुना के नीर तीर | १४२ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ३५. | खंबावती | लाज शरम तोको नाहीं आवे | १८३ |
| ३६. | " - (लक्षणगीत) | नाद नगर बसायो आज | १८४ |
| ३७. | गारा | बैरन भई रैन अँधेरी सखि | १७७ |
| ३८. | " | मैं गई जमुना नीर भरन | १७८ |
| ३९. | " | बिन रागनि बाँसुरिया | १७९ |
| ४०. | " | श्याम कौन गली गयो | १८० |
| ४१. | " | दिर दिर तन तनन तदारे दानि | १८१ |
| ४२. | " | कह ना गयो कछु बातें | १८२ |
| ४३. | गुणक्री- (लक्षणगीत) | रूप अनुपम आज गायो | २३६ |
| ४४. | " | आज आयो सुदिन | २३७ |
| ४५. | गोरख कल्याण | नित उठ तुम्हारे ढंग | १९७ |
| ४६. | " " | नित उठ जप रे राम नाम | १९८ |
| ४७. | " " | बनरा बनी आयो | १९९ |
| ४८. | गौडमल्हार- (सरगम) | गरे मगरे सानिसा | २०० |
| ४९. | " - (लक्षणगीत) | नाम गौड मल्हार | २०० |
| ५०. | " | कारी घटा छाई नभ मण्डल | २०१ |
| ५१. | " | उमंड घन गगन आयो री | २०३ |
| ५२. | " | बिन मोल नाहीं पीत | २०४ |
| ५३. | " | हों इक नई बात सुनि आई | २०५ |
| ५४. | " - (सिंघली गीत) | सकल भुवन अभिनंदन | २०७ |
| ५५. | " | विप्र दिगम्बर घर जनम लिये | २०९ |
| ५६. | " (ग वर्जित प्रकार) | ग्यान गुन दोऊ लिये | २११ |
| ५७. | " (" " ") | मान मतवारे | २१२ |
| ५८. | " (को. ग. युक्त प्रकार) | गरवा डारूँ हार | २१५ |
| ५९. | " (" " ") | जा दिनतें सखि दरस भयो | २१६ |
| ६०. | " (" " ") | सखि बेग बुलावो | २१६ |
| ६१. | " (" " ") | या अल्ला साँई | २१८ |
| ६२. | " | सत्य बचन नेक चाल | २१३ |
| ६३. | गौरी (भैरव थाट) | कीरत तुम्हारी तिहू लोक मों। | २४३ |
| ६४. | " ( " " ) | जी न जैयो मथुरा | २४५ |
| ६५. | गौळ- (लक्षणगीत) | मेल भैरव तामें धग बरज | २४२ |
| ६६. | छायातिलक | दिन नाहीं चैन | ११७ |
| ६७. | छायानट | मन लाग्यो मोहन सों | ४६ |
| ६८. | " | घारियाँ गिनत मोहे | ४७ |
| ६९. | " (स्तोत्र) | नमो नमो जय श्री सरस्वती | ४८ |
| ७०. | जैजैवंती | आओ सहेलियाँ | १६४ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ७१. | जैजवंती | अतही सुन्दर पालना | १६५ |
| ७२. | " | झूलो पालने ब्रिजराज | १६६ |
| ७३. | " | दिर दिर तनोम् तदरे | १६८ |
| ७४. | " (केवल तीव्र गंधार युक्त) | इन दृगन पें वारी जाऊँ | १६९ |
| ७५. | " (" " ") | तज दे री अब माननी | १७० |
| ७६. | जैतकल्याण | आयो सावन मास | २९ |
| ७७. | " | मन को निग्रहीत | ३० |
| ७८. | " | बल बल जाऊँ | ३० |
| ७९. | जोग- रागवर्णन, स्वरविस्तार | | २२० |
| ८०. | " | बनरा बनी आयो | २२२ |
| ८१. | " (लक्षणगीत) | जुगल निस्वाद गंधार मिलाये | २२३ |
| ८२. | " | तन मन वार दई | २२४ |
| ८३. | जोगिया | खेवटिया पार उतारो आज | २३७ |
| ८४. | " | एरी मैंना जानूँ उनके मनकी | २३९ |
| ८५. | झिंझोटी | बन्सीबट जमुना तट | १८५ |
| ८६. | " | मेरो मन सखि हर लीनो | १८८ |
| ८७. | " | लकुटी जो हती अब बैन भई | १८९ |
| ८८. | " | साँवरो मन भायो | १९० |
| ८९. | तिलक कामोद - (सरगम) | पनिसारेगसा रेमपध मपसां | १५४ |
| ९०. | " - (लक्षणगीत) | मेल खमाज सुंदर सुर लिये | १५५ |
| ९१. | " | शरद रात उजियारी | १५६ |
| ९२. | " | धन धन भाग जसोदा रानी | १५७ |
| ९३. | " | जय जय सरस्वती शारदा | १५८ |
| ९४. | " | कल ना परे एरी कासे कहूँ | १५९ |
| ९५. | " | कैसे करूँ कहो अब न माने जिया | १६० |
| ९६. | " | पपीहा पीहु पीहु जी न बोलो | १६१ |
| ९७. | " | प्रल्हाद हनुमत | १६२ |
| ९८. | तिलंग | मोहन मन मोह लियो आली | १७१ |
| ९९. | " | जियो जियो जियो कुँवर राज | १७२ |
| १००. | दीपक (बिलावल थाट) | दीपन की ज्योत तारन को चन्दा | ११९ |
| १०१. | " ( " " ") | चौंक पुराओ री आली | १२० |
| १०२. | दुर्गा (बिलावल थाट)- (सरगम) | धम रे सारे प धमप | ९६ |
| १०३. | " ( " " ) - (लक्षणगीत) | अगनि औडव दुर्गा | ९६ |
| १०४. | " | निरत करत अत धूमधाम सों | ९७ |
| १०५. | " | घर ऑगना कछु ना सुहावे | ९९ |
| १०६. | " " | दुर्गे महारानी पातक निवारिनी | १०० |

| | | | |
|---|---|---|---|
| १०७. | दुर्गा (खमाज थाट) | कैसी अनोखी रीत पीत की | १७३ |
| १०८. | देवगिरी बिलावल | धन्य आज महाराज | ७१ |
| १०९. | " " | माने जरा अब माननी | ७३ |
| ११०. | " " | नेकहु लाज ना आवे तोरे | ७४ |
| १११. | " " | दिर दिर तनन दिर तनन दीम् | ७५ |
| ११२. | " " | ये दिन हमरे दौरे चले जाये | ७६ |
| ११३. | देवरंजनी | जिया की बिथा कैसे कहूँ | २४० |
| ११४. | " | ऐसी को गुन खानी | २४१ |
| ११५. | देस - (सरगम) | निसारेम गरे मपनि | १४४ |
| ११६. | " - (लक्षणगीत) | मेल खमाज जनित रा.ग देस | १४५ |
| ११७. | " | एरी बाँसुरी कौन कियो टोना | १४६ |
| ११८. | " | कहो कहलों करूँ बिनति तोरी | १४७ |
| ११९. | " | खेलत श्याम सखा लिये संग | १४८ |
| १२०. | " | होरी खेलन को चले कन्हैया | १४९ |
| १२१. | " | उपजत अंग स्वाभाव | १५१ |
| १२२. | नटनारायण - (लक्षणगीत) | सुन रे आज सुजान | ११३ |
| १२३. | " " | दैया री न जाने रीत पीत की | ११४ |
| १२४. | नट बिहाग | रैन दिना नहीं चैन | १०८ |
| १२५. | " " | विद्याधर गणेश | १०९ |
| १२६. | " " | कौन मंत्र पढ दीनो | ११० |
| १२७. | नट मल्हार | शुभ सगुन देहो विचार | ११४ |
| १२८. | " " | मनवा मोरा न माने | ११५ |
| १२९. | नंद - राग वर्णन, स्वर विस्तार | | ५५ |
| १३०. | " | पायल मोरी बाजे | ५६ |
| १३१. | " | सीस सेरा बनरा | ५७ |
| १३२. | नाट | गुरू मुखतें जो पायी सीख | १११ |
| १३३. | नारायणी | सहेलरियाँ गावो री आज | १९१ |
| १३४. | " | बमना रे बिचार | १९२ |
| १३५. | पट बिहाग | बित गये, गये बीत री | १०६ |
| १३६. | " " | मन मोहन, मोहन मन | १०७ |
| १३७. | प्रभात भैरव | हर हर हर गंगाधर | २४८ |
| १३८. | " " | अब तो जागो मनवा | २४९ |
| १३९. | बंगाल भैरव | ननंदी चवाव करे | २४७ |
| १४० | बिलहरी | सैंया मैंतो जागी | ११८ |
| १४१. | बिलावल - (सरगम) | मगरेग पानिधनिसां | ६३ |
| १४२. | " - (लक्षणगीत) | शुचि सुर मण्डित | ६३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| १४३. | बिलावल | मुरली बजावे मोहना | ६४ |
| १४४. | " | शीत शीत मंद मंद | ६७ |
| १४५. | बिहाग - (सरगम) | पमगसा गमपनी | ८३ |
| १४६. | " (लक्षणगीत) | रिध तजत अनुलोम | ८३ |
| १४७. | " | मुकुट माथे गरे बैजयंती | ८४ |
| १४८. | " | नमो नमो श्री चतुर चरण | ८५ |
| १४९. | " | शरद की चाँदनी | ८६ |
| १५०. | बिहाग | यान यों अयान छायो | ८८ |
| १५१. | " - (टप्पा) | दिलदा प्यारा शोणा | ८९ |
| १५२. | " | नाचत ब्रिजराज | ९० |
| १५३. | बिहागडा | नित करत रार तुम | ११६ |
| १५४. | बैरागी भैरव | पचरंगी चुनरिया मोरी | २५७ |
| १५५. | " " | औलिया निजामुद्दीन | २५९ |
| १५६. | " " | मों मनकी का कोऊ जाने | २६० |
| १५७. | " " | होरी खेलत ब्रिजराज | २६१ |
| १५८. | " " | गिरी कैलास पीठ पर | २६२ |
| १५९. | भूपाली- (सरगम) | गगरे गगरे सारे पग | १६ |
| १६०. | " " - (लक्षणगीत) | तजत मनि सुर | १६ |
| १६१. | " " | मुरली मन मोहत मोहन | १७ |
| १६२. | " " | लाख तीरथ किये काम नहीं | १८ |
| १६३. | " " | गूँज उठी है दिव्य गान की | १९ |
| १६४. | " " | जाग उठो नव-युवक | २१ |
| १६५. | " " | आद नमन सत्य को | २४ |
| १६६. | भैरव- (सरगम) | पमगरेसा गSम धSपS | २२५ |
| १६७. | " " - (लक्षणगीत) | रागनमों राग प्रथम | २२५ |
| १६८. | " " | कन्हैया तोरी बाँसुरी | २२६ |
| १६९. | " " | चंद्रमा ललाट सोहे | २२८ |
| १७०. | " " - (वर्णम्) | देहिमां सुस्वरम् | २३० |
| १७१. | मार्ग बिहाग- रागवर्णन, स्वरविस्तार | | ६१ |
| १७२. | " " | सरस्वती माता | ६१ |
| १७३. | " " | मान तज देरी प्यारी | ६२ |
| १७४. | मारू बिहाग- राग वर्णन, स्वरविस्तार | | ५८ |
| १७५. | " " | ब्रिज जुवति संग | ५९ |
| १७६. | " " | मैंतो बिरहा की माती | ६० |
| १७७. | मालश्री | जय जय हरे | ५२ |
| १७८. | मांड - (सरगम) | सासा रेमम पधनि पध | १०० |

## इस पुस्तक में आये हुवे अप्रसिद्ध ठेके

### रूपक – विलंबित लय (मात्रा ७)

| मात्राः | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ठेकाः | तिं | ऽता | तिरकिट | धीं | तिरकिट | धीं | धाधा |
| तालः | ⊗ | | | २ | | ३ | |

### सूलफाक्ता ताल (मात्रा १०)

(तबले पर बजनेवाला ठेका)

| मात्राः | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ठेकाः | धिं | त्रक | धी | ना | त्रक | धी | ना | धी | धी | ना |
| तालः | X | | ० | | २ | | ३ | | ० | |

### मणिताल (मात्रा ११)

| मात्राः | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ठेकाः | धिं | ऽ | त्रक | धी | ना | तिं | ऽ | ना | धिं | धिं | ना |
| तालः | X | | | २ | | ० | | | ३ | | |

### विक्रमताल (मात्रा १२)

(तबले पर बजनेवाला ठेका)

| मात्राः | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ठेकाः | धिं | ऽ | धा | गे | ना | तिं | त्रक | धी | ना | धी | धी | ना |
| तालः | X | | २ | | | ० | | | ३ | | | |

(मृदंग पर बजनेवाला ठेका)

| मात्राः | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ठेकाः | धा | ऽ | धि | त्ता | ऽ | क | ऽ | त्ता | तिट | कत | गदि | गन |
| तालः | X | | २ | | | ० | | | ३ | | | |

## सवारी ताल (मात्रा १५)

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मात्राः | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ |
| ठेकाः | धिं | धा,तत् | धीना | धीना | तीऽऽक्ड | तूना | तिरकिड,तूना | किडनक |
| तालः | X | | | | ० | | | |
| मात्राः | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | |
| ठेकाः | कत्ता | धीधी | ना,धी | धीना | धिंऽऽ,धा | ऽक्ड,धिंऽ | ऽ,धाऽक्ड | |
| तालः | २ | | | | ३ | | | |

## सुजन शिखर ताल (मात्रा १७)

| | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मात्राः | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ |
| ठेकाः | धिं | धिं | ना | धिं | धिं | ना | क | ऽ | त्ता | त्रक | धी | ना | धिं | ऽ | धागे | न,धा | त्रक |
| तालः | X | | २ | | | | ० | | | ३ | | | ४ | | ५ | | |

## पंचानन ताल (मात्रा १९

(तबले पर बजनेवाला ठेका)

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मात्राः | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ |
| ठेकाः | धिं | ऽ | धा | गे | ना | तिं | ऽ | त्रक | धी | धी | ना | धी | धी | ना |
| तालः | X | | २ | | | ० | | | ३ | | ४ | | | |
| मात्राः | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | | | | | | | | | |
| ठेकाः | कत् | ऽ | तिं | ना | त्रक | | | | | | | | | |
| तालः | ५ | | | ० | | | | | | | | | | |

(मृदंग पर बजनेवाला ठेका)

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मात्राः | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ |
| ठेकाः | धा | ऽ | धि | त्ता | ऽ | क | ऽ | त्ता | धि | ट | धा | ऽ | ति | ट |
| तालः | X | | २ | | | ० | | | ३ | | ४ | | | |
| मात्राः | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | | | | | | | | | |
| ठेकाः | धा | तिट | कत | गदि | गन | | | | | | | | | |
| तालः | ५ | | | ० | | | | | | | | | | |

॥श्री॥

# अभिनव-गीत-मंजरी

भाग १ ला

## राग यमन-सरगम-त्रिताल(मध्यलय)

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| नि ध प मं | ग रे सासा, | ग - ग रे | ग मं प ध, |
| ० | ३ | × | २ |
| प मं ग रे | ग मं पमं | ग रे सा -, | ध़ ऩि रे ग |
| ० | ३ | × | २ |
| मं प, ग मं | प ध निसां, | मं प धनि | रें सांनि ध, |
| ० | ३ | × | २ |

### अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| प मं ग प | -,प नि ध | सां - - -, | सां रें सां -, |
| ० | ३ | × | २ |
| नि रें गं रें | सां -, धनि | सां - -,रें | सांनि धप, |
| ० | ३ | × | २ |
| मं प ध नि | सां -, निध | प मं ग रे | ग मं प ध, |
| ० | ३ | × | २ |

## राग यमन-सरगम-त्रिताल(मध्यलय)

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग रे सा ऩि | सा रे ग रे | ग -,ग रे | ग मं प मं, |
| ० | ३ | × | २ |
| ग मं प ध | नि ध प मं | -,ध नि रें | सांनि धप, |
| ० | ३ | × | २ |
| मं प ध नि | सां - -,नि | - -,ध - | -,प - मं |
| ० | ३ | × | २ |

### अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| नि ध प रे | -,सा ऩि रे | ग मंपध, | नि ध नि रें |
| × | २ | ० | ३ |
| सां - - -, | नि रें गं रें | सां - - -, | नि सां रें,ध |
| × | २ | ० | ३ |
| नि सां,प ध | नि, मं प ध, | ग मं प,रे | ग मं,ऩि रे |
| × | २ | ० | ३ |
| ग, ऩि सा रे, | ध़ ऩि सा रे | ग मं पध | नि सां -,नि |
| × | २ | ० | ३ |
| - -,ध - | -,प - मं | ग रे साऩि | सा रे ग रे |
| × | २ | ० | ३ |

# राग यमन-लक्षणगीत-त्रिताल (मध्यलय)

**स्थायी**: सब सुर तीवर मेल मिलायो,
तामें अंश गंधार नि सहचर,
परि सुर-संगत अंग मनोहर।

**अंतरा**: प्रथम प्रहर निस गाये गुनीवर,
होवे कल्याण ऐमन 'सुजान',
रागनमों राग एक आश्रय सम्पूरन,
अत गम्भीर मधुर॥

## स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| नि ध प म | ग री सासा | ग - ग री | ग मग म प |
| स ब सु र | ती ऽ व र | मे ऽ ल मि | ला ऽऽ यो ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| प म ग री | सा - सा सा | ऩि ध़ ऩि सा | ऩि ध़ प़ प़ |
| ता ऽ में ऽ | अं ऽ श गं | धा ऽ र नि | स ह च र |
| ० | ३ | × | २ |
| ऩि ऩि री री | ग मग म प | प री ग री | ऩि री सासा |
| प रि सु र | सं ऽऽ ग त | अं ऽ ग म | नो ऽ ह र |
| ० | ३ | × | २ |

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| प प म ग | प प नि ध | सां - सांसां | सां रीं सांसां |
| प्र थ म प्र | ह र नि स | गा ऽ ये गु | नी ऽ व र |
| ० | ३ | × | २ |
| नि - नि निध | सां - - सां | सां रीं गं रीं | सां नि ध प |
| हो ऽ वे कऽ | ल्या ऽ ऽ न | ऐ ऽ म न | सु जा ऽ न |
| ० | ३ | × | २ |
| प - म ग | प - नि - | ध सां - सां | सां रीं सां नि |
| रा ऽ ग न | मों ऽ रा ऽ | ग ए ऽ क | आ ऽ श्र य |
| ० | ३ | × | २ |
| ध प म ग | री सा, ऩि री | ग मग म प | प ध प प |
| स ऽ म्प ऽ | र न, अ त | ग ऽऽ म्भी ऽ | र म धु र |
| ० | ३ | × | २ |

# राग यमन – त्रिताल (मध्यलय)

स्थायीः झाँझ मृदंग ढप बाजे पैंजनी,
उठत नाद मधुर मुरलीतें सखि,
सुनि सुनि मेरो मन लागि रहत नित|

अंतराः रास होत अत धूम-धाम सों,
नीर तीर जमुना के जब,
कान्ह कुँवर राधा सुकुँवारी,
सोहत मोहत नरनारी जन ॥

## स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| (म)प नि ध नि | (प)म॑ प म॑ ग | (म)ग प प (म)प | – म॑ ग – |
| झाँ ऽ झ म्रि | दं ग ढ प | बा ऽ जे पैं | ऽ ज नी ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| (म)ग ग ग (री)ग | – ग (ग)ध प | म॑ (ग)री ग री | (सा)नि़ री सा सा |
| उ ठ त ना | ऽ द म धु | र मु र लि | तें ऽ स खि |
| ० | ३ | × | २ |
| (नि़)सा सा री री | (म)ग ग म॑ (ग)म॑ | प – प (प)सां | नि (ध)नि (ध)म॑ प |
| सु नि सु नि | मे रो म न | ला ऽ गि र | ह त नि त |
| ० | ३ | × | २ |

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| (ग)प ग ग (म)प | – प (प)नि ध | (नि)सां – सां (नि)सां | – रीं सां – |
| रा ऽ स हो | ऽ त अ त | धू ऽ म धा | ऽ म सों ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| (सां)नि ध ध (नि)सां | – सां सां सां | (नि)सां रीं गं रीं | सां नि ध प |
| नी ऽ र ती | ऽ र ज मु | ना ऽ ऽ ऽ | के ऽ ज ब |
| ० | ३ | × | २ |
| (म)प – प (म)प | (ध)म॑ म॑ ग – | प री ग री | (सा)नि़ री सा – |
| का ऽ न्ह कुँ | व र रा ऽ | धा ऽ सु कुँ | वा ऽ री ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| (नि़)सा री ग म॑ | प (सां)ध नि सां | (सां)नि (नि)ध (ध)प (प)म॑ | (म)ग (ग)री सा सा |
| सो ऽ ह त | मो ऽ ह त | न र ना ऽ | री ऽ ज न |
| ० | ३ | × | २ |

# राग यमन - झपताल (मध्यलय)

स्थायी: गगनमय थाल, रवि-चंद्र दीपक बने,
तारिका मण्डला जनक मोती।

अंतरा-१: धूप मलि आनलो, पवन चँवरो करे,
सकल बनराय फूलंत ज्योती॥

अंतरा-2: ऐसी आरती होय, भव खण्डना तेरी,
आरती अनहदा शब्द बाजत भेरि॥

## स्थायी

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [प]नि ध | प मं ग | प (प) | मं ग री | ग – | री [मं]गमं प | [ग]री [सा]ऩि | री सा – |
| ग ग | न म य | था ऽ | ल र वि | चं ऽ | द्र दीऽ ऽ | प क | ब ने ऽ |
| × | 2 | ० | 3 | × | 2 | ० | 3 |
| [सा]ऩि – | ध़ [सा]ऩि री | [मं]ग मंग | [मं]प प – | [प]मं ध | निध नि(सां) | नि ध | प मंग मं |
| ता ऽ | रि का ऽ | मं ऽऽ | ड ला ऽ | ज न | कऽ मो ऽ | ती ऽ | ऽ ऽऽ ऽ |
| × | 2 | ० | 3 | × | 2 | ० | 3 |

## अंतरा-१

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [मं]प मं | ग [मं]प निध | [सां]नि सां | सां सां – | [सां]नि नि | निध निरीं | सां निध | नि ध प |
| धू ऽ | प म लिऽ | आ ऽ | न लो ऽ | प व | नऽ चँव | रो ऽऽ | क रे ऽ |
| × | 2 | ० | 3 | × | 2 | ० | 3 |
| [ग]री ग | मं [नि]ध नि | रींगं मंपं | [गं]रीं सां – | [प]मं ध | निध नि(सां) | नि ध | प मंग मं |
| स क | ल ब न | राऽ ऽऽ | य फू ऽ | लं ऽ | तऽ ज्यो ऽ | ती ऽ | ऽ ऽऽ ऽ |
| × | 2 | ० | 3 | × | 2 | ० | 3 |

## अंतरा-2

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [सां]नि – | [सां]नि नि ध | [सां]नि सां | [नि]सां – सां | [नि]ध नि | [गं]रीं गं रीं | सां – | नि ध प |
| ऐ ऽ | सी आ ऽ | र ति | हो ऽ य | भ व | खं ऽ ड | ना ऽ | ते ऽ री |
| × | 2 | ० | 3 | × | 2 | ० | 3 |
| [प]मं – | [नि]ध नि रीं | गं रीं | सां नि ध | [मं]प – | [ग]री [मं]ग मं | प री | [सा]ऩि री सा |
| आ ऽ | र ती ऽ | अ न | ह दा ऽ | श ऽ | द्व बा ऽ | ज त | भे ऽ रि |
| × | 2 | ० | 3 | × | 2 | ० | 3 |

टीप: इस गीत के शब्द 'राग रत्नाकर' ग्रंथ से लिये गये हैं, जिसका स्वरकरण लेखक ने किया है।

## राग यमन – त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : करीम करतार ग़रीब नवाज़,
सुनो अरज़ मोरी, आज काज सँवार।
अंतरा : दाता दोऊ जग के हो, मुश्किलात मोरी
दूर करो, तूं ही ख़लक के एक आधार ॥

### स्थायी

निध
कऽ

| | | | |
|---|---|---|---|
| पमं गरी सानि़ धनि़ | $^{\text{सा}}$प मंग ग $^{\text{प}}$मंध | (प) – मं $^{\text{ग}}$री | सानि़ रीसा, $^{\text{सा}}$नि़ |
| रीऽ मऽ कऽ रऽ | ता ऽऽ र ग़ऽ | री ऽ ब न | वाऽ ऽज़, सु |
| ३ | × | २ | ० |
| $^{\text{ग}}$री $^{\text{म}}$ग $^{\text{ध}}$मं $^{\text{नि}}$ध | $^{\text{सां}}$नि $^{\text{गं}}$रीं गंरीं | सां, गंरीं सांनि धप | मंग रीसा सा; निध |
| नो अ र ज़ | मो री आ ऽ | ज, काऽ जऽ सँऽ | ऽवा ऽऽ र; कऽ |
| ३ | × | २ | ० |

पमं गरी
रीऽ मऽ .... इत्यादि
३

### अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| $^{\text{नि}}$सां – – –नि | धप मंग रीसा, $^{\text{सा}}$नि़ | $^{\text{ग}}$री $^{\text{म}}$ग $^{\text{ध}}$मं $^{\text{नि}}$ध | $^{\text{सां}}$नि रीं –, $^{\text{सां}}$नि |
| दा ऽ ऽ ऽऽ | ताऽ ऽऽ ऽऽ, दो | ऊ ज ग के | हो ऽ ऽ, मु |
| × | २ | ० | ३ |
| रीं गंमं पं $^{\text{गं}}$रीं | सां सां, $^{\text{ग}}$री ग | प $^{\text{ग}}$री सा, $^{\text{सा}}$नि़ | $^{\text{ग}}$री $^{\text{म}}$ग $^{\text{ध}}$मं $^{\text{नि}}$ध |
| ष्कि लाऽ ऽ त | मो री, दू ऽ | र क रो, तूं | ही ख़ ल क |
| × | २ | ० | ३ |
| $^{\text{सां}}$नि रीं –, गंरीं | निरीं गंरीं सांनि धप | मंग रीसा $^{\text{नि}}$सा; निध | पमं गरी सानि़ धनि़ |
| के ऽ ऽ, एऽ | ऽऽ ऽऽ कऽ आऽ | ऽधा ऽऽ र; कऽ | रीऽ मऽ कऽ रऽ |
| × | २ | ० | ३ |

$^{\text{सा}}$प मंग ग
ता ऽऽ र ---- इत्यादि स्थायी के अनुसार
×

---

## राग यमन-त्रिताल (मध्यलय)

### (हमारा भारत देश)

स्थायी: जय जय भारत देश हमारा,
नमन प्रथम करि मंगल गावैं,
दस दिस कीरत जस उजियारा,
जग में न्यारा देश हमारा।

अंतरा-१: विपुल धान्य फल-मूल परिप्लुत,
कुसुम सुगंधित उपवन शोभित,
अग-नग सागर सरित् सरोवर,
रक्षित पोषित कोटि-कोटि जन,
अतही प्यारा देश हमारा ॥

अंतरा-२: ललित-कला अरु ग्यान ध्यान बल,
सभ्य सुसंकृत नरनारी जन,
युद्ध-कुशल रणवीर धुरंधर,
शासन-कार्य प्रगल्भ मंत्रियुत,
जगमों न्यारा देश हमारा ॥

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| (म॑)प म॑ ग री | (सा)ऩि री सासा | (सा)ग – ग (ग)री | (म॑)ग म॑ग (प)म॑ प |
| जै ऽ जै ऽ | भा ऽ र त | दे ऽ श ह | मा ऽऽ रा ऽ |
| 0 | 3 | × | 2 |
| (प)म॑ ध नि ध | (प)म॑ ध प म॑ | ग री ग री | (सा)ऩि री सा – |
| न म न प्र | थ म क रि | मं ऽ ग ल | गा ऽ वैं ऽ |
| 0 | 3 | × | 2 |
| (ऩि)सा री (म॑)ग म॑ | प ध (सां)नि रीं | सां नि ध प | म॑ ग (प)म॑ प |
| द स दि स | की ऽ र त | ज स उ जि | या ऽ रा ऽ |
| 0 | 3 | × | 2 |
| (म॑)प ध प म॑ | (ग)री – सा – | (सा)ग – ग (ग)री | (म॑)ग म॑ग (प)म॑ प |
| ज ग मों ऽ | न्या ऽ रा ऽ | दे ऽ श ह | मा ऽऽ रा ऽ |
| 0 | 3 | × | 2 |

### अंतरा-१

| | | | |
|---|---|---|---|
| (म॑)प म॑ ग (म॑)प | – प (प)नि ध | (नि)सां – सांसां | (नि)सां रीं सां सां |
| वि पु ल धा | ऽ न्य फ ल | मू ऽ ल प | री ऽ प्लु त |
| 0 | 3 | × | 2 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| नि नि नि ध | सां – सां सां | सां रीं सां निध | नि ध प प |
| कु सु म सु | गं ऽ थि त | उ प व नऽ | शो ऽ भि त |
| 0 | 3 | × | 2 |
| नि ध प ध | प म ग री | ग प – री | ऩि री सा सा |
| अ ग न ग | सा ऽ ग र | स रि ऽत्स | रो ऽ व र |
| 0 | 3 | × | 2 |
| ऩि – री री | ग मग म म | प – प ध | नि ध प पम |
| र ऽ क्षि त | पो ऽऽ षि त | को ऽ टि को | ऽ टि ज नऽ |
| 0 | 3 | × | 2 |
| ग ध प म | री – सा – | ग – ग री | ग मग म प |
| अ त ही ऽ | प्या ऽ रा ऽ | दे ऽ श ह | मा ऽऽ रा ऽ |
| 0 | 3 | × | 2 |

अंतरा-2

| | | | |
|---|---|---|---|
| प प म ग | प – नि ध | सां – सां सां | – रीं सां सां |
| ल लि त क | ला ऽ अ रु | ग्या ऽ न ध्या | ऽ न ब ल |
| 0 | 3 | × | 2 |
| नि – नि ध | नि सां सां सां | नि रीं सां निध | नि ध प प |
| स ऽ भ्य सु | सं ऽ कृ त | न र ना ऽऽ | री ऽ ज न |
| 0 | 3 | × | 2 |
| प म ग म | प प प प | ध नि ध प | री – सा सा |
| यु ऽ द्ध कु | श ल र ण | वी ऽ र धु | रं ऽ ध र |
| 0 | 3 | × | 2 |
| ऩि – री री | ग मग म म | प – प ध | नि ध प प |
| शा ऽ स न | का ऽऽ र्य प्र | ग ऽ ल्भ मं | ऽ त्रि यु त |
| 0 | 3 | × | 2 |
| ग ध प – | री – सा – | ग – ग री | ग मग म प |
| ज ग में ऽ | न्या ऽ रा ऽ | दे ऽ श ह | मा ऽऽ रा ऽ |
| 0 | 3 | × | 2 |

---

## राग यमनकल्याण – कहरवा (मध्यलय)

(मेरा बाग़)

स्थायी : रंग रंगीले फूल खिले मेरे बाग़ में
देख सखी आजा, आजा, आजा ।

अंतरा-१: कली कली रस ले, मदमात भँवर
गुँजारव सुनि आजा, आजा, आजा ॥

अंतरा-२ः नैन मनोहर रंग-रूप युत
उड़ रही न्यारी तितलियाँ प्यारी,
मानो अपने मन की बातें
फूलों से मिल कहतीं सारी,
भली लगत हैं जैसी कुँवारी,
देख देख सखिरी आजा, आजा, आजा ॥

अंतरा-३ः चल गूँथे पुहुपन को हार,
रचें सुगंधित सुंदर सिंगार,
गावैं गीत मधुर चितहार,
कोयल कूकत अरि आजा, आजा, आजा ॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| (सा)ग – री सा | (नि)सा ऩि सा री | ग – ग री | (म)ग मं प ध |
| रं ऽ ग रं | गी ऽ ले ऽ | फू ऽ ल खि | ले ऽ मे रे |
| × | ० | × | ० |
| (म)प मं प मं | ग री ग री | (नि)सा – ऩि ध़ | (सा)ऩि री – – |
| बा ऽ ग़ में | दे ऽ ख स | खी ऽ आ ऽ | जा ऽ ऽ ऽ |
| × | ० | × | ० |
| – –, (ग)री ऩि | (ग)री ग – – | – –, (प)मं ग | (प)मं प – –; |
| ऽ ऽ, आ ऽ | जा ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ, आ ऽ | जा ऽ ऽ ऽ; |
| × | ० | × | ० |

अंतरा-१

| | | | |
|---|---|---|---|
| (री)ग ग – री | (नि)सा – (सा)ऩि री | सा –, (म)प ध | (म)प – प, (सां)नि |
| क ली ऽ क | ली ऽ र स | ले ऽ, म द | मा ऽ त, भँ |
| × | ० | × | ० |
| नि ध (सां)नि रीं | सां नि ध प | (सा)ऩि री (म)ग मं | प – – – |
| व र गुँ ऽ | जा ऽ र व | सु नि आ ऽ | जा ऽ ऽ ऽ |
| × | ० | × | ० |
| – –, (प)मं ग | (प)मं धे – – | – –, (म)प (ध)प | मं गे – –; |
| ऽ ऽ, आ ऽ | जा ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ, आ ऽ | जा ऽ ऽ ऽ; |
| × | ० | × | ० |

अंतरा-२

| | | | |
|---|---|---|---|
| (प)नि ध नि ध | (प)मं ध प प, | (प)नि – ध (सां)नि | – रीं सां सां |
| नै ऽ न म | नो ऽ ह र, | रं ऽ ग रू | ऽ प यु त |
| × | ० | × | ० |

| | | | |
|---|---|---|---|
| [सां]नि नि [ग]रीं गं | (सां) - सां नि | [सां]नि ध [सां]नि (सां) | नि ध प - |
| उ ड़ र ही | न्या ऽ रि ति | त लि याँ ऽ | प्या ऽ री ऽ |
| × | ० | × | ० |
| [प]ग म ग री | [सा]ऩि री सा - | [री]ऩि री ग मग | [प]मं प प - |
| मा ऽ नो ऽ | अ प ने ऽ | म न की ऽऽ | बा ऽ तें ऽ |
| × | ० | × | ० |
| [प]मं - [नि]ध नि | [ध]नि - [सां]नि ध | [सां]नि रीं (सां) - | नि ध प - |
| फू ऽ लों ऽ | से ऽ मि ल | क ह तीं ऽ | सा ऽ री ऽ |
| × | ० | × | ० |
| [म]प प - [नि]ध | नि ध प - | [प]मं - ग [ग]री | [म]गमं [म]प प - |
| भ ली ऽ ल | ग त हैं ऽ | जै ऽ सी कुँ | वाऽ ऽ री ऽ |
| × | ० | × | ० |
| [प]नि - ध[म]प | मं ध[म]प प | [सा]ऩि री [म]ग मं | प - - - |
| दे ऽ ख दे | ऽ ख स खि | री ऽ आ ऽ | ज़ा ऽ ऽ ऽ |
| × | ० | × | ० |
| - -, [प]मं ग | [प]मं नि - - | - ध, [सां]नि रीं | सां - - -; |
| ऽ ऽ, आ ऽ | ज़ा ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ, आ ऽ | ज़ा ऽ ऽ ऽ; |
| × | ० | × | ० |

अंतरा-३

| | | | |
|---|---|---|---|
| [म]प प [म]प - | [म]प - [म]प प | [नि]ध नि (प) - | मं ग - ग |
| च ल गूँ ऽ | धें ऽ पु हु | प न को ऽ | हा ऽ ऽ र |
| × | ० | × | ० |
| [प]ग ग - [ग]ध | प मं ग री | [री]ऩि री [म]ग मं | प - - प |
| र चें ऽ सु | गं ऽ धि त | सु न्द र सिं | गा ऽ ऽ र |
| × | ० | × | ० |
| [प]नि - नि - | [सां]नि - नि नि | [सां]नि ध [सां]नि रीं | सां (सां) - सां |
| गा ऽ वैं ऽ | गी ऽ त म | धु र चि त | हा ऽ ऽ र |
| × | ० | × | ० |
| [म]मं - [ग]री री | [री]ऩि री सा सा | [सां]नि ध [सां]नि रीं | [गं]रीं गं - - |
| को ऽ य ल | कू ऽ क त | अ रि आ ऽ | जा ऽ ऽ ऽ |
| × | ० | × | ० |
| - -, [सां]नि ध | [सां]नि सां - - | - -, [प]मं ग | [प]मं प - -; |
| ऽ ऽ, आ ऽ | जा ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ, आ ऽ | जा ऽ ऽ ऽ; |
| × | ० | × | ० |

## राग यमन - त्रिताल (विलंबित)

स्थायीः तुम तो अप्रंपार, पालनहार,
खलक के एक आधार ।
अंतराः दीन दुनी के दुःखहार, गरीब नवाज़,
शरण गये की लाज सम्हार ॥

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| नि॒गरीसानि॒धनि॒ | सा प म ग मगमप- पमपध- | पमगरी-- मगमप--म गरीसानिनि- | |
| तुऽमऽऽऽ | तो ऽ अऽऽऽ पऽऽऽ | रंऽऽऽऽऽ पाऽऽऽऽऽ रऽऽऽऽऽ | |
| | × | २ | |
| सारीगमपधनिसां- | -,निनि (प) निध, सांनि गंरींगं | रीं गंरींनिरींगंरींसांनि | |
| पाऽऽऽऽऽऽऽऽ | ऽ,लन हा र,ख लक | के एऽऽऽऽऽऽकऽ | |
| | ० | ३ | |
| धपमपगरीसानि॒सा- | --;नि॒गरीसानि॒धनि॒ | सा प म ग | |
| आऽऽधाऽऽरऽ | ऽऽ;तुऽमऽऽऽ | तो ऽ --- इत्यादि | |
| | | × | |

### अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| निसां--नि धपमपगरीसा-- सानि--ध -,सांनिरीं | सां नि-,ध प-मगरी | निसा--सा | |
| दीऽऽऽ नऽऽदुऽनीऽऽ केऽऽऽ ऽ,दुःख | हा र,ग रीऽबन | वाऽऽज़ | |
| × | २ | ० | |
| रीनि॒री मगम निधनि | निरीं गंरींनिरींगंरींसांनि धपमपगरीसानि॒सा- --;नि॒गरीसानि॒धनि॒ ‖ | | |
| शर नग येऽ | की लाऽऽऽऽऽजऽ सऽऽम्हाऽरऽऽ ऽऽ;तुऽमऽऽऽ ‖ | | |
| | ३ | | |

सा प म ग
तो ऽ ---- इत्यादि स्थायी के अनुसार
×

---

## राग यमन - ध्रुवपद - चौताल (विलंबित)

स्थायी : आद नाद ब्रह्मनाद, अनहत ओंकार प्रणव,
जाको जोगी ध्यान करत, पावत सत् चिदानंद ।
अंतरा : हरि मुखतें आहत, निकस्यो मधुर मुरली नाद,
यातें अखिल चराचर, पायो परम सुख आनन्द ॥
संचारी : उदात्त अरु अनुदात्त, स्वरित लिये तीन भेद,
जामें पठत वेद मंत्र, मार्ग रीत आहत नाद ॥
आभोग : ताहिसों सप्त सूर, देशी रीतमों प्रमाण,
प्रकट नाम रूप सों, खरज रिखब गांधार, मध्यम पंचम धैवत
निखाद शुचि विकृत भेद ॥

### स्थायी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (नि़)ग | – | री | (सा)नि़ | री | सा | (सा)ग | – | (ग)री | (म॑)ग | म॑ | प |
| आ | ऽ | द | ना | ऽ | द | ब्र | ऽ | ह्म | ना | ऽ | द |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (म॑)प | ध | प | म॑ | ग | री | (प)ग | प | री | (सा)नि़ | री | सा |
| अ | न | ह | त | ओं | ऽ | का | ऽ | र | प्र | ण | व |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (सा)नि़ | – | ध़ | (सा)नि़ | री | री | (म॑)ग | म॑ग | म॑ | (म॑)प | प | प |
| जा | ऽ | को | जो | ऽ | गी | ध्या | ऽऽ | न | क | र | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (प)म॑ | – | (नि)ध | नि | (म॑)प | री | (री)ग | री | – | (सा)नि़ | री | सा |
| पा | ऽ | व | त | स | त | चि | दा | ऽ | न | ऽ | न्द |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

### अंतरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (म॑)प | म॑ग | (म॑)प | प | (प)नि | ध | (नि)सां | – | – | (नि)सां | – | सां |
| ह | रिऽ | मु | ख | तें | ऽ | आ | ऽ | ऽ | ह | ऽ | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (सां)नि | नि | ध | (सां)नि | रीं | रीं | (नि)सां | सां | निध | नि | ध | प |
| नि | क | स्यो | म | धु | र | मु | र | लीऽ | ना | ऽ | द |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (प)गं | – | रीं | (सां)नि | रीं | सां | (नि)सां | नि | (नि)ध | नि | ध | प |
| या | ऽ | तें | अ | खि | ल | च | रा | ऽ | च | ऽ | र |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (प)म॑ | ग | प | निध | ध | प | (म॑)प | री | ग | री | – | सा |
| पा | ऽ | यो | पऽ | र | म | सु | ख | आ | न | ऽ | न्द |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

### संचारी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (म॑)प | म॑ | – | ग | (प)म॑ | म॑ | (म॑)प | प | – | (म॑)प | ध | प |
| उ | दा | ऽ | त्त | अ | रु | अ | नु | ऽ | दा | ऽ | त्त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (प)म॑ | म॑ | (नि)ध | ध | नि | – | (नि)सां | – | निध | नि | ध | प |
| स्व | रि | त | लि | ये | ऽ | ती | ऽ | नुऽ | भे | ऽ | द |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (प)म॑ | नि | ध | (म॑)प | ध | प | (ग)री | ग | प | (ग)री | – | सा |
| जा | ऽ | में | प | ठ | त | वे | ऽ | द | मं | ऽ | त्र |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (सा)ऩि | - | री | (मं)ग | मं | ग | (मं)प | प | प | (मं)प | ध | प |
| मा | ऽ | गी | री | ऽ | त | आ | ह | त | ना | ऽ | द |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | ४ | |

आभोग

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (सां)नि | - | नि | (सां)नि | - | ध | (नि)सां | - | सां | (नि)सां | - | सां |
| ता | ऽ | हि | सों | ऽ | ऽ | स | ऽ | प्त | सू | ऽ | र |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | ४ | |
| (सां)नि | - | रीं | गं | रीं | सां | (नि)सां | निध | नि | (नि)ध | - | प |
| दे | ऽ | सी | री | ऽ | त | मों | ऽऽ | प्र | मा | ऽ | न |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | ४ | |
| (प)गं | रीं | सां | नि | ध | प | (ग)री | ग | री | सा | - | - |
| प्र | क | ट | ना | ऽ | म | रू | ऽ | प | सों | ऽ | ऽ |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | ४ | |
| (ऩि)सा | सा | सा | (ग)री | री | री | (री)ग | - | - | (री)ग | - | ग |
| ख | र | ज | रि | ख | ब | गां | ऽ | ऽ | धा | ऽ | र |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | ४ | |
| (प)मं | - | मं | मं | (मं)प | - | प | प | (मं)ध | - | ध | ध |
| म | ऽ | ध्य | म | पं | ऽ | च | म | धै | ऽ | व | त |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | ४ | |
| (सां)नि | नि | - | नि | (नि)सां | (सां)नि | (नि)ध | (ध)प | (प)मं | (मं)ग | (ग)री | (री)सा |
| नि | खा | ऽ | द | शु | चि | वि | कृ | त | भे | ऽ | द |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | ४ | |

---

## राग यमन - धमार

स्थायी : होरी खेलत नंदलाल, ब्रिज-बारन संग सोहे राधा प्यारी।

अंतरा : मृदंग ढप धुन बाँसुरी की धूम मची है,
गावत नाचत सबै दै दै तारी॥

संचारी : अबीर गुलाल के बादर छाये चहूँ ओर,
रंग की भरी है पिचकारी अत भारी॥

आभोग : सब सखियन मों राजत बिराजत,
संग साँवरे राधा गोरी॥

स्थायी

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (सा)ग | री | - | (सा)ऩि | ध़ | (सा)ऩि | री | ग | - | री | (मं)ग | मं | प | (ग)री |
| हो | री | ऽ | खे | ऽ | ल | त | नं | ऽ | द | ला | ऽ | ऽ | ल |
| 0 | | | 3 | | | | × | | | | | 2 | |

ग री - | नि़ ध़ नि़ री | ग - री ग मं | नि ध
हो री ऽ | खे ऽ ल त | नं ऽ द ला ऽ | ऽ ल
० | ३ | × | २

प मं री | ग री सा सा | नि़ - ध़ नि़ सा | - नि़ध़
ब्रि ज ऽ | बा ऽ र न | सं ऽ ऽ ग ऽ | ऽ सोऽ
० | ३ | × | २

नि़ ध़ प़ | नि़ री ग मंग | प परी ग री | सा -
हे ऽ ऽ | रा ऽ धा ऽऽ | प्या ऽ ऽ ऽ ऽ | री ऽ
० | ३ | × | २

## अंतरा

मं ग - प - | नि ध | सां सां - | सां रीं सां सां
मृ दं ऽ ग ऽ | ढ प | धु न ऽ | बाँ ऽ सु री
× | २ | ० | ३

नि - ध नि रीं | सां सां | नि - ध | नि ध प -
की ऽ ऽ धू ऽ | म म | ची ऽ ऽ | है ऽ ऽ ऽ
× | २ | ० | ३

री ग प री - | सा सा | गं रीं - | सां निध नि ध
गा व त ना ऽ | च त | स बै ऽ | दै ऽऽ दै ऽ
× | २ | ० | ३

प - री ग री | सा -; | ग री - | नि़ ध़ नि़ री
ता ऽ ऽ ऽ ऽ | री ऽ; | हो री ऽ | खे ऽ ल त
× | २ | ० | ३

## संचारी

प मं ग प प | प - | प प - | प ध प प
अ बी ऽ र गु | ला ऽ | ल के ऽ | बा ऽ द र
× | २ | ० | ३

मं ध मं ध नि | - रीं | सां - निध | नि ध प प
छा ऽ ऽ ये ऽ | ऽ च | हूँ ऽ ऽऽ | ओ ऽ ऽ र
× | २ | ० | ३

री ग - मं ध | नि ध | प मं ग | प - ग प
रं ग ऽ की ऽ | ऽ भ | री ऽ ऽ | है ऽ पि च
× | २ | ० | ३

री - - सा - | नि़ ध़ | नि़ री ग | मं ध प -
का ऽ ऽ री ऽ | अ त | भा ऽ ऽ | ऽ ऽ री ऽ
× | २ | ० | ३

## आभोग

| | | | |
|---|---|---|---|
| (म)प प – (प)सां – | सां – | (नि)सां सां – | (सां)नि रीं सां – |
| स ब ऽ स ऽ | स्री ऽ | य न ऽ | ऽ ऽ मों ऽ |
| × | २ | ० | ३ |
| (सां)नि रीं गं (रीं)सां सां | – (सां)रीं | सां – निध | नि ध प – |
| रा ऽ ऽ ज त | ऽ बि | रा ऽ ऽऽ | ज ऽ त ऽ |
| × | २ | ० | ३ |
| (प)गं रीं – (नि)सां – | – रीं | सां – – | (ग)री (म)ग (प)म (नि)ध |
| सं ग ऽ साँ ऽ | ऽ व | रे ऽ ऽ | रा ऽ धा ऽ |
| × | २ | ० | ३ |
| (ध)नि (नि)ध (ध)प (प)म (म)ग | (ग)री –; | (री)ग री – | (सा)ऩि ध़ (सा)ऩि री |
| गो ऽ ऽ ऽ ऽ | री ऽ; | हो री ऽ | खे ऽ ल त |
| × | २ | ० | ३ |

---

## राग कल्याणी - वर्णम् - आदिताल

पल्लवीः गणेशं हेरंबं वन्दे साष्टांगंहि
गौरी पुत्रं विघ्नेशं चाऽद्य ।
अनुपल्लवीः विद्याधारं सिद्धिदातारं तम्
सर्व कल्याणार्थं तं स्तौमि ।
चरणम्ः श्रीऽशं ज्ञानेशं स्तुत्यं स्तौमि ।

### पल्लवी

| | | |
|---|---|---|
| सांसां-,सां निध,रींसां निनि,धध पमं,गमं | पधनि,ध -,रींसांनि | धपमं,ग मंपधनि ‖ |
| गणेऽशं ऽऽ,हेऽ ऽरं,ऽऽ ऽऽ,बंऽ | वंऽऽ,दे ऽ,साऽऽ | ष्टांऽऽ,गं ऽऽऽहि ‖ |
| × | २ | ३ |
| सांरींगंरीं सां,निसांरीं सांनि,रींसां नि,धनिध | नि--- --,सांनि | धपमं,ग मंपधनि ‖ |
| गौऽऽऽ ऽ,रीऽऽ ऽऽ,पुऽ ऽ,त्रंऽऽ | विऽऽऽ ऽऽ,घ्नेऽ | शंऽऽ,चा ऽऽऽद्य ‖ |
| × | २ | ३ |

### अनुपल्लवी

| | | |
|---|---|---|
| प-मंग निध-,ग धप-मं गरीसाऩि, | सारीग,मं --,गमं | प,ग-मं निधनिप, ‖ |
| विऽऽऽ ऽधाऽ,धा ऽरंऽऽ सिऽद्धिऽ, | दाऽऽ,ता ऽऽ,रंऽ | ऽ,तंऽऽ ऽऽऽऽ, ‖ |
| × | २ | ३ |
| धनिसांरीं -,सांरींगं, सांरींगंरीं सांनिधनि, | धगंरींसां निध,पनि | धपमं,ग मंपधनि ‖ |
| सऽऽर्व ऽ,कऽऽ, ल्याऽऽऽ णाऽऽऽ, | र्थंऽऽऽ ऽऽ,तंऽ | ऽऽऽ,स्तौ ऽऽऽमि ‖ |
| × | २ | ३ |

### मुक्तायंपू

सांरें-,नि सांनि,धनि -,सांनिध पमंगरे, | सारेसा,प -मं,ध- | प,निध,रें सांनिधनि, ||
× | २ | ३

धगंरें,नि -रें,नि- सां,ध-नि, पधनिसां | गंरेंसां-, निधप-, | मंगरे,ग मंपधनि ||
× | २ | ३

### चरणम्

नि--- --,सांध सांनि,धप मं,गमं- | प--- --,मंप | धनिप,ध निधरींसां ||
श्रीSSS SS,शंS SS,ज्ञाS S,नेSS | शंSSS SS,स्तुS | त्यंSS,स्तौ SSSमि ||
× | २ | ३

### चिट्टस्वरम्

प--- मं-ग- रे-,ध- मं-ग- | रे-,नि- सा-रे- | ग-मं- प-ध- ||१||
× | २ | ३

प-,धप -,मंगमं प-,मंग -रेसानि | सा-,रेनि -सा,धनि | सा-,रेग -,मंपध ||२||
× | २ | ३

नि--- --,सांरें निसांनि,ध निध,पमं | प--,ध निध,पध | पमंपमं गमंपध, ||
× | २ | ३

निसांनिगं रेंगंसारें निसां-रें सांरेंनिसां | धनि-,सां निधपमं, | गमंपध निनिगंरें ||३||
× | २ | ३

रें--- --,धगं रेंसांनिप धनिसांरें | सां--- --,सांनि | धपमं,ग -मंपध ||
× | २ | ३

मं-,पध निप-,ध निसांरें-, सांनिधनि, | सांनि-ध पमं,गमं | पधपनि ध---, ||
× | २ | ३

धनिसांरें रेंगंगमं गरेंसांनि, रेंसांसांनि, | धसांनिध, पनिधप, | मंग-,मं -,प-,ध ||४||
× | २ | ३

टीपः इस 'वर्णम्' का स्वरकरण प्रसिद्ध तेलगू वर्णम 'वनजाक्षीरो' का ही है, जिसमें तेलगू शब्दों के स्थान पर लेखक ने संस्कृत शब्दों की रचना की है। 'कल्याणी' को हिं.सं. पद्धति में 'यमन' कहते हैं।

---

## राग भूपाली-सरगम-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग ग रे, ग | ग रे सा रे | प – ग –, | ध प ग –, |
| ० | ३ | × | २ |
| ग प ध सां | –, ध प ग | रे –, ग प | ध रें सां –, |
| ० | ३ | × | २ |
| प ध सां रें | गं –, ध रें | –, ध सां –, | प ध सां –, |
| ० | ३ | × | २ |
| ध प ग, ध | प ग रे ग, | सा रे ग रे, | सा ध़ सा रे; |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| ध प ग रे | सा –, सां ध | सां – – –, | रें ध सां –, |
| ० | ३ | × | २ |
| ध सां रें गं | –, ध रें –, | ध सां –, प | सां –, ध प |
| ० | ३ | × | २ |
| ग रे सा ध़, | प़ ध़ सा रे | ग –, प ध | सां –, ध प |
| ० | ३ | × | २ |
| ग, ध प ग | रे, सा रे ग, | सा रे ग रे, | सा ध़ सा रे; |
| ० | ३ | × | २ |

---

## राग भूपाली-लक्षणगीत-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : तजत मनि सुर मेल कल्याण सों,
अंश गंधार संवदत धैवत,
निशि प्रथम प्रहर रीझत सब जन ।

अंतरा : औडव जाति सुलच्छन सुन्दर,
भोपाली कहे रूप मनोहर,
भूप नाम कलियाण कहे कोऊ,
गायक गुनि प्रिय अत मन मोहन ॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| (प)सां ध प | ग री सा री | (री)प ग (ग)ग, री | (प)ग प (सां)ध सां |
| , त ज त | म नि सु र | मे ऽ ल, क | ल्या ऽ न सों |
| | ३ | × | २ |
| धे, (प)ग ग (ग)री | (प)ग प (सां)ध, सां | ध सां ध प | ग री सा सा, |
| ऽ, अं श गं | धा ऽ र, सं | ऽ व द त | धै ऽ व त, |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ^ध सां रीं गं रीं | सां रीं सां ^प ध | ^ध सां - ध प | ग री सा सा |
| नि शि प्र थ | म प्र ह र | री ऽ झ त | सु ब ज न |
| ० | ३ | × | २ |

### अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| ^प ग - ग ग | प - सां ^सां ध | सां - सां सां | ^ध सां रीं सां सां |
| औ ऽ ड व | जा ऽ ति सु | ल ऽ च्छ न | सु ऽ न्द र |
| ० | ३ | × | २ |
| ^ध सां - ^सां ध - | सां - रीं रीं | ^ध सां रीं गं रीं | ^ध सां रीं सां ध |
| भो ऽ पा ऽ | ली ऽ क हे | रू ऽ प म | नो ऽ ह र |
| ० | ३ | × | २ |
| ^प ग - प ^प सां | ध सां ^सां ध प | ^प ग - ध प | ग री सा सा |
| भू ऽ प ना | ऽ म क लि | या ऽ न क | है ऽ को ऊ |
| ० | ३ | × | २ |
| ^प सां - गं रीं | ^ध सां सां ^सां प ध | ^ध सां सां ^सां ध प | गं री सा सा |
| गा ऽ य क | गु नि प्रि य | अ त म न | मो ऽ ह न |
| ० | ३ | × | २ |

---

## राग भूपाली - त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : मुरली मन मोहत मोहन तुम्हरी
मुरली बजाये सुनाये जावो,
गोविन्द गोपाल गोपी-वल्लभ।

अंतरा : या बाँसुरी मों मगन भये सुर,
भये मुग्ध मुनि लीन भये नर,
बिसरि सबै कछु सुध-बुध तनकी,
मनकी लगन लगी हरि के चरन॥

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | ^सा ग री |
| | | | मु र |
| सा - -, ^सा री | ^री ध़ ^ध सा सा री | ग ग ^ग री ^री ग | ^ग ध प, ग री |
| ली ऽ ऽ, म | न मो ह त | मो ह न तु | म्ह री, मु र |
| ० | ३ | × | २ |
| सा - -, ^प सां | ^सां ध ^ध प ^प ग, ^म ध | ^ध प ^प ग ^ग री, ^प ग | प ^सां ध सां, ^ध प |
| ली ऽ ऽ, ब | जा ऽ ये, सु | ना ऽ ये, जा | ऽ वो ऽ, गो |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| धसां रींगं रीं, सां | पध सांरीं सां,(सां)ध | (प)गप धसां – ग | ध प; ग री |
| बिंऽ ऽऽ द, गो | पाऽ ऽऽ ल, गो | पीऽ ऽऽ ऽव | ल्लभ; मु र |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| (ग)प – (प)ग – | प प (प)सां धि | (ध)सां सां सां सां | (ध)सां रीं सां सां |
| या ऽ बाँ ऽ | सु रि मों ऽ | म ग न भ | ये ऽ सु र |
| ० | ३ | × | २ |
| (ध)सां सां धि (ध)सां | – सां रीं रीं | (ध)सां रीं गं रीं | (ध)सां रीं सां धि |
| भ ये ऽ मु | ऽ ग्ध मु नि | ली ऽ न भ | ये ऽ न र |
| ० | ३ | × | २ |
| (ग)री ग प (सां)ध | (ध)सां – (सां)ध प | (प)ग ग (ग)ध प | ग री सा – |
| बि स रि स | बै ऽ क छु | सु ध बु ध | त न की ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| (ध)सा री ग (ग)प | (ग)री ग प ध | (प)ग प ध (ध)सां | ध प; ग री |
| म न की ल | ग न ल गी | ह रि के च | र न; मु र |
| ० | ३ | × | २ |

---

## राग भूपाली-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी: लाख तीरथ किये काम नहीं, मन,
जबलगि अंतर राम जग्यो नहीं,
माया जाल सुलझायो नहीं, मन ।
अंतरा: जा दिन जागि उठे अंतर हरि,
ग्यान-ज्योति निरदंद जगे,
फिर काहे को काशी गंगा भटकनो,
हिय ही चारो धाम तीरथ 'सुजन' ॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| (सा)ग (री)ग री सा | री (री)ध़ सा री | प ग ग (ग)री | ग –, (ध)सा री |
| ला ऽ ख ती | र थ कि ये | का ऽ म न | हीं ऽ, म न |
| ० | ३ | × | २ |
| (प)ग प (सां)ध सां | ध प ग री | (प)ग प (सां)ध सां | पधसांरीं गं रीं सां |
| ज ब ल गि | अं ऽ त र | रा ऽ म ज | ग्योऽऽऽ ऽ न हीं |
| ० | ३ | × | २ |
| पध सां ध प | ग री (प)ग ध | प – (ग)री ग | री (री)ध़ सा सा; |
| माऽ ऽ या जा | ऽ ल सु ल | झा ऽ यो न | हीं ऽ म न; |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| (ग)प ग ग री | (प)ग – प प | (प)सां ध (ध)सां – | (नि)सां रीं सां सां |
| जा ऽ दि न | जा ऽ गि उ | ठे ऽ अं ऽ | त र ह रि |
| ० | ३ | × | २ |
| (ध)सां ध ध (ध)सां | – सां रीं रीं | रींगंरीं(सां)रीं गं रीं सां | (सां)ध प, (प)ग प |
| म्या ऽ न ज्यो | ऽ ति नि र | दंऽऽऽ ऽ द ज | गे ऽ, फि र |
| ० | ३ | × | २ |
| (सां)ध सां ध प | (प)ग – (प)ग री | (प)गध प – (ग)री | ग री सा – |
| का ऽ हे को | का ऽ शी ऽ | गंऽ गा ऽ भ | ट क नो ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| (सां)गं रीं गं – | रीं सां सां पध | सां धप (प)ग री | सा, (सा)री (री)ध़ सा; |
| हि य ही ऽ | चा ऽ रो धाऽ | ऽ मऽ ती र | थ, सु ज न; |
| ० | ३ | × | २ |

---

## राग भूपाली-त्रिताल(मध्यलय)

स्थायी: गूँज उठी है दिव्य गान की,
दसहूँ दिस फैयाज़ नाम की,
राग ताल रस रूप रंग की,
सुनो चौमुखी गीत रीत की।

अंतरा-१: का कहिये कहालों बखाने,
कण्ठ माधुरी गीत चातुरी,
मुग्ध भयो संसार अखिलहु,
धन्य धन्य संगीत-सूरज की॥

अंतरा-२: सिर नवाये तुम्हरे चरनपे,
प्रेमपिया फैयाज़ हुसेन,
पावै गुन अपार नाद-वेद,
जय जय हो जय गुरु-चरननकी॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| (प)सां – (सां)ध (ध)प | (प)ग (ग)री (री)सा री | प ग ग (ग)प | – (सां)ध सां (प)ध |
| गूँ ऽ ज उ | ठी ऽ है ऽ | दि ऽ व्य गा | ऽ न की ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| (ध)सां सां (सां)ध (ध)प | (प)ग (ग)री ग – | (प)ग ध प (ग)री | ग री सा – |
| द स हूँ ऽ | दि स फै ऽ | या ऽ ज़ ना | ऽ म की ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| (प)सा री (ग)ध सा | - री (प)ग ग | प - प (प)सां | ध सां सां - |
| रा ऽ ग ता | ऽ ल र स | रू ऽ प रं | ऽ ग की ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| (ध)सां (ग)रीं गं रीं | - सां (सां)प ध | (सां)ध सां ध (ध)प | (प)ग (ग)री (री)सा -; |
| सु नो ऽ चौ | ऽ मु खी ऽ | गी ऽ त री | ऽ त की ऽ; |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा-१

| | | | |
|---|---|---|---|
| (ग)प ग (प)ग ग | प - (प)सां ध | (ध)सां - - सां | (ध)सां रीं सां - |
| का ऽ क हि | ये ऽ क हा | लों ऽ ऽ ब | खा ऽ ने ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| (ध)सां ध ध (ध)सां | - सां सां - | (ध)सां रीं गं (ध)सां | रीं सां (सां)ध प |
| क ऽ ण्ठ मा | ऽ धु री ऽ | गी ऽ त चा | ऽ तु री ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| (प)ग - ग (ग)री | (प)गप धसां (प) - | (प)ग - (ग)ध प | (री)ग री सा - |
| मु ऽ ग्ध भ | योऽ ऽऽ सं ऽ | सा ऽ र अ | खि ल हु ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| (सां)गं - रीं (ध)सां | - सां (सां)प ध | (सां)ध सां ध (ध)प | (प)ग (ग)री (री)सा -; |
| धृ ऽ न्य ध | ऽ न्य सं ऽ | गी ऽ त सू | र ज की ऽ; |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा-२

| | | | |
|---|---|---|---|
| (ध)सां सां (सां)ध सां | - सां (ध)सां सां | सां - - सां | (ध)सां रीं सां - |
| सि र न वा | ऽ ये तु म्ह | रे ऽ ऽ च | र न पे ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| (ध)सां - ध (ध)सां | सां - (नि)सां - | (ध)सां रीं गं रीं | (ध)सां - ध प |
| प्रे ऽ म पि | या ऽ फै ऽ | या ऽ ज़ हु | सै ऽ ऽ न |
| ० | ३ | × | २ |
| (प)ग प (सां)ध सां | (सां)ध प (प)ग (ग)री | ग ध (ग)प री | ग री सा सा |
| पा ऽ वै ऽ | गु न अ पा | ऽ र ना ऽ | द वे ऽ द |
| ० | ३ | × | २ |
| (सां)गं - रीं - | सां - (सां)प ध | (ध)सां सां (सां)ध (ध)प | (प)ग (ग)री (री)सा -; |
| जै ऽ जै ऽ | हो ऽ जै ऽ | गु रु च र | न न की ऽ; |
| ० | ३ | × | २ |

---

टीपः अपने गुरुवर्य 'आफ्ताब-ए-मौसीक़ी' उस्ताद फैयाज़ हुसैन ख़ाँ साहेब के प्रति आदरांजलि के रूप में लेखक ने इस गीत की रचना की है। प्रातःकाल की सभा में यदि इस गीत का उपयोग करना हो, तो हिंडोल राग के अंतर्गत इसी गीत का स्वरकरण देखिये।

# राग भूपाली - कहरवा (मध्यलय)

## (वीर-गीत)

स्थायी : जाग उठो नव-युवक वीर तुम
जाग उठो नव-युवक धीरवर
जाग उठो अब जागो जागो जागो ।

अंतरा-१: जन्मभूमि की सेवा में, अब करो
समर्पण निज तन मन धन, युवक धीरवर
जाग उठो अब जागो जागो जागो ॥

अंतरा-२: आत्मबल देहबल भी बढ़ाओ
बनाओ प्रतिष्ठा ललित-कला अरु विधा की,
पुनि सुसभ्यता की, बढ़े धीरज औ' नाम बढ़े,
भारत का अनुपम तेज बढ़े, जय हिंद कहो,
जय हिंद कहो, जय हिंद धीरवर, जाग उठो
तुम जागो जागो जागो ॥

अंतरा-३: देश-बांधवों का अभिमान धरो तुम प्यारे,
दीन दुखी की करो सहायता, पाप-ताप
दुख-दंद मिटाओ, करो काज कछु,
सार्थकता हो तेरे जीवन की, युवक धीरवर
जाग उठो अब जागो जागो जागो ॥

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| सा री ग री | सा –, सा री | ध़ सा सा सा | – री, ग प |
| जा ऽ ग उ | ठो ऽ, न व | यु व क वी | ऽ र, तु म |
| × | ० | × | ० |
| ग – री सा | सा –, सा री | ध़ सा सा री | – ग प ध |
| जा ऽ ग उ | ठो ऽ, न व | यु व क धी | ऽ र व र |
| × | ० | × | ० |
| री – ग प | ग री, सा सा | सां ध सां – | – – – –, |
| जा ऽ ग उ | ठो ऽ, अ ब | जा ऽ गों ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ, |
| × | ० | × | ० |
| (ध)प ध ध – | – – – –, | (री)सा री (री)ग – | – – – –; |
| जा ऽ गो ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ, | जा ऽ गो ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ; |
| × | ० | × | ० |

## अंतरा-१

| | | | |
|---|---|---|---|
| ध - ध प | - प ग री | री ग री - | सा -, सा री |
| ज ऽ न्म भू | ऽ मि की ऽ | से ऽ वा ऽ | में ऽ, अ ब |
| × | ० | × | ० |
| ध़ सा - सा | ध प ध ध, | सा सा री री | ग ग प प, |
| क रो ऽ स | म ऽ र्प ण, | नि ज त न | म न ध न, |
| × | ० | × | ० |
| ध़ सा सा सां | - रीं सां ध, | प - ध प | ग री सा सा |
| यु व क धी | ऽ र व र, | जा ऽ ग उ | ठो ऽ अ ब |
| × | ० | × | ० |
| सां ध सां - | - - - -, | (ध)प ध ध - | - - - -, |
| जा ऽ गो ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ, | जा ऽ गो ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ, |
| × | ० | × | ० |
| (री)सा री (री)ग - | - - - -; | | |
| जा ऽ गो ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ; | | |
| × | ० | | |

## अंतरा-2

| | | | |
|---|---|---|---|
| रीं - रीं रीं | रीं, सां - रीं | गं रीं सां ध | प - प, ध |
| आ ऽ त्म ब | ल, दे ऽ ह | ब ल भी ब | ढ़ा ऽ ओ, ब |
| × | ० | × | ० |
| री - ग प | ग री सा -, | सा सा री ध़ | सा -, सा सा |
| ना ऽ ओ प्र | ति ऽ ष्ठा ऽ, | ल लि त क | ला ऽ, अ रु |
| × | ० | × | ० |
| ध प ध - | प -, ध सां | ध सां - रीं | सां ध प -, |
| वि ऽ द्या ऽ | की ऽ, पु नि | सु स - भ्य | ता ऽ की ऽ, |
| × | ० | × | ० |
| सा सा - री | री री ग ग | प - प प | प -, ध सां |
| ब ढ़े ऽ धी | र ज औ र | ना ऽ म ब | ढ़े ऽ, भा ऽ |
| × | ० | × | ० |
| रीं गं (सां)- | प प ध प | री - ग प | सा -, गं रीं |
| र त का ऽ | अ नु प म | ते ऽ ज ब | ढ़े ऽ, जै ऽ |
| × | ० | × | ० |
| गं - रीं सां | सां -, ध सां | ध - प ग | री -, सा री |
| हिं ऽ द क | हो ऽ जै ऽ | हिं ऽ द क | हो ऽ, जै ऽ |
| × | ० | × | ० |
| ग - ग ध | - ध प प, | री - ग प | ग री सा सा |
| हिं ऽ द धी | ऽ र व र, | जा ऽ ग उ | ठो ऽ तु म |
| × | ० | × | ० |

| | | | |
|---|---|---|---|
| सां ध सां – | – – – –, | (ध)प ध ध – | – – – –, |
| जा ऽ गो ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ, | जा ऽ गो ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ, |
| × | ० | × | ० |
| (री)सा री (री)ग – | – – – –; | | |
| जा ऽ गो ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ; | | |
| × | ० | | |

अंतरा-३

| | | | |
|---|---|---|---|
| री – री री | – प ग री | सा –, सा री | ध़ सा सा, सा |
| दे ऽ श बा | ऽ -ध वों ऽ | का ऽ, अभि | मा ऽ न, ध |
| × | ० | × | ० |
| सां ध ध ध | सां ध सां – | – – – – | – – – –, |
| रो ऽ तु म | प्या ऽ रे ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ, |
| × | ० | × | ० |
| गं – गं रीं | सां – ध – | रीं रीं – सां | ध ध प –, |
| दी ऽ न दु | खी ऽ की ऽ | क रो ऽ स | हा य ता ऽ, |
| × | ० | × | ० |
| ध – ध प | – प ध सां | रीं – रीं गं | गं रीं रीं – |
| पा ऽ प ता | ऽ प दु ख | दं ऽ द मि | टा ऽ ओ ऽ |
| × | ० | × | ० |
| – – – – | – – – –, | प प – ध | – ध प प |
| ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ, | क रो ऽ का | ऽ ज क छु |
| × | ० | × | ० |
| प ध प ग | री – री – | ग ग – री | सा-सा सा –, |
| सा ऽ र्थ क | ता ऽ हो ऽ | ते रे ऽ जी | व ऽनु की ऽ, |
| × | ० | × | ० |
| सा ध़ सा सा | – ध प ध | री – ग प | ग री सा सा |
| यु व क थी | ऽ र व र | जा ऽ ग उ | ठो ऽ अ ब |
| × | ० | × | ० |
| सां ध सां – | – – – –, | (ध)प ध ध – | – – – –, |
| जा ऽ गो ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ, | जा ऽ गो ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ, |
| × | ० | × | ० |
| (री)सा री (री)ग – | – – – –; | | |
| जा ऽ गो ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ; | | |
| × | ० | | |

## राग भूपाली – ध्रुवपद – चौताल (विलंबित)

स्थायी : आद नमन सत्य को, भूत दया दूजो नमन,
तापर जन्मभूमि पद, नमन कीजो 'सुजान' ।
अंतरा : विश्व प्रेम को नमन, दीन दुखीयन सकल,
दुःख हरन व्रत को, नमो नमो सदा चरण ॥
संचारी : स्वार्थार्पण को, बार बार वन्दन,
जासों होवे इक छिन मों, पाप मूल खंडन ॥
आभोग : दीन धरम को अधार, मनुज धरम को सार,
पालन किये होत, दुःख-द्वंद भंजन ॥

### स्थायी

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| (सा)ग – | री (ध़)सा | सा री | (री)ग – | ग (री)ग | – री |
| आ ऽ | द न | म न | स ऽ | त्य को | ऽ ऽ |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |
| (री)ग – | ग (ग)ध | प – | (प)ग री | ग री | सा सा |
| भू ऽ | त द | या ऽ | दू ऽ | जो न | म न |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |
| (सा)ग – | (प)ग री | (प)ग प | (सां)ध (ध)सां | – सां | (ध)सां सां |
| ता ऽ | प र | ज ऽ | न्म भू | ऽ मि | प द |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |
| (ध)सां रीं | गं रीं | सां (सां)ध | (ध)सां (सां)ध | (ध)प (प)ग | (ग)री (री)सा; |
| न म | न की | ऽ जो | सु जा | ऽ ऽ | ऽ न; |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

### अंतरा

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| (ग)प ग | ग (ग)प | सां ध | (ध)सां – | – (ध)सां | सां सां |
| वि ऽ | श्व प्रे | ऽ म | को ऽ | ऽ न | म न |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |
| (ध)सां ध | ध (ध)सां | सां रीं | गं रीं | सां रीं | सां (सां)ध |
| दी ऽ | न दु | खी ऽ | य न | ऽ स | क ल |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |
| (ध)सां – | गं रीं | सां सां | रीं सां | – (सां)ध | (ध)प (प)ग |
| दुः ऽ | ख ह | र न | व्र त | ऽ को | ऽ ऽ |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |
| (ग)री ग | प (सां)ध | सां – | (ध)सां (सां)ध | (ध)प (प)ग | (ग)री सा; |
| न मो | ऽ न | मो ऽ | स दा | ऽ च | र न; |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

## संचारी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [ग]प | ग | ग | प | – | प | [प]ध | ध | – | प | – | ग |
| ख्वा | ऽ | र | था | ऽ | र | प | न | ऽ | को | ऽ | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| [प]ग | – | प | [सां]ध | सां | सां | [ध]सां | ध | – | प | ग | ग |
| बा | ऽ | र | बा | ऽ | र | व | ऽ | ऽ | न्द | ऽ | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| [प]ग | – | ग | [प]ग | ध | प | [प]ग | री | [ध]सा | री | सा | – |
| जा | ऽ | सों | हो | ऽ | वे | इ | क | छि | न | मों | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| [ध]सा | – | री | [प]ग | प | [सां]ध | [ध]रीं | सां | – | [सां]ध | [ध]प | [प]ग |
| पा | ऽ | प | मू | ऽ | ल | ख | ऽ | ऽ | ण्ड | ऽ | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

## आभोग

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [ग]प | ग | ग | प | [प]सां | [सां]ध | सां | – | सां | [ध]सां | – | सां |
| दी | ऽ | न | ध | र | म | को | ऽ | अ | धा | ऽ | र |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| [ध]सां | सां | [सां]ध | [ध]सां | रीं | रीं | [ध]सां | रीं | सां | [सां]ध | प | ग |
| म | नु | ज | ध | र | म | को | ऽ | ऽ | सा | ऽ | र |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| [ध]सां | गं | रीं | [रीं]गं | – | रीं | [ध]सां | रीं | [रीं]ध | [ध]सां | – | सां |
| पा | ऽ | ऽ | ल | ऽ | न | कि | ये | ऽ | हो | ऽ | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| [सां]प | [सां]ध | रीं | [ध]सां | प | ध | [ध]सां | [सां]ध | [ध]प | [प]ग | [ग]री | [री]सा; |
| दु | ख | ऽ | द्वं | ऽ | द | भं | ऽ | ऽ | ज | ऽ | न; |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

# राग मोहन - वर्णम् - आदिताल

पल्लवी: गोविन्दम् वन्दे गोपीनाथम्
श्रीकृष्णम् मेघश्यामं तम् ।
अनुपल्लवी: कालिंदी नीर तीरे क्रीडं तम् गोपालम्
नादानन्दम् श्री विष्णुम् ॥
चरणम्: नृत्यंतम् गायंतम् श्रीऽशम् ॥

## पल्लवी

ग-ग- री---, सासारीरी गगरीरी, | सारीगरी सारीसाध़, | सारीगप गरीसारी ॥
गोऽविऽ न्दंऽऽऽ, वऽऽऽ न्देऽऽऽ, | गोऽऽऽ पीऽऽऽ, | नाऽऽऽ थंऽऽऽ ॥
× | २ | ३

गपगग रीसा,रीग रीरीसाध़, सारीगरी, | गपग,प धप,धसां | ध-प,ग धपगरी ॥
श्रीऽऽऽ ऽऽ,कृऽ ऽऽऽऽ, ष्णंऽऽऽ, | मेऽऽ,घ ऽऽ,श्याऽ | ऽऽऽ,मं ऽऽतंऽ ॥
× | २ | ३

## अनुपल्लवी

ग-ग- प---, गगपप धधप- | धसां,धध पग,धप | ध,गधप गरीसारी ॥
काऽलिंऽ दीऽऽऽ, नीऽऽर तीऽऽऽ | रेऽ,क्रीऽ डंऽ,तंऽ | ऽ,गोऽऽ पाऽऽऽ ॥
× | २ | ३

गगपप धप,धसां ध,सांरींसां, गंरीं-,सां | धसां,रींसां -,धपध, | सांध-प गरीसारी ॥
लंऽऽऽ ऽऽ,नाऽ ऽ,दाऽऽ, नंऽऽदं | ऽऽ,श्रीऽ ऽ,ऽऽऽ, | विऽऽऽ ष्णुंऽऽऽ ॥
× | २ | ३

## मुक्तायंपू

ग-रीग रीसारी-, सारीसाग, रीगसारी, | साध़सारी गरी,गप | गपध- प---, ॥
× | २ | ३

गपधप, धसांरींगं रीं-गं,सां -रीं,ध- | सां,प-ध, सांरींगंसां | -,धप-, गरीसारी ॥
× | २ | ३

## चरणम्

ग-ग- ग---, रीगपग प-प-, | गगधप ध-,गध | धप,गप गरीसारी ॥
नृऽत्यंऽ तंऽऽऽ, गाऽऽऽ ऽऽयंऽ, | तंऽऽऽ ऽऽ,ऽऽ | ऽऽ,श्रीऽ ऽऽशंऽ ॥
× | २ | ३

## चिट्टस्वरम्

ग--- री-सा- री--- ध़---, | री-ध़- सा---, | री--- ग-री- ॥१॥
× | २ | ३

ग-ग,री गरीसारी ग-ग,प़ ध़ध़सारी | ग-ग,ग धपगरी | ग-ग,सां धपगरी ॥२॥
× | २ | ३

प-धध प-गरी, सा-रीग री-,सारी | सा-,रीग प-ध- | सांसां-ध प-गरी ॥३॥
× | २ | ३

सां-रींगं रींसां,रींसां धसांधप गरीसारी | सा---, --,सासा | रीरीगग पपधध, ||
×　　　　　　　　　　　　　　　　| 2 　　　　　　　　| 3

सांरींगंरीं गंरीं,धसां रींसांरींसां, पधसांध | सांध,गप धपधप, | रींसांधप गरीसारी ||४||
×　　　　　　　　　　　　　　　　| 2 　　　　　　　　| 3

टीपः इस वर्णम् का स्वरकरण भी प्राचीन तेलगू वर्णम् का है, जिस पर लेखकने उपरोक्त संस्कृत शब्दों की रचना की है। हिं.सं.प. में इस राग को भूपाली कहते हैं।

---

## राग शुद्धकल्याण-तराना-एकताल(मध्यलय)

**स्थायीः** दिर दिर तान्न द्रे, तान्न द्रे, तान्न दिर दिर दिर दिर,
ध्रितोम् दीम् तनोम्, तनोम् तदीम् तनोम्, द्रियानारे
नितरे दानी, तान्न दिर दिर दिर दिर दिर दिर दिर दिर।

**अंतराः** (संस्कृत में) विधि लिखितमविचलितं त्वन्यथा, किं भविष्यति ऽय
नरहरि चरण युगमेव खलु, शरणं ते शरणं ते शरणं ते ॥

### स्थायी

(नि़)सा
दिर

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (नि़)ध़ | (ध़)सा | (सा)री | सा(नि़) | (ध़)(प़) | – | –, | (प)प | मंग | (ग)प | (ग)री | – |
| दिर | ता | ऽ | न्न | द्रे | ऽ | ऽ, | ता | ऽऽ | न्न | द्रे | ऽ |
| 3 | | ४ | | × | | 0 | | 2 | | 0 | |
| (री)सा, | (ग)री | ग | री | (ध़)सा | (सा)नि़ | (नि़)ध़ | (ध़)प़, | (मं)प़ | सा | (नि़)ध़, | (ध़)सा |
| ऽ, | ता | ऽ | न्न | दिर | दिर | दिर | दिर, | ध्रि | तों | ऽ, | दीं |
| 3 | | ४ | | × | | 0 | | 2 | | 0 | |
| – | री | सा | –, | (ग)री | ग | री | (प)ग | (ग)प | (प)ध | प(मं) | (ग)री |
| ऽ | त | नों | ऽ, | त | नों | ऽ | त | दीं | ऽ | त | नों |
| 3 | | ४ | | × | | 0 | | 2 | | 0 | |
| –, | (प)नि | ध | प | (मं)प, | (ग)री | ग | (ग)प | (ग)री | – | सा | –, |
| ऽ, | द्रि | या | ना | रे, | नि | त | रे | दा | ऽ | नी | ऽ, |
| 3 | | ४ | | × | | 0 | | 2 | | 0 | |
| (सां)गं | (रीं)गं | रीं, | (ध)सां | (सां)नि | (नि)ध | (मं)प | पमं | (मं)ग | (ग)री | (री)सा; | (नि़)सा |
| ता | ऽ | न्न, | दिर | दिर | दिर | दिर | दिर | दिर | दिर | दिर; | दिर |
| 3 | | ४ | | × | | 0 | | 2 | | 0 | |

अंतरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (ध)सा | सा | (ग)री | ग | री | सा | (ग)री | ग | प | (प)सां | (नि)ध | (ध)सां |
| वि | धि | लि | खि | त | म | वि | च | लि | तं | ऽ | त्व |
| ४ | | × | | ० | | २ | | ० | | ३ | |
| – | रीं | सां | – | – | –, | (ध)सां | रीं | सां | (ग)प | (प)ध | प |
| ऽ | न्य | था | ऽ | ऽ | ऽ, | किं | ऽ | भ | वि | ऽ | ष्य |
| ४ | | × | | ० | | २ | | ० | | ३ | |
| (ग)री | ग | री, | (नि)सा | सा | (सा)प | गे | प | प | प | (प)सां | (नि)ध |
| ति | ऽ | य, | न | र | ह | रि | च | र | ण | यु | ग |
| ४ | | × | | ० | | २ | | ० | | ३ | |
| (ध)सां | – | रीं | (नि)सां | सां, | (सां)गं | रीं | (ध)सां | रीं | सां | –, | (सां)नि |
| मे | ऽ | व | ख | लु, | श | र | णं | ऽ | ते | ऽ, | श |
| ४ | | × | | ० | | २ | | ० | | ३ | |
| ध | (म)प | ध | प | मग, | (ग)ध | पम | (प)ग | प | (ग)री | साध; | (ध)सा |
| र | णं | ऽ | ते | ऽऽ, | श | रऽ | णं | ऽ | ते | ऽऽ; | ता |
| ४ | | × | | ० | | २ | | ० | | ३ | |
| (सा)री | (नि)सां | (ध)प़ | | | | | | | | | |
| ऽ | न्न | द्रे ---- इत्यादि स्थायी के अनुसार | | | | | | | | | |
| ४ | | × | | | | | | | | | |

---

## राग शुद्धकल्याण–एकताल (विलंबित)

स्थायी : साधे सुर साधे रिझावे सोही गावे,
गुनियन में गुनी कहावे ।

अंतरा : साचे गुरुनकी संगतसों, सुरन की
रोही-अवरोही करके फिरावे तान,
जब गावे रस पावे ॥

स्थायी

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (नि)सा(नि)ध़ | (ध)सा,(सा)री(नि)सा | (ध)प़ | (प)गरी | (री)ग | ,(प)गप | (ग)री | सा, | (नि)सा | (नि)ध़(ध)प़ |
| साधे | ऽ,सुर | सा | ऽऽ | धे | ,रिऽ | झा | वे, | सो | ही |
| ४ | | × | | ० | | २ | | ० | |
| (प)सारी | (सा)(ग)रीग(री) | ग | –, | (प)(प)गग | (प)(प)गग | (प)ग | (ग)री | (ग)धप | (म)ग,(ग)प |
| गाऽ | ऽऽ | वे | ऽ, | गुनि | यन | में | ऽ | गुनी | ऽ,क |
| ३ | | ४ | | × | | ० | | २ | |
| (ग)री | – | (ध)सारी | सा | | | | | | |
| हा | ऽ | ऽऽ | वे | | | | | | |
| ० | | ३ | | | | | | | |

### अंतरा

| | | |
|---|---|---|
| सां, धध सां, सांसांरीं | सां , सांसांरीं | गं-रींसां -, सांसांरीं |
| सा, SS चे, गुरुन | की , संगत | सोंSSS S, सुरन |
| ४ | × | ० |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| सां नि, निध | सां , सां, निध | निध प | प, मंग प, प | प, निध सांरीं, सां |
| की रो, SS | ही , अ, वS | रो S ही | क, रS के, फि | रा, SS SS, वे |
| २ | ० | ३ | ४ | × |

| | | |
|---|---|---|
| सांनिधपपगरीसा ;सांग | प, सांरीं सां, सांरीं | गं, रींसां (पं), गप |
| ताSSSSSSन ,जब | गा, SS वे, रस | पा, SS S , SS |
| ० | २ | ० |

| | |
|---|---|
| री सारीसा- ; | साध़ सा, रीसा |
| S SSवेS ; | साधे S, सुर |
| ३ | ४ |

--- इत्यादि स्थायी के अनुसार

---

## राग जैतकल्याण – झपताल (मध्यलय)

स्थायीः आयो सावन मास, जायो नन्द गोपाल।
अंतराः गावो मंगलगान, सब सखि मिल आज,
पायो अत उल्हास॥

### स्थायी

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प ग | प ध प | री री | सा – सा | सा – | ग प प | प प | प धग प |
| आ S | यो S सा | व न | मा S स | जा S | यो S नं | द गो | पा SS ल |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |

### अंतरा

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प – | सां – सां | सांसां | सां – सां | सां सां | सां – रीं | सां सां | प ग ग |
| गा S | वो S मं | ग ल | गा S न | स ब | स S खि | मि ल | आ S ज |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |
| ग प | ध सां सां | प प | प धग प | | | | |
| पा S | यो S अ | त उ | ल्हा SS स | | | | |
| × | २ | ० | ३ | | | | |

---

## राग जैतकल्याण – लक्षणगीत – झपताल (मध्यलय)

स्थायीः मन को निग्रहीत, जैते होवे कल्याण।
अंतराः पाँचो किये सुध, पस-वाद-संवाद,
प्रथम प्रहर रात, गावै मधुर तान॥

स्थायी

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प ग | प ध प | री री | सा – सा | सा – | गप प | प प | प धग प |
| म न | को ऽ नि | ग्र ह | ह ऽ त | जै ऽ | ते ऽ हो | वे क | ल्याऽऽ ण |
| × | 2 | ० | 3 | × | 2 | ० | 3 |

अंतरा

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प – | सां – सां | सां – | सां – सां | सां सां | सां – रीं | सां – | प ग ग |
| पाँ ऽ | चो ऽ कि | ये ऽ | सु ऽ ध | प स | वा ऽ द | सं ऽ | वा ऽ द |
| × | 2 | ० | 3 | × | 2 | ० | 3 |
| सा सा | ग प प | प प | प धग प | सां – | (प) – ग | पध प | री ऽ सा |
| प्र थ | म ऽ प्र | ह र | रा ऽऽ त | गा ऽ | वै ऽ म | धुऽ र | ता ऽ न |
| × | 2 | ० | 3 | × | 2 | ० | 3 |

---

## राग जैतकल्याण – तिलवाडा (विलंबित)

स्थायीः बल बल जाऊँ तोरी छब पर,
अजहूँ मनमोहन श्यामसुंदर।
अंतराः दृग तारन पर तन मन वारूँ,
बलि जाऊँ याहूँ मुरली अधर पर॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| प प ग,गप गपधप | री – सा ,सा | प ग प – | प प ,प धग |
| ब ल ऽ,बऽ ऽऽऽल | जा ऽ ऊँ ,तो | री ऽ ऽ ऽ | छ ब ,प ऽर |
| 3 | × | 2 | ० |
| ग प सां – | सां सां सां रीं | सां प गपधसां – | प ,प ,प धग; |
| अ ज हूँ ऽ | म न मो ऽ | ह न श्याऽऽऽ ऽ | म ,सुं ,द ऽर; |
| 3 | × | 2 | ० |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| प प सां – | सां सां रीं सां | सां सां ध ,सांसां | (प) गप गरी सा |
| दृ ग ता ऽ | र न प र | त न ऽ ,मन | वा ऽऽ ऽऽ रूँ |
| 3 | × | 2 | ० |
| सा सा ग पप | पपसांसां रीं सां ,गरीं | सां -,रीं सां प | प पप पध-ग; |
| ब लि जा ऽऊँ | याऽऽऽ ऽ हूँ ,मुर | ली ऽअ ध र | प ऽऽ ऽऽ ऽर; |
| 3 | × | 2 | ० |

## राग श्यामकल्याण - लक्षणगीत - त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी: बरनत भेद कल्याण चतुर गुनी
सुन रे 'सुजान' नाम श्याम अत सुंदर
बिलसत दोऊ मध्यम नित ।
अंतरा: सप संवाद प्रबल तीवर मनि
कुमुद कल्याण मेल करि गावत
प्रथम प्रहर निस सोहत मोहत ॥

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| म ग ऩि सा | री मं प नि | सां निध प ध | मं प म ग |
| ब र न त | भे ऽ द क | ल्या ऽऽ ण च | तु र गु नि |
| ० | ३ | × | २ |
| म री सा री | सा ऩि ध़ प़ | म़ं प़ प़ ऩि | सा सा, री मं |
| सु न रे सु | जा ऽ ऽ न | ना ऽ म श्या | ऽ म, अ त |
| ० | ३ | × | २ |
| पनि सांरीं सां नि | ध प मं प | म ग ग मं | प ध मं प; |
| सुंऽ ऽऽ द र | बि ल स त | दो ऊ म ऽ | ध्य म नि त; |
| ० | ३ | × | २ |

### अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| प प सां सां | सां - सां, प | नि नि सां रीं | सां नि मं प |
| स प स म | वा ऽ द, प्र | ब ल ती ऽ | व र म नि |
| ० | ३ | × | २ |
| मं मं प (प) | मग रीग ऩि सा | म री मं मं | प - प प |
| कु मु द क | ल्याऽ ऽऽ ण मे | ऽ ल क रि | गा ऽ व त |
| ० | ३ | × | २ |
| मं रीं सां रीं | सां नि ध प | मं - प नि | मं प म ग; |
| प्र थ म प्र | ह र नि स | सो ऽ ह त | मो ऽ ह त; |
| ० | ३ | × | २ |

---

## राग श्यामकल्याण - त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी: उजट भयो संसार सुरन को, राग-रीत-रवि अस्त भयो है,
छायो है घनघोर सियारो, दस दिस गीत-गगन अँधियारो ।
अंतरा: कौन रीत सहिये दुःख ये अब, कहाँ पावै वह राग-सिंगार,
छेड़े कौन हिया के तार, हुस्न फैज़ फिर कैसे आवे,
सूझत नहीं कछु बूझत हूँ, नित आँसू बहावे 'सुजन' लाचारो ॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| म प ध म | री – (सा) – | री – म म | प प ध्म प |
| उ ज ट भ | यो ऽ सं ऽ | सा ऽ र सु | र न को ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| ग म री सा | – री सा सा | नि़ प़ नि़ नि़ | सा – री – |
| रा ऽ ग री | ऽ त र वि | अ ऽ स्त भ | यो ऽ है ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| म प निसां रीं | सां – ध प | ध म प (प) | म – री – |
| छा ऽ योऽ ऽ | है ऽ घ न | घो ऽ र सि | या ऽ रो ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| नि़ प़ नि़ नि़ | सा – म री | म म प प | नि नि (प) ग |
| द स दि स | गी ऽ त ग | ग न अँ धि | या ऽ रो ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| ग म प म | री – | | |
| उ ज ट भ | यो ऽ --- इत्यादि | | |
| ० | ३ | | |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| प – प सां | – सां सां सां | सां – सां सां | सां रीं सां सां |
| को ऽ न री | ऽ त स हि | ये ऽ दुः ख | ये ऽ अ ब |
| ० | ३ | × | २ |
| सां सां सां रीं | सां नि ध प | म प ध ध | म – री री |
| क हाँ पा ऽ | वे ऽ व ह | रा ऽ ग सिं | गा ऽ ऽ र |
| ० | ३ | × | २ |
| मप ध म प | म – री सा | सा – (सा) – | नि़ ध़ प़ प़ |
| छेऽ ऽ ड़े ऽ | को ऽ न हि | या ऽ के ऽ | ता ऽ ऽ र |
| ० | ३ | × | २ |
| प़ – प़ नि़ | सा सा री री | रीम पनि (प) – | प (प) म री |
| हु ऽ स्न फै | ऽ ज़ फि र | कैऽ ऽऽ से ऽ | आ ऽ वे ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| नि़ – सा सा | री री म म | प – नि नि | सां – सां सां |
| सू ऽ झ त | न हिं क छु | बू ऽ झ त | हूँ ऽ नि त |
| ० | ३ | × | २ |
| निसां मं रीं सां | ध – प प | म प ध प | प (प) म ग |
| आँऽ ऽ सु ब | हा ऽ वे सु | ज न ला ऽ | चा ऽ रो ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| ग म प म | री – | | |
| उ ज ट भ | यो ऽ --- इत्यादि स्थायी के अनुसार | | |
| ० | ३ | | |

टीपः गुरुवर्य उस्ताद फैयाज़ हुसैन खाँ साहेब का निधन समाचार सुनकर निकले हुवे उद्‌गारों को इस रचना द्वारा लेखक ने व्यक्त किया है।

# राग हमीर-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : मनमोहन ब्रिजराज दुलारो
हँस हँस करके रस बतियाँ
हमसों नेहा लगाय गयो री आली।

अंतरा : कल ना परत सखि घरि पल छिन दिन
दरस बिना नित जियरा तरसे
ऐसी लगी लगन री आली॥

## स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| , (प)म प ध | (प)म प म (म)ग | प – प,(प)रीं | सां नि ध प |
| , म न मो | ह न ब्रि ज | रा ऽ ज, दु | ला ऽ रो ऽ |
| | ३ | × | २ |
| –,(प)नि ध (ध)नि | (प)म प म (म)ग | प – प,(प)रीं | सां नि ध,(प)म |
| ऽ,म न मो | ह न ब्रि ज | रा ऽ ज,दु | ला ऽ रो,हँ |
| ० | ३ | × | २ |
| प ध (प)म (म)प | (प)गम री (म)ग (ग)म | (म)ध ध प – | (नि)सा री सा – |
| स हँ स क | रऽ के र स | ब तियाँ ऽ | ह म सों ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| –,(सा)म (म)ग प | मप धनि सांरीं सांनि | धप मप धनि सांनि | धप,मप धप गम |
| ऽ, ने हा ल | गाऽ ऽऽ ऽऽ यऽ | गऽ योऽ ऽऽ ऽऽ | रीऽ,आऽ ऽऽ ऽऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| रीसा; (प)ध प ध | (प)म प | | |
| लीऽ; म न मो | ह न --- इत्यादि | | |
| ० | ३ | | |

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| (ग)म म (म)ग प | प प नि ध | (नि)सां सां सां सां | (नि)सां रीं सां सां |
| क ल ना प | र त स खि | घ रि प ल | छि न दि न |
| ० | ३ | × | २ |
| (नि)सां नि ध (नि)सां | (नि)सां – सां सां | (नि)सां रीं सां (नि)– | (सां)ध ध प – |
| द र स बि | ना ऽ नि त | जि य रा ऽ | त र से ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| –,(नि)सा (सा)म (म)ग | प (म)प ध प | मप धनि सांरीं गमं | –रीं सांनि धप (ग)मम |
| ऽ, ऐ सी ल | गी ल ग न | रीऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ | ऽआ ऽऽ ऽऽ ऽऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| रीसा; (प)ध प ध | (प)म प | | |
| लीऽ; म न मो | ह न --- इत्यादि स्थायी के अनुसार | | |
| ० | ३ | | |

## राग हमीर – टप्पख्याल – तिलवाडा (विलंबित)

स्थायी : जाग रहे सगरी रतिया,
तुम्हरे दरस की प्यासी, तरपत जिया मोरा ।
अंतरा : राह तकत हूँ निसदिन तुम्हरी,
बिरम रह्यो परदेसवा, ना जानूँ कौन तिरिया
मोहि लियो मन तोरा ॥

स्थायी

मंपधनिसांरींसांसां, धप धमं–गे, पप | सां, निसां पध प, रीप |
जाऽऽऽऽऽऽऽऽ, गर हेऽऽऽ, सग | री, ऽऽ रति या, ऽऽ |
×

ग, मरी सारीसा– –, पधप मंपधनिसांरीं– – | सांसांरींगंमंपं– – मंरींसां–
ऽ, ऽऽ तुम्हरेऽ ऽ, दरस कीऽऽऽऽऽऽऽ | प्याऽऽऽऽऽऽऽ ऽऽसीऽ
2 0

रींरींरींरीं, परीं | सांसांरींगंमंरींसांनि धपपमंमंरीसा–;
तरपत, जिया | मोऽऽऽऽऽराऽ ऽऽऽऽऽऽऽऽ;
3

मंपधनिसांरींसांसां, धप धमं–गे, पप ||
जाऽऽऽऽऽऽऽऽ, गर हेऽऽऽ, सग || इत्यादि

अंतरा

प– –प –, सांसांसां | रींसां धनिसांरीं सांसांधप धनि(प), प |
राऽऽह ऽ, तकत | हूँ ऽ निसदिन तुम्हरीऽ बिरम, र |
×

धमंप–, मंग पप, मंपधनिसांरीं सांसांरींगंमंरींसांसां धपगमरीसा– –, |
ह्योऽऽऽ, पर देस, वाऽऽऽऽऽ नाऽऽऽऽजाऽऽ ऽऽनूँऽऽऽऽऽ, |
2

सासामंग प, मंप धनिसांनिधपगम ध–पप, | पंपंमंमंरींसांनिध
कौन तिरि या, ऽऽ मोऽऽऽहिऽलिऽ योऽमन, | तोऽऽऽऽराऽऽ
0 3

पंपगमरीसा– –; मंपधनिसांरींसांसां, धप धमं–गे, पप | सां
ऽऽऽऽऽऽऽऽ; जाऽऽऽऽऽऽऽऽ, गर हेऽऽऽ, सग | री ––– इत्यादि
×

## राग केदार - सरगम - झपताल (मध्यलय)

स्थायी

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा सा | रे सा सा, | म म | प – प, ‖ | म प | ध – प, | ध – | म – म |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |
| म म | प – प, | सां रें | सां निध, ‖ | म प | सां –, म | प म | प – प; |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |

अंतरा

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ध प | म प प | सां – | सां रें सां, ‖ | नि ध | सां – रें | सां नि | ध प म |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |
| मं मं | रें सां –, | रें सां | नि ध प, ‖ | म प | ध म प | म म | प – प; |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |

---

## राग केदार - लक्षणगीत - त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : दोऊ मध्यम और सब शुचि सुर युत
वक्र किये निग अनुलोम बिलुम
मध्यम वादी संवादी खरज।

अंतरा : राग किदार पहर पहले निस
गाये बजाये रिझाये 'सुजन' मन
मृदु निखाद बेवादी बिलुम सज ‖

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| प पम ध – | म म प प | सां रीं सां नि | ध प म म |
| दो ऊऽ म ऽ | ध्य म औ र | स ब शु चि | सु र यु त |
| 0 | 3 | × | 2 |
| म – म मग | प – म प | ध ध म – | सा री सा सा |
| व ऽ क्र किऽ | ये ऽ नि ग | अ नु लो ऽ | म बि लु म |
| 0 | 3 | × | 2 |
| सा – म मग | प – प – | मप ध ध – | प प म म ; |
| म ऽ ध्य मऽ | वा ऽ दी ऽ | संऽ ऽ वा ऽ | दि ख र ज ; |
| 0 | 3 | × | 2 |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| प – सां सां | सां – सां सां | सां सां सां सां | सां रीं सां सां |
| रा ऽ ग कि | दा ऽ र प | ह र प ह | ले ऽ नि स |
| 0 | 3 | × | 2 |
| नि ध ध सां | सां – सांनि रीं | सां प प मग | प प म प |
| गा ऽ ये ब | जा ऽ येऽ रि | झा ऽ ये सुऽ | ज न म न |
| 0 | 3 | × | 2 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ध नि ध प | म प धपमप ध | ध - म प | म री सा सा; |
| मृ दु नि खा | ऽ द बेऽऽऽ ऽ | वा ऽ दि बि | लु म स ज; |
| ० | ३ | × | २ |

---

## राग केदार- त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : पतित पावन जगदम्ब भवानी
दुर्गे महादेवि नमो नमो बलवती
अबल बलदानी ।

अंतरा : अस्तुत गात गंधर्व गुनी सुर मुनि
जपत नित नाम तिहारो, कीजो कृपा दृष्टि
शरन चरन 'सुजन' आयो आज, मात दयानी ॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| म म मग प | प प म प | ध - प प | प (प) - म |
| प ति तऽ पा | व न ज ग | द ऽम्ब भ | वा ऽ ऽ नि |
| ० | ३ | × | २ |
| म ध म प | - मग पे (प) | म सा री सा | प सा - री |
| दु र गे ऽ | ऽ मऽ हा ऽ | दे ऽ ऽ वि | न मो ऽ न |
| ० | ३ | × | २ |
| सा मग प प | प धनि सां प | म प ध ध | म -ग री सा; |
| मो ऽऽ ब ल | व तीऽ ऽ अ | ब ल ब ल | दा ऽऽ ऽ नि; |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| नि ध प म | - मग प - | सां - सां सां | सां रीं, सां सां |
| अ स्तु त गा | ऽ तऽ गं ऽ | न्ध ऽ र्व गु | नी ऽ, सु र |
| ० | ३ | × | २ |
| सां नि ध सां | सां सां सां सां | सां रीं सां ध | प (प) म - |
| मु नि ऽ ज | प त नि त | ना ऽ म ति | हा ऽ रो ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| म - म मग | प प - सां | - सां मं मं | रीं सां रीं सां |
| की ऽ जो ऽऽ | कृ पा ऽ दृ | ऽ ष्टि श र | न च र न |
| ० | ३ | × | २ |
| प ध ध म | - मग प - | प सां - प | प म री सा; |
| सु ज न आ | ऽ योऽ आ ऽ | ज मा ऽ त | द या ऽ नि; |
| ० | ३ | × | २ |

---

# राग केदार-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : चन्द्र लज्यो मुख देखि दृगन द्युति
निहरि लज्यो भान घन नील बरन
नभ लज्यो देखि नटवरके।

अंतरा : मुखविलास मुसकान देखि पुनि
लक्ष्मी लजी ब्रिज-गोपी लजी सब
मुरली नाद सुनि साम लज्यो
भयो लीन 'सुजन' हरि-चरन-कँवलके ॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| [प]म॑प ध ध [नि]ध | म - [ग]म मग | प - प [म॑]प | [प]म॑ प [सां]ध रीं |
| चंऽ ऽ द्र ल | ज्यो ऽ मु खऽ | दे ऽ खि दृ | ग न द्यु ति |
| 0 | ३ | × | २ |
| सां नि ध प | म - [ग]- [म॑]पम॑ | ध म [नि]सा री | सा - सा [सा]म |
| नि ह रि ल | ज्यो ऽ ऽ भाऽ | ऽ न घ न | नी ऽ ल ब |
| 0 | ३ | × | २ |
| [ग]म मग प प | [म॑]प [नि]ध नि [प]म॑ | प [ध]प [ग]म मग | [नि]सा री सा -; |
| र नऽ न भ | ल ज्यो ऽ दे | ऽ खि न टऽ | व र कै ऽ; |
| 0 | ३ | × | २ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| [म॑]प प [म॑]ध [प]ध | म मग [म॑]प प | [प]सां - सां [नि]सां | - सां [नि]सां सां |
| मु ख वि ला | ऽ सऽ मु स | का ऽ न दे | ऽ खि पु नि |
| 0 | ३ | × | २ |
| [नि]सां नि ध सां | [नि]सां - [नि]सां सां | [नि]सां रीं सां [नि]ध | [म॑]प - म म |
| ल छ मी ल | जी ऽ ब्रि ज | गो ऽ पि ल | जी ऽ स ब |
| 0 | ३ | × | २ |
| [नि]सानि री [नि]सा [सा]म | - मग [म॑]प प | [प]सां - म [ग]म | मग प, [म॑]प प |
| मुऽ र लि ना | ऽ दऽ सु नि | सा ऽ म ल | ज्योऽ ऽ, भ यो |
| 0 | ३ | × | २ |
| [ग]मं -गं रीं [नि]सां | [नि]ध प [ध]म॑ प[म] | ध ध प म[ग] | [नि]सा री सा -; |
| ली ऽऽ न सु | ज न ह रि | च र न कँ | व ल कै ऽ; |
| 0 | ३ | × | २ |

---

# राग केदार – रूपक (मध्यलय)

स्थायी : जगत उद्धार हे किरतार
भव भयहार सब सुखकार
तुम हो अपार अघनिस्तार ।

अंतरा : जपतहु नाम पावन सहज
आनन्द पावे चितमों 'सुजान'
अप्रंपार, सब संसार को तूं अधार ॥

### स्थायी

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| [प]सां [नि]ध | [प]मे [ग]मग | प - [म॑]प ‖ | [प]सां ध | [नि]सां [नि]रीं | सांनि ध प |
| ज ग | त उऽ | धा ऽ र ‖ | हे ऽ | कि र | ताऽ ऽ र |
| २ | ३ | ⊗ | २ | ३ | ⊗ |
| [ग]म म | [ग]म मग | पम॑ ध ध ‖ | [प]ध प | [ग]म म॑[ग] | [म]सा री सा |
| भ व | भ यऽ | हाऽ ऽ र ‖ | स ब | सु ख | का ऽ र |
| २ | ३ | ⊗ | २ | ३ | ⊗ |
| [नि]सा सा | [ग]म [ग]मग | प - [म॑]प ‖ | [प]नि ध | [नि]सां [नि]रीं | सांनि ध प; |
| तु म | हो अऽ | पा ऽ र ‖ | अ घ | नि स | ताऽ ऽ र; |
| २ | ३ | ⊗ | २ | ३ | ⊗ |

### अंतरा

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| [ग]म [ग]मग | प [म॑]प | [प]सां - सां ‖ | [नि]सां - | [नि]सां सांनि | रीं सां सां |
| ज पऽ | त हु | ना ऽ म ‖ | पा ऽ | व नऽ | स ह ज |
| २ | ३ | ⊗ | २ | ३ | ⊗ |
| [सां]नि ध | [नि]सां [नि]रीं | सां नि ध ‖ | [प]म॑ प | [नि]धनि ध | [प]मे - [ग]म |
| आ ऽ | न न्द | पा ऽ वे ‖ | चि त | मोंऽ सु | जा ऽ न |
| २ | ३ | ⊗ | २ | ३ | ⊗ |
| [ग]म [ग]मग | पम॑ धप | [ग]मसा री सा ‖ | [नि]सा सा | [सा]म मग | प - [म॑]प |
| अ पऽ | रंऽ ऽऽ | पाऽ ऽ र ‖ | स ब | सं ऽऽ | सा ऽ र |
| २ | ३ | ⊗ | २ | ३ | ⊗ |
| [प]नि ध | [नि]सां [नि]रीं | सांनि ध प; ‖ | | | |
| को ऽ | तूं अ | धाऽ ऽ र; ‖ | | | |
| २ | ३ | ⊗ | | | |

## राग केदार-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी: गजगति चाल चलत ब्रिजनारी
देखो सखि चित हारी हारी हारी ।
अंतरा: सजी सोलेहु सिंगार किये
पिया को लुभावन प्यारी प्यारी
चली जात चित चोरी चोरी चोरी ॥

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| (प)मं प (मं)ध प | मं -(री)ग सा री | सा सा (सा)मं मग | प -(मं)प - |
| ग ज ग ति | चा ऽऽ ल च | ल त ब्रि जऽ | ना ऽ री ऽ |
| २ | ० | ३ | × |
| (प)मं प (नि)धनि सांरीं | सां नि ध प | (प)मं - प (प)सां | - नि ध प; |
| दे ऽ खोऽ ऽऽ | स खि चि त | हा ऽ रि हा | ऽ रि हा रि; |
| २ | ० | ३ | × |

### अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| (मं)प (मं)ध - (प)मं | (ग)मं मग (मं)प - | (प)सां - सां सां | (नि)सां -,(नि)सां (नि)ध |
| स जी ऽ सो | ले हुऽ सिं ऽ | गा ऽ र कि | ये ऽ,पि या |
| ० | ३ | × | २ |
| (नि)सां (नि)रीं सां नि | ध प मं (ग)री | सा नि॒ ध॒ प॒, | (नि॒)सा (सा)मं -ग (मं)प |
| को लु भा ऽ | व न प्या ऽ | रि प्या ऽ रि, | च ली ऽऽ जा |
| ० | ३ | × | २ |
| - प (नि)ध नि | (प)मं - प (प)सां | - नि ध प; | (प)मं (मं)प ध प |
| ऽ त चि त | चो ऽ रि चो | ऽ रि चो रि; | ग ज ग ति |
| ० | ३ | × | २ |

---

## राग केदार-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी: बिरज में रास रच्यो है आज
धूम मची है जमुना तटपर
निरतत कान्ह ब्रिज-गोपीयन संग ।
अंतरा: एक गावत एक म्रिदंग बजावत
एक नाचत अत आनन्द सों
सोहत सखियन बिच मोहन राधे
ऐसो सजो है अनुपम रस रंग ॥

## स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | ध |
| | | | बि |
| मे मग प - | सां - सां रीं | सां नि ध प | म पम प, म |
| र जऽ में ऽ | रा ऽ स र | च्यो ऽ है ऽ | आ ऽऽ ज, धू |
| 3 | × | 2 | 0 |
| मग प (प) म | सां री सा, सा | ध सां री सां | नि ध प, सां |
| ऽऽ म ऽ म | ची ऽ है, ज | मु ना ऽ त | ट प र, नि |
| 3 | × | 2 | 0 |
| री सां म -ग | प - प, रीं | सां नि ध प | पम प ध; ध |
| र त त ऽऽ | का ऽ न्ह, ब्रि | ज गो पि य | नऽ सं ग; बि |
| 3 | × | 2 | 0 |
| मे मग प - | इत्यादि--- | | |
| र जऽ में ऽ | | | |
| 3 | | | |

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | प |
| | | | ए |
| ध मग प प | सां - सां सां | सां - सां सां | सांरीं सां सां, प |
| क गाऽ व त | ए ऽ क त्रि | दं ऽ ग ब | जाऽ व त, ए |
| 3 | × | 2 | 0 |
| ध मग प प | सां - सां सां | सां - सां सां | सां रीं सां सां |
| क गाऽ व त | ए ऽ क त्रि | दं ऽ ग ब | जा ऽ व त |
| 3 | × | 2 | 0 |
| सां ध सां रीं | सां नि ध प | म प ध ध | म - - ; मग |
| ए क ना ऽ | च त अ त | आ ऽ नन्द | सों ऽ ऽ, सोऽ |
| 3 | × | 2 | 0 |
| प प म मग | सां री सा सा | सा - म मग | प -म ध, म |
| ह त स खिऽ | य न बि च | मो ऽ ह नऽ | रा ऽऽ धे, ऐ |
| 3 | × | 2 | 0 |
| प धनिसां सां | ध - प, रीं | सां नि ध प | पम प ध; ध |
| ऽ सोऽ ऽ स | जो ऽ है, अ | नु प म र | सऽ रं ग; बि |
| 3 | × | 2 | 0 |
| मे मग प - | --- इत्यादि स्थायी के अनुसार | | |
| र जऽ में ऽ | | | |
| 3 | | | |

# राग केदार-त्रिताल (मध्यलय)

- श्लोक -

स्थायी : अंसालंबित वामकुंडलधरं मन्दोन्नतभ्रूलतम्।
किंचित् कुंचितकोमलाधरपुटं साचिप्रसारेक्षणम्॥

अंतरा : आलोलांगुलिपल्लवैर्मुरलिकामापूरयन्तंमुदा।
मूले कल्पतरोस्त्रिभंगललितं ध्याये जगन्मोहनम्॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| प (प) म - | सां री सा सा | म - म म | - प प ध |
| अं ऽ सा ऽ | लं ऽ बि त | वा ऽ म कु | ऽ ण्ड ल ध |
| ० | ३ | × | २ |
| प - - - | म प धनि सां | ध प - मप | ध ध म - |
| रं ऽ ऽ ऽ | म ऽ न्दोऽ ऽ | न्न त ऽ भ्रूऽ | ऽ ल त म् |
| ० | ३ | × | २ |
| म - प (प) | म - री सां | री - री सा | ऩि ध़ प़ म़ |
| किं ऽ चि त् | कुं ऽ चि त | को ऽ म ला | ऽ ध र पु |
| ० | ३ | × | २ |
| प़ - सा - | म - प - | प मपध निसां ध | प प म - |
| टं ऽ ऽ ऽ | सा ऽ चि ऽ | प्र साऽऽ ऽऽ रे | ऽ क्ष ण म् |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| मप ध ध - | म - प प | सां - रीं सां | - प सां सां |
| आऽ ऽ लो ऽ | लां ऽ गु लि | प ऽ ल्ल वै | ऽ र्मु र लि |
| ० | ३ | × | २ |
| रीं - सां - | सां - ध नि | ध प म प | ध ध म - |
| का ऽ ऽ ऽ | मा ऽ पू ऽ | र य ऽ न्तं | ऽ मु दा ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| म ग प - | सां नि ध प | म प नि ध | - प प प |
| मू ऽ ले ऽ | क ऽ ल्प त | रो ऽ स्त्रि भं | ऽ ग ल लि |
| ० | ३ | × | २ |
| म - - - | म प सां - | सां प (प) म | - री सा - |
| तं ऽ ऽ ऽ | ध्या ऽ ये ऽ | ज ग ऽ न्मो | ऽ ह न म् |
| ० | ३ | × | २ |

टीप : उपरोक्त श्लोक 'राग रत्नाकर' से लिया गया है। लेखकने इसका स्वरकरण किया है।

# राग केदार - ध्रुवपद - चौताल (विलंबित)

स्थायी : तत बितत घन शिखर वाध भेद चार कहत,
सुर लय रस राग ताल याहूँतें प्रकट होत।

अंतरा : तने तार उपजे सुर तत ताहि प्रथम भेद,
विविध भाँति बीना गत सूक्ष्म नाद श्रुति स्वर युत॥

संचारी : धात काठ मृद्भांड तन्यो तापि छाग छाल,
अवनद्ध लसत वाद्य ताल मार्ग परखावत॥

आभोग : ताडन किये गरजत घन धात काष्ठ मृतिखंड,
धात काष्ठ नलिकान्तर फूत्कार शिखर बजत॥

स्थायी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | प | - | म | म | मग | प | प | - | म | प | प |
| त | त | ऽ | बि | त | तऽ | घ | न | ऽ | शि | ख | र |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| म | प | प | ध | - | प | ध | - | म | म | म | म |
| वा | ऽ | ध | भे | ऽ | द | चा | ऽ | र | क | ह | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| म | मग | प | प | सां | रीं | सां | नि | ध | प | म | म |
| सु | रऽ | ल | य | र | स | रा | ऽ | ग | ता | ऽ | ल |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| म | - | मग | प | ध | म | म | म | म | सा | री | सा |
| या | ऽ | हूँऽ | तें | ऽ | ऽ | प्र | क | ट | हो | ऽ | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

अंतरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सां | प | मग | प | - | प | सां | सां | सां | - | सां | सां |
| त | ने | ऽऽ | ता | ऽ | र | उ | प | जे | ऽ | सु | र |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| सां | नि | ध | सां | - | रीं | सां | नि | ध | प | म | म |
| त | त | ऽ | ता | ऽ | हि | प्र | थ | म | भे | ऽ | द |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| म | म | मग | प | - | प | सां | रीं | सां | ध | प | म |
| वि | वि | धऽ | भाँ | ऽ | ति | बी | ऽ | ना | ऽ | ग | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| म | म | ध | ध | - | प | म | म | सां | री | सा | सा |
| सू | छ | म | ना | ऽ | द | श्रु | ति | स्व | र | यु | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

## संचारी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (नि)सा | प | प | (मं)प | (मं)- | (ध)प | (ग)म | - | मग | (मं)प | (मं)- | प |
| धा | ऽ | त | का | ऽ | ठ | मृ | ऽ | ऽऽ | द्रां | ऽ | ड |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (प)मं | (प)मं | प | (नि)ध | नि | ध | (मं)प | (मं)- | (ध)प | (ग)म | (ग)- | म |
| त | न्यो | ऽ | ता | ऽ | पे | छा | ऽ | ग | छा | ऽ | ल |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (ग)म | म | -ग | (मं)प | -मं | (ध)प | (ग)म | (ग)म | (ग)म | (ग)(नि)सा(नि) | री | सा |
| अ | व | ऽऽ | न | ऽऽ | द्ध | ल | स | त | वा | ऽ | ध |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (नि)सा | ध | ध | (मं)प | - | (मं)प | (ग)म | मग | प | (मं)- | प | प |
| ता | ऽ | ल | मा | ऽ | र्ग | प | रऽ | खा | ऽ | व | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

## आभोग

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (मं)प | - | (प)सां | सां | (नि)सां | सां | (नि)सां | सां | सां | सां | (नि)सां | सां |
| ता | ऽ | ड | न | कि | ये | ग | र | ज | त | घ | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (नि)सां | ध | ध | (ध)सां | - | सां | (नि)सां | (नि)रीं | सां | नि | ध | प |
| धा | ऽ | त | का | ऽ | ष्ठ | मृ | ऽ | त्ति | खं | ऽ | ड |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (ग)म | - | मग | (मं)प | (मं)- | प | (नि)सां | (नि)सां | रीं | - | सां | सां |
| धा | ऽ | तऽ | का | ऽ | ष्ठ | न | लि | का | ऽ | न्त | र |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (ग)मं | (ग)प | - | (सां)ध | सां | प | (ध)प | प | म | (नि)सां(नि) | री | सा |
| फू | ऽ | ऽ | त्का | ऽ | र | शि | ख | र | ब | ज | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

# राग कामोद-तराना-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : दिर दिर दिर दिर तान्न द्रेन्ना द्रेन्ना द्रेन्ना,
उदानि दानि तदानि दानि तोम्तन, द्रियानारे
तारेदानि दीम तदीम्, तननननन तदियानारे
तदरेदान्नि दीम् दीम्तदीम्, धेतेलाना तिटकत
गदिगिन धा।

अंतरा : श्रुतिप्रशस्ते स्वरगंगे सखि लय लीने
(संस्कृत में) स्वागतम् ते भवति कोऽत्र भरतायते
श्रुणुवत्से प्रियकर्ता मे चतुरो मुनि ॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| ; (प)म॑ प ध | ध (ग)म री सा | (ग)म री री (म॑)प | - म॑ (म॑)ध - |
| ; दिर दिर दिर | दिर ता ऽ न्न | द्रे ऽ न्ना द्रे | ऽ न्ना द्रे ऽ |
| | 2 | 0 | 3 |
| प -,(प)म॑ प | ध (प)म॑ प,(प)ध | (प)म॑ प (प)ग (ग)म | (म)ध - प प, |
| न्ना ऽ,उ दा | नि दा नि,त | दा नि दा नि | तो म्त न, |
| × | 2 | 0 | 3 |
| (प)ग म (ग)प (प)ग | म,री - सा | (सा)ध़ (नि़)- प़ (प)सा | -(नि़) री सा -, |
| द्रि या ना रे | ऽ,ता ऽ रे | दा ऽ नि दी | म् त दी म्, |
| × | 2 | 0 | 3 |
| (सा)म री (री)प म | (म॑)ध प,(ध)सां ध | सां (प)म॑ ध,(म)ग | म (ग)प (प)ग म |
| त न न न | न न, त दि | या ना रे, त | द रे दा ऽ |
| × | 2 | 0 | 3 |
| री सा -,(प)सां | -(नि) रीं सां -, | (नि़)सा सा (सा)म री | (री)प (प)म॑ (म॑)ध प |
| न्नि दी म्,दी | म् त दी म्, | धे ते ला ना | तिट कत गदि गिन |
| × | 2 | 0 | 3 |
| ध; (प)म॑ प ध | ध (ग)म री सा | | |
| धा; दिर दिर दिर | दिर ता ऽ न्न | | |
| × | 2 | | |

--- इत्यादि

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| (म॑)प प -(प)सां | सां -(नि)सां - | (नि)सां सां (नि)सां (नि)रीं | सां -(नि)ध प |
| श्रु ति ऽ प्र | श ऽ स्ते ऽ | स्व र गं ऽ | गे ऽ स खि |
| × | 2 | 0 | 3 |
| (प)ग म (ग)प (ग)म | री सा,(सा)म री | री (री)प म॑ (म॑)ध | प (नि)सां (नि)रीं सां |
| ल य ली ऽ | ने ऽ,स्वा ऽ | ग त म् ते | ऽ भ व ति |
| × | 2 | 0 | 3 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| मं रीं रीं पं | पं गं मं रीं | सां - - -, | सा सा री - |
| को S त्र भ | र ता S य | ते S S S, | श्रु णु व S |
| × | २ | ० | ३ |
| सा -, प प | ध - प - | सां -, मं रीं | सां - ध प |
| से S, प्रि य | क S र्ता S | मे S, च तु | रो S मु नि |
| × | २ | ० | ३ |
| -; मं प ध | ध म री सा | | |
| S; दिर दिर दिर | दिर ता S न्न | ...इत्यादि स्थायी के अनुसार | |
| × | २ | | |

---

## राग कामोद - तिलवाडा (विलंबित)

स्थायी : कजरा कपोल अधर पर अंजन,
पगिया पेंच उलझ उलझ रहे,
डगमग चाल चले मतवारो ।

अंतरा : ना जानूँ कौन सखी बड़ भागनी,
बस कीनो जिन पीतम प्यारे,
सुध न रही काहूँ तन मन की,
मगन भये ब्रिजराज दुलारो ॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| पधपप ग मप,गम ,सा | री - सा ,सा | म(म) री ,मरी पप | |
| कSजS रा SS,SS ,क | पो S ल ,अ | धर S ,SS पर | |
| ३ | × | २ | |
| पधप,मपध -ध प ,मंप ‖ | प रीं सां ,निसां | ध - प ,मंप | |
| अंSS,SSS Sज न ,SS ‖ | प गि या ,SS | पें S च ,SS | |
| ० | २ | × | |
| प ध प ग | म री सा ,सा ‖ | ध निप, पप सासा | री - सा ,सा |
| उ ल झ S | उ ल झ ,र ‖ | हे SS, डग मग | चा S ल ,च |
| २ | ० | ३ | × |
| मरी,पमे धमंप सां पेप | ग मप,गम री सा; ‖ | | |
| लेS,SS SSS S मत | वा SS,SS S रो; ‖ | कजरा ---- इत्यादि | |
| २ | ० | | |

अंतरा

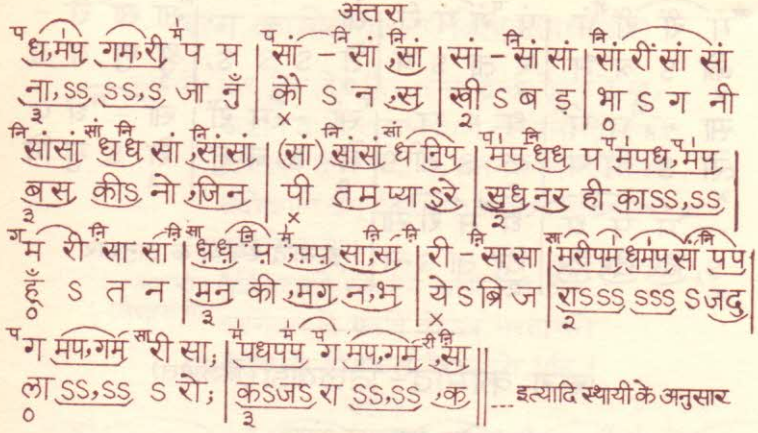

धमप गम,री प प | सां – सां ,सां | सां – सां सां | सां रीं सां सां
ना,ऽऽ ऽऽ,ऽ जा नूँ | को ऽ न ,सु | खी ऽ ब ड़ | भा ऽ ग नी
३ | × | २ | ०

सांसां धध सां ,सांसां | (सां) सांसां ध निप | मप धध प मपध,मप
बस कीऽ नो ,जिन | पी तम प्या ऽरे | सुध नर ही काऽऽ,ऽऽ
३ | × | २

म री सा सा | धध प ,पप सा,सा | री – सा सा | मरीपम धमप सा पप
हूँ ऽ त न | मन की ,मग न,भ | ये ऽ ब्रि ज | राऽऽऽ ऽऽऽ ऽजदु
० | ३ | × | २

ग मप,गम री सा; | पधपप ग मप,गम ,सा ||
ला ऽऽ,ऽऽ ऽ रो; | कऽजऽ रा ऽऽ,ऽऽ ,क || ... इत्यादि स्थायी के अनुसार
० | ३

---

## राग छायानट-सूलफाक्ता (मध्यलय)

स्थायी : मन लाग्यो मोहन सों, चैन नावत घरि पल,
नित याद आवत रस बतियाँ बालम की।
अंतरा : कोयल कूकत अंगना, सह न पाऊँ इक छिन,
बिरह अगन जरी जात, (अत,) सुध न रही अब तन मन की॥

स्थायी

ध प
म न
०

री ग | म प | गम री | सा –, | सा सा || री ग | म प | म गम | री सा, | सा रीं
ला ऽ | ग्यो मो | हऽ न | सों ऽ, | चै न || ना ऽ | व त | घ रिऽ | प ल, | नि त
× | ० | २ | ३ | ० || × | ० | २ | ३ | ०

सां – | सां ध | नि प, | सासा | री री || ग ग | म प | सा री | सारी गम, | ध प
या ऽ | द आ | व त, | र स | ब ति || या ऽ | ऽ बा | ल म | कीऽ ऽऽ, | म न
× | ० | २ | ३ | ० || × | ० | २ | ३ | ०

अंतरा

प प | प सां | सां सां | सां रीं | सां – || सां सां | सां रींगं | मंपं रीं | सां सां | धनि प
को य | ल कू | क त | अं ग | ना ऽ || स ह | न पाऽ | ऽऽऊँ | इ क | छिऽ न
× | ० | २ | ३ | ० || × | ० | २ | ३ | ०

प प | प सां | सां रीं | सां ध | नि प || री ग | म प, | प प | सासा | री ग
बि र | ह अ | ग न | ज री | ऽ जा || ऽ त | अ त, | सु ध | न र | ही ऽ
× | ० | २ | ३ | ० || × | ० | २ | ३ | ०

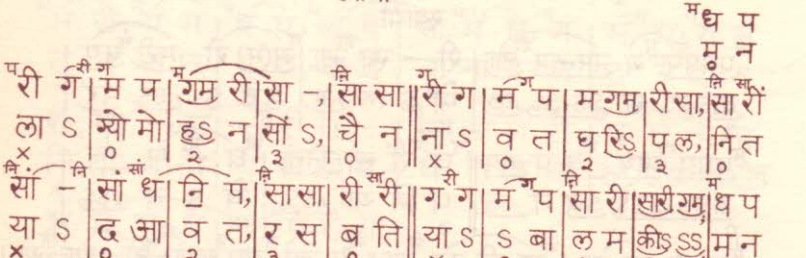

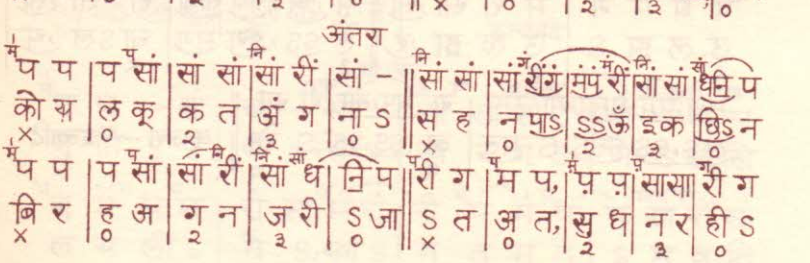

सा सा, सां सां | ध नि प | रीग मध, | ध प ||
अ ब, | तु न | मु न | कीऽ ऽऽ, | मु न || लाग्यो ... इत्यादि स्थायी के अनुसार
× | ० | २ | ३ | ० ||

---

## राग छायानट-एकताल (विलंबित)

स्थायी : घरिया गिनत मोहे बीती जात रैन,
नैना ना आवत निंदिया।
अंतरा : तरपत हूँ दिन रैन मीन जैसे जल बिन,
कोऊ जाय कहो पियुसों ये बिथा,
अब न माने जिया ॥

### स्थायी

, सासा
, घरि

निसारीगमप री,री | सा,(सा)ध नि,पप | सा,निसा ,सारी | सा,निसा -सा |
याऽऽऽऽऽ ऽ,गि | न,त ऽ ऽ,मोहे | बी,ऽऽ ,तीऽ | जा,ऽऽ ऽत |
३ | ४ | × | ० |

रीग गम | निध प,मप || प(प) री | रीग मप | मग परी | सा,ध निप |
रैऽ ऽऽ | ऽऽ न,ऽऽ || नैऽ ऽ | नाऽ ऽऽ | नाऽ आऽ | ऽव ऽत |
२ | ० || ३ | ४ | × | ० |

पप सानि | रीसा ,सासा ||
निंदि याऽ | ऽऽ ,घरि || ... इत्यादि
२ | ० ||

### अंतरा

पप सांसां | सां ,सांसां | रीं सां,निसां | सां -ध | सांरीं सांध | नि प ||
तर पत | हूँ ,दिन | रै न,ऽऽ | मी ऽन | जैसे जल | बि न ||
३ | ४ | × | ० | २ | ० ||

पप निसांरींगंमं | रीं,सां (सां) | ध,निप मप | पप मंपमंपमंपनिसां | रीं रीं |
कोऊ जाऽऽऽऽ | य,क हो | ऽ,ऽऽ ऽऽ | पियु सोंऽऽऽऽऽऽऽ | ऽ ये |
३ | ४ | × | ० | २ |

गंगं मप || मग मरी | सा, सा(सा) | ध निप, | पप सासा | रीगमध,प मग |
ऽऽ ऽबि || थाऽ ऽऽ | ऽ, ऽ ऽ | ऽ ऽऽ, | अब नमा | नेऽऽऽ,जि याऽ |
० || ३ | ४ | × | ० | २ |

मरी सा;सासा || निसारीगमप
ऽऽ ऽ; घरि || याऽऽऽऽऽ --- इत्यादि स्थायी के अनुसार
० || ३

---

## राग छायानट – सरस्वती वंदना

(वृन्दगान के योग्य)

स्थायी: नमो नमो जय श्री सरस्वती दयानी,
विधादानी कृपा-करनी दुःख-हरनी,
पतित-उद्धरनी, जय भवानी जय शिवानी,
जय जय जय देवि।

अंतरा-१: नाद निनादत गाये बजाये नाम तिहारो,
नृत्य किये अति भक्तिभाव सों, राग ताल
रस रंग रसीले, श्रवण नेत्र पुनि चित्त मिलाये,
तव चरननतें ध्यान लगाये, जयभवानी जय शिवानी,
जय जय जय देवि॥

अंतरा-२: भरतमुनि निःशंक अहोबल तानसेन अति चतुरगुनी,
ग्यान ध्यान गुन मान बली, सब सेवकगण यातेहुँ
फल पाये–चित्त शुद्धि बुद्धि मुक्ति जीवन में,
जय भवानी जय शिवानी, जय जय जय देवि॥

अंतरा-३: भरत भूमि संगीत सुंदरी, गीत वाद्य अरु नृत्य सजे,
सिंगार किये उपहार लिये तव द्वार खड़ी,
प्रसीद प्रसीद प्रसीद मात, यही बिनति करत
कर जोर जोर, सुनि लैहो सुनि लैहो सुनि लैहो,
जय भवानी जय शिवानी, जय जय जय देवि॥

टीपः इस गीत के स्वरकरण में जहाँ पर '⟶' ऐसा चिन्ह दर्शाया गया है,
वहाँ आवाज़ को मुलायम करना चाहिये।

स्थायी

[प़]सा [नि़]सा प ⟶ [मं]प [नि]ध नि़प़ ⟶, [मं]पप (प)री – [म]गम पम गम री सा – – ⟶;
न मो ऽ नमो ऽऽ , जयश्री ऽ ऽ ऽऽ सर ऽऽ स्व ती ऽऽ ;

[सा]रीसा – – [सा]धनि़प़ ⟶; [मं]प़ – [प़]सा – ⟶, [ग]री ग म गम री – सा – – ⟶;
द या ऽऽ ऽऽ नी , वि ऽ द्या ऽ , दा ऽ ऽ ऽऽ ऽ ऽ नी ऽऽ ;

[मं][मं]प़प़ सा – [नि] रीरीसा –, [नि]सासा [ग]री [ग]री [म]ग – म [ग] – प – – – ⟶; [मं]पप सां
कृपा ऽ ऽ क रनी ऽ, दुःख ह र नी ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ; पतित

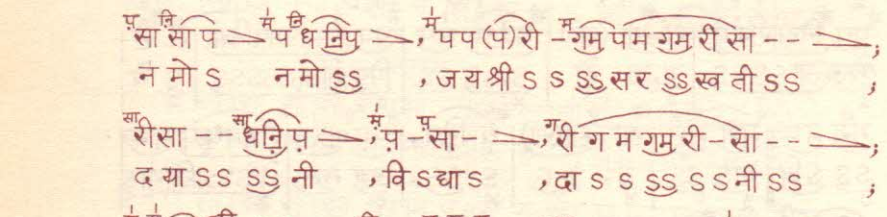

सां रीं रीं सां -, रींगं मं रीं सां - सां, रीं - सां ध नि प, मप सां ध - प -,
उद्धर नीऽ, जैऽ ऽ भवाऽनी, जैऽशिवाऽनी, जैऽ ऽ जै ऽ जै ऽ,

री गम प म - ग - री - - - सा - - -
दे ऽऽ ऽ ऽऽऽऽऽऽऽऽऽवीऽऽऽ

अंतरा-१

रीं - रीं, रीं रीं - रीं रीं, रींगं मं रीं सां ध - प -, रीगमप-री सा री ग
नाऽद, निनाऽदत, गाऽ ऽ ये ब जाऽयेऽ, नाऽऽऽऽमति हाऽ

मप सां - ; प - सा सा री-सासा री - ग म - पप -, ध - ध
ऽऽरेऽ ; नृऽत्य कि येऽअति भऽक्ति भाऽवसोंऽ, राऽग

धनिप मंप सां - सां रीं ध - प - ; गं गं गं गंमं रीं सांसां सां - रीं
ताऽलरस रंऽगर सीऽलेऽ ; श्रवण नेऽत्र पुनि चिऽत्त

रीं ध - प - ; मंप सांसांधप परी -, रीगमप सारीसा - ;
मिलाऽयेऽ ; तव चरनन तेंऽऽ, ध्याऽनल गाऽयेऽ

रींगं मं रीं सां - सां, रीं - सां ध नि प, मप सां ध - प -, रीगम प म - ग -
जैऽ ऽ भवाऽनी, जैऽशिवाऽनी, जैऽ ऽ जैऽजैऽ, दे ऽऽ ऽ ऽऽ ऽऽ

री - - - सा - - -
ऽऽऽऽवीऽऽऽ

अंतरा-२

सासासा सा पे -, मंप ध - ध, नि ध - पप, मंपप सां रींसां, ध प
भरत मुनि ऽ, निःऽशंऽक, अहोऽबल, ताऽनसे ऽन, अति

रीरी गरी गम पे - ; प - रीं, सां - सां धप मंपप सां ध - पे -
चतुरऽ गुनीऽऽ ; ग्याऽन, ध्याऽन गुण माऽन बलीऽऽऽ

; पप री - गग मम प - सां रीं -, गंमं रीं - सां - ;
; सब सेऽवक गण याऽते हूँ ऽ, फल पाऽयेऽ

सां - सां, रीं - रीं, धनिप, री - री, ग - मपसां - ; रींगं मं रीं सां - सां,
चिऽत्त, शुऽद्धि, बुऽद्धि, मुऽक्ति, जीऽवन में ऽ ; जैऽऽभवाऽनी,

रीं - सां ध - पे, मंप सां ध - पे -, री गमप - म - ग - री - सा - ——
जै ऽ शि वा ऽ नी, जैऽ ऽ जै ऽ जै ऽ, दे ऽऽ ऽऽऽऽऽऽऽऽऽवीऽ

अंतरा - २

पप री सा - सा, ऩिसा री गरी ग म - प प -, सा - सा ध - ऩि प प,
भ र त भू ऽ मि, सं ऽ गी ऽऽ त सुं ऽ द री ऽ, गी ऽ त वा ऽ द्य अ रु,

म - प ध प री, री - री ग म प प -, प प सां - सां सां रीं - सां सां ध ऩि प
नृ ऽ त्य स जे ऽ, सिं ऽ गा ऽ र किये ऽ, उ प हा ऽ र लिये ऽ त व द्वा ऽ र

पसां - ——; सां ध - पे, प ध - प, प म गम री, सा - सा ऩिसा रीरी ग
खड़ी ऽ ; प्र सी ऽ द, प्र सी ऽ द, प्र सी ऽऽ द, मा ऽ त यही बिनति

गमम पप सां - रीं सां - सां, ध प प - सां - ——; प प सां - रीं - ——;
करत कर जो ऽ र जो ऽ र, सुनि लै ऽ हो ऽ ; सुनि लै ऽ हो ऽ ;

गमं रीं - सां - ——; रींगं मं रीं सां - सां, रीं - सां ध - पे, मंप सां ध - पे -,
सुनि लै ऽ हो ऽ , जैऽ ऽ भ वा ऽ नी, जै ऽ शि वा ऽ नी, जैऽ ऽ जै ऽ जै ऽ,

री गमु प - म - ग - री - सा - ——
दे ऽऽ ऽऽऽऽऽऽऽऽवीऽ

टीपः इस रचना का मूल स्वरकरण लेखक ने 'राग कुकुभ' में किया है, जो कि एक प्रातर्गेय राग है। सायंगेय 'छायानट' राग में इस रचना का रूपान्तर लेखक ने ही किया है, जिससे यह गीत सायंकालीन सभाओं में गाया जा सके।

---

# राग हिंडोल - त्रिताल (मध्यलय)

## स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| (ध)सां ध ध (ध)सां | (सां)ध (ध)मं (मं)ग (ग)सा | (ध)सा ध़ ध़ (ध)सा | – सा (मं)गमं धसां |
| गूँ ऽ ज उ | ठी ऽ है ऽ | दि ऽ व्य गा | ऽ न कीऽ ऽऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| (ध)सां सां (सां)ध सां | (सां)ध – (ध)मं – | (मं)ग – ग (ग)मं | ग ग सा – |
| द स दि स | ह् ऽ फै ऽ | या ऽ ज़ ना | ऽ म की ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| (नि)सा ध़ ध़ (ध)सा | (नि)म़ ध़ सा सा | (मं)ग – ग (ध)मं | – मं (नि)ध – |
| रा ऽ ग ता | ऽ ल र स | रु ऽ प रं | ऽ ग की ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| (ध)सां (नि)सां मं गं | सां सां (नि)सां मंध | (ध)सां – ध (ध)मं | ग सा (मं)गमं धसां |
| सु नो ऽ चौ | ऽ मु खी ऽऽ | गी ऽ त री | ऽ त कीऽ ऽऽ |
| ० | ३ | × | २ |

## अंतरा-१

| | | | |
|---|---|---|---|
| (ध)मं – (सां)ध (नि)ध | सां – (नि)सां (सां)ध | सां – – (नि)सां | गं सां सां – |
| का ऽ क हि | ये ऽ क हा | लें ऽ ऽ ब | खा ऽ ने ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| (ध)सां ध ध (ध)सां | – सां सां – | (सां)गं – सां (नि)सां | ध ध (ध)सां (मं)ध |
| क ऽ ण्ठ मा | ऽ धु री ऽ | गी ऽ त चा | ऽ तु री ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| (सां)मं – गं (गं)मं | गं – सां – | (नि)सां ध ध (ध)सां | (सां)ध (ध)मं (मं)ग – |
| मु ऽ ग्ध भ | यो ऽ सं ऽ | सा ऽ र स | क ल ह् ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| (ग)मं ग ग (नि)सा | – सा (मं)ग – | (ध)मं – (सां)ध (नि)ध | सां सां (ध)सां (मं)ध |
| ध ऽ न्य ध | ऽ न्य सं ऽ | गी ऽ त सू | र ज की ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

## अंतरा-२

| | | | |
|---|---|---|---|
| (ध)सां सां (सां)ध (ध)सां | – सां (नि)मं (नि)ध | सां – – (नि)सां | गं गं सां – |
| सि र न वा | ऽ ये तु म्ह | रे ऽ ऽ च | र न पै ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| (सां)ध (नि)ध सां (सां)मं | गं – सां – | (नि)मंध सां ध (ध)मं | (मं)ग सा – सा |
| प्रे ऽ म पि | या ऽ फै ऽ | याऽ ऽ ज़ हु | सै ऽ ऽ न |
| ० | ३ | × | २ |
| (ध)सा ध़ सा – | (सा)ग ग ग (ध)मं | – मं (सां)ध – | ध (ध)सां मं ध |
| पा ऽ वे ऽ | गु न अ पा | ऽ र ना ऽ | द बे ऽ द |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| (नि)सां – (सां)गं – | सां – (नि)सां मंधु | (ध)सां सां (सां)ध (ध)मं | (मं)(ग)ग सा गमं धसां |
| जै ऽ जै ऽ | हो ऽ जै ऽऽ | गु रु च र | न न क्रीऽ ऽऽ |
| ० | ३ | × | २ |

टिप्पणी: यह बन्दिश पृष्ठ १९ पर सायंगेय राग भूपाली के अंतर्गत दी जा चुकी है। केवल प्रातःकालीन सभाओं में गाने के हेतु लेखक ने इस राग का रूपान्तर हिंडोल में किया है।

---

## राग मालश्री - त्रिताल (मध्यलय)

(संस्कृत में)

स्थायी: जय जय हरे प्रणतजनशरणचरणं अभिवन्दे।
स्वान्तशान्तये भ्रान्तमतिः अहं इहनतशिरः॥
अंतरा: कमलपुटवेष्टितो भ्रमर इव हतचेतनः अहं।
मोचय आशु मां अतिजटिल भवविकटजालात्॥

स्थायी

(ऩि)सा
ज

| | | | |
|---|---|---|---|
| सा (प)ग प प | सां – –, (नि)सां | प प (प)ग प | ग (ग)सा सा, (सा)प़ |
| य ज य ह | रे ऽ ऽ, प्र | ण त ज न | श र ण, च |
| ३ | × | २ | ० |
| प़ सा ग ग | प – (प)निसां गं | –(नि)सां – प | (प)ग – प ग |
| र ण म भि | व ऽ न्देऽ ऽ | ऽ स्वा ऽ न्त | शा ऽ न्त ये |
| ३ | × | २ | ० |
| (ग)सा (ऩि)सा प़ प़ | सा सा ग ग | प प प ग | प ग सासा; (ऩि)सा |
| ऽ भ्रा ऽ न्त | म ति र ह | मि ह न त | शि रा ऽह; ज |
| ३ | × | २ | ० |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| (मं)प प प सां | सां (नि)सां – सां | सां – – (नि)सां | सां सां सां सां |
| क म ल पु | ट वे ऽ ष्टि | तो ऽ ऽ भ्र | म र इ व |
| ३ | × | २ | ० |
| (मं)प प प सां | सां (पं)गं पं गं | सां –, (नि)सां प | सां सां सां, (नि)सां |
| क म ल पु | ट वे ऽ ष्टि | तो ऽ, भ्र म | र इ व, ह |
| ३ | × | २ | ० |
| प (प)ग प ग | सा – प़ – | (ऩि)सा – सा ग | – ग प – |
| त चे ऽ त | नो ऽ हं ऽ | मो ऽ च या | ऽ शु मा ऽ |
| ३ | × | २ | ० |

| | | | |
|---|---|---|---|
| - सां सां गं | सां सां पे प | प ग प ग | -सा -सा ; सा |
| ऽ म ति ज | टि ल भ व | वि क ट जा | ऽला ऽत ; ज |
| ३ | × | २ | ० |
| सा ग प प | सां - | | |
| य ज य ह | रे ऽ --- इत्यादि स्थायी के अनुसार | | |
| ३ | × | | |

---

## राग शंकराकरण

यह एक कल्याण थाट में से उत्पन्न होनेवाला शंकरा प्रकार है। इसमें रिखब बहुत दुर्बल है। इस राग का वादी स्वर पंचम तथा संवादी षड्ज है। गाने का समय रात्रि का प्रथम प्रहर है। अवरोह में मध्यम दुर्बल है। 'निप' तथा 'गप' संगति रागवाचक है। विद्वानों के मतानुसार शंकरा के साथ हिंडोल एवम् कल्याण अंगों के संमिश्रण से इस राग का मंडन होता है।

आरोहावरोह

सा, गप, गमंध, प, गमंधसां । सां, निधनिप, गपधप, गप, गं-सा ॥

पकड

धप ग-सा, सागमंध, निधनिप, गप, ग-सा।

स्वरविस्तार

साग, धपग-सा, साग, मंधप, गमंध, मंधसां-(प), नि-प, ग, गप, गपधप, ग-सा।
सा, ग-सा, प ग-सा, मंधसा, प-ग, पग-सा, सागमंध, निधनिप, गप, निधसां, निधनिप, गप, गमंधसां, निधनिप, गप, निधिप, गपधप, गप, ग-सा।
प, गप, सागप, मंधसा, पगप, गप, निधिप, मंधमं, निधिप, सां, नि-प, गपसां, निधप, मंध, धनि-प, गप, गमंधप, गप, गपधप, ग-सा।
सा, ग-सा, निधिप, मंधसा, प-ग, साग, मंधप, गप, ग-सा, साग, पगप, गप, गमंध, मंधनिध, मंधप, गपसां, निधिप, प-ग, पसां, निधिप, गपनिसां, गं-सां, निधिप, प, गमंध, मंधसां, गं-सां, निधिप, निसांगं, पंगंपं, गं-सां, मंधसां, निधसांनि-प, गप, निनि पग, पपगपगसा, गमंध, (प) ग, पग-सा।
प, निधिप, गप, सां, सांगं, गंपं, गं-सां, गं-सां, निध, गमंधसां-(प), गप, निधिप, गमंधप, पमंगसा, गमंध, प-ग, सागमंध, धनि (प)-ग, सागमंध, प, गप, ग-सा।

---

## राग शंकराकरण - त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : जारे जारे जारे पतंगवा,
कहो संदेसवा।

अंतरा : घर आंगना कछु ना सुहावे,
तुम्हरे दरस बिन बालमुवा॥

### स्थायी

(नि)सा
जा

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग मं ग मं | (नि)ध - - - | (प) ग -, (ध)प | ग ग (री)सा -, |
| रे जा ऽ रे | जा ऽ ऽ ऽ | रे ऽ ऽ, प | तं ग वा ऽ, |
| 3 | × | 2 | ० |
| (नि)सा (प)ग - (ध)प | ग - - (री)सा | पमं गसा गमं धप | ग - (री)सा ; (नि)सा |
| क हो ऽ सं | दे ऽ ऽ ऽ | सऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ | वा ऽ ऽ ; जा |
| 3 | × | 2 | ० |

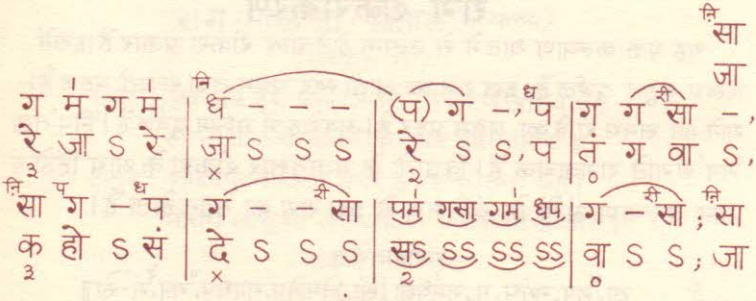

### अंतरा

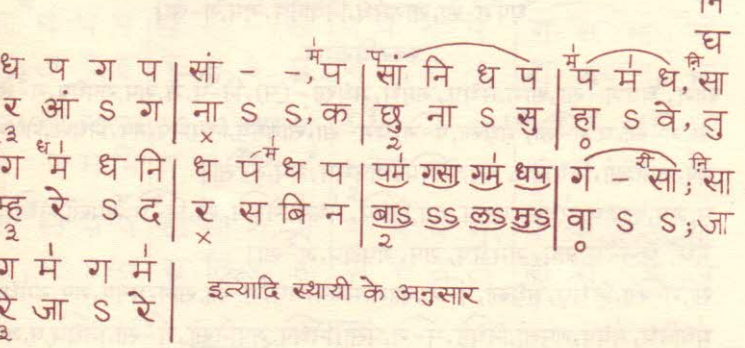

(प)नि
घ

| | | | |
|---|---|---|---|
| ध प ग प | सां - -, (मं)प | (प)सां नि ध प | (मं)प मं ध, (नि)सा |
| र आं ऽ ग | ना ऽ ऽ, क | छु ना ऽ सु | हा ऽ वे, तु |
| 3 | × | 2 | ० |
| (प)ग (ध)मं ध नि | ध (मं)प ध प | पमं गसा गमं धप | ग - (री)सा ; (नि)सा |
| म्हे रे ऽ द | र स बि न | बाऽ ऽऽ लऽ मुऽ | वा ऽ ऽ ; जा |
| 3 | × | 2 | ० |
| ग मं ग मं | इत्यादि स्थायी के अनुसार | | |
| रे जा ऽ रे | | | |
| 3 | | | |

---

## राग शंकराकरण - रूपक (विलंबित)

स्थायी : काहू को रिझावन हो, अलबेली नार,
परी बनठन चली।

अंतरा : निहरे सुजनवा, बावरो भयो तिहारे छलबलसों,
परी बनठन चली॥

स्थायी

,पधप | ग -सा,सा || गप -ग मध | -,मध सां | (प) ,धगप || निध प मग |
,काऽहू | को ऽऽ,रि || झाऽ ऽऽ ऽऽ | ऽ,वऽ न | हो ,ऽऽऽ || अल बे ऽऽ |
| ३ || ⊗ | २ | ३ || ⊗

गप,गमध -प | ग सांसा || मध सा निसा | प गग | पमगसा,गमध- (प)ग ||
ऽऽ,ऽऽऽ ऽली | ना ऽर || एऽ री ऽऽ | ब ऽन | ठऽऽऽ,ऽऽऽऽ न ऽ ||
२ | ३ || ⊗ | २ | ३

पग सा;साग गम | मध ,पधप | ग -सा,सा ||
चली ऽ;पऽ ऽऽ | ऽऽ ,काऽहू | को ऽऽ,रि || इत्यादि
⊗ | २ | ३

अंतरा

,निध | प मग,प || सांसां सांसां निसां | सांगं सांगंपं- | गंपं,गं -सां ||
,निह | रे ऽऽऽ || सुज नवा ऽऽ | बाऽ ऽऽऽऽ | ऽऽ,वऽरो ||
| ३ || ⊗ | २ | ३

निध गप धसां,सां | निध,प-मग गप,गमध--प | ग -सा || मध सा निसा |
भयो तिहा ऽऽ,रे | छल,बऽऽऽ ऽऽ,ऽऽऽऽऽल | सों ऽऽ || एऽ री ऽऽ |
⊗ | २ | ३ || ⊗

प गग | पमगसा,गमध- (प)ग || पग सा;साग गम | मध ,पधप | ग -सा,सा ||
ब ऽन | ठऽऽऽ,ऽऽऽऽ न ऽ || चली ऽ;पऽ ऽऽ | ऽऽ ,काऽहू | को ऽऽ,रि ||
२ | ३ || ⊗ | २ | ३

गप -ग मध |
झाऽ ऽऽ ऽऽ | इत्यादि स्थायी के अनुसार
⊗

---

# राग नंद

गत ७०-७५ वर्षों से राग नंद का प्रचलन हुआ है। संगीत-ग्रंथों में इस राग का उल्लेख नहीं मिलता। कुछ लोग इसे आनंदी के नाम से सम्बोधित करते हैं। इस मधुर राग की संकल्पना, बिहाग एवम् गौड़सारंग के संमिश्रण से हुई है, ऐसा कुछ विद्वानों का कथन है। आरोह में बिहाग तथा अवरोह में गौड़सारंग और साथ साथ "सा ग, मधप, ग रे, सा" ऐसे एक विशेष रागवाचक स्वरसमुदाय का प्रयोग करते हुवे इस राग का मंडन होता है।

इस राग का थाट कल्याण है। दोनों मध्यमों का प्रयोग होता है। षड्ज वादी एवम् पंचम संवादी है। यह रात्रिगेय राग है। इसका चलन वक्र है।

उठाव

साग, मधप, ग रे, सा, गम, ग मगप, गमपधनि, पध, प मंप, प ग, म गमप, ग रे, सा।

## स्वरविस्तार

सा, निसाग, साग, मग, मगप, प, धमंप-ग, साग, मधप, रे, सा।

सा, रेनि-सा, पनि-सा, पनिसारेनि, साग, रे-सा, रेनि, साग, सागम, मगप, गमपधनि, धनि-प, प-, पध-पमं, मंप-ग, साग, मधप, रे, सा।

साप-ग, गमप, रे, सा, सागमप, गमधप, रे, सा, पनिसाग, मगप, गमधप, रे, सा, रेसानिसा ग, मग सागमप, गमपधनि-प, गमपनि, धनि-प, गमपनिसां, रेंनि, धनि-प, पध रेंनि, धनि-प, पधनि, पध, मंप-ग, सागमप, सां-प, धमंप-ग, गमधप, रे, सा।

साग, निसाग, पनिसारेनि, साग, पसा, रेनि, साग, साम-ग, सामगप-ग, साग, मधमंप-ग, गमध मंप-ग, गमपनि-पध-मंप-ग, गमपध पधनि-पधमंप-ग, गमपनिसां, रेंनिसां, धनि, पध, मंप-ग, गमपध सांरेंगं-सां, रेंनि, सांप, धमंप-ग, साग, मधप, रे, सा।

सा, मगप, गमगप, निसा, मगप, गमपधनि-प, गमपनि, सां, रेंनि-प, पधनि पधरेंनि-प, पनिसांगं-सां, रेंनि-प, पनिसांगं मंपं रें, सां, रेंनि-प, पधरेंनि-प, धनि, पध, मंप-ग, गमधप-रे, सा।

प, गमपनि, सां, पधपप सां, पनि, सांरेंसां, पनिसांगं-सां, पनिसांरेंनि, सांगं-सां, निसांगं, सांमं-गं, गंमंपं-रें, सां, निसांगंमंपं रें, सां, गंसां, रेंनि, सांध, निप, धमं, पग, सागमपधनि, पधपध-पमं, मंपमंप-ग, साग, सागमधप, रे, सा।

---

# राग नंद-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी: पायल मोरी बाजे झनन झनन,

अत डर पावे जिया।

अंतरा: कैसे कर आऊँ बालमवा पास मैं तेहारे,

घर की लुगैंया जाग रही, अत डर पावे जिया॥

## स्थायी

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | | | | | | | | सा |
| | | | | | | | | | | | | | | | | पा |
| ग | म | ध | प | री | - | सा | - | ग | ग | म | मग | प | प | - | , | ग |
| यल | मो | ऽ | री | बा | ऽ | जे | ऽ | झ | न | न | झऽ | न | न | ऽ | , | अ |
| ३ | | | | × | | | | २ | | | | ० | | | | |
| म | प | - | ध | नि | - | प | - | ध | - | मं | - | प | ग | - | ; | सा |
| त | ड | ऽ | र | पा | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | वे | ऽ | ज़ि | या | ऽ | ; | पा |
| ३ | | | | × | | | | २ | | | | ० | | | | |

अंतरा

प<br>कै

प नि – नि | सां – – सां | – – सां – | सां रीं सां, सां<br>
से क ऽ र | आ ऽ ऽ ऊँ | ऽ ऽ बा ऽ | ल म वा, पा<br>
३ × २ ०

सां सां रीं सां | नि – प – | ध – म – | प ग –, ग<br>
स मैं ऽ ति | हा ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ रे ऽ, घ<br>
३ × २ ०

ग गम धप | री – सा – | नि साम मग | प – –, ग<br>
र कीऽ ऽ लु | गैं ऽ या ऽ | जा ऽ ग रऽ | ही ऽ ऽ, अ<br>
३ × २ ०

म प – ध | नि – प – | ध – म – | प ग –; प<br>
त ड ऽ र | पा ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ वे ऽ | जि या ऽ; पा<br>
३ × २ ०

ग साग मध प | री – सा – |<br>
यल मोऽ ऽऽ री | बा ऽ जे ऽ | इत्यादि स्थायी के अनुसार<br>
३ ×

---

## राग नंद–एकताल (विलंबित)

स्थायी: सीस सेरा बनरा अत सोहे।

अंतरा: सरस सुगंध गरे हरवा, हाथ कंगना बनरी के सोहे॥

स्थायी

ग,मध-प | रीसा निसा,गग | म म,मग | प ,गम | प,धनि धप | पध ,पम |<br>
सी,ऽऽऽस | सेरा ऽऽ,बन | रा ऽ,ऽऽ | ऽ ,अत | सो,ऽऽ ,ऽऽ | हेऽ ,ऽऽ |<br>
४ × ० २ ०

मप,ग ; गगरीसा,गमधप | रीसा निसा,गग | म<br>
ऽऽ,ऽ ; सीऽऽऽ,ऽऽऽस | सेरा ऽऽ,बन | रा ---इत्यादि<br>
३ ४ ×

अंतरा

गम प,नि | सां – | ,निसां सां | पनि ,सांरीं | सां नि | धप मग | ग -म,धप |<br>
सर स,सु | गं ऽ | ,ऽऽ ध | गरे ,हर | वा ऽ | ऽऽ ऽऽ | हा ऽथ,कंग |<br>
४ × ० २ ० ३ ४

री सा | साग मप | नि ,धप | पध ,पम | मप,ग ; सागग,सागमधप | रीसा<br>
ना ऽ | बन रीके | सो ,ऽऽ | हेऽ ,ऽऽ | ऽऽ,ऽ ; सीऽऽ,ऽऽऽऽस | सेरा --इत्यादि<br>
× ० २ ० ३ ४

स्थायी के अनुसार

# मारू-बिहाग

यह एक राग-स्वरूप गत ६० वर्षों से संगीतज्ञों में प्रचलित हुवा तथा आजकल यह एक लोकप्रिय राग माना जाता है। प्राचीन ग्रंथों में अथवा किसी प्राकृत, उर्दू या हिंदी के पुराने ग्रंथों में इस राग-नाम का उल्लेख नहीं मिलता है। यह नाम भी विचित्र है। ग्रंथों में "मारुव" नाम अवश्य मिलता है, किन्तु उसका सम्बन्ध "मारवा" राग से जाना जाता है। 'मारू-बिहाग' में तो दोनों मध्यम एवम् शेष सब स्वर शुद्ध लगते हैं। अर्थात् 'मारवा' से कोई संबंध नहीं है। बिहाग यह उपनाम भी इस राग-स्वरूप को कैसे प्राप्त हुआ, यह भी एक प्रश्न है। किम्बहुना आरोह में ऋषभ तथा धैवत वर्ज्य अथवा दुर्बल होने के कारण बिहाग कहलाता होगा। परन्तु अवरोह में इन्हीं दो स्वरों पर तथा मध्यम पर अनेक बार न्यास किये जाने के कारण बिहाग की छटा नष्ट हो जाती है। वादी स्वर पंचम एवम् संवादी षड्ज जान पड़ते हैं। गान-समय रात्रि का प्रथम प्रहर है। इसका विशेष रागवाचक स्वरसमुदाय इस प्रकार है– "साम, [प]म, पग, सागमंपमंप, [म]प, [म]मं, मंग, मंग, [ग]रे, [रे]सा, [सा]रे, सानि़, [नि]साम-ग, सागमंपमंप।"

## उठाव

[नि]सारे, सानि़, [नि]सामि, [प]म, [प]मग, [ग]मंग [ग]रे, [रे]सा, [सा]नि़साग, [नि]सागमंपमंप, [म]पधु-पमु, [म]प-मंग, [प]मं, [प]ग, [ग]रे, [रे]सा, [सा]रे-सानि़, [नि]साग, [नि]सागमंपमंप।

## स्वरविस्तार

[नि]साम, [प]म [प]ग, [सा]रे, सा, [नि]साग, [नि]सागमंपमंप, [प]मंपध, पमं, [म]प-ग, [नि]साम, [म]गमंप-ग, [सा]रे, सा, [सा]रे-सानि़, [नि]साग, [नि]सागमंपमंप।

[सा]म, ग, [सा]रेसा, [सा]नि़सारे, सानि़, [नि]सागमं, [ग]मंग, [रे]गरे, [सा]रेसा, [सा]रे-सानि़, साग, [प]मंधप, [प]धमंप, [सा]म-गप, [ग]मंग, [ग]रे, [रे]सा, [सा]रे-सानि़, [नि]सागमंपमंप।

[नि]सागमंप, [प]गमंगप, [नि]साग [प]मंधप, [नि]धनि धप, [प]मंपध [प]गप, [प]मंध, [प]मंप, [प]गम, [प]गमंप, [प]गमं, [म]ग, [ग]रे, [रे]सा, [सा]रे-सानि़, [नि]साग, [नि]सागमंपमंप।

[सा]ग-[सा]रेसा, [सा]मग, [सा]रेसा, [सा]रे-सानि़, [नि]साग, [नि]सागमं, गमं-ग, [सा]रेसा, [नि]सागमंप, [प]गमंपनि-धप, [प]मंपध-पमं, [म]प-मंग, [सा]म-ग, [ग]पग, [सा]रेसा, [सा]रे-सानि़, [नि]साग, [नि]सागमंपमंप।

[प]मंपसां, [म]पध, [प]मंप, [प]गमंप, [प]मंपनिसांरें-सांनि, ध-प, [म]पध-पमंप, [प]गम, [प]गमंप, [म]पग, [सा]रेसा, [सा]रे-सानि़, [नि]सा[सा]म, [ग]प-ग, [नि]सागमंपमंप।

[म]पपसां, [नि]सांरें-सां, [सां]निसांगं, [सां]रेंसां, [नि]सांमं, [मं]पं-गं, [सां]रेंसां, [म]पनिसांगं, [नि]सांगंमंगं, मंगंरेंसां, [सां]नि, सांरेंसां, निधि-प, [म]पध-पमं, [म]प-मंग, [नि]साम-ग, [नि]सागमंप, मंग, [ग]मं, [म]ग, [ग]रे, [रे]सा, [नि]सारे, सानि़, [म]प़नि़साग, [नि]सागमंपमंप।

# राग मारू-बिहाग–त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : ब्रिज-जुवति संग रच्यो रंग-रास है,
अत उमंग सों, ठाढ़ि त्रिभंगी अनंगसी मूरत।

अंतरा : इतहि राधा उत कन्हाई, ग्वाल-बाल बीच
सोहत दोऊ अत, रसिक जन-मन मोद बढ़ावत॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| , सा म ग | री सा (सा) सा | नि़, नि़ सा ग | सा गम् प म |
| , ब्रि ज जु | व ति ऽ सं | ग, र च्यो रं | ग राऽ ऽ स |
| ० | २ | ० | ३ |
| प, सा म ग | री सा (सा) सा | नि़, नि़ सा ग | सा गम् प म |
| है, ब्रि ज जु | व ति ऽ सं | ग, र च्यो रं | ग राऽ ऽ स |
| × | २ | ० | ३ |
| प – – – | मंप, ग म प | ध प मंप म | गम् ग री सा |
| है ऽ ऽ ऽ | ऽऽ, अ त उ | मं ग सोंऽ ऽ | ऽऽ ऽ ऽ ऽ |
| × | २ | ० | ३ |
| नि़, सा म म | मम् मम् ग, सा | गम् प म ग | म ग री सा |
| ऽ, ठा ढ़ि त्रि | भंऽ ऽऽ गी, अ | नंऽ ऽ ग सी | ऽ मू र त |
| × | २ | ० | ३ |
| नि़; सा म ग | री सा (सा) | | |
| ऽ; ब्रि ज जु | व ति ऽ --- इत्यादि | | |
| × | २ | | |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| , ग म प | सां – सां – | –, सां गं मं | गंमं गं रीं सां |
| , इ त हि | रा ऽ धा ऽ | ऽ, उ त क | न्हाऽ ऽ ऽ ई |
| ० | ३ | × | २ |
| गम् पनि ध प | – ध प म | पध पम् पम् ग | म ग री सा |
| ग्वाऽ ऽऽ ल बा | ऽ ल बि च | सोऽ हऽ तऽ दो | ऽ ऊ अ त |
| ० | ३ | × | २ |
| –, सां म ग | म प सां नि | ध प म पम् | गम् ग री सा |
| ऽ, र सि क | ज न म न | मो ऽ द बऽ | ढ़ाऽ ऽ व त |
| ० | ३ | × | २ |
| –, नि़ सा ग | सा गम् प म | प; सा म ग | री सा |
| ऽ, र च्यो रं | ग राऽ ऽ स | है; ब्रि ज जु | व ति --- इत्यादि |
| ० | ३ | × | २ |

स्थायी के अनुसार

---

## राग मारू-बिहाग–तिलवाडा (विलंबित)

स्थायीः मैंतो बिरहा की माती, अपने जिया की कासे कहूँ,
अब मोरी आली री।

अंतराः तकत हूँ नित राह उनके आवन की, घरि पल छिन
गिन गिन तारे, नैना झरे नीर, आली री॥

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| गरीसा- री,सानि | सामम- मम ग,रीसा ,सागमप,म | प - मग ,रीसा | |
| मैंsतोs s,ss | बिरहाs ss s,ss ,ssss,की | मा s तीs ,ss | |
| | 3 | × | |
| प नि सा ,री | सा ग ग रीसा | सामि गप,ग निनि धप | |
| अ प ने ,जि | या की s ss | काs ss,s s से ss | |
| 2 | 0 | 3 | |
| पधपध ,म प ,मग | गम,ग रीसा सा,म--ग ,गमप,म | प ,मप; गरीसा- | |
| कsहूँs ,s s ,ss | अब,मो sरी आ,ssss ,sss,ली | री ,ss; मैंsतोs... | |
| × | 2 | 0 | |

इत्यादि

### अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| ,गमप सां,निसां | ,रींसां ,निसां पनिसांगं,रींसां रीं,सांनि | पनि सां,रीं सांनि धप | |
| ,तकत हूँ,ss | ,नित ,ss राsss,ss s,sह | उन के,आ वन कीs | |
| | × | 2 | |
| ग,गमप- गरी सासा पनिसारी | सामि गप,ग नि नि धप, | पध,पम प,मग | |
| घ,रीsss पल छिन गिनगिन | ताs ss,s s रे ss, | नैs,ss ना,ss | |
| 0 | 3 | × | |
| मग ,रीसा | सारी सानि,नि साम,ग गमप,म | प ,मप ; गरीसा- री,सानि | |
| झरे ,ss | नीs ss,र आs,s sss,ली | री ,ss ; मैंsतोs s,ss | |
| | 2 | 0 | |

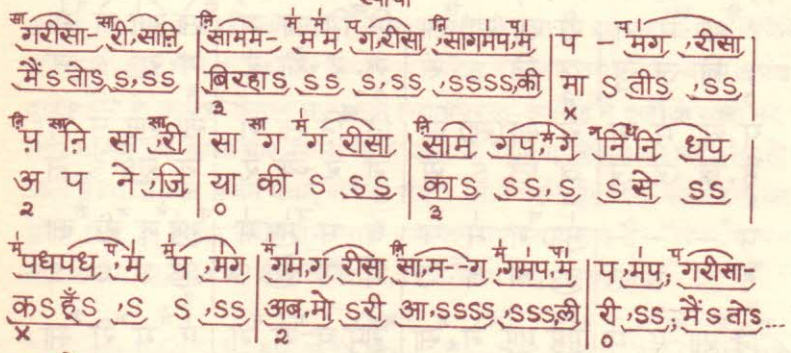

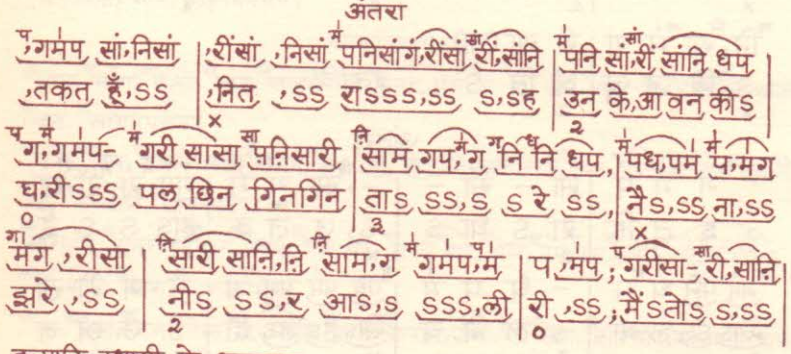

इत्यादि स्थायी के अनुसार

---

# राग मार्ग-बिहाग

कल्याण ठाठ से उत्पन्न होने वाला यह एक मनोरंजक राग है। आरोह में ऋषभ-धैवत वर्जित तथा अवरोह सम्पूर्ण है। अतएव इस राग की जाति औडुव-सम्पूर्ण माननी होगी। इस राग में वादी गंधार व संवादी निषाद है। गान-समय रात्रि का प्रथम प्रहर है। कुछ मार्मिकों के कथनानुसार यदि बिहाग को कल्याण के स्वरों में गाया जाय तो इस राग की संकल्पना स्पष्ट हो जाती है।

### उठाव

म ग रेसा, ऩि, साग, सागमप, पग, गमपधपम, प-मग, मगरेसा, रेसाऩि, सागमप मप।

### स्वरविस्तार

सा, ऩिसाग, मग, मगरेसा, रेसाऩि, पऩिसाग, साम-ग, मगरेसा, ऩिसारेसाऩि, साग, सागमप,
प-मग, सागमप, मग, म, ग, रे, सा।

ऩिसा, ग-सा, पमग, मग-सा, ऩिसागसा, गमधप-मग, मग-सा, सागमप-मग, मपनि-धप,
गमप, नि-प, धपम, पम-ग, गमग-सा, ऩिसागम पमग, मपनि, सांनि-प, गमग, ऩिसागमप,
गमग, मग-सा।

ग, मगरेसा, पमग, मगरेसा, नि-धप, धमप-ग, मगरेसा, ऩिसाग, सागमग, गमप, पमगमपनि,
पनिसां, नि-प, गमपसां, नि-प, निधपम, प-ग, गमग-सा(सा)ऩि, साम, ग, रे, सा।

सा, गमप, मप, गम-गप, ऩिसाग-सागमप, पमगमधप, सागमधप, मपनि-धप,
मप गमपनि, पसां-निधप, पनिसांरेंसां, रेंसांनिधप, मपनिसां गं-सां, रेंसां, नि-प, मग,
पम, धप, सां-निधप, धपमग, मग, मगरेसा।

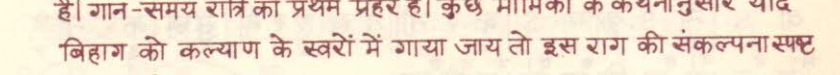

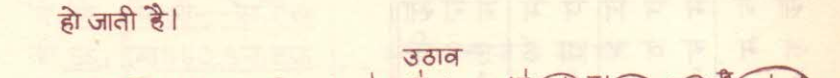

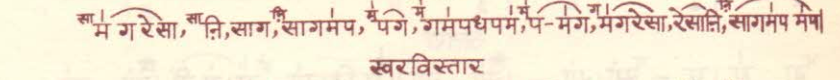

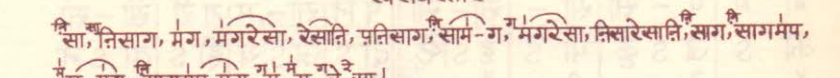

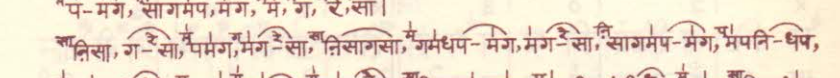

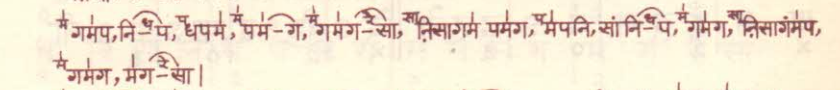

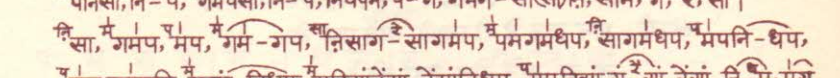

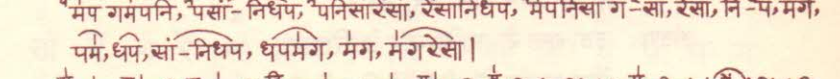

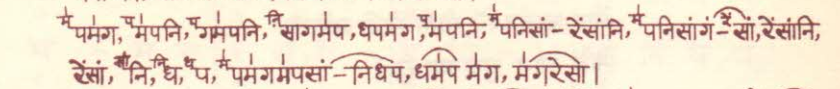

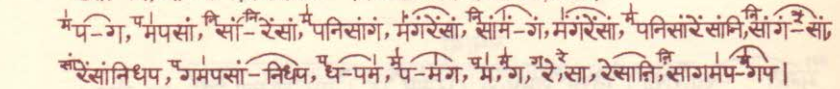

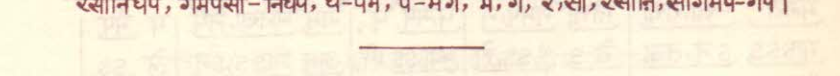

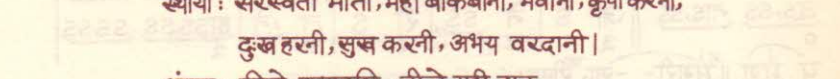

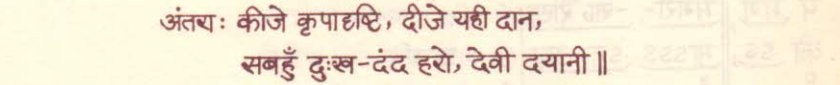

पमग, मपनि, गमपनि, सागमप, धपमग, मपनि, पनिसां-रेंसांनि, पनिसांगं-सां, रेंसांनि,
रेंसां, नि, ध, प, पमगमपसां-निधप, धमप मग, मगरेसा।

प-ग, मपसां, सां-रेंसां, पनिसांगं, मंगंरेंसां, सांमं-गं, मंगंरेंसां, पनिसांरेंसांनि, सांगं-सां,
रेंसांनिधप, गमपसां-निधप, ध-पम, प-मग, म, ग, रे, सा, रेसाऩि, सागमप-गप।

---

## राग मार्ग-बिहाग-झपताल(मध्यलय)

स्थायी : सरस्वती माता, महा बाकबानी, भवानी, कृपा करनी,
दुःख हरनी, सुख करनी, अभय वरदानी।

अंतरा : कीजे कृपादृष्टि, दीजे यही दान,
सबहुँ दुःख-दंद हरो, देवी दयानी॥

स्थायी

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म ग | री सा - | ऩि सा | गम पग,प ‖ | सां - | नि ध प | ध प | म ग,म |
| स र | स्व ती ऽ | मा ऽ | ताऽ ऽऽ,म ‖ | हा ऽ | बा ऽ क | बा ऽ | नी ऽ,भ |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |
| ग री | सा -,प़ | ऩि सा | री ऩि सा ‖ | ग म | प नि सां | रीं सां | प ध प |
| वा ऽ | नी ऽ,कृ | पा ऽ | क र नी ‖ | दु ख | ह र नी | सु ख | क र नी |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |
| सा ग | म प नि | प म | ग री सा ‖ | | | | |
| अ भ | य व र | दा ऽ | ऽ ऽ नी ‖ | | | | |
| × | 2 | 0 | 3 | | | | |

अंतरा

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग म | प - सां | सां - | सां - सां ‖ | प नि | सां -,म | गं रीं | सां - सां |
| की ऽ | जे ऽ कृ | पा ऽ | दृ ऽ ष्टि ‖ | दी ऽ | जे ऽ,य | ही ऽ | दा ऽ न |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |
| प नि | सां रीं सां | नि ध | प ध प ‖ | ऩि सा | गम प,नि | प म | ग री सा |
| स ब | हुँ दु ख | दं ऽ | द ह रो ‖ | दि ऽ | वीऽ ऽ,द | या ऽ | ऽ ऽ नी |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |

---

## राग मार्ग-बिहाग-एकताल (विलंबित)

स्थायी: मान तज दे री प्यारी, अब मान ले,
तू ना जाने रीत नेहा की।

अंतरा: उठ चल री सखि, कर ले सिंगार,
और आनंद सों मीठी मीठी बतियाँ,
तोहे आन सुजनवा की ‖

स्थायी

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| मगरी- -सा,रीसा | ऩिसा गमप,ग | प,मप प, | गम पनिसां,निध | प मप | |
| माऽऽऽ ऽन,तज | देऽ ऽऽऽ,हो | प्या,ऽऽ री, | अब माऽऽ,ऽन | ले ऽऽ | |
| 3 | 4 | × | 0 | 2 | |
| पध,पम मप,मग ‖ | ग री | सा ऩिसा, | प़ ऩि | सा ,री | ऩिसागमप गमध- |
| तूऽ,ऽऽ नाऽ,ऽऽ ‖ | जा ऽ | ने ऽऽ, | री ऽ | तू ,ने | हाऽऽऽऽ ऽऽऽऽ |
| 0 | 3 | 4 | × | 0 | 2 |
| प मग; ‖ | मगरी- -सा,रीसा | --- इत्यादि | | | |
| की ऽऽ; ‖ | माऽऽऽ ऽन,तज | | | | |
| 0 | 3 | | | | |

अंतरा

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| [प]गम पसां | सां [नि]सांसां | [म]पनि सां,[सां]मं | गंरीं सांसां, | [ग]मग रीसा | [स]ऩिसा[म]गम प,मप |
| उठ चल | री सखि | कर ले,सिं | गाऽ ऽर, | औऽ ऽर | आऽनंद सों,ऽऽ |
| ४ | × | ० | २ | ० | ३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| [प]गम,प [सां]निसांरीं,सांनि | (प),गम गरीसा- | [सा]पऩि सा,री | [नि]सासा,[म]गमप- [म]गमध- |
| मीठी,मी ठीऽऽ,बति | याँ,ऽऽ तोऽहेऽ | आऽ न,सु | जन,वाऽऽऽ ऽऽऽऽ |
| ४ | × | ० | २ |

| | |
|---|---|
| [म]प मग; | [ग]मगरी- -सा,[सा]रीसा |
| की ऽऽ; | माऽऽऽ ऽन,तज |
| ० | ३ |

... इत्यादि स्थायी के अनुसार

---

## राग बिलावल-सरगम-त्रिताल(मध्यलय)

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| म ग रे ग | प नि ध नि | सां - - रें | सां नि ध प |
| ० | ३ | × | २ |
| ध नि सां नि | ध प म ग | म प म ग | म ग रे सा |
| ० | ३ | × | २ |
| गं रें सां नि | ध नि सां रें | सां नि ध प | म ग रे सा; |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| प म ग रे | ग प ध नि | सां - ध नि | सां - - - |
| ० | ३ | × | २ |
| सां रें गं रें | सां नि ध नि | रें - सां नि | ध प म ग |
| ० | ३ | × | २ |
| प - म ग | रे सा,ध - | ध नि - नि | सां नि ध प; |
| ० | ३ | × | २ |

---

## राग बिलावल-लक्षणगीत-त्रिताल(मध्यलय)

स्थायी: शुचि सुर मण्डित सम्पूरन जब होत बिलावल
शुद्ध कहावत, अंश गहत धैवत, गंधार सहायक,
राग-रूप अति सुन्दर।

अंतरा: उत्तर अंग प्रबल करि सुस्वर,
प्रातगेय कल्याण कहे कोऊ,
विविध बिलावल भेदन को पुनि
आश्रय होत 'सुजान' मनोहर॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग म ग री | नि री सा सा | ग री ग म | प म ग ग |
| शु चि सु र | म ऽ ण्डि त | स ऽ म्पू ऽ | र न ज ब |
| 0 | 3 | × | 2 |
| ध - ध प | ध निध नि सां | सां नि ध प | म ग म री |
| हो ऽ त बि | ला ऽऽ व ल | शु ऽ द्ध क | हा ऽ व त |
| 0 | 3 | × | 2 |
| ग म प म | ग री सा - | ग री ग प | नि ध नि, रीं |
| अं ऽ श ग | ह त धै ऽ | व त गं ऽ | धा ऽ र, स |
| 0 | 3 | × | 2 |
| सां नि ध प | धनि सां ध प | म ग म री | सा री सा सा; |
| हा ऽ य क | राऽ ऽ ग रू | ऽ प अ ति | सु ऽ न्द र; |
| 0 | 3 | × | 2 |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| प - ध नि | सां - सां, सां | सां सां सां सां | सां रीं सां सां |
| उ ऽ त्त र | अं ऽ ग, प्र | ब ल क रि | सु ऽ ख र |
| 0 | 3 | × | 2 |
| सां रीं गं रीं | - सां ध नि | सां - ध प | म प म ग |
| प्रा ऽ त गे | ऽ य क लि | या ऽ ण क | हे ऽ को ऊ |
| 0 | 3 | × | 2 |
| ग म ध ध | ध नि प प | नि ध नि रीं | सां नि ध प |
| वि वि ध बि | ला ऽ व ल | भे ऽ द न | को ऽ पु नि |
| 0 | 3 | × | 2 |
| सां नि ध प | म ग म, री | ग म प, म | ग री सा सा; |
| आ ऽ श्र य | हो ऽ त, सु | जा ऽ न, म | नो ऽ ह र; |
| 0 | 3 | × | 2 |

---

## राग बिलावल-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी: मुरली बजावे मोहना,

भूल गई सब सुध-बुध मो-मन ।

अंतरा: बाँसुरी की धुन संग नाचत सब,

थोम् छननननन पायल बाजे मोहना,

भूल गई सब सुध-बुध मो-मन ॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| [नि]सा री [म]ग म | ग री [प]ग प | – [नि]ध – नि | सां – – – |
| मु र ली ब | जा ऽ वे ऽ | ऽ मो ऽ ह | ना ऽ ऽ ऽ |
| २ | ० | ३ | × |
| [प]सां – [नि]ध प | [प]ध –(म) ग | [ग]री ग म [ग]प | म ग री सा; |
| भू ऽ ल ग | ई ऽ स ब | सु ध बु ध | मो ऽ म न; |
| २ | ० | ३ | × |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| [ग]प – प प | [नि]ध – नि नि | सां सां [नि]सां – | [नि]सां रीं सां सां |
| बाँ ऽ सु री | की ऽ धु न | सं ग ना ऽ | च त स ब |
| ३ | × | २ | ० |
| [नि]ध नि सां रीं | सां नि ध प | [प]ध – म ग | [ग]म री [प]ग प |
| घो म् छ न | न न न न | पा ऽ य ल | बा ऽ जे ऽ |
| ३ | × | २ | ० |
| –, [नि]ध – नि | सां – – –, | [प]सां – [नि]ध प | [प]ध – (म) ग |
| ऽ, मो ऽ ह | ना ऽ ऽ ऽ, | भू ऽ ल ग | ई ऽ स ब |
| ३ | × | २ | ० |

--- इत्यादि स्थायी के अनुसार

---

## राग अल्हैयाबिलावल – त्रिताल (मध्यलय)

स्थायीः ग्वार बार सब संग लिये हरि, चलै चोरी चोरी ब्रिज-ग्वारन घर,
दूध दही गोरस माखन मिस, पाप ताप दुःख दंद हरावन।
अंतरा-१: ऊँचि लटकी दधि माखन मटकी, गोप काँधे चढ़ि हटकी झटकी,
खायो खवायो सबनके गोरस, हरि के मुख लिपट्यो दधि माखन ॥
अंतरा-२: लौटि आयी ब्रिज-ग्वारनि आंगन, निरखे हरि मुख चकित भई मन,
वारि गई न्योछावर कीन्हे, तन-मन-धनहु हरि चरन शरन ॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| [म]ग म री [प]ग | प प [प]नि [ध]नि | सां – सां [नि]सां | [सां]ध नि॒ ध प |
| ग्वा ऽ र बा | ऽ र स ब | सं ऽ ग लि | ये ऽ ह रि |
| ० | ३ | × | २ |
| [ग]म ग री [म]ग | म ग री सा | [नि॒]सा सा [ग]री ग | री सा [नि॒]ध़ प़ |
| चु ले ऽ चो | री चो ऽ रि | ब्रि ज ग्वा ऽ | र न घ र |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| प़ - [ध]नि़ ध़ | [सा]नि़ सा [नि]सा - | ग री [प]ग प | [नि]ध नि़ ध प |
| दू ऽ ध द | ही ऽ गो ऽ | र स मा ऽ | ख न मि स |
| ० | ३ | × | २ |
| [नि]सां रीं गं रीं | सां सां [नि]ध प | धनि सांरीं सां [नि]सां | [सां]ध नि़ ध प; |
| पा ऽ प ता | ऽ प दु ख | दुंऽ ऽऽ द ह | रा ऽ व न; |
| ० | ३ | × | २ |
| [प]ध गमरी [प]ग | प प [प]नि [ध]नि | | |
| ग्वा ऽऽ र वा | ऽ र स ब | --- इत्यादि | |
| ० | ३ | | |

अंतरा-१

| | | | |
|---|---|---|---|
| [सां]नि - नि [सां]नि | [सां]नि सां [नि]ध नि | सां - सां सां | [नि]सां रीं सां - |
| ॐ ऽ चि ल | ट कि द धि | मा ऽ ख न | म ट की ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| [नि]सां - सां रींगं | मं गंरीं सां सां | [नि]ध नि सांरीं गंरीं | [नि]सां सां [नि]ध प |
| गो ऽ प काँऽ | ऽ धेऽ च दि | ह ट कीऽ ऽऽ | झ ट की ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| [म]ग म ध [नि]ध | [नि]ध नि़ प प | [नि]ध नि सां नि | ध प म ग |
| ग्वा ऽ यो ख | वा ऽ यो स | ब न के ऽ | गो ऽ र स |
| ० | ३ | × | २ |
| [प]ग प धनि सांरीं | सां सां [नि]ध प | धनि सां [नि]ध प | [प]ध - म ग; |
| ह रि केऽ ऽऽ | मु ख लि प | ट्योऽ ऽ द धि | मा ऽ ख न; |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा-२

| | | | |
|---|---|---|---|
| [ग]प - प [ध]नि | ध ध [सां]नि नि | सां - सां सां | [नि]सां रीं सां सां |
| लौ ऽ टि आ | ऽ यी ब्रि ज | ग्वा ऽ र नि | आं ऽ ग न |
| ० | ३ | × | २ |
| [नि]सां सां नि ध | [नि]सां सां सां सां | [नि]सां रीं गं रीं | सां नि ध प |
| नि र खे ऽ | ह रि म ख | च कि त भ | ई ऽ म न |
| ० | ३ | × | २ |
| [मं]गं मं पं मं | गं रीं [नि]सां - | [नि]प - [नि]ध नि | सांरीं गं सां - |
| वा ऽ रि ग | ई ऽ न्यो ऽ | छा ऽ व र | कीऽ ऽ न्हे ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| [नि]सां रीं गं रीं | सां नि ध प | [नि]ध नि सां नि | ध [ग]प ध ग; |
| त न म न | ध न हु ऽ | ह रि च र | न श र न; |
| ० | ३ | × | २ |
| [म]ग म री [प]ग | प प [प]नि [ध]नि | | |
| ग्वा ऽ र बा | ऽ र स ब | --- इत्यादि स्थायी के अनुसार | |
| ० | ३ | | |

## राग अल्हैयाबिलावल-झपताल(मध्यलय)

स्थायी: निर्गुण निराकार होत साकार परब्रह्म परमात्म,
भक्त-जन हित करन।
अंतरा: पाथर पूजन नित्य नाम जशकीर्तन किये
ताही मों प्रकट होत हरिरूप गुण॥

स्थायी

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (नि)सां सां | (नि)ध प,(प)ध | (ग)म (री)ग | प नि (ध)नि | सां - | (सां)सां,ध नि॒ | ध प | म,ग (री)ग |
| नि र | गुण,नि | रा S | का S र | हो S | त,सा S | का S | र,प र |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |
| (म)म प | म ग॒री॒सा | (प)ग प | (नि)ध (नि)सां सां | (नि)सां - | रीं गं रीं | सां सां | (प)ग प (नि)ध; |
| ब्र S | ह्म पुऽ र | मा S | S त म | भ S | क्त ज न | हि त | क र न; |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |

अंतरा

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (ग)प - | नि॒ध नि,(नि)सां | सां सां | (नि)सां - सां | (नि)सां - | रीं गं रीं | (नि)सां - | (सां)ध नि॒ प |
| पा S | थऽ र, पू | ज न | नि Sत्य | ना S | म ज श | की S | र त न |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |
| (प)ग री | (प)ग प म | ग री | (सा)नि॒ री सा | (म)ग म | री (प)ग प | (नि)ध नि॒ सां | (नि)सां नि (ध)नि; |
| कि ये | ता S हि | मों S | प्र क ट | हो S | त ह रि | रूऽ S | प गु ण; |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |

---

## राग बिलावल-ध्रुवपद-चौताल(विलंबित)

स्थायी: शीत शीत मंद मंद प्रात समे बहे समीर,
उपवन की शोभा न्यारी निरखि निरखि हुलसत मन।
अंतरा: कोमल रवि-किरननसों पूरब प्रकाश भयो,
अखिल जगत जागि उठ्यो गावत जय जय शुभ दिन॥
संचारी: निकसि आये कोटरतें मधुर शद्ब किये विहग,
द्रुम बेलि झूम रहे दिन-मणि की जय जय करि॥
आभोग: सरसनमों खिले कमल चहूँ ओर भयो विकास,
सजि सिंगार सृष्टि भई मानो जैसी नई दुलहन॥

## स्थायी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (म)ग | म | री | (प)ग | प | प | (ध)नि | ध | नि | (नि)सां | - | सां |
| शी | ऽ | त | शी | ऽ | त | मं | ऽ | द | मं | ऽ | द |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (नि)सां | - | सां | (नि)सां | (सां)ध | प | (प)ध | मे | (म)ग | म | री | सा |
| प्रा | ऽ | त | स | मे | ऽ | ब | हे | स | मी | ऽ | र |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (नि)सा | री | (म)ग | म | ग | री | (प)ग | प | प | (ध)नि | ध | नि |
| उ | प | व | न | की | ऽ | शो | ऽ | भा | न्या | ऽ | रि |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (नि)सां | (गं)रीं | गं | रीं | सां | रीं | (नि)सां | नि | ध | प | (प)ध | मे; |
| नि | र | खि | नि | र | खि | हु | ल | स | त | म | न; |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

## अंतरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (ग)प | - | नि | ध | नि | नि | (नि)सां | सां | सां | सां | (नि)सां | - |
| को | ऽ | म | ल | र | वि | कि | र | न | न | सों | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (नि)सां | - | (गं)रीं | गं | (नि)सां | सां | (नि)सां | नि | ध | प | म | ग |
| पू | ऽ | र | ब | प | र | का | ऽ | श | भ | यो | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (ग)म | ग | री | (नि)सा | री | सा | (प)ग | प | (नि)ध | नि | सां | - |
| अ | खि | ल | ज | ग | त | जा | ऽ | गि | उ | ठ्यो | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (नि)सां | - | (गं)रीं | रीं | गं | रीं | सां | नि | ध | प | (प)ध | मे; |
| गा | ऽ | व | त | जै | ऽ | जै | ऽ | शु | भ | दि | न; |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

## संचारी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (नि)सा | सा | सा | (सा)ध | - | ध | (नि)ध | - | (नि)ध | नि | प | - |
| नि | क | सि | आ | ऽ | ये | को | ऽ | ट | र | तें | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (ग)प | प | प | (ध)नि | ध | नि | (नि)सां | (सां)ध | प | म | ग | ग |
| म | धु | र | श | ऽ | ब्द | कि | ये | ऽ | वि | ह | ग |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (ग)म | ग | री | (म)ग | म | प | (ग)म | ग | म | री | सा | - |
| द्रु | म | ऽ | बे | ऽ | लि | झू | ऽ | म | र | हे | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (नि)सा | सा | (सा)प | प | निध | नि | सां | नि | ध | प | म | ग |
| दि | न | मु | णि | कीऽ | ऽ | जै | ऽ | जै | ऽ | क | रि |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

आभोग

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (ग)प | प | (ध)नि | ध | नि | - | (नि)सां | सां | - | (नि)सां | सां | सां |
| स | र | स | न | मों | ऽ | खि | ले | ऽ | क | म | ल |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (नि)सां | (ग)रीं | गं | रीं | - | सां | (नि)सां | नि | ध | प | म | ग |
| च | हूँ | ऽ | ओ | ऽ | र | भ | यो | वि | का | ऽ | स |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (ग)म | ग | री | (नि)सा | री | सा | (प)ग | प | (नि)ध | नि | सां | - |
| स | ज | सिं | गा | ऽ | र | सृ | ऽ | ष्टि | म | ई | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (नि)सां | - | रीं | गं | रीं | सां | (नि)सां | नि | ध | प | (प)ध | मे; |
| मा | ऽ | नो | जै | ऽ | सि | न | ई | दु | ल | हि | न, |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

---

## राग यमनीबिलावल-तराना-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी: दिर् दिर् तदारे तन तदारे दीम् तदारे दानि
दीम् दीम् तनोम् द्रियानारे नादिर् दिर् तन
तुम् दिर् दिर् तोम् तारेदानी।

अंतरा: दिर् दिर् तान्न द्रे तान्न द्रे तान्न द्रे दीम् तदीम् दीम् तदीम्,
धा किटतक धुम किटतक किडनग धित्ता,
तक्डान् धा तक्डान् धा तक्डान् धा, तारे दानी॥

स्थायी

(सा)नि सा
दिर् दिर्

| | | | |
|---|---|---|---|
| (म)री ग री सा | (सा)नि,(नि)सा सा री | ग - -, ग | (री)ग री ग ग, |
| त दा रे त | न, त दा रे | दीम् ऽ ऽ, त | दा रे दा नि, |
| ० | ३ | × | २ |
| (म)ग म ध,(मे)प | (प)मे प म ग, | (ग)म ग री सा, | (म)नि सा (ग)री ग |
| दी ऽ म् दी | म् त नो म्, | द्रि या ना रे, | ना दिर् दिर् त |
| ० | ३ | × | २ |

म प ध नि | सां – – – | सांरीं सांनि धप मग | रीसा ऩिसा ; ऩि सा
न तुं दिर दिर | तोम् ऽ ऽ ऽ | ताऽ ऽऽ रेऽ दाऽ | नीऽ ऽऽ ; दिर दिर
०  ३  ×  २

री ग री सा | ऩि
त दा रे त | न ... इत्यादि
०  ३

अंतरा

सां सां
दिर दिर

नि ध नि सां | –, सां – रीं | सां –, नि सां | रीं गं रीं सां
ता ऽ न्न द्रे | ऽ, ता ऽ न्न | द्रे ऽ, ता ऽ | ऽ ऽ न्न द्रे
०  ३  ×  २

–, नि ध नि | सां नि धप | म प, ग म | ग री ग री
ऽ, दी म् त | दी ऽ ऽऽ | ऽ म्, दी ऽ | ऽ ऽ म् त
०  ३  ×  २

सा –, सा म | ग, प निध नि, | सां सां रीं सां, | गं रीं सां, रीं
दी म्, धा किट | तक, धुम किट तक, | किड़नग धित्ता, | त क्डान् धा, त
०  ३  ×  २

सां सां, ध नि | सां – – –, | सांरीं सांनि धप मग | रीसा ऩिसा; ऩि सा
क्डान् धा, त क्डान् | धा ऽ ऽ ऽ, | ताऽ ऽऽ रेऽ दाऽ | नीऽ ऽऽ; दिर दिर
०  ३  ×  २

री ग री, सा | ऩि, सा सा री | ग
त दा रे, त | न, त दा रे | दीम् ... इत्यादि स्थायी के अनुसार
०  ३  ×

---

## राग यमनीबिलावल – तिलवाडा (विलंबित)

स्थायी: जुग जुग जीवो रे मोरे गुरुराई,
चतुर सुजान गुण निधान, अपनो सुधारो काज।
अंतरा: जो मोपे दया तें कीन्हीं, का बिध होऊँ अब उतराई,
देहो बता आज॥

स्थायी

सारीगरी सारी,सा | ग – – म ग, गमपध प, मप | गम गरी ग, प(प) | मग मरी
जुगजुग जीऽ,वो | रेऽऽऽ ऽ, मोऽऽऽ रे, ऽऽ | ऽऽ ऽऽ ऽ, गुरु | राऽ ऽऽ
×  २  ०

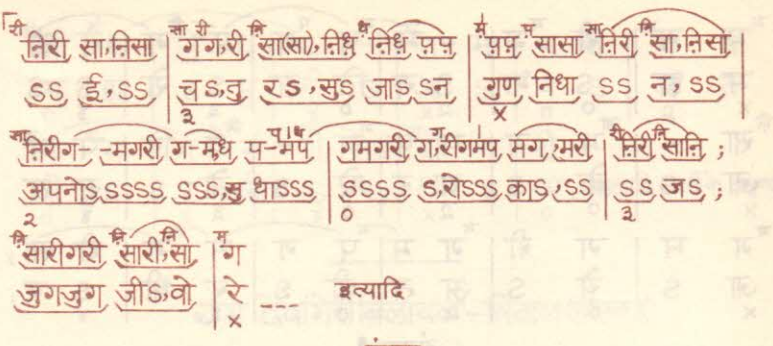

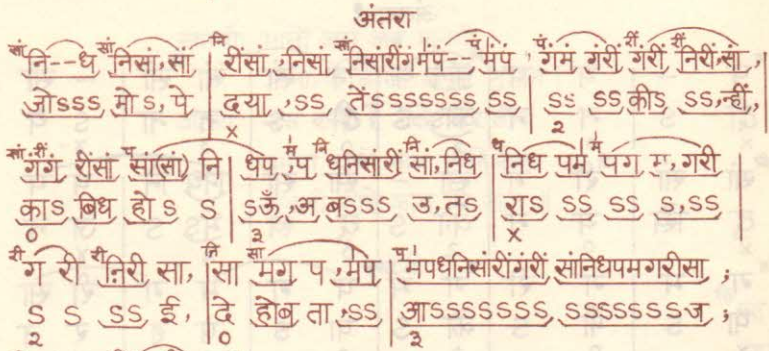

निरी सा,निसा | गग,री सा(सा),निधि निध पप | पप सासा निरी सा,निसा |
ऽऽ ई,ऽऽ | चऽ,तु रऽ,सुऽ जाऽ ऽन | गुण निधा ऽऽ न,ऽऽ |
 | ३ | × |

निरीग- -मगरी ग-मध प-मप | गमगरी ग,रीगमप मग,मरी | निरी सानि ;
अपनोऽ ऽऽऽऽ ऽऽऽ,सु धाऽऽऽ | ऽऽऽऽ ऽ,रोऽऽऽ काऽ,ऽऽ | ऽऽ जऽ ;
२ | ० | ३

सारीगरी सारी,सा | ग
जुगजुग जीऽ,वो | रे --- इत्यादि
 | ×

अंतरा

नि--ध निसां,सां | रींसां,निसां निसांरींगंमंपं--मंपं | गंमं गंरीं गंरीं निरीं,सां, |
जोऽऽऽ मोऽ,पे | दया,ऽऽ तेंऽऽऽऽऽऽऽ ऽऽ | ऽऽ ऽऽ कीऽ ऽऽ,न्हीं, |
 | × | २ |

गंगं रींसां सां(सां) नि | धप,प धनिसांरीं सां,निध | निध पम पग म,गरी |
काऽ बिध होऽ ऽ | ऽॐ,अ बऽऽऽ उ,तऽ | राऽ ऽऽ ऽऽ ऽ,ऽऽ |
० | ३ | × |

ग री निरी सा, | सा मग प,मप | मपधनिसांरींगंरीं सांनिधपमगरीसा ;
ऽ ऽ ऽऽ ई, | दे होब ता,ऽऽ | आऽऽऽऽऽऽऽ ऽऽऽऽऽऽऽज ;
२ | ० | ३

सारीगरी सारी,सा | ग
जुगजुग जीऽ,वो | रे --- इत्यादि स्थायी के अनुसार
 | ×

---

## राग देवगिरी बिलावल-एकताल (मध्यलय)

स्थायी : धन्य आज महाराज, महाभाग तिहारो,
जाके घर ऐसो सुत जाये अत वीर धीर।

अंतरा-१: दीनन को दीन-नाथ, दुखियन को दुःख-भंजन,
पापी को पाप हरन, देवन में देव एक,
देवता मनाये ॥

अंतरा-२: जाके तप त्रिभुवन में ग्यान-ज्योत झलक उठी,
ऐसो महाग्यान-गुनी, महामुनि, जाये अत वीर धीर॥

स्थायी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| री | ग | री | सा | धनि | ध | सा | री | ग | ग | - | ग |
| ध | ऽ | न्य | आ | ऽऽ | ज | म | हा | ऽ | रा | ऽ | ज |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

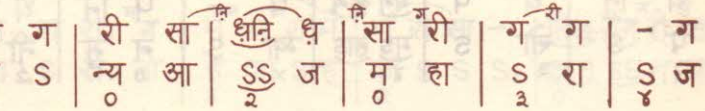

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | ग | री | ग | - | म | प | ग | म | ग | री | सा |
| म | हा | S | भा | S | ग | ति | हा | S | रो | S | S |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| सा | - | म | ग | प | प | प | - | ध | नि | प | प |
| जा | S | के | S | घ | र | पे | S | सो | S | सु | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| ग | म | ग | री | ग | म | प | ग | म | ग | री | सा; |
| जा | S | ये | S | अ | त | वी | S | र | धी | S | र; |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

अंतरा-१

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | - | प | प | धनि | ध | नि | सां | सां | सां | - | सां |
| दी | S | न | न | कोऽ | S | दी | S | न | ना | S | थ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| सां | सां | रीं | गं | सां | - | सां | सां | निध | नि | प | प |
| दु | खि | य | न | को | S | दु | ख | भंऽ | S | ज | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| ग | म | ग | री | ग | म | प | ग | म | ग | री | सा |
| पा | S | पी | S | को | S | पा | S | प | ह | र | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| सा | - | म | ग | प | - | नि | ध | नि | प | - | प |
| दे | S | व | न | मों | S | दे | S | व | प | S | क |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| ग | - | री | ग | - | प | री | - | - | सा | - | -; |
| दे | S | व | ता | S | म | ना | S | S | ये | S | S; |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

अंतरा-2

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | - | प | - | नि | ध | नि | सां | सां | सां | सां | - |
| जा | S | के | S | तु | प | त्रि | भु | व | न | मों | S |
| ० | | ३ | | ४ | | × | | ० | | २ | |
| सां | - | सां | रीं | - | गं | सां | सां | निध | नि | प | - |
| म्या | S | न | ज्यो | S | त | झ | ल | कुऽ | उ | ठी | S |
| ० | | ३ | | ४ | | × | | ० | | २ | |
| ध | नि | ध | प | मग | रीग | प | - | प | नि | ध | नि |
| पे | S | सो | S | मुऽ | हाऽ | म्या | S | न | गु | नी | S |
| ० | | ३ | | ४ | | × | | ० | | २ | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| (नि)सां (सां)ध | नि ध | प - | (प)ग म | ग री | (म)ग (ग)म |
| म हा | ऽ मु | नी ऽ | जा ऽ | ये ऽ | अ त |
| ० | ३ | ४ | × | ० | २ |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| (ग)प (प)ग | म (री)ग | री सा; | (ग)री ग | री | |
| वी ऽ | र धी | ऽ र; | ध ऽ | न्य .. इत्यादि स्थायीके अनुसार | |
| ० | ३ | ४ | × | ० | |

---

## राग देवगिरीबिलावल – त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी: मानो ज़रा अब माननी
मानो, न कीजो इतनो गुमान।

अंतरा: रास रच्यो है नीको नीर तीर
जमुना चलो अब छाँड़ि रीस
अनारी, तोहे कान्ह की आन॥

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | (नि)सा |
| | | | मा |
| (नि)धनि-ध (नि)सा - (ग)री | ग - -, (म)ग | (ग)म प ग म | (री)ग री सा, (नि)सा |
| ऽऽऽऽ नो ऽ ज़ | रा ऽ ऽ, अ | ब मा ऽ न | नी ऽ ऽ, मा |
| ३ | × | २ | ० |
| (सा)नि ध -, प | गम (री)ग ग, म | (ग)प (प)ग - म | (री)ग री सा; (नि)सा |
| ऽ नो ऽ, न | कीऽ ऽ जो, इ | त नो ऽ गु | मा ऽ न; मा |
| ३ | × | २ | ० |

### अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | (ग)प |
| | | | रा |
| - (ध)नि ध नि | सां - (नि)सां, सां | रीं (नि)सां - निध | नि धप प, (ग)प |
| ऽ स ऽ र | च्यो ऽ है, नी | को नी ऽ रऽ | ती ऽऽ र, ज |
| ३ | × | २ | ० |
| प (प)ग - म | ग री सा सा, | (नि)सा म ग प | - (प)निध नि, (ध)प |
| मु ना ऽ च | लो ऽ अ ब, | छाँ ऽ ड़ि री | ऽ सऽ ऽ, अ |
| ३ | × | २ | ० |
| म ग री, (म)ग | म (ग)प (प)ग म | (री)ग री सा -, | निसा रीग (म)री; (नि)सा |
| ना ऽ री, तो | हे का ऽ न्ह | की ऽ ऽ ऽ, | आऽ ऽऽ न; मा |
| ३ | × | २ | ० |

## राग देवगिरी बिलावल-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : नेकहु लाज ना आवे तोरे,
ऐसो ढीट लंगराई कन्हाई।
अंतरा : निडर निडर निडराई कान्हरो,
बर्जो नहिं मानत, बार-बार बार-बार,
नित करै ठठोरी का कहियो जाय॥

### स्थायी

ग
ने

| | | | |
|---|---|---|---|
| री ग सा –, | नि ध नि प | –, गं रीं गं | सांसां धप मग, ग |
| ऽ क हु ऽ, | ला ऽ ज ना | ऽ, आ ऽ वे | तोऽ ऽऽ रेऽ, ने |
| २ | ० | ३ | × |
| री ग सा –, | नि ध नि प | –, गं रीं गं | सांसां धप मग रीग, |
| ऽ क हु ऽ, | ला ऽ ज ना | ऽ, आ ऽ वे | तोऽ ऽऽ ऽऽ रेऽ, |
| २ | ० | ३ | × |
| म ग री, ग | – म, प म | ग री ग, म | ग री सा ; ग |
| पे ऽ सो, ढी | ऽ ट, लं ग | रा ऽ ई, क | न्हा ऽ ई ; ने |
| २ | ० | ३ | × |

### अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| म ग प, प | नि ध, नि नि | सां – सां, सां | – रीं सां – |
| नि ड र, नि | ड र, नि ड | रा ऽ ई, का | ऽ न्ह रो ऽ |
| × | २ | ० | ३ |
| सां रीं गं रीं | सां – सां सां, | ध नि ध, सां | – रीं, सां नि |
| ब जों न हिं | मा ऽ न त, | बा ऽ र, बा | ऽ र, बा ऽ |
| × | २ | ० | ३ |
| ध, प म ग, | सा सा री ग | –, म ग ग, | गं रीं सांनि ध |
| र, बा ऽ र, | नि त क रै | ऽ, ठ ठो री, | का ऽ कुऽ हि |
| × | २ | ० | ३ |
| प म ग; ग | री ग सा – | | |
| यो जा य; ने | ऽ क हु ऽ | --- इत्यादि स्थायी के अनुसार | |
| × | २ | | |

# राग देवगिरी बिलावल - तराना - त्रिताल (मध्यलय)

स्थायीः दिर् दिर् तनन, दिर् तनन दीम् दीम् दीम् तदीम्,
तनन दिर् दिर् तोम्, दिर् दिर् दिर् दिर् दिर् दिर् दानि,
तार्दानि तोम् तननन ।

अंतराः यललि यललि यलि यला याल्ललल, धित्लांग तक
दिर् दिर्, धित्लांग तक दिर् दिर्, धा किटतक धुमकिटतक
किडनग धित्ता, क्डान् तक धा, क्डान् तक धा ॥

## स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| (नि)सा सा (ग)री ग | री,(नि)सा (ग)री ग | री,(नि)सा – (ध)नि | ध (नि)सा – (ग)री |
| दिर दिर त न | न,दिर त न | न, दी म् दी | म् दी म् त |
| × | 2 | 0 | 3 |
| ग,(नि)सा (ग)री ग | री,(नि)सा (ग)री ग | री,(नि)सा – (ध)नि | ध (नि)सा – (ग)री |
| दीम्,दिर त न | न,दिर त न | न,दी म् दी | म् दी म् त |
| × | 2 | 0 | 3 |
| ग – –,(ग)म | ग री,(म)ग म | (ग)प –,(प)ग म | ग री (नि)सा री |
| दी ऽ म्,त | न न,दिर दिर | तो म्,दिर दिर | दिर दिर दिर दिर |
| × | 2 | 0 | 3 |
| (नि)सा सा,(नि)ध नि | ध (सां)नि सा सा, | (सां)प ग –,(ग)प | ग री सा सा; |
| दा नि,ता ऽ | ऽ र्दा ऽ नि, | तो ऽ म्,त | न न न न; |
| × | 2 | 0 | 3 |

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| (सा)म (ग)म ग,(ग)प | प प,(प)नि ध | (नि)सां सां –,(नि)सां | – रीं सां सां, |
| य ल लि,य | ल लि,य लि | य ला ऽ,या | ऽ ल्ल ल ल, |
| × | 2 | 0 | 3 |
| (गं)रीं (रीं)गं – रीं | (नि)सां सां,(नि)ध प | म ग री सा, | (नि)सा म ग (ग),प |
| धि त्लां ग् तक | दिर दिर,धित्लां | ग् तक दिर दिर, | धा किट तक,धुम |
| × | 2 | 0 | 3 |
| नि ध,सां नि | रीं सां –,(गं)रीं | गं रीं सां – | –,(ग)री ग री |
| किट तक,किड नग | धि त्ता ऽ,क्डा | न् तक धा ऽ | ऽ,क्डा न् तक |
| × | 2 | 0 | 3 |
| (नि)सा; (नि)सा (ग)री ग | री,(नि)सा (ग)री ग | री | |
| धा; दिर त न | न,दिर त न | न ---इत्यादि स्थायी के अनुसार | |
| × | 2 | 0 | |

## राग देवगिरी बिलावल - रूपक (विलंबित)

स्थायीः ये दिन हमरे दौरे चले जाये ही,
अबहुँ न पायो बनवारी।
अंतराः दिन रैन बीती नाम जपत हूँ,
कितवे अब ढूँढू तोहे गिरधारी॥

स्थायी

गरी सा(सा) | निनि,-ध ,सारी ‖ ग -,प(प) | गम गरी | रीरी ग--म ‖
येदि न ऽ | ऽ ऽ,ऽऽ ,हम ‖ रे ऽ,दौऽ | ऽऽ रेऽ | चले ऽऽऽऽ ‖
2 | 3 ‖ ⊗ | 2 | 3 ‖

गरी निरी सा,निसा | गरी सानि | ध ,प ‖ सारी रीग ग, |
जाऽ येऽ ही,ऽऽ | अब हुँऽ | ऽ ,न ‖ पाऽ ऽऽ यो, |
⊗ | 2 | 3 ‖ ⊗ |

गग,प मग | री ,निरी ‖ सा - निसा; |
बन,ऽ वाऽ | ऽ ,ऽऽ ‖ री ऽ ऽऽ; |
2 | 3 ‖ ⊗ |

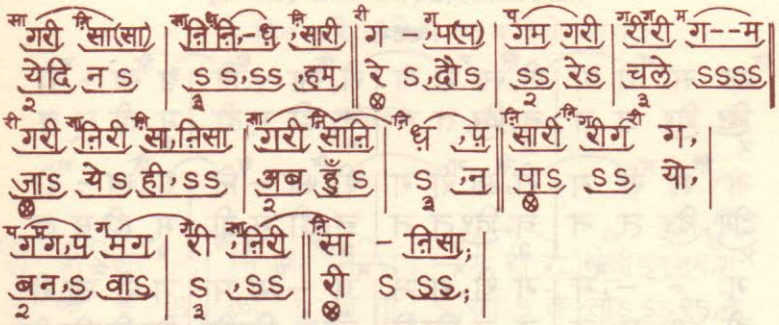

अंतरा

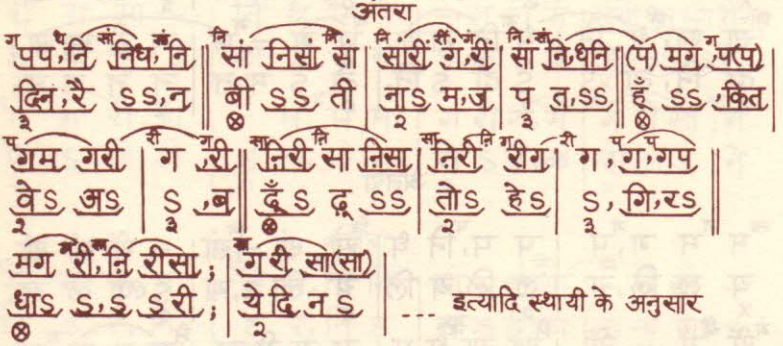

पप,नि निध,नि ‖ सां निसां सां | सांरीं गं,रीं | सां नि,धनि ‖ (प) मग ,प(प) |
दिन,रै ऽऽ,न ‖ बी ऽऽ ती | नाऽ म,ज | प त,ऽऽ ‖ हूँ ऽऽ ,कित |
3 ‖ ⊗ | 2 | 3 ‖ ⊗ |

गम गरी | ग ,री ‖ निरी सा निसा | निरी रीग | ग ,ग,गप ‖
वेऽ अऽ | ऽ ,ब ‖ ढूँऽ ढू ऽऽ | तोऽ हेऽ | ऽ, गि,रऽ ‖
2 | 3 ‖ ⊗ | 2 | 3 ‖

मग री,नि रीसा; | गरी सा(सा) |
धाऽ ऽ,ऽ ऽरी; | येदि न ऽ | --- इत्यादि स्थायी के अनुसार
⊗ | 2 |

---

## राग शुक्ल बिलावल - त्रिताल (मध्यलय)

स्थायीः जय जय मंगल गाऊँ शुभ जस
दरसन लैहों अत सुख पाऊँ।
अंतराः तुम्हरे चरन हरि शरन जाऊँ अब
सकल जगत को सार्थक पाऊँ॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| [ग]म ग री सा | [नि]सा - ग [री]ग | म - [ग]म - | [ग]म प म ग |
| ज य ज य | मं ऽ ग ल | गा ऽ ॐ ऽ | शु भ ज स |
| ० | ३ | × | २ |
| [ग]म री प म | प - [प]नि॒म प | [सां]ध नि सां [सां]ध | -नि॒ [ग]म प मग; |
| द र स न | लै ऽ होंऽ ऽ | अ त सु ख | ऽऽ पा ऽ ॐऽ; |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| [ग]प प नि [ध]नि | सां [नि]सां सां सां | [नि]सां गंरीं गं [गं]मं | गं रीं [नि]सां सां |
| तु म्ह रे च | र न ह रि | श रऽ न जा | ऽ ॐ अ ब |
| ० | ३ | × | २ |
| [नि]सां [ध]नि॒ ध [ध]प | [प]म [म]ग [ग]री [री]सा | [नि]सा [म]ग [प]म [ध]प | [नि]धनि॒ [ग]म प मग; |
| स क ल ज | ग त को ऽ | सा ऽ र थ | कुऽ पा ऽ ॐऽ; |
| ० | ३ | × | २ |

---

## राग कुकुभ बिलावल - झपताल (मध्यलय)

स्थायी : जस रहे नाम, रहे राम ध्यान,
रहे या पृथ्वी में सतत गुणगान रहे।

अंतरा : तिहु लोक को प्राण, जग वन्दन जग जान,
पतित उद्धारन बिनती करे 'सुजान',
अब कृपा दृष्टि रहे॥

स्थायी

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [सा]ग री | [री]ग सा - | [सा]ग [री]ग | म - ,[ग]म ‖ | [ग]म प | [म]प - [प]ध | [प]म [री]ग | म [ग]म म |
| ज स | र हे ऽ | ना ऽ | म ऽ,र ‖ | हे ऽ | रा ऽ म | ध्या ऽ | न र हे |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |
| [ग]म प | [म]प सां सां | [सां]ध नि॒ | प - - ‖ | [प]नि॒ ध | [प]ध [प]म म | ग री | ग सा सा; |
| या ऽ | पृ ऽ थि | वी ऽ | में ऽ ऽ ‖ | स त | त गु न | गा ऽ | न र हे; |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |

अंतरा

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [ग]प प | [ध]नि - [ध]नि | सां - | [नि]सां - सां ‖ | [नि]सां सां | [नि]रीं सां सां | [नि]सां सां | [सां]ध नि॒ प |
| ति हु | लो ऽ क | को ऽ | प्रा ऽ ण ‖ | ज ग | व न्द न | ज ग | जा ऽ न |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |
| [प]नि॒ ध | प - [प]ध | [प]म - | ग [री]ग म ‖ | [प]म प | [सां]नि सां,[सां]गं | रीं गं | (सां) धनि॒ प |
| प ति | त ऽ उ | धा ऽ | र ऽ न ‖ | बि न | ती ऽ,क | रे सु | जा ऽऽ न |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| सां ध | नि प ध | मे - | गरी ग म; ‖ |
| अ ब | कृ पा ऽ | दृ ऽ | ष्टिऽ र हे; ‖ |
| × | 2 | 0 | 3 |

## राग कुकुभ बिलावल - त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी: 'सुजन' सुन साची सीख गुरुनकी,
इक बिन करन कछु गुन नहीं आवे।
अंतरा: अप्रंपार नाद-भेद अत कठिन साधन,
गुनियन की संगत नित किये सो
गावे ध्यावे गुन पावे ‖

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | म |
| | | | सु |
| ग ग सा सा | ग ग म, म | - प, नि ध | प म ग, म |
| ज न सु न | सा ऽ चि, सी | ऽ ख, गु रु | न की ऽ, इ |
| 3 | × | 2 | 0 |
| प नि ध प | म ग सा सा, | नि सा री ग | म प ध; म |
| क बि न क | र न क छु, | गु न न हीं | आ ऽ वे; सु |
| 3 | × | 2 | 0 |

### अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | नि |
| | | | अ |
| ध प - प | नि ध नि सां | - रीं, सां सां | प ध म, ग |
| प्रं पा ऽ र | ना ऽ द भे | ऽ द, अ त | क ठि न, सा |
| 3 | × | 2 | 0 |
| री ग सा सा, | सा सा ग ग | म - -, सा | री ग म प |
| ऽ ऽ ध न, | गु नि य न | की ऽ ऽ, सं | ग त नि त |
| 3 | × | 2 | 0 |
| नि ध प नि | ध, सां (सां) ध | नि ध, प म | ग ग म; म |
| कि ये ऽ सों | ऽ, गा वे ध्या | ऽ वे, गु न | पा ऽ वे; सु |
| 3 | × | 2 | 0 |
| ग ग सा सा | | | |
| ज न सु न | - - - इत्यादि स्थायी के अनुसार | | |
| 3 | | | |

# राग कुकुभ बिलावल - एकताल (विलंबित)

स्थायी : बनरा बनी आयो बनरी को ब्याहन,
मन-भावन अत ही प्यारा रसमाता।
अंतरा : गावो रिझावो सबै मिल मंगल आज
शुभ दिन शुभ घरी शुभ महूरत,
न्यारो रसमाता॥

## स्थायी

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ,पम | गरी,गसा | निसा,गग | म,गग | मम | गम,म,मप | निध,प | | |
| बन | राऽ,ऽऽ | ऽऽ,बनी | आ,ऽऽ | ऽयो | ऽऽ,ब,नऽ | रीऽ,को | | |
| | ४ | | × | | ० | | | |
| पध(म) | -,गग | म म,गम | म,मग | प | पपधनिसां-,ध- | -,प | | |
| ब्याऽ,ऽ | ऽ,ऽऽ | ह न,ऽऽ | म,नऽ | भा | ऽऽऽऽऽऽ,वऽ | ऽ,न | | |
| २ | | ० | ३ | | ४ | | | |
| निध | प,-ध | (म) ,गग | म ,निसा | रीग ,म | प ,पम | रा.. इत्यादि | | |
| अत | ही,ऽऽ | प्या ,ऽऽ | रा ,रस | माऽ,ता | ऽ ,बन | | | |
| × | | ० | २ | ० | ३ | ४ | | |

## अंतरा

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| सांरींगं(सां),सां | निनिसां,रीं | सां ,सांसां | सांरींगंमं,गंरीं | गं(सां),निसां | | |
| गाऽऽवो,रि | झाऽवो,स | बै ,मिल | मंऽऽऽ,गऽ | ऽल,ऽऽ | | |
| ४ | | × | ० | | | |
| सांरीं | सां,निसां, | निधपम,-,गरीग | (सा) ,सा | गमपनि धपम- | | |
| आऽ | ज,ऽऽ, | शुभदिन ऽ,शुभ घ | री ,शु | भ,महूर तऽऽऽ | | |
| २ | | ० | ३ | ४ | | |
| गग,म ,गम, | पपधनिसांरीं--,सांसांधपमगगम | -,निसा रींगमप | | | | |
| ऽऽ,ऽ ,ऽऽ | न्याऽऽऽऽऽऽऽ,रोऽऽऽऽऽऽऽ | ऽ,रस माऽताऽ | | | | |
| × | ० | २ | | | | |
| धम, ,गग | म ,पम | गरी,गसा निसा,गग | ... इत्यादि स्थायी के अनुसार | | | |
| ऽऽ ,ऽऽ | ऽ ,बन | राऽ,ऽऽ ऽऽ,बनी | | | | |
| ० | ३ | ४ | | | | |

# राग कुकुभ-स्तोत्र

(सरस्वती-वन्दना)

टीपः राग छायानट के अंतर्गत पृष्ठ ४८ पर यह रचना आ चुकी है। अतएव इस रचना के शब्दों को पुनः दोहराया नहीं है। केवल राग-स्वरूपानुसार इसके स्वरकरण में अंतर पाया जायेगा। जिस स्थान पर '⟶' यह चिन्ह है, वहाँ पर आवाज़ को मुलायम करना चाहिये।

(नि)सा (नि)सा प प | (ध)प ध नि ध | प म ग री | — — — —,

न मो ऽ न | मो ऽ ऽ ऽ | ज य श्री ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ,

(री)प म ग री | सा — —,(सा)री | सा नि ध प | — — — —,

स र ऽ स्व | ती ऽ ऽ, द | या ऽ नी ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ,

(ध)प — (सा)ध सा | — — — —, | (ग)री ग म ग | री — — —

वि ऽ द्या ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ, | दा ऽ ऽ ऽ | नी ऽ ऽ ऽ

— — — —, | (सा)प (सा)ध सा सा | (ग)री रीप म ग | री सा (सा)नि सा

ऽ ऽ ऽ ऽ, | कृ पा ऽ क | र नीऽ दु ख | ह र नी ऽ

(ग)री ग म प | — — — —, | (नि)ध नि ध प | (सां)ध (ध)सां सां —

ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ, | प ति त उ | द्ध र नी ऽ

— — — —, | (नि)सांरीं गं रींसां | (नि)रीं सां,(सां)ध नि | ध प — प,

ऽ ऽ ऽ ऽ, | जैऽ ऽ भ वा | ऽ नि, जै ऽ | शि वा ऽ नि,

(म)ग म ग री | सा — (ग)री — | — — सा — | — — — —;

जै ऽ जै ऽ | जै ऽ दे ऽ | ऽ ऽ वी ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ;

-२-

(प)रीं — रीं,रीं | (गं)रीं —(गं)रीं गं, | (गं)रीं सां सां,(ध)सां | नि ध प —,

ना ऽ द,नि | ना ऽ द त, | गा ऽ ये,ब | जा ऽ ये ऽ,

(ग)री ग म प | (नि)ध नि ध,प | (सां)ध सां सां — | — — — —,

ना ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ म,ति | हा ऽ रो ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ,

(नि)सा — री री | (ग)री ग (ग)री ग | (प)म — प (म)प | — प प —,

नृ ऽ त्य कि | ये ऽ अ ति | भ ऽ क्ति भा | ऽ व सो ऽ,

| | | | |
|---|---|---|---|
| [सा]ध - ध [नि]ध | - ध ध ध | पुध निसां सां,[नि]सां | [सां]ध नि ध प, |
| रा ऽ ग ता | ऽ ल र स | रंऽ ऽऽ ग,र | सी ऽ ले ऽ, |
| [प]गं गं गं,[रीं]गं | - मं गं रीं, | [नि]सां - रीं,रीं | सां नि ध प, |
| श्र व न,ने | ऽ त्र पु नि, | चि ऽ त्त,मि | ला ऽ ये ऽ, |
| [नि]ध नि ध प | म ग री -, | [म]ग प प,प | [नि]ध नि[ध] नि सां |
| त व च र | न न तें ऽ, | ध्या ऽ न,ल | गा ऽ ये ऽ |
| - - - -, | [नि]सांरीं गं रीं सां | - सां,[सां]ध नि | ध प - प, |
| ऽ ऽ ऽ ऽ, | जैऽ ऽ भ वा | ऽ नि,जै ऽ | शि वा ऽ नि, |
| [म]ग म ग री | [नि]सा - [ग]री - | - - सा - | - - - -; |
| जै ऽ जै ऽ | जै ऽ दे ऽ | ऽ ऽ वी ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ; |

-२-

| | | | |
|---|---|---|---|
| [सा]प प प प | प -,[म]प - | पुध नि ध प | म ग री री, |
| भ र त मु | नि ऽ,निः ऽ | शंऽ ऽ क अ | हो ऽ ब ल, |
| [ग]री प प म | ग री,[नि]सा सा | [ग]री ग री, [म]ग | [प]म प - -, |
| ता ऽ न से | ऽ न, अ ति | च तु र, गु | नी ऽ ऽ ऽ, |
| [सां]ध - रीं सां | नि ध प प | [ध]प ध प म | ग री - -, |
| ध्या ऽ न ध्या | ऽ न गु न | मा ऽ न ब | ली ऽ ऽ ऽ, |
| [ग]म ग री सा | [ग]री ग म प | [ध]प - [स]ध सां | सां - [गं]रीं गं |
| स ब से ऽ | व क ग न | या ऽ ते ऽ | हु ऽ फ ल |
| रीं सां सां - | - - -,[नि]सां | - रीं,[नि]सा नि | ध,[म]प - ध, |
| पा ऽ वे ऽ | ऽ ऽ ऽ,चि | ऽ त्त, शु ऽ | द्धि,बु ऽद्धि, |
| [म]प म ग,[ग]री | [प]ग प [सां]ध सां | - - - -, | [नि]सांरीं गं रीं [नि]सां |
| मु ऽ क्ति,जी | व न में ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ, | जैऽ ऽ भ वा |
| रीं सां,[सां]ध नि | ध प ध प, | [म]ग म ग री | [नि]सा - [ग]री - |
| ऽ नि,जै ऽ | शि वा ऽ नि, | जै ऽ जै ऽ | जै ऽ दे ऽ |

– – सा – | – – – – –; |
ऽ ऽवी ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ; |

-४-

नि़ नि़ नि़,नि़ | – नि़,नि़ – | सा – सा,सा | – सा सा –,
भ र त,भू | ऽमि,सं ऽ | गी ऽ त,सु | ऽन्द री ऽ,

सा प प,म | ग री सा सा, | सा – री री | री –,री –
गी ऽ त,वा | ऽद्य अ रु, | नृ ऽत्य स | जे ऽ,सिं ऽ

री ग म प | प –,प प | ध नि सां रीं | रीं –,सां सां
गा ऽ र कि | ये ऽ,उ प | हा ऽ र लि | ये ऽ,त व

ध नि॒ ध,प | ध सां – – | – – –,सां | सां नि ध,प
द्वा ऽ र,ख | ड़ी ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ,प्र | सी ऽ द,प्र

ध नि॒ ध,प | म ग री,सा | – सा,नि़सा | री ग म प
सी ऽ द,प्र | सी ऽ द,मा | ऽ त,यही | बि न ति क

ध नि॒,ध प | ध रीं रीं,सां | – सां,ध प | ध सां सां –
र त,क र | जो ऽ र,जो | ऽ र,सुनि | लै ऽ हो ऽ

– – – – | – –,ध प | ध गं गं – | – – – –
ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ,सुनि | लै ऽ हो ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

– –,ध प | नि नि सां – | – – – –, | सांरीं गं रीं सां
ऽ ऽ,सु नि | लै ऽ हो ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ, | जैऽ ऽ भ वा

रीं सां,ध नि॒ | ध प ध प, | ग म ग री | सा सा,री –
ऽ नि,जै ऽ | शि वा ऽ नि, | जै ऽ जै ऽ | जै ऽ,दे ऽ

– – सा – | – – – – – ||
ऽ ऽ वी ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ||

## राग बिहाग-सरगम-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| प म ग (सा) | –, ग म प | नि –, सां नि | प ग – म |
| ० | ३ | × | २ |
| ग –, ग म | नि ध प ग | –, म प ध | म ग रे सा, |
| ० | ३ | × | २ |
| प़ ऩि सा ग | –, गं – रें | सां नि ध प | म ग रे सा; |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| प ग म प | नि सां रें सां | नि – –, नि | सां – – –, |
| ० | ३ | × | २ |
| प नि सां गं | – रें सां नि | प ^मं^ग – म | ग –, ऩि सा |
| ० | ३ | × | २ |
| ग म प नि | सां गं –, ग | –, म प ध | म ग रे सा; |
| ० | ३ | × | २ |

---

## राग बिहाग-लक्षणगीत-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायीः रि-ध तजत अनुलोम बिराजत
विलुम सम्पूरन कर गावत
शुद्ध सुरन को मेल मिलावत।

अंतराः राग-नाम बिहग अति सुन्दर
ग-नि संवाद प्रथम निस राजत
तान-अलाप-मींड़ नीकी लागत
कबहुँ तीवर मध्यम दिखलावत ॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| ; ^प^सां नि ध | प ^प^मं ^प^ग म | ^ग^प – ^मं^ग,(म) | ग –री सा सा |
| ; रि ध त | ज त अ नु | लो ऽ म, बि | रा ऽऽ ज त |
| ० | ३ | × | २ |
| –, ^ऩि^प़ ऩि ऩि | सा – ^ऩि^सा – | ^सा^प प ^प^ग ^प^म | ग –री सा सा |
| ऽ, वि लु म | स ऽ म्पू ऽ | र न क र | गा ऽऽ व त |
| ० | ३ | × | २ |
| ^ऩि^सा – ^म^ग म | ^ग^प प ^सां^नि – | सां ^रीं^गंगं सां नि | (प) – ^ग^म ^री^ग |
| शु ऽ द्ध सु | र न को ऽ | मे ऽऽ ल मि | ला ऽ व त |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| ; (म)प – प | (सां)नि – नि, (सां)नि | सां सां सां सां | (नि)सां रीं सां सां |
| ; रा ऽ ग | ना ऽ म, बि | ह ग अ ति | सु ऽ न्द र |
| 0 | 3 | × | 2 |
| (नि)सां सां (मं)गं मं | गं –रीं सां, (नि)सां | नि (ध)प, (सां)नि सां | नि –ध प प |
| ग नि सं ऽ | वा ऽऽ द, प्र | थ म, नि स | रा ऽऽ ज त |
| 0 | 3 | × | 2 |
| (म)गम पनि सां, नि | (ध)प (म)ग म, (प)नि | –ध प, (प)ग म | ग –री सा सा |
| ताऽ ऽऽ न, अ | ला ऽ प, मीं | ऽऽ ड़, नी को | ला ऽऽ ग त |
| 0 | 3 | × | 2 |
| (नि़)प़ प़ (सा)नि़, (सा)नि़ | सा सा, (म)ग म | (ग)प पम (प)ग म | ग –री सा सा |
| क ब हुँ, ती | व र, म ऽ | ध्य मऽ दि ख | ला ऽऽ व त |
| 0 | 3 | × | 2 |

---

## राग बिहाग - त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी: मुकुट माथे गरे बैजयंती
करन कुण्डल मकराकृत सोहे
कट सोहे पीताम्बर नीको ।

अंतरा: नैन विशाल रसीले लोने
बरन घन नील, ठाड़ो त्रिभंगी
मुरली अधर धरि, मोहनी मूरत पै
वारि गयो मन ब्रिज-ग्वारनी को ॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | (म)प |
| | | | मु |
| (प)ग म प सां | नि –ध प, (प)ग | म (ग)प (म)ग म | ग –री सा, (सा)नि़ |
| कु ट मा ऽ | थे ऽऽ ऽ, ग | रे बै ऽ ज | यं ऽऽ ति, क |
| 3 | × | 2 | 0 |
| नि़ (ध)प़ (सा)नि़ सा | सा सा, (म)ग म | (ग)प – (म)ग म | ग –री सा, (म)ग |
| र न कु ऽ | ण्ड ल, म क | रा ऽ कृ त | सो ऽऽ हे, क |
| 3 | × | 2 | 0 |
| म प नि नि | सां गं (रीं)सां नि | ध पम ग म | ग –री सा; (म)प |
| ट सो ऽ हे | पी ऽ ता ऽ | ऽ ऽऽम्ब र | नी ऽऽ को; मु |
| 3 | × | 2 | 0 |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | मंप |
| | | | नै |
| - पसां - सां | निसां - सां, सां | सां - सां, निसां | रीं सां -, निसां |
| ऽ न ऽ वि | शा ऽ ल, र | सी ऽ ले, लो | ऽ ने ऽ, ब |
| ३ | × | २ | ० |
| मंगं मं गं रींसां | नि धप प, निसां | रीं सां - नि | प ग म, प |
| र न घ न | नी ऽऽ ल, ठाऽ | ऽ डो ऽ त्रि | भं ऽ गी, मु |
| ३ | × | २ | ० |
| पध ग -, गम | ग ग रीसा नि़ | नि़प़ प़ नि़, सानि़ | सा म ग रीग, |
| र ली ऽ, अ | ध र ध रि | मो ह नी, मू | र त पै ऽ, |
| ३ | × | २ | ० |
| मग म सांप नि | निसां सांरीं सां, नि | ध पमं ग म | ग -री सा; मंप |
| वा ऽ रि ग | यो म न, ब्रि | ज ख्वाऽ ऽ र | नी ऽऽ को; मु |
| ३ | × | २ | ० |
| पग म प सां | नि -ध प | | |
| कु ट मा ऽ | थे ऽऽ ऽ --- इत्यादि स्थायी के अनुसार | | |
| ३ | × | | |

---

## राग बिहाग - त्रिताल (मध्यलय)

स्थायीः नमो नमो श्री चतुर चरण नित

भरतखण्ड विप्र-वंश उज्वल कीन्हो

नारायणांश विष्णु सु-नाम, धन्य धन्य धन्य हे।

अंतराः भारतीय संगीत सुलच्छन, कीन्हो बखान लच्छहु ताको

रसिक जन-मन रिझावन हेत, दियो दान तन-मन-धन हे॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| निसां निधप, गम | ग -रीसा -, | सानि़ धप़ नि़ नि़सा | मग म प नि |
| न मो ऽ, न | मो ऽ श्री ऽ, | च तु र च | र ण नि त |
| × | २ | ० | ३ |
| पमं प मं ग | म ग, मग - | म प मंग म | ग -री सा सा |
| भ र त ख | ऽ ण्ड, वि ऽ | प्र वं ऽ श | उ ऽ ज्व ल |
| × | २ | ० | ३ |

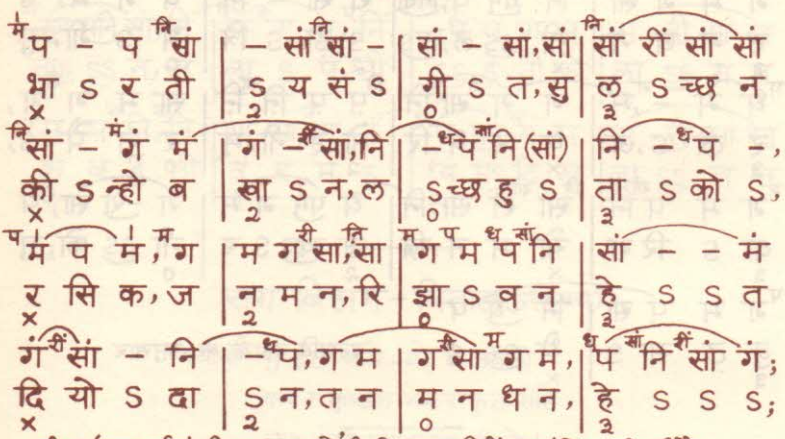

| | | | |
|---|---|---|---|
| नि़ प़ सा –, | ग म ग – | म प – प, | नि सां सां, मं |
| की ऽ न्हो ऽ, | ना ऽ रा ऽ | य णां ऽ श, | वि ऽ ष्णु, सु |
| × | 2 | 0 | 3 |
| गं – सां, नि | – प, ग – | म, प॒म॒ ग म, | प नि सां गं; |
| ना ऽ म, ध | ऽ न्य, ध ऽ | न्य, ध॒ऽ॒ ऽ न्य, | हे ऽ ऽ ऽ; |
| × | 2 | 0 | 3 |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| प – प सां | – सां सां – | सां – सां, सां | सां रीं सां सां |
| भा ऽ र ती | ऽ य सं ऽ | गी ऽ त, सु | ल ऽ च्छ न |
| × | 2 | 0 | 3 |
| सां – गं मं | गं – सां, नि | – प नि (सां) | नि – प –, |
| की ऽ न्हो ब | खा ऽ न, ल | ऽ च्छ हु ऽ | ता ऽ को ऽ, |
| × | 2 | 0 | 3 |
| मं प मं, ग | म ग सा, सा | ग म प नि | सां – – मं |
| र सि क, ज | न म न, रि | झा ऽ व न | हे ऽ ऽ त |
| × | 2 | 0 | 3 |
| गं सां – नि | – प, ग म | ग सा ग म, | प नि सां गं; |
| दि यो ऽ दा | ऽ न, त न | म न ध न, | हे ऽ ऽ ऽ; |
| × | 2 | 0 | 3 |

टीपः 'गुरुवर्य पं. वि. ना. भातखण्डे' जी की पुण्यस्मृति में यह बंदिश रची गई है।

---

## राग बिहाग – झपताल (मध्यलय)

स्थायीः शरद की चाँदनी द्युति चन्द्रमा रजत
गगन-मण्डल छायो अनुपम सुहायो।

अंतराः मंद शीत समीर बहत अत सुखदायी
रैन रानी सुगंध अति ही मन हरखायो॥

संचारीः मकरंद रस पान पुहूपन की ओट
करत मधुकर परम सुख-चैन पायो॥

आभोगः देखि लीला सुंदर सृष्टि-देवी चरन
लीन भयो, 'सुजन' जियरा हुलसायो॥

### स्थायी

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सां नि | प ग म | प म | ग (सा) – | नि़ प़ | नि़ सा सा | ग म | ग सा सा |
| श र | द की ऽ | चाँ ऽ | द नी ऽ | शु ति | च ऽ न्द्र | मा ऽ | र ज त |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |
| सा ग | म प – | नि सां | गं रींसां सां | नि रीं | सां नि प | ध म | ग – सा; |
| ग ग | न मं ऽ | ड ल | छा ऽऽ यो | अ नु | प म सु | हा ऽ | यो ऽ ऽ; |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |

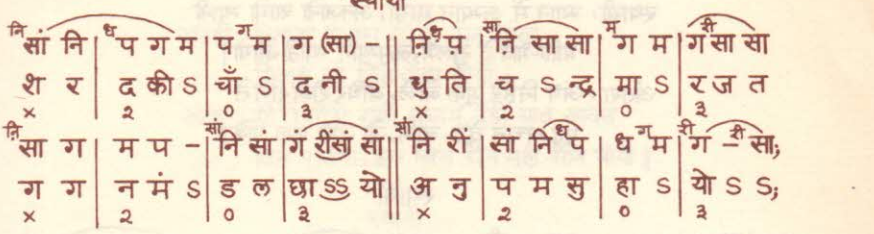

### अंतरा

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प – | प नि सां | सां सां | सां – सां | नि सां | गं सां नि | प प | नि सां नि |
| मं ऽ | द शी ऽ | त स | मी ऽ र | ब ह | त अ त | सु ख | दा ऽ यि |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |
| मं प | नि मं प | ध म | ग – सा | प़ नि़ | सा ग म | प मं | मं ग सा; |
| रै ऽ | न रा ऽ | नी सु | गं ऽ ध | अ ति | ही म न | ह र | खा ऽ यो; |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |

### संचारी

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प प | ग म ग | प प | प – प | प प | नि सां सां | नि – ध | प – प |
| म क | रं ऽ द | र स | पा ऽ न | पु हु | प ऽ न | की ऽऽ | ओ ऽ ट |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |
| मं प | ध ग म | प म | ग सा सा | नि़ प़ | नि़ सा सा | ग मप | म ग – |
| क र | त म धु | क र | प र म | सु ख | चै ऽ न | पा ऽऽ | यो ऽ ऽ |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |

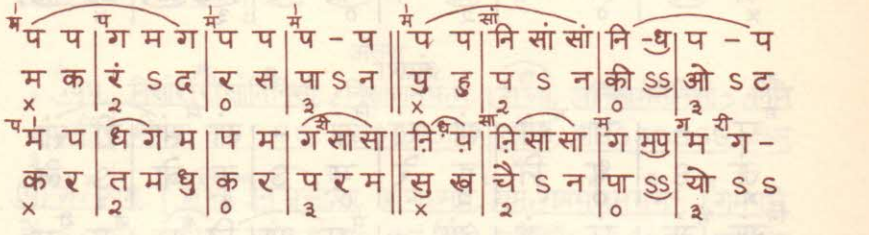

### आभोग

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प – | प सां – | सां – | सां सां सां | सां – | सां गं मं | गं – | सां नि प |
| दे ऽ | खि ली ऽ | ला ऽ | सुं द र | सृ ऽ | ष्टि दे ऽ | वी ऽ | च र न |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |
| मं प | नि सां रीं | नि सां | नि प प | सां नि | प ग म | प म | ग – सा; |
| ली ऽ | न ऽ भ | यो ऽ | सु ज न | जि य | रा हु ल | सा ऽ | यो ऽ ऽ; |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |

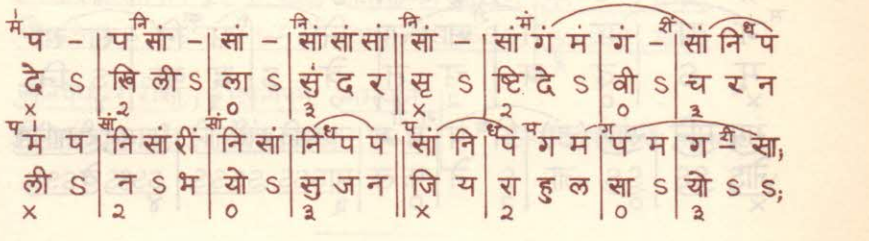

---

## राग बिहाग - एकताल (मध्यलय)

स्थायी : ग्यान में अग्यान छायो, अनजानो साचो ग्यानी
भक्ति-भाव तें सुलभ, ब्रह्मग्यान ग्यानी खोयो।
अंतरा : अंध निहरे मूक बोले, बधिर रीझे राग तें
मूढ़ बचन वेद-बानि, जो जाने फल पावे॥

### स्थायी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नि | नि | (प) | म | ग | म | पम | धग | (म) | ग | रीसा | सा |
| ग्या | ऽ | न | में | ऽ | अ | ग्याऽ | ऽऽ | न | छा | ऽऽ | यो |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | 4 | |
| नि़ | प़ | नि़ | सा | सा | – | प | मग | (म) | ग | रीसा | सा |
| अ | न | जा | ऽ | नो | ऽ | सा | ऽऽ | चो | ग्या | ऽऽ | नि |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | 4 | |
| नि़ | सा | ग | म | प | प | नि | सां | – | सां | सां | सां |
| भ | ग | ति | भा | ऽ | व | तें | ऽ | ऽ | सु | ल | भ |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | 4 | |
| नि | रीसां | नि | (प) | मग | म | पनि | सांरीं | सांनि | धप | मग | रीसा; |
| ब्र | ऽऽ | ह्म | ग्या | ऽऽ | न | ग्याऽ | ऽऽ | निऽ | खोऽ | ऽऽ | योऽ; |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | 4 | |

### अंतरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | – | प | सां | सां | सां | सां | – | सां | सां | रीं | सां |
| अं | ऽ | ध | नि | ह | रे | मू | ऽ | क | बो | ऽ | ले |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | 4 | |
| सां | गं | मं | गं | (सां) | – | प | सां | नि | प | म | ग |
| ब | धि | र | री | झे | ऽ | रा | ऽ | ग | तें | ऽ | ऽ |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | 4 | |
| ग | प | म | ग | सा | सा | नि़ | – | प़ | नि़ | सा | सा |
| मू | ऽ | ढ़ | ब | च | न | वे | ऽ | द | बा | ऽ | नि |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | 4 | |
| गम | पनि | सांगं | (सां) | नि | प | म | ग | गमपनि | सांरींसांनि | धपमग | रीसानि़सा |
| जोऽ | ऽऽ | ऽऽ | जा | ऽ | ने | फ | ल | पाऽऽऽ | ऽऽऽऽ | ऽऽऽऽ | वेऽऽऽ |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | 4 | |

# राग बिहाग-टप्पा-पंजाबी(विलंबित)

स्थायी: दिलदा प्यारा शोणाँ मन भांदा
मिलबे को चित-चाँदा मीयाँ।
अंतरा: मीठी मीठी गलाँ बालम, तेंड़ी याद आवत
दिन रतियाँ, इक छिन चैन नहीं आवे मीयाँ॥

स्थायी

पप,धपमं गमपनि | निसांरींरींसांनिनि-(प),मंपध मंग-,पम गरीसानिप,निसा |
दिल,दाऽऽ ऽऽऽऽ | प्याऽ ऽऽऽऽऽऽ रा,ऽऽऽ ऽऽऽशोऽ ऽऽऽऽऽ,ऽऽ |
×

गम,ग- गम,पनिसांनि,निसां रींरींसांनिनि,(प) ,गंगं | मंगंरींसांनिधपप
णाँऽ,ऽऽ मन,भांऽऽऽऽ,ऽऽ ऽऽऽऽऽ,दा ,मिल | बेऽको ऽऽऽऽऽ
२ ०

गमगंग गमपपमगरीसा ,गमपनि | सांगं---,रींसांनि धपमगरीसा--;
चितचाँऽ दाऽऽऽऽऽऽऽ ,मीऽऽऽ | ऽऽऽऽऽयाँऽऽ ऽऽऽऽऽऽऽऽ;
३

पप,धपमं गमपनि |
दिल,दाऽऽ ऽऽऽऽ | --- इत्यादि

अंतरा

, ,पप निसांरींरींसांनिनिसां ,निसांगंमंपं,मं | गंसां पनिसांगंरींनिसां- ,निनि
, ,मीठी मीऽऽऽऽऽऽऽऽ ,ठीऽऽऽऽ,ग | लाँऽ बाऽऽऽऽऽऽऽऽ ,लम
३ ×

(प)ग,मपम | गंसां निपसां,सा गग,मग गम,गमपपमगंग- | गमपनि
तें ऽ,ऽऽऽ | ड़ीऽ याऽद,आ वत,दिन रति,याँऽऽऽऽऽऽऽ | इकछिन
२ ०

निसांरींरींसांनिनि- -नि,सांसां ,निसा,गमपनिसांगं | मंपं---, मंगंरीं
चैऽऽऽऽऽऽऽऽ ऽन,नहीं ,आऽ,वेऽऽऽऽऽ | ऽऽऽऽऽ, मीऽऽ
३

सांनिधपमगरीसा; ,पप,धपमं गमपनि |
याँऽऽऽऽऽऽऽ; ,दिल,दाऽऽ ऽऽऽऽ | --- इत्यादि स्थायी के अनुसार

# राग बिहाग- होरी- धमार

स्थायी : नाचत ब्रिजराज किशोर
अतही धूमधाम सों होरी, होरी सखि।
अंतरा: झाँझ मृदंग संग बाँसुरी धुन बजै
सजै, साँवरे कृष्ण राधा गोरी सखि॥

## स्थायी

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | (म)ग | म | प | (सां)नि | सां |
| | | | | | | | | | ना | च | त | ब्रि | ज |
| | | | | | | | | | | ३ | | | |
| नि | – | – | (ध)प | – | – | (प)ध | (ध)ग | – | म | ग | ग | (री)सा | – |
| रा | ऽ | ऽ | ज | ऽ | ऽ | कि | शो | ऽ | र | अ | त | ही | ऽ |
| × | | | | | २ | | ० | | | ३ | | | |
| (सा)नि़ | – | (ध)प़, | (सा)नि़ | सा | – | सा | (म)ग | – | म | प | नि | सां | गं |
| धू | ऽ | म, | धा | ऽ | ऽ | म | सों | ऽ | ऽ | हो | ऽ | री | ऽ |
| × | | | | | २ | | ० | | | ३ | | | |
| सां | नि | – | (ध)प | – | – | (प)ध | (ध)ग | –; | (म)ग | म | प | (सां)नि | सां |
| हो | ऽ | ऽ | री | ऽ | ऽ | स | खी | ऽ; | ना | च | त | ब्रि | ज |
| × | | | | | २ | | ० | | | ३ | | | |

## अंतरा

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (मं)प | – | – | (प)सां | – | – | सां | (नि)सां | – | सां | (नि)सां | रीं | सां | – |
| झाँ | ऽ | ऽ | झ | ऽ | ऽ | म्रि | दं | ऽ | ग | सं | ऽ | ग | ऽ |
| × | | | | | २ | | ० | | | ३ | | | |
| (मं)गं | – | मं | गं | – | (रीं)सां | सां | (नि)सां | सां | – | नि | (ध)नि | (ध)प | – |
| बाँ | ऽ | सु | री | ऽ | धु | न | ब | जै | ऽ | ऽ | स | जै | ऽ |
| × | | | | | २ | | ० | | | ३ | | | |
| (ध)ग | – | म | प | नि | सां | मं | गं | – | (रीं)सां | नि | – | (ध)प | – |
| साँ | ऽ | व | रे | ऽ | के | ऽ | ष्ण | ऽ | ऽ | रा | ऽ | धा | ऽ |
| × | | | | | २ | | ० | | | ३ | | | |
| (ग)नि | – | – | (ध)प | – | – | (प)ध | (ध)ग | –; | (म)ग | म | प | (सां)नि | सां |
| गो | ऽ | ऽ | री | ऽ | ऽ | स | खी | ऽ; | ना | च | त | ब्रि | ज |
| × | | | | | २ | | ० | | | ३ | | | |

# राग शंकरा – त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : दुर्गे! महिषासुर मर्दिनी, सिंघासिनी
जगदम्ब भवानी दयानी शिवानी
जोगिनी, जय जय जय।

अंतरा : अष्टहु भुजासों कीजो नष्ट पाप-ताप
सब भव दुःख-दंद हरो, चरनशरन
'सुजन' आयो, दीजो अभयदान, जय जय॥

## स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | सांरीं सांनि |
| | | | मऽ हिऽ |
| पप गरी सांसा, ग | प नि ध सां | नि –, ग प | नि ध, सांरीं सांनि |
| षाऽ ऽऽ ऽऽ, सु | र म र दि | नी ऽ, दु र | गे ऽ, मऽ हिऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| पप गरी सांसा, ग | प नि ध सां | नि – –, सां | गं (सां) – नि |
| षाऽ ऽऽ ऽऽ, सु | र म र दि | नी ऽ ऽ, सिं | ऽ घा ऽ सि |
| ० | ३ | × | २ |
| (प) – ग प | ग – सा, प़ | सा री सा, प | सां रीं सां, गं |
| नी ऽ ज ग | द ऽ म्ब, भ | वा ऽ नी, द | या ऽ नी, शि |
| ० | ३ | × | २ |
| (सां) नि (प), ग | प ग (सा) –, | ग प नि ध | सां –; सांरीं सांनि |
| वा ऽ नी, जो | ऽ गि नी ऽ, | जै ऽ जै ऽ | जै ऽ; मऽ हिऽ |
| ० | ३ | × | २ |

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | प |
| | | | अ |
| प सां – सां | सां – सां – | सां रीं सां – | नि प प, प |
| ष्ट हु ऽ भु | जा ऽ सों ऽ | की ऽ जो ऽ | न ऽ ष्ट, अ |
| ० | ३ | × | २ |
| प सां – सां | सां – सां – | सां गं (सां) – | – नि प प |
| ष्ट हु ऽ भु | जा ऽ सों ऽ | की ऽ जो ऽ | ऽ न ऽ ष्ट |
| ० | ३ | × | २ |
| सां – सां (प) | – प ग ग | ग नि प प | ग –री ग, प |
| पा ऽ प ता | ऽ प स ब | भ व दु ख | दं ऽऽ द, ह |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग – सो –, | प़ प़ सा,सा | ग ग,पप | प,नि सां सां |
| रे ऽ ऽ ऽ, | च र न,श | र न,सुज | न,आ ऽ यो |
| ० | ३ | × | २ |
| गं पं गं रींसां | नि ध सां नि | प प,नि ध | सां –;सांरींसांनि |
| दी ऽ जो ऽऽ | अ भ य दा | ऽ न,जै ऽ | जै ऽ;मऽ हिऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| पप गरी सासा,ग | प नि ध सां | नि | |
| षाऽ ऽऽ ऽऽ,सु | र म र दि | नी ... इत्यादि स्थायी के अनुसार | |
| ० | ३ | × | |

## राग शंकरा – त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी: न करो अब मोंसे रार, झगरो,
कृष्ण कन्हाई कह देत, ठठोरी करो ना
ढिटाई साँवरे, देखो जी।

अंतरा: भरन न देत मोंको नीर, बाट-घाट
सब ब्रिज-जन देखि हँसे, निपट निडर
लंगर ढीट ऐसो नटखट, देखो जी॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | सांरींसांनि |
| | | | नऽकऽ |
| पप गरी सासा,ग | प नि ध सां | नि–नि,ग प | नि ध,सांरींसांनि |
| रोऽ ऽऽ ऽऽ,अ | ब मों ऽ से | राऽर,झग | रो ऽ,नऽकऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| पप गरी सासा,ग | प नि ध सां | नि – नि,सां | गं (सां) –,नि |
| रोऽ ऽऽ ऽऽ,अ | ब मों ऽ से | रा ऽ ऽर,के | ऽ ष्ण ऽ,क |
| ० | ३ | × | २ |
| (प) प,ग प | ग –री सा,प़ | सा री सा,प | सां रीं सां,गं |
| न्हा ई,क ह | दे ऽऽ त,ठ | ठो ऽ री,क | रो ऽ ना,ढि |
| ० | ३ | × | २ |
| (सां) नि (प),ग | प ग (सा) –, | ग प नि ध | सां –;सांरींसांनि |
| टा ऽ ई,साँ | ऽ व रे ऽ, | दे ऽ खो ऽ | जीऽ;नऽकऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| पप गरी सासा, | | | |
| रोऽ ऽऽ ऽऽ, .... इत्यादि | | | |
| ० | | | |

अंतरा

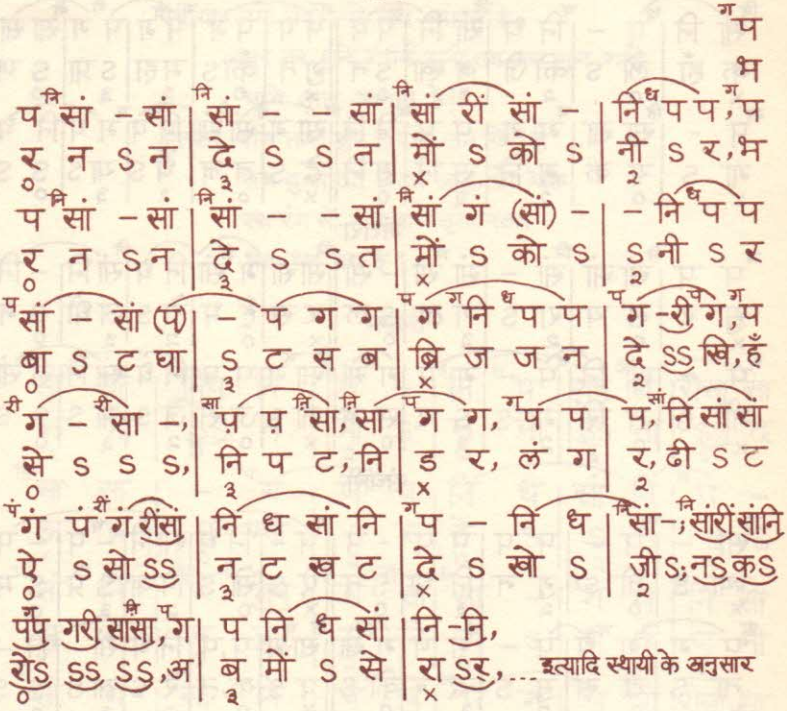

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | प |
| | | | भ |
| प सां – सां | सां – – सां | सां रीं सां – | नि प प, प |
| र न ऽ न | दे ऽ ऽ त | मों ऽ को ऽ | नी ऽ र, भ |
| ० | ३ | × | २ |
| प सां – सां | सां – – सां | सां ग (सां) – | – नि प प |
| र न ऽ न | दे ऽ ऽ त | मों ऽ को ऽ | ऽ नी ऽ र |
| ० | ३ | × | २ |
| सां – सां (प) | – प ग ग | ग नि प प | ग – री ग, प |
| बा ऽ ट घा | ऽ ट स ब | ब्रि ज ज न | दे ऽऽ खि, हँ |
| ० | ३ | × | २ |
| ग – सा –, | प़ प़ सा, सा | ग ग, प प | प, नि सां सां |
| से ऽ ऽ ऽ, | नि प ट, नि | ड र, लं ग | र, ढी ऽ ट |
| ० | ३ | × | २ |
| ग पं ग रींसां | नि ध सां नि | प – नि ध | सां –; सांरीं सांनि |
| ऐ ऽ सो ऽऽ | न ट ख ट | दे ऽ खो ऽ | जी ऽ; नऽ कऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| पंपं गरी सांसां, ग | प नि ध सां | नि – नि, | |
| रोऽ ऽऽ ऽऽ, अ | ब मों ऽ से | रा ऽर, ... इत्यादि स्थायी के अनुसार | |
| ० | ३ | × | |

---

## राग शंकरा – ध्रुवपद-सूलताल (मध्यलय)

स्थायी : कहाँलो कीजे बखान गुन को महा प्राण
गायक-गुनी सुनि सुनि देत बधैया।

अंतरा : सुर लय राग ताल रस हूँ भये अधीन
गीत सिंगार सब साज सजैया॥

संचारी : ग्यानी गुन निधान ऐसो पिया प्रेम
नाद-समुन्दर को एक तरैया॥

आभोग : चकित भयो 'सुजान' वन्दन किये चरन
गुरु फैयाज़ नाम राग रिझैया॥

### स्थायी

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सां नि | प – | नि ध | सां नि | प प | प प | प ग | प ग | प ग | सां सा |
| क हाँ | लो ऽ | की जे | ब खा | ऽ न | गु न | को ऽ | म हा | ऽ प्रा | ऽ ण |
| × | ० | २ | ३ | ० | × | ० | २ | ३ | ० |
| प – | सा सा | ग ग | प प | नि नि | सां गं | सां सां | नि प | ग प | नि ध; |
| गा ऽ | य क | गु नि | सु नि | सु नि | दे ऽ | त ब | धै ऽ | या ऽ | ऽ ऽ; |
| × | ० | २ | ३ | ० | × | ० | २ | ३ | ० |

### अंतरा

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प प | सां सां | सां – | सां सां | – सां | सां सां | गं सां | नि ध | सां नि | – नि |
| सु र | ल य | रा ऽ | ग ता | ऽ ल | र स | हूँ भ | ये ऽ | अ धी | ऽ न |
| × | ० | २ | ३ | ० | × | ० | २ | ३ | ० |
| प – | सां नि | प – | ग प | ग सा | सा ग | प,प | नि ध | सां नि | रीं सां; |
| गी ऽ | त सिं | गा ऽ | ऽ र | स ब | सा ऽ | ज,स | जै ऽ | या ऽ | ऽ ऽ; |
| × | ० | २ | ३ | ० | × | ० | २ | ३ | ० |

### संचारी

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा – | प – | प प | प प | – प | प – | नि ध | सां नि | – प | – प |
| ग्या ऽ | नी ऽ | गु न | नि धा | ऽ न | ऐ ऽ | सो ऽ | पि या | ऽ प्रे | ऽ म |
| × | ० | २ | ३ | ० | × | ० | २ | ३ | ० |
| प ग | ग ध | प – | ग प | ग सा | सा ग | प,प | नि ध | सां – | नि – |
| ना ऽ | द स | मु ऽ | न्द र | को ऽ | ए ऽ | क,त | रै ऽ | या ऽ | ऽ ऽ |
| × | ० | २ | ३ | ० | × | ० | २ | ३ | ० |

### आभोग

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प प | सां सां | सां – | सां सां | – सां | सां – | गं गं | पं गं | पं गं | सां सां |
| च कि | त भ | यो ऽ | सु जा | ऽ न | वं ऽ | द न | कि ये | ऽ च | र न |
| × | ० | २ | ३ | ० | × | ० | २ | ३ | ० |
| ग प | ग – | सा – | ग प | नि नि | सां गं | सां सां | नि प | ग प | नि ध; |
| गु रु | फै ऽ | या ऽ | ज़ ना | ऽ म | रा ऽ | ग रि | झै ऽ | या ऽ | ऽ ऽ; |
| × | ० | २ | ३ | ० | × | ० | २ | ३ | ० |

टीप: लेखक ने इस बंदिश की रचना अपने गुरुवर्य उस्ताद फैयाज़ हुसैन खाँ के पुण्यस्मरण में की है।

# राग शंकरा- ध्रुवपद- चौताल (विलंबित)

स्थायीः नमो नमो नमो नाद अप्रंपार हे
सुर नर मुनि गंधर्व गुनी तव जस गुन गाये
पाये अत आनन्द है।

अंतराः राग ताल सुर लय तें नाम लिये ही
सब दुःख दंद मिटत जात, प्रेम भक्ति
रस रंग सों गीत वाध नृत्य नटत
धन धन धन हे॥

## स्थायी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (नि)सां | सां | निध | नि | (ध)प | – | (प)नि | (ध)प | गप | ग | (री)रीसा | सा |
| न | मो | ऽऽ | न | मो | ऽ | न | मो | ऽऽ | ना | ऽऽ | द |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (नि̣)सा | सा | – | (प)ग | प | प | नि | ध | सां | नि | (ध)प | – |
| अ | प्र | ऽ | म्पा | ऽ | र | हे | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (प)सां | नि | (ध)प | गप | (री)ग | (री)सा | (नि̣)सा | – | (प)ग | प | (सां)नि | सां |
| सु | र | न | रऽ | मु | नि | गं | ऽ | ध | र्व | गु | नी |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (नि)सां | गं | सां | नि | प | प | (ग)प | ग | प | (री)ग | रीसा | सा |
| त | व | ज | स | गु | न | गा | ऽ | ये | पा | ऽऽ | ये |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (सा)प़ | प़ | (नि̣)सा | (नि̣)सा | री | सा | (प)ग | प | नि | ध | सां(नि) | रीं |
| अ | त | आ | न | ऽ | न्द | हे | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

## अंतरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (ग)प | – | प | (प)सां | – | सां | (नि)सां | सां | (नि)सां | रीं | सां | – |
| रा | ऽ | ग | ता | ऽ | ल | सु | र | ल | य | तें | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (नि)सां | – | गं | (रीं)सां | नि | (ध)प | नि | ध | सां | – | नि | नि |
| ना | ऽ | म | लि | ये | ऽ | ही | ऽ | ऽ | ऽ | स | ब |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (नि)सां | सां | – | (पं)गं | पं | पं | (गं)पं | गं | पं | (रीं)गं | – | (रीं)सां |
| दु | ख | ऽ | दं | ऽ | द | मि | ट | त | जा | ऽ | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

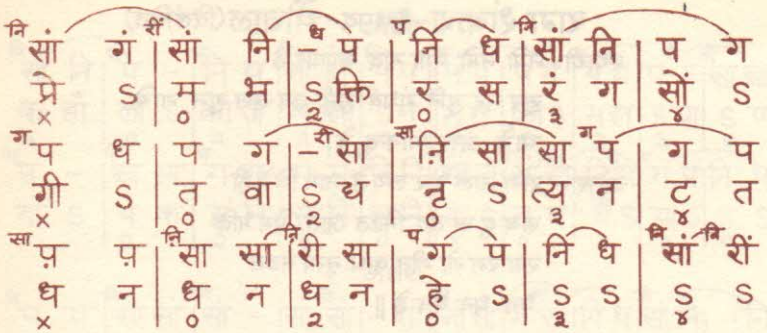

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (नि)सां | गं | (रीं)सां | नि | – | (ध)प | (प)नि | ध | (नि)सां | नि | प | ग |
| प्रे | ऽ | म | भ | ऽ | क्ति | र | स | रं | ग | सों | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (ग)प | ध | प | ग | – | (री)सा | (सा)ऩि | सा | सा | (ग)प | ग | प |
| गी | ऽ | त | वा | ऽ | ध | नृ | ऽ | त्य | न | ट | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (सा)प़ | प़ | (ऩि)सा | सा | (ऩि)री | सा | (प)ग | प | नि | ध | (नि)सां | (नि)रीं |
| ध | न | ध | न | ध | न | हे | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

## राग दुर्गा–(बिलावल थाट)–सरगम–झपताल(मध्यलय)

स्थायी

ध म | रे सा रे | प – | ध म प ‖ ध सां | प ध म | रे सा | रे ध़ सा
× | २ | ० | ३ ‖ × | २ | ० | ३

प़ ध़ | सा रे म | प ध | सां –,ध ‖ रें ध | सां प ध | म प | ध सां –
× | २ | ० | ३ ‖ × | २ | ० | ३

अंतरा

प ध | सां ध म | प ध | सां – सां ‖ ध सां | रें मं रें | सां – | ध – ध
× | २ | ० | ३ ‖ × | २ | ० | ३

रें मं | रें,सां रें | ध सां | प ध म ‖ रे म | प ध सां | ध म | रे – सा
× | २ | ० | ३ ‖ × | २ | ० | ३

## राग दुर्गा (बिलावल थाट)–लक्षणगीत–त्रिताल(मध्यलय)

स्थायी: अगनि औडव दुर्गा सुध सुर
पंच सोहत मोहत मन लुभात
सम समवादी-वादी मत चतुर।

अंतरा: निस प्रथम प्रहर गावत सुस्वर
सुध सावेरी नाम दखिनि रीत
अंग मल्हार संगत रिप बिलसत
अनुलोम बिलुम धम अति मधुर॥

## स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | [म]प |
| | | | अ |
| प [प]म [ध]प ध | म री सा सा | [म]री प –, [ध]सां | ध सां रीं, [ध]प |
| ग नि औ ऽ | ड व दु र | गा ऽ ऽ, सु | ध सु र, पं |
| 0 | ३ | × | २ |
| ध म री ध़ | सा सा, [म]री म | प ध, [ध]सां रीं | सां ध म प |
| ऽ च सो ऽ | ह त, मो ऽ | ह त, म न | लु भा ऽ त |
| 0 | ३ | × | २ |
| [सां]ध सां, ध म | [ध]प ध ध, [री]म | री सा, री ध़ | सा सा री; [री]प |
| स म, स म | वा ऽ दि, वा | ऽ दि, म त | च तु र; अ |
| 0 | ३ | × | २ |

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| [प]म म [ध]प ध | [प]म प [प]ध ध | सां – सां सां | [ध]सां ध सां सां |
| नि स प्र थ | म प ह र | गा ऽ व त | सु ऽ स्व र |
| 0 | ३ | × | २ |
| [ध]सां सां [ध]सां ध | सां – [ध]सां सां | रीं रीं, [ध]सां रीं | सां [सां]ध – ध |
| सु ध सा ऽ | वे ऽ रि ना | ऽ म, द खि | नि री ऽ त |
| 0 | ३ | × | २ |
| [री]म री प [प]म | प – पम पध | ध ध [री]म री | सा ध़ सा सा |
| अं ऽ ग म | ला ऽ रऽ संऽ | ग त री प | बि ल स त |
| 0 | ३ | × | २ |
| [मं]रीं मं रीं – | सां, ध [ध]म प, | [प]ध म री सा | [सा]ध़ सा री; [री]प |
| अ नु लो ऽ | म, बि लु म, | ध म अ ति | म धु र; अ |
| 0 | ३ | × | २ |

---

## राग दुर्गा–(बिलावल थाट)– त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : निरत करत अत धूमधाम सों गिरि कैलास पीठ पर
महादेव शिव ताण्डव, नाद निनादत मृदंग भेरी
डँवरू धुनि गरजत।

अंतरा : ब्रह्मा विष्णु गणेश शेष, सुर नर मुनि भये चकित
भयभीत काँपत धरनीतल थर थर थर, पदाघात हर
ता थेई थेई तत् आ थेई थेई तत्, थेई ता थेई ता थे,
थेई थेई तत् तत् ता॥

## स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| [ध]सां सां ध म | री सा [सा]ध़ सा | [म]री प प प | - प [प]म प |
| नि र त क | र त अ त | धू ऽ म धा | ऽ म सों ऽ |
| 0 | 3 | × | 2 |
| [सां]ध सां [सां]ध - | [प]म री सा [सा]सां | - ध सां सां | [मं]रीं [मं]रीं मं रीं |
| गि रि कै ऽ | ला ऽ स पी | ऽ ठ प र | म हा ऽ दे |
| 0 | 3 | × | 2 |
| - सां [प]म प | [सां]ध सां ध म | प - प, [प]म | [ध]प ध ध म |
| ऽ व शि व | ता ऽ ण्ड व | ना ऽ द, नि | ना ऽ द त |
| 0 | 3 | × | 2 |
| [म]री री सा [म]री | प प [सां]ध रीं | सां - रीं [रीं]ध | [ध]सां सां ध [प]ध; |
| मृ दं ग भे | ऽ रि डँ व | रू ऽ धु नि | गु र ज त; |
| 0 | 3 | × | 2 |

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| [प]म - [सां]ध - | सां - सां सां | सां - सां [ध]सां | ध सां, [ध]सां सां |
| ब्र ऽ ह्मा ऽ | वि ऽ ष्णु ग | णे ऽ श शे | ऽ ष, सु र |
| 0 | 3 | × | 2 |
| [मं]रीं मं रीं सां | रीं सां - [सां]ध | सां ध [प]म म | [ध]प ध - ध, |
| न र मु नि | भ ये ऽ च | कि त भ य | भी ऽ ऽ त, |
| 0 | 3 | × | 2 |
| [म]री म री सा | री [री]ध़ सा - | [री]म री प प | [सां]ध ध सां सां |
| काँ ऽ प त | ध र नी ऽ | त ल थ र | थ र थ र |
| 0 | 3 | × | 2 |
| [सां]ध सां - [मं]रीं | मं रीं सां सां, | [सां]रीं - सां सां | रीं ध सां सां, |
| प दा ऽ घा | ऽ त ह र, | ता ऽ थे ई | थे ई त त, |
| 0 | 3 | × | 2 |
| [प]ध - प प | ध म प प, | [री]म म [री]री, प | प म [म]ध ध, |
| आ ऽ थे ई | थे ई त त, | थे ई ता, थे | ई ता थे ई, |
| 0 | 3 | × | 2 |
| [म]प प सां ध | [ध]सां - [मं]रीं मं | रीं सां ध प | म री सा -; |
| थे ई थे ई | त ऽ त्त ऽ | ता ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ; |
| 0 | 3 | × | 2 |

# राग दुर्गा-(बिलावल थाट)-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : घर आंगना कछु ना सुहावे हरि के दरस बिन
तरसे जिया सखि, लगन लगी सुध बुध बिसराई।

अंतरा : घरि पल छिन दिन रैन चैन नहीं आवत, ध्यावत
नित उठ श्यामसुंदर छबि, मन बसकीन्हो कन्हाई॥

## स्थायी

(ध)सां
घ

| | | | |
|---|---|---|---|
| (सां)ध (ध)सां रीं सां | ध - म, प | (प)म (ध)प ध ध | म री री, (ध)सा |
| र आं S ग | ना S S, क | छु ना S सु | हा S वे, ह |
| 3 | × | 2 | 0 |
| सा (म)री प प | (प)म प (सां)ध सां | ध ध (प)म म | (म)री - सा सा |
| रि के S द | र स बि न | त र से जि | या S स खि |
| 3 | × | 2 | 0 |
| (सां)ध सां (मं)रीं (रीं)मं | रीं -, सां सां | (प)म प (सां)ध सां | ध प ध; (ध)सां |
| ल ग न ल | गी S, सु ध | बु ध बि स | रा S ई; घ |
| 3 | × | 2 | 0 |

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| (प)ध म प ध | (ध)सां ध सां सां | (सां)धसां रींमं रीं, (ध)सां | प (प)ध (म) री |
| घ रि प ल | छि न दि न | रैS SS न, चै | S न न हीं |
| 3 | × | 2 | 0 |
| (प)मप धसां ध ध, | म री सा सा | रीं (रीं)ध सा सा | (म)री प प प |
| आS SS व त, | ध्या S व त | नि त उ ठ | श्या S म सु |
| 3 | × | 2 | 0 |
| (प)म प (सां)ध सां | (मं)रीं मं रीं सां | रीं (रीं)ध म प | ध प ध; (ध)सां |
| न्द र छ बि | म न ब स | की न्हो S क | न्हा S ई; घ |
| 3 | × | 2 | 0 |
| (सां)ध (ध)सां रीं सां | ध - म | | |
| र आं S ग | ना S S --- इत्यादि स्थायी के अनुसार | | |
| 3 | × | | |

## राग दुर्गा-(बिलावल थाट)-झपताल(मध्यलय)

स्थायी : दुर्गे महारानी पातक निवारिनी
जगदम्ब जय देवि अष्टभुजा अम्बिके।

अंतरा : हरवल्लभे गौरी सति पार्वती मात
कीजे कृपा दृष्टि सकल विघ्नान्तिके॥

स्थायी

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (सां)ध सां | ध - म | (म)री - | रीध सासा | (ध)सा - | (म)री म,(प)म | प - | (ध)धम प |
| दु र | गे ऽ म | हा ऽ | राऽ ऽनी | पा ऽ | त क,नि | वा ऽ | रिनी ऽ |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |
| (प)म प | (सां)ध सांसां | रीं (रीं)ध | सां प ध | (प)म प | (सां)ध सां - | सारी | प(प)म प |
| ज ग | द ऽम्ब | ज य | दे ऽ वि | अ ष्ट | भु जा ऽ | अंऽ | बिके ऽ |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |

अंतरा

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (प)म प | (सां)ध सांसां | सां (सां)ध | सां - सां | (सां)ध सां | (मं)रीं मं रीं | सां - | ध(प)म प |
| ह र | व ऽल्ल | भे ऽ | गौऽरि | स ति | पा ऽ र्व | ती ऽ | माऽत |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |
| (सां)ध सां | धम म | (म)री - | सा - सा | (मं)रीं मं | रीं सांसां | सारी | प(प)म प |
| की ऽ | जे ऽ कृ | पा ऽ | दृ ऽष्टि | स क | ल वि घ | नाऽ | न्तके ऽ |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |

---

## राग मांड - सरगम - त्रिताल(मध्यलय)

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | सा सा |
| रे म म, प | ध नि,प ध | सां - -,नि | ध म ध प |
| ० | ३ | × | २ |
| -,म ग रे | ग सा -,रे | म प ध रें | सां - - नि |
| ० | ३ | × | २ |
| ध -,प ध | नि, प ध म | प ग म रे | ग -;सा सा |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| रें सां नि ध, | ध म प ध | सां -,सां रें | गं - सां -, |
| ० | ३ | × | २ |
| सां सां रें मं | गं रें सां -, | प ध सां रें | नि -,प ध |
| ० | ३ | × | २ |
| -, म ध प, | ध रें सां,प | ध म प,ग | रे ग;सा सा |
| ० | ३ | × | २ |

## राग मांड- लक्षणगीत - त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी: सुध सप्त सुर लगाय गाय अत मधुर धुन मांड
मेल बिलावल, गनि दुर्बल, अनुलोम वक्र, गति
विलुम, रसिक जन गुनि मनरंजन।

अंतरा: मध्यम वादी खरज समवादी, रात समय नित
सोहत सुखकर, सुगमगान सिंगार सजे अत,
चतुर बखानत सुन सुन रे 'सुजन'॥

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| (प)ध ध प म | ग री (नि)सा,सा | (म)री म मे प | - प, (नि)ध रीं |
| सु ध स ऽ | प्त सु र, ल | गा ऽ य गा | ऽ य, अ त |
| × | २ | ० | ३ |
| सां नि ध (प)म | म प - प, | (म)री म प (नि)ध | (ध)नि - पप |
| म धु र धु | न मां ऽ ड, | मे ऽ ल बि | ला ऽ व ल |
| × | २ | ० | ३ |
| (ध)प ध सां रीं | गं सां, (सां)रीं नि | सां ध नि प | ध म, प ग |
| ग नि दु र | ब ल, अ नु | लो ऽ म व | ऽ क्र, ग ति |
| × | २ | ० | ३ |
| म (ग)री (नि)ग,सा | (म)री री म म | प प ध (प)ध | नि सां सां सां; |
| वि लु म, र | सि क ज न | गु नि म न | रं ऽ ज न; |
| × | २ | ० | ३ |

### अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| (प)म - प ध | सां - सां (नि)सां | सां सां (मं)रीं मं | गं रीं सां - |
| म ऽ ध्य म | वा ऽ दि ख | र ज स म | वा ऽ दी ऽ |
| × | २ | ० | ३ |
| (सां)रीं - रीं गं | सां सां सां सां | (नि)सां - सां सां | नि ध प ध |
| रा ऽ त स | म य नि त | सो ऽ ह त | सु ख क र |
| × | २ | ० | ३ |
| (प)म म म (ग)म | - म (म)री म | प ध ध (ध)सां | नि ध ध ध |
| सु ग म गा | ऽ न सिं ऽ | गा ऽ र स | जे ऽ अ त |
| × | २ | ० | ३ |
| (ध)प ध सां रीं | (रीं)गं - सां सां | (म)री री (प)म म | प (सां)ध सां सां; |
| च तु र ब | खा ऽ न त | सु न सु न | रे सु ज न; |
| × | २ | ० | ३ |

# राग मांड-भजन-दादरा (मध्यलय)

स्थायी : सुनियो साँई अर्ज़ हमारी, कीजियो दया दृष्टि आज,
नाव पुरानी मझधार परी, कीजियो पार।
अंतरा : दीननाथ दीनबन्धु पतित पावन भक्तवत्सल
शरणागत को एक आसरो साहेब सतार॥

## स्थायी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (नि)सां | सां | (रीं)सां | नि | ध | ध | (म)प | (प)ग | (प)म | प | – | प |
| सु | नि | यो | साँ | ऽ | ई | अ | र्ज़ | ह | मा | ऽ | री |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| (सां)नि | नि | (सां)नि | ध | प | – | (प)ग | (म)ग | री | (री)सा | – | सा |
| की | जि | यो | द | या | ऽ | दृ | ऽ | ष्टि | आ | ऽ | ज |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| (ध)प़ | ध़ | सा | (म)री | म | ,(प)म | प | – | प | – | ,प | प |
| ना | ऽ | ऽ | व | ऽ | ,पु | रा | ऽ | नी | ऽ | ,म | झ |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| (सां)ध | सां | रीं | गं | (रीं)सां | –, | (सां)नि | (रीं)सां | नि | ध | – | –, |
| धा | ऽ | र | प | री | ऽ, | की | ऽ | जि | यो | ऽ | ऽ, |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| सारी | मप | धनि | पध | (सां)निनि | (प)धध; | | | | | | |
| पाऽ | ऽऽ | ऽऽ | ऽऽ | ऽऽ | ऽर; | | | | | | |
| × | | | ० | | | | | | | | |

## अंतरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (नि)सां | – | सां | नि | धप | ध | (नि)सां | – | सां | (नि)सां | – | सां |
| दी | ऽ | न | ना | ऽऽ | थ | दी | ऽ | न | ब | ऽ | न्धु |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| (सां)गं | गं | (मं)गं | रीं | सां | सां | (सां)नि | (गं)रीं | सां | नि | ध | ध |
| प | ति | त | पा | व | न | भ | ऽ | क्त | व | त्स | ल |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| (नि)ध | रीं | सां | नि | ध | ध | (ध)प | नि | ध | प | (प)ग | ग |
| श | र | णा | ऽ | ग | त | को | ऽ | ऽ | ए | ऽ | क |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| (प)म | (ध)प | म | ग | री | सा | (म)री | म | म | प | –, | (नि)ध |
| आ | ऽ | स | रो | ऽ | ऽ | सा | ऽ | हे | ब | ऽ, | स |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| सांनि | धप | धनि | पध | (सां)निनि | (प)धध; | | | | | | |
| ताऽ | ऽऽ | ऽऽ | ऽऽ | ऽऽ | ऽर; | | | | | | |
| × | | | ० | | | | | | | | |

## राग मांड-भजन-कहरवा(मध्यलय)

स्थायी: यही रूप रहे यही रंग रहे, अनुराग रहे रस रास रहे,
ब्रिज-नन्दन के मेरे नैनन में सखि और नहीं कोऊ छंद रहे,
नित ध्यान रहे मन लगन रहे।

अंतरा: यही आँस रहे यही साँस रहे, यही बाँसुरि की धुनि पास रहे,
और काम रहे नहीं धाम रहे, घर आंगन में यही सुन्दर साँवरी
सूरत रहे मेरे नैनन में सखि और नहीं कोऊ पीत रहे,
हरि नाम रहे मुख हरि हरि हरि॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | (नि)सां सां |
| | | | य ही |
| नि ध ध ध | प -, (म)ग म | प - प प | प -, (ग)प प |
| रू ऽ प र | हे ऽ, य ही | रं ऽ ग र | हे ऽ, अ नु |
| × | ० | × | ० |
| (सां)ध सां सां सां | (नि)सां -, (सां)नि (रीं)सां | नि ध ध ध | प -, (ग)प प |
| रा ऽ ग र | हे ऽ, र स | रा ऽ स र | हे ऽ, ब्रि ज |
| × | ० | × | ० |
| (म)ध - ध ध | पध निसां नि ध | (म)प - (म)ग म | (ग)री -, (नि)सा सा |
| न ऽ न्द न | केऽ ऽऽ मे रे | नै ऽ न न | में ऽ, स खि |
| × | ० | × | ० |
| (म)री म म म | म -, (म)ग म | प - प प | प -, (म)प प |
| औ ऽ र न | हीं ऽ, को ऊ | छं ऽ द र | हे ऽ, नि त |
| × | ० | × | ० |
| (सां)धसां रींगं रीं सां | नि ध, (म)ग म | प ध नि सां | (नि)ध प; (नि)सां सां |
| ध्याऽ ऽऽ न र | हे ऽ, म न | ल ग न र | हे ऽ; य ही |
| × | ० | × | ० |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | (ध)प ध |
| | | | य ही |
| (नि)सां - सां सां | (नि)सां -, नि ध | (नि)सां - सां सां | (नि)सां -, (म)गं गं |
| आँ ऽ स र | हे ऽ, य ही | साँ ऽ स र | हे ऽ, य ही |
| × | ० | × | ० |
| (म)गं - गं (म)गं | रीं सां सां सां | नि ध ध सां | (नि)सां -, (सां)नि सां |
| बाँ ऽ सु री | की ऽ धु नि | पा ऽ स र | हे ऽ, औ र |
| × | ० | × | ० |

| | | | |
|---|---|---|---|
| रीं - रीं रीं | रीं -, (सां)रीं रीं | सांरीं गं रीं सां | नि ध, (म)ग म |
| का ऽ म र | हे ऽ, न हीं | धाऽ ऽ म र | हे ऽ, घ र |
| × | ० | × | ० |
| प - प प | प -, (ध)प ध | (सां)नि सां नि ध | प - (म)ग म |
| आं ऽ ग न | मों ऽ, य ही | सु ऽ न्द र | साँ ऽ व रि |
| × | ० | × | ० |
| (ग)री री सा (नि)सा | (म)री म, (प)म म | प - प प | (सां)ध सां, (नि)सां सां |
| सू र त र | हे ऽ, मे रे | नै ऽ न न | में ऽ, स खि |
| × | ० | × | ० |
| रीं - रीं रीं | रीं -, (सां)रीं रीं | (नि)सांरीं गंमं गं रीं | सां -, (सां)गं रीं |
| ओ ऽ र न | हीं ऽ, को ऊ | पीऽ ऽऽ त र | हे ऽ, ह रि |
| × | ० | × | ० |
| सां नि ध प | म ग, (ग)री सा | (म)री री (प)म म | प ध; (नि)सां सां |
| ना ऽ म र | हे ऽ, मु ख | ह रि ह रि | ह रि; य ही |
| × | ० | × | ० |

---

## राग मांड-भजन-कहरवा (मध्यलय)

स्थायीः महिमा बरनी न जाय हरि की ॥

अंतरा-१ः पाथर परसे उधरि अहिल्या।
उधरि दुलारी द्रुपद की॥ महिमा---

अंतरा-२ः गोवर्धन अंगुरी पर धरिकै,
गरब नसानो देवराय को।
टेक रखी शरणागत सबहूँ,
गोकुल ब्रिज-बासिन की॥ महिमा---

अंतरा-३ः ऐसो नटवर गिरिधर नागर,
पार न जाको कृपा-सिन्धु को।
चरण-कमल नित सेवत पावै,
सुख शांती तन मन की॥ महिमा---

अंतरा-४ः दश अवतार लिये जग तारन,
कष्ट निवारन पतित उद्धारन।
भक्त-वत्सल करुणाकर माधव,
अनगिन जश कीरत की॥ महिमा---

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| (नि)सां सां नि ध | (प)म म (प)मप ध | धप म ग री | (नि)सा सा (म)रीम पध |
| म हि मा ऽ | ब र नीऽ ऽ | नुऽ जा ऽ य | ह रि कीऽ ऽऽ |
| ० | × | ० | × |

### अंतरा-१

| | | | |
|---|---|---|---|
| (ग)म – म म | (ग)म म म – | (म)प प प (म)प | प प प – |
| पा ऽ थ र | प र से ऽ | उ ध रिअ | ह लि या ऽ |
| × | ० | × | ० |
| (म)ध ध ध ध | पध निरीं सां नि | ध प (म)गम पध | (नि)सां सां नि ध |
| उ ध रि दु | लाऽ ऽऽ रि द्रु | प दकीऽ ऽऽ | मु हि मा ऽ |
| × | ० | × | ० |

### अंतरा-२

| | | | |
|---|---|---|---|
| (म)ध – ध ध | ध ध (म)ध ध | (नि)धनि (सां)सां निसां | (नि)ध नि (प) – |
| गो ऽ व र | ध न अं गु | रीऽ ऽ प र | धु रि कै ऽ |
| × | ० | × | ० |
| (सां)ध सां रीं गं | (गं)रीं सां सां – | निध प प (सां)ध | सां सां (नि)सां – |
| ग र ब न | सा ऽ नो ऽ | देऽ ऽ व रा | ऽ य को ऽ |
| × | ० | × | ० |
| (सां)गं – (रीं)रीं गं | (रीं)सां – (नि)सां सां | नि ध प प | (म)ग म प ध |
| टे ऽ क र | खी ऽ श र | णा ऽ ग त | सु ब हूँ ऽ |
| × | ० | × | ० |
| (नि)सां नि ध प | (प)म म ग री | सा सा (म)रीम पध | (नि)सां सां नि ध |
| गो ऽ कु ल | ब्रि ज बा ऽ | सि न कीऽ ऽऽ | मु हि मा ऽ |
| × | ० | × | ० |

### अंतरा-३

| | | | |
|---|---|---|---|
| (सां)रीं – रीं – | (नि)सां सां सां सां | (सां)नि नि ध प | (ध)पध निसां सां सां |
| ऐ ऽ सो ऽ | न ट व र | गि रि ध र | नाऽ ऽऽ ग र |
| × | ० | × | ० |
| (म)री – म म | प – प – | (म)ध ध – पध | नि नि ध प |
| पा ऽ र न | जा ऽ को ऽ | कृ पा ऽ सिऽ | ऽ -धु को ऽ |
| × | ० | × | ० |
| (ग)म म म म | म म म म | पध नि ध प | म ग री सा |
| च र ण क | म ल नि त | सेऽ ऽ व त | पा ऽ वै ऽ |
| × | ० | × | ० |

| | | | |
|---|---|---|---|
| नि̣सा सा मरी - | म - प प | ध ध मगम पध | निसां सां नि ध |
| सु ख शां ऽ | ती ऽ त न | म न कीऽ ऽऽ | म हि मा ऽ |
| × | ० | × | ० |

अंतरा-४

| | | | |
|---|---|---|---|
| सांरीं रीं रीं - | रीं - रीं रीं | निसांरीं गंमं मगं मं | गंरीं गं (सां) सां |
| द श औ ऽ | ता ऽ र लि | येऽ ऽऽ ज ग | ता ऽ र न |
| × | ० | × | ० |
| निसां - सां रींसां | नि ध ध ध | मप प पग म | प - प प |
| क ऽष्ट नि | वा ऽ र न | प ति त उ | द्धा ऽ र न |
| × | ० | × | ० |
| मध - ध ध | ध ध पध ध | पध निरींसां सांनि सां | निध नि (प) प |
| भ ऽक्त व | त्स ल क रु | णाऽ ऽऽऽ क र | मा ऽ ध व |
| × | ० | × | ० |
| गम ग री सा | मरी री म - | प प मगमप धनिसां | निसां सां नि ध |
| अ न गि न | ज़ श की ऽ | र त कीऽऽ ऽऽऽ | म हि मा ऽ |
| × | ० | × | ० |

## राग पटबिहाग - त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : बीत गये, गये बीत री, नाम बिन
घरि-पल-दिन-रतियाँ।

अंतरा : अब होवे का पछताय सों
साथी ना संगाथी, सुध ना लेवैया ॥

स्थायी

साप
बी

| | | | |
|---|---|---|---|
| धप म ग रीग | म - -, गम | मग प - प | सां - -, मप |
| ऽ त ऽ ग | ये ऽ ऽ, ग | येऽ बी ऽ त | री ऽ ऽ, ना |
| ३ | × | २ | ० |
| धम ग रीऩि सा | साऩि धप़ ऩि सा | मग मगम प धप | म ग रीग; मप |
| ऽ म बि न | घ रि प ल | दि न र ति | याँ ऽ ऽ; बी |
| ३ | × | २ | ० |
| धप म ग रीग | म | | |
| ऽ त ऽ ग | ये --- इत्यादि | | |
| ३ | × | | |

अंतरा

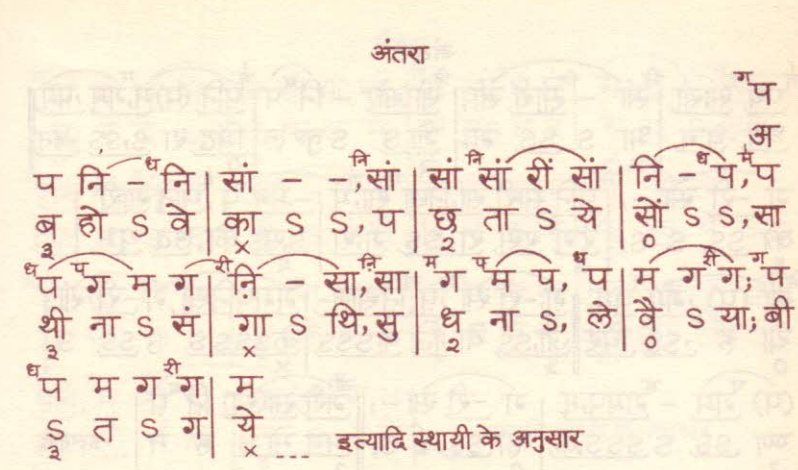

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | प |
| | | | अ |
| प नि - नि | सां - - ,सां | सां सां रीं सां | नि - प,प |
| ब हो S वे | का S S,प | छ ता S ये | सौं S S,सा |
| 3 | × | 2 | 0 |
| प ग म ग | नि़ - सा,सा | ग म प, प | म ग ग; प |
| थी ना S सं | गा S थि,सु | ध ना S, ले | वै S या; बी |
| 3 | × | 2 | 0 |
| प म ग ग | म | | |
| S त S ग | ये ... इत्यादि स्थायी के अनुसार | | |
| 3 | × | | |

---

## राग पटबिहाग - तिलवाडा (विलंबित)

स्थायी: मनमोहन मोहन मन ब्रिज-गोपीयन को
आये री नंद घर जाये, सब मिल मंगल
गाओ आनंद बधाई।

अंतरा: धन धन भाग गोकुल बिंद्राबन को,
रंग रस राग रास को उदय भयो है,
चिरजीवो जिवो कृष्ण कन्हाई॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| गरी सा(सा) नि़ प़ | सा - सारी सासा | सासा म -मग | प प(प) मग गग ‖ |
| मन मोS ह न | मो S हन मन | ब्रिज गोSSS | पीSS यन नS ‖ |
| 3 | × | 2 | 0 |
| म ,गम ,मग पप | सां निसां -,पमगरी | सा(सा) नि़, पनि साग | म - गम |
| को,SS आS ऽये | री SS S,नंदघर | जाS ये, सब मिल | मं S SS |
| 3 | × | 2 | 0 |
| मपनिसां ‖ रीं - सांसां ,पनिसां | गं सां -, (प) | म गम,गमगम गमप,म | |
| SSSS ‖ S S गल ,गाSS | S ओ S, आ | नं SS दSSS SSS,ब | |
| 3 | × | 2 | |
| ग - सा -; ‖ | | | |
| धा S ई S; ‖ | | | |
| 0 | | | |

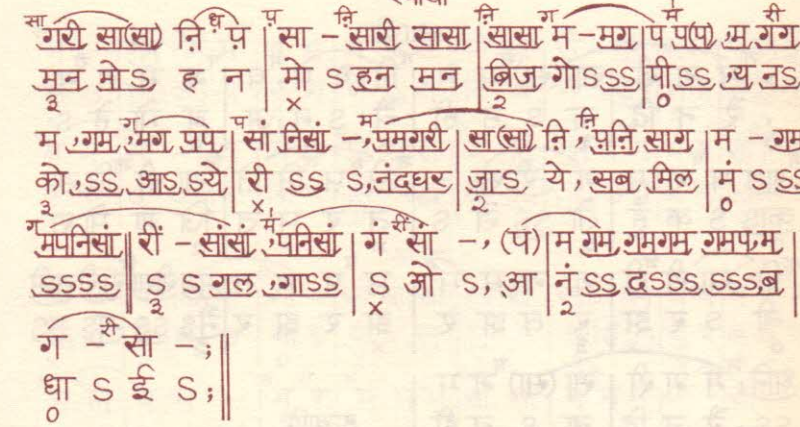

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| पप सांसां | सां – सांरीं सां, | सां(सां) – नि प | पनि (प)म,गम,पम |
| धन धन | भा S SS ग, | गो S S कु ल | बिंद रा S,SS,बन |
| | × | २ | ० |
| ग –री सा –, | पनि सारी सा,निसा सां,म | –,मग प,पनि सांरीं | |
| के SS S S, | रंग रस रा,SS ग,रा | S,SS को,उद यभ | |
| ३ | × | २ | |
| सां (प) ,गम पम | ग,–री सा ,प निसाग– | गमपनिसां गं –रीं सां | |
| यो है ,SS चिर | जी,SS वो,जि वोSSS | केSSSS S SS S | |
| ० | ३ | × | |
| (प) गम – गमप,म | ग –री सा –; | गरी सा(सा) नि प | |
| ष्ण SS SSSS,क | न्हा SS ई S; | मन मो S ह न | ---इत्यादि |
| २ | ० | ३ | |

## राग नटबिहाग त्रिताल(मध्यलय)

स्थायी : रैन दिना नहीं चैन अब मोहे
का कहूँ तोसे तरपत जिया मोरा
नीर झरत झर झर झर नैना।

अंतरा: परदेस बालम बिलम रहे
कहाँलो सहूँ मैं बिरह बिया ये
छतिया धरके धर धर धर पल छिना॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| , म ग री | सा (सा) ग म | नि ध प, प | ग म ग ग |
| , रै न दि | ना S न हीं | चै S न,अ | ब मो हे S |
| ० | ३ | × | २ |
| गम प ग म | ग –री सा – | नि प नि नि | सा री नि सा |
| काS S क हुँ | तो SS से S | त र प त | जि या मो रा |
| ० | ३ | × | २ |
| नि सा री री | ग ग म म | प प म ग | मग रीसा सारी सानि |
| नी S र झ | र त झ र | झ र झ र | नैS SS नाS SS |
| ० | ३ | × | २ |
| धनि; म ग री | सा (सा) ग म | ---- इत्यादि | |
| SS; रै न दि | ना S न हीं | | |
| ० | ३ | | |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग म प नि | नि सां सां सां | सां गंरीं गं मं | गं -रीं सां, सांसां |
| प र दे ऽ | सु बा ल म | बि लऽ म र | हे ऽऽ ऽ, कहाँ |
| 0 | 3 | × | 2 |
| रींगं मंपं मं गं | (सां) - - प | ग म प म | ग -री सा - |
| लोऽ ऽऽ ऽ स | हूँ ऽ ऽ मैं | बि र ह बि | था ऽऽ ये ऽ |
| 0 | 3 | × | 2 |
| नि सा री री | ग ग म म | प प म ग | मग रीसा सारी सानि |
| छ ति या ध | र के ध र | ध र ध र | पुऽ लऽ छिऽ नाऽ |
| 0 | 3 | × | 2 |
| धनि; म ग री | सा (सा) ग म | | |
| ऽऽ; रै न दि | ना ऽ नहीं | ---- इत्यादि स्थायी के अनुसार | |
| 0 | 3 | | |

## राग नटबिहाग-झपताल(मध्यलय)

स्थायी: विद्याधर गणेश विघ्नेश गजवदन
एकदंत रिधसिद्ध दाता चत्रभुजा।
अंतरा: गौरी-गंगाधर सुपुत्र सिंदुर बदन
शरण आयो चरण तुम्हरे आज
हमारी हरो बिपत हे चत्रभुजा॥

स्थायी

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प - | गम रीग म | प म | ग रीसा सा | नि सा | री - गरी | गम | प गमरीग |
| वि ऽ | धाऽ ऽऽ ध | र ग | णेऽऽ श | वि घ | ने ऽ शऽ | गज | वऽ नऽ |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |
| म ग | सा - निध | नि प | नि सासा | ग गरी | गम प ग | म ग | सा निसा |
| ए क | दं ऽ तऽ | रि ध | सि ऽद्ध | दा ऽऽ | ताऽ ऽ च | त्र भु | जा ऽ ऽ |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |

अंतरा

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प - | प नि सां | सां - | सां सां,सां | सां रीं | सां नि धप | प प | ध म ग |
| गौ ऽ | रि गं ऽ | गा ऽ | ध र,सु | पु ऽ | त्र सिं ऽऽ | दु र | ब द न |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |
| म नि | ध प - | म ग | म प प | सां सां | गं गं मं | गं - | सां -,प |
| श र | ण आ ऽ | यो ऽ | च र ण | तु म्ह | रे ऽ ऽ | आ ऽ | जऽ, ह |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |

| म ग | मगरीसा | ऩि पऺ | सा सा सा || ग -री | गम प,ग | म ग | सा ऩि सा |
| मा ऽ | री ऽऽ ह | रो ऽ | बि प त || हे ऽऽ | ऽऽ ऽ,च | त्र भु | जा ऽ ऽ |
| × | २ | ० | ३ || × | २ | ० | ३ |

---

## राग नटबिहाग–एकताल (विलंबित)

स्थायी : कौन मंत्र पढ़ दीन्हो ऐसो टोना कीन्हो
मेरो श्यामसुंदर बस कीन्हो।
अंतरा : छाँड़ी सब पीत जाय बसे मथुरा नगरिया
ऐसी कौन चतुर सुघर सुंदर नार
जिन अपनाये श्याम लीन्हो॥

### स्थायी

| गमप,ग-म | ग,रीसा सा(सा) | ऩि ,साम | ग -सा | ऩिसारीगमप मग |
| कौऽऽ,ऽऽन | मं,ऽऽ त्र ऽ | ऽ ,पढ़ | दी ऽन्हो | ऐऽऽऽऽऽ सोऽ |
| | ३ | ४ | × | ० |

| ऩिध प | प पमंगम | ग रीसा | ऩ,ऩिसारी | ऩिसा री,री | गम ,पप |
| टोऽ ना | की ऽऽऽऽ | न्हो ऽऽ | मे,रोऽऽ | श्याऽ म,सुं | द र ,बस |
| २ | ० | ३ | ४ | × | ० |

| मग मरी | सा ; ऩिसागमप,ग-म | ग,रीसा सा(सा) |
| कीऽ ऽऽ | न्हो ; कौऽऽऽऽ,ऽऽन | मं,ऽऽ त्र ऽ | --- इत्यादि
| २ | ० | ३ |

### अंतरा

| पसां ,सांसां | सां -सां | सां(सां) ,ऩिऩि | (प) - | प पधपप | मग ,मपम |
| छाँड़ी ,सब | पी ऽत | जाऽ ,यब | से ऽ | म थुऽऽऽ | राऽ ,नगरि |
| ४ | × | ० | २ | ० | ३ |

| ग रीसा | ऩि पऺ | ऩिसा -सा | ऩिसा री,री | गम ,पप | मग,मरी सारी |
| या ऽऽ | ऐ सी | कौऽ ऽन | च तु र,सु | घर ,सुंद | रऽ,ऽऽ ,नाऽ |
| ४ | × | ० | २ | ० | ३ |

| सा,ग मप,निसांरीं | सांप मग,म | नि,धप मग | मप,गम ग |
| र,जि नअ,पऽऽ | नाऽ येऽ,ऽ | श्या,ऽऽ ऽऽ | ऽऽ,ऽम ली |
| ४ | × | ० | २ |

| सा ; गमप,ग-म | ग,रीसा सा(सा) |
| न्हो ; कौऽऽ,ऽऽन | मं,ऽऽ त्र ऽ | --- इत्यादि स्थायी के अनुसार
| ० | ३ |

---

## राग केदारनाट - त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : जय जगत उद्धारन दीननाथ
जय जगत वन्दन कृष्ण गोपाल।
अंतरा : नाम लेत दुःख दंद जात हर
जप जप मन कृष्ण गोपाल ॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | सा सा |
| | | | ज य |
| ध़ नि़ सा री | सा - ध़ प़ | म़ - प़ री | - सा, सा सा |
| ज ग त उ | द्धा ऽ र न | दी ऽ न ना | ऽ थ, ज य |
| ० | ३ | × | २ |
| ध़ नि़ सा री | सा - ध़ प़ | म़ - म़ प़ | री री, सा सा |
| ज ग त उ | द्धा ऽ र न | दी ऽ न ना | ऽ थ, ज य |
| ० | ३ | × | २ |
| नि़ सा री ग | म प, निधि प | म ग री नि़सारी | गमप मरी; सा सा |
| ज ग त व | न्द न, कृऽ ष्ण | गो ऽ ऽ पाऽऽ | ऽऽऽ ऽल; ज य |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| म - म मं | प प निधि प | म ग री नि़सारी | गमप मरी सा सा |
| ना ऽ म ले | ऽ त दुऽ ख | दं ऽ द जाऽऽ | ऽऽऽ ऽत ह र |
| ० | ३ | × | २ |
| नि़ सा री ग | म प, निधि प | म ग री नि़सारी | गमप मरी; सा सा |
| ज प ज प | म न, कृऽ ष्ण | गो ऽ ऽ पाऽऽ | ऽऽऽ ऽल; ज य |
| ० | ३ | × | २ |

---

## राग नट - झपताल (मध्यलय)

स्थायी : गुरु मुखतें पायी सीख सुर-ताल बँधी
वाहू को गाये बजाये हूबहूब, नायकी कहलायी।
अंतरा : उपजत अंग स्वभाव तें तान आलाप
किये राग सिंगार, गायकी कहलायी ॥

स्थायी

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (ग)म ग | री सा सा | ग (री)ग | म - म ‖ | (ग)म -(ग) | प म म | (म)ग (री)ग | ग म म |
| गु रु | मु ख तें | जो ऽ | पा ऽ यी ‖ | सी ऽ | ख सु र | ता ऽ | ल बँ धि |
| × | २ | ० | ३ ‖ | × | २ | ० | ३ |
| (ग)म ग | प प - | (प)सां - | (सां)ध नि प ‖ | (प)री (री)ग | ग म प | (नि)सा री | (नि)सा - सा |
| वा ऽ | हु को ऽ | गा ऽ | ये ऽ ब ‖ | जा ऽ | ये ऽ ऽ | हू ब | हू ऽ ब |
| × | २ | ० | ३ ‖ | × | २ | ० | ३ |
| (प)सां - | सां (सां)ध प | (ग)म प | म ग रीसा ‖ | | | | |
| ना ऽ | य की ऽ | क ह | ला ऽ यीऽ ‖ | | | | |
| × | २ | ० | ३ | | | | |

अंतरा

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (ग)प प | (प)सां सां सां | (नि)सां सां | (नि)सां - सां ‖ | (नि)सां रीं | (मं)गं मं रीं | (नि)सां - | (सां)ध नि प |
| उ प | ज त अं | ग ख | भा ऽ व ‖ | तें ऽ | ता ऽ न | आ ऽ | ला ऽ प |
| × | २ | ० | ३ ‖ | × | २ | ० | ३ |
| (ग)म (री)गग | म - (ग)म | प - | (प)सां - सां ‖ | (नि)सां - | सां ध प | (ग)म प | म ग रीसा |
| कि येऽ | रा ऽ ग | सिं ऽ | गा ऽ र ‖ | गा ऽ | य की ऽ | क ह | ला ऽ यीऽ |
| × | २ | ० | ३ ‖ | × | २ | ० | ३ |

---

## राग सावनीनाट–सुजन शिखर ताल (मध्यलय)

स्थायी : सुनो हो गुनिदास नीकी साची तान
रस रंग राग ताल संगत की।
अंतरा : अनगिनत नाद भेद गुनि गंधर्व
नयो सिंगार नयो राग रसहु नयो
रचि दिखावे, पार नहीं पावे 'सुजन' ताको
गहे शरन गुरुन की ‖

स्थायी

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| (सा)नि़ नि़ | सा (ग)री री | ग - | म,प (प)ग म | ग रीसा सा | री (री)नि़ सा |
| सु नो | हो गु नि | दा ऽ | स,नी ऽ की | सा ऽऽ चि | ता ऽ न |
| ४ | ५ | × | २ | ० | ३ |
| (नि़)प़ प़ | (सा)नि़ सा सा | (ग)री ग | री,(म)ग म (ध)प | (म)ग म ग | री (नि़)सा री |
| र स | रं ऽ ग | रा ऽ | ग,ता ऽ ल | सं ग त | की ऽ ऽ |
| ४ | ५ | × | २ | ० | ३ |

अंतरा

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| प प | नि नि नि | सां – | रीं नि सां सां | प प नि | सां रीं रीं |
| अ न | गि न त | ना ऽ | द भे ऽ द | गु नि ग | ऽ-ध वी |
| ४ | ५ | × | २ | ० | ३ |
| गं गं | मं गं रींसां | सां, प | सां प ग री | ग म ग | री सा – |
| न यो | सिं गा ऽऽ | र, न | यो रा ऽ ग | र स हु | न यो ऽ |
| ४ | ५ | × | २ | ० | ३ |
| सा सा | री ग – | म प | म ग रीसा सा | प़ नि़ सा | री – री |
| र चि | दि खा ऽ | वे ऽ | ऽ पा ऽऽ र | न हीं ऽ | पा ऽ वे |
| ४ | ५ | × | २ | ० | ३ |
| ग ग | म प – | नि – | सां गं रीं सां | सां, प ग | री सा री |
| सु ज | न ता ऽ | को ऽ | ग हे श र | न, गु रु | न की ऽ |
| ४ | ५ | × | २ | ० | ३ |

## राग नटनारायण – रूपक (विलंबित)

स्थायी : सुन रे आज 'सुजान' चतुर करे बखान

अनुपम राग रूप शुद्ध सुर संस्थान।

अंतरा : नटनारायण नाम सुन्दर

अत गम्भीर नाद मध्यम प्रधान॥

स्थायी

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | पम |
| | | | | | सुन |
| गरी सा | सा, नि़सा गग | म – म ‖ | मम पप | मग रीरी | ग ग मम |
| रेऽ ऽ | आ, ऽऽ जसु | जा ऽ न ‖ | चतु रक | रेऽ ऽब | खा ऽ ऽन |
| २ | ३ | ⊗ | २ | ३ | ⊗ |
| मम पप | निसांरीं– –सां | ध नि़ प ‖ | सा री | गम प | सा रीसा;पम |
| अनु पम | राऽऽऽ ऽग | रू ऽ प ‖ | शु द्ध | सुर सं | स्था ऽन;सुन |
| २ | ३ | ⊗ | २ | ३ | ⊗ |

अंतरा

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| प प | सां – | सां रीं सां ‖ | सां रीं | गं मं,पं | सां रीं सां |
| न ट | ना ऽ | रा य ण ‖ | ना ऽ | म ऽसुं | द ऽ र |
| २ | ३ | ⊗ | २ | ३ | ⊗ |
| पनि सांरीं | – –सां | ध नि़ प ‖ | सा री | गम प | सा रीसा;पम |
| अत गंभी | ऽ ऽर | ना ऽ द ‖ | म ऽ | ध्यम प्र | धा ऽन;सुन |
| २ | ३ | ⊗ | २ | ३ | ⊗ |

# राग नटनारायण–पकताल (विलंबित)

स्थायी : दैयारी न जाने रीत पीत की
साजनवा मोरा।

अंतरा : सुधहु न लीनी पाती न पठायी
बिरम रहे परदेस बलमा मोरा॥

स्थायी

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (म)ग,रीसा | सा,गग | म,गम | म,मग | प--प | म,गग | म,मग | पसां,सां |
| दै या,ऽऽ | ऽ,रीन | जा,ऽऽ | ने,रीऽ | ऽऽऽत | पी,तऽ | की,ऽऽ | ऽऽ,सा |
| ४ | | × | | ० | | २ | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ध-निप | ,सारी | गमप- | सारीसा-; ॥ |
| जऽऽन | ,वाऽ | ऽऽऽऽ | मोऽराऽ; ॥ |
| ० | | ३ | |

अंतरा

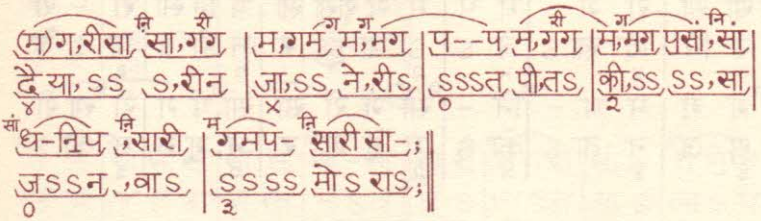

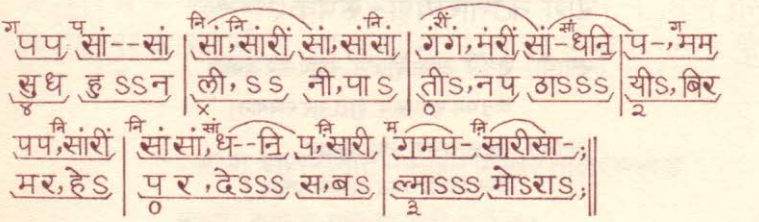

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पप | सां--सां | सां,सांरीं | सां,सांसां | गंगं,मंरीं | सां-धनि | प-,मम | |
| सुध | हु ऽऽन | ली,ऽऽ | नी,पाऽ | तीऽ,नप | ठाऽऽऽ | यीऽ,बिर | |
| ४ | | × | | ० | | २ | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| पप,सांरीं | सांसां,ध--नि | प,सारी | गमप- | सारीसा-; ॥ |
| मर,हेऽ | पर ,देऽऽऽ | स,बऽ | ल्माऽऽऽ | मोऽराऽ; ॥ |
| | ० | | ३ | |

---

# राग नटमल्हार–त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : शुभ सगुन देहो बिचारि
मोरा बमना देहो बताये
कब आवेगो परदेसी पिया मोरा।

अंतरा : नींद ना रैन दिन ना चैन
सही न जाये बिरह बिथा
वाहे बिना न माने जिया मोरा॥

स्थायी

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | | | | | | | म |
| | | | | | | | | | | | | | | | शु |
| ग | री | ग | सा | री | - | - | - | ग | री | ग | प | मग | रीग | (सा), | म |
| भ | स | गु | न | दे | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | हो | बि | चाऽ | ऽऽ | रि , | शु |
| ३ | | | | × | | | | २ | | | | ० | | | |

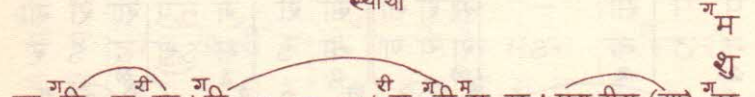

| | | | |
|---|---|---|---|
| म री ग सा | री - - - | ग री ग प | मग रीग री, म |
| भ स गु न | दे ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ हो बि | चाऽ ऽऽ रि, मो |
| ३ | × | २ | ० |
| री प प प | सां - - - | ध नि प म | मग म री, म |
| रा ब म ना | दे ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ हो ब | ताऽ ऽ ये, क |
| ३ | × | २ | ० |
| प निसां रीं सां | ध नि प प | री गरी ग प | मगम री सा; म |
| ब आऽ ऽ वे | गो ऽ प र | दे ऽऽ सि पि | याऽऽ मो रा; शु |
| ३ | × | २ | ० |
| म री ग सा | | | |
| भ स गु न | --- इत्यादि | | |
| ३ | | | |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| म म प नि | सां सां सां सां | रीं नि सां सां, | रीं गं मं रीं |
| नीं द ना रै | ऽ न दि न | ना चै ऽ न, | स ही न जा |
| ० | ३ | × | २ |
| - सां, सां रीं | नि ध प, री | ग प म म | ग ग (सा), सां |
| ऽ ये, बि र | ह बि था, वा | हे बि ना न | मा ऽ ने, जि |
| ० | ३ | × | २ |
| ध (म) गरी; म | म री ग सा | | |
| या मो राऽ; शु | भ स गु न | --- इत्यादि स्थायी के अनुसार | |
| ० | ३ | | |

---

## राग नटमल्हार-एकताल (विलंबित)

स्थायीः मनवा मोरा न माने री सजनी
पिया बिन एक घरि पल छिन
मोहे चैन न आवे।

अंतराः राह तकत हूँ निसदिना आवनकी उनके
कहूँ कासे अपनी बिथा
को मनाये वाहे लावे ॥

स्थायी

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ,सासा | री,गरीग-,प मगमरी | सा री,निसा | सा,निसा ,सासा | |
| ,मन | वा,SSSS,मो राSSन | मा ने,SS | री,SS ,सज | |
| | ४ | × | ० | |
| रीप ,मप | सांसां धनि,पप | मप मग-,म | रीसा धनि पप | |
| नीS ,SS | पिया SS,बिन | एक घरिS,S | पल SS छिन | |
| २ | ० | ३ | ४ | |
| सारी ग(सा) | सां प ,पध | (म) पग | मरी नि | री,सा ;सासा |
| मोहे S S | चैS ,नन | आ SS | SS वे | S,S ;मन |
| × | ० | २ | ० | ३ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| म-पनि -,निसांसां | सां,निसां ,सांसांसां | रींगमं-,रींसां | ध,धनि प |
| राSSह S,तकत | हूँ,SS ,निसदि | नाSSS ,आS | व,नS की |
| ४ | × | ० | २ |
| ,मप निसां,रीं | निधप- मरी | प,मप निसांरींगमं,रीं | सां,ध,निप |
| ,उन केS,S | कहूँSS काS | से,अप नीSSSS,बि | था,को,SS |
| ० | ३ | ४ | × |
| सारी ग,रीगप | म गरीग,(सा) | री निसा | सा निसा;सासा |
| मना S,SSS | ये वाSS,हे | ला SS | वे SS;मन |
| ० | २ | ० | ३ |

## राग बिहागडा-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायीः नित करत रार तुम हमसों लंगर
अब कहालो सहूँ कित जाय कहूँ
निठुराई ढिटाई तिहारी,छेड़ो ना |
अंतराः ये तो गाँव की लुगैयाँ हँस हँस ठठोरी करत
तोको लाज न आवत,बार बार या रीत छेड़ो ना ||

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | प प |
| | | | नि त |
| ग म ग (सा) | - री नि सा | ग म प ध | निध प,गम |
| क र त रा | S र तु म | ह म सों लं | गS र,अब |
| ० | ३ | × | २ |

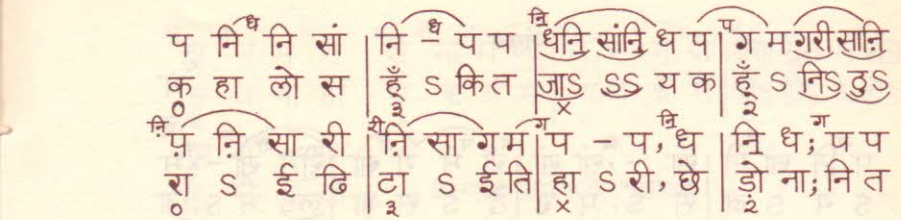

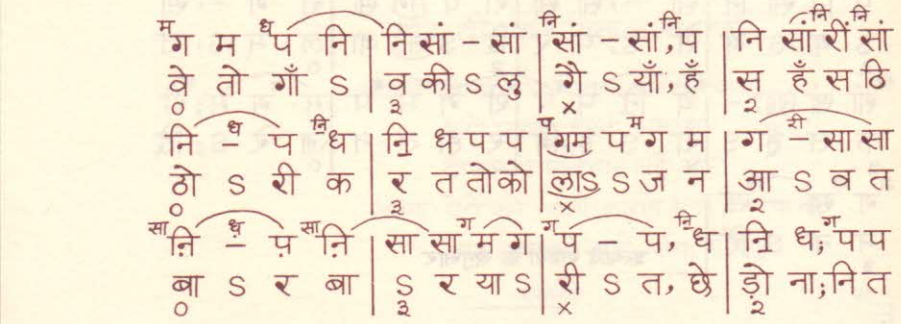

| | | | |
|---|---|---|---|
| प नि नि सां | नि – प प | धनि सांनि ध प | ग म गरी सानि |
| क हा लो स | हूँ ऽ कित | जाऽ ऽऽ य क | हूँ ऽ निऽ ठुऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| प़ नि़ सा री | नि़ सा ग म | प – प, ध | नि ध; प प |
| रा ऽ ई ढि | टा ऽ ई ति | हा ऽ री, छे | ड़ो ना; नि त |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग म प नि | नि सां – सां | सां – सां, प | नि सां रीं सां |
| वे तो गाँ ऽ | व की ऽ लु | गै ऽ याँ, हँ | स हँ स ठि |
| ० | ३ | × | २ |
| नि – प ध | नि ध प प | गम प ग म | ग – सा सा |
| ठो ऽ री क | र त तो को | लाऽ ऽ ज न | आ ऽ व त |
| ० | ३ | × | २ |
| नि़ – प़ नि़ | सा सा म ग | प – प, ध | नि ध; प प |
| बा ऽ र बा | ऽ र या ऽ | री ऽ त, छे | ड़ो ना; नि त |
| ० | ३ | × | २ |

## राग छायातिलक – त्रिताल (मध्यलय)

स्थायीः दिन नाहिं चैन नींद नहीं रैन
तरपत हूँ गिन गिन तारे ।
अंतराः जाय बसे परदेस बालम
तकत हूँ राह बिरहा तन जारे ॥

स्थायी

री
दि

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग सां – सां | री – री, री | – ग म प | री – री, सा |
| न ना ऽ हिं | चै ऽ न, नीं | ऽ द न हीं | रै ऽ न, दि |
| ३ | × | २ | ० |
| री सां – सां | री – री, री | गरी ग म प | म ग ग, ग |
| न ना ऽ हिं | चै ऽ न, नीं | ऽऽ द न हीं | रै ऽ न, त |
| ३ | × | २ | ० |
| म प सां – | ध नि प, री | ग – म प | म ग म; री |
| र प त ऽ | हूँ ऽ ऽ, गि | न ऽ गि न | ता रे ऽ; दि |
| ३ | × | २ | ० |

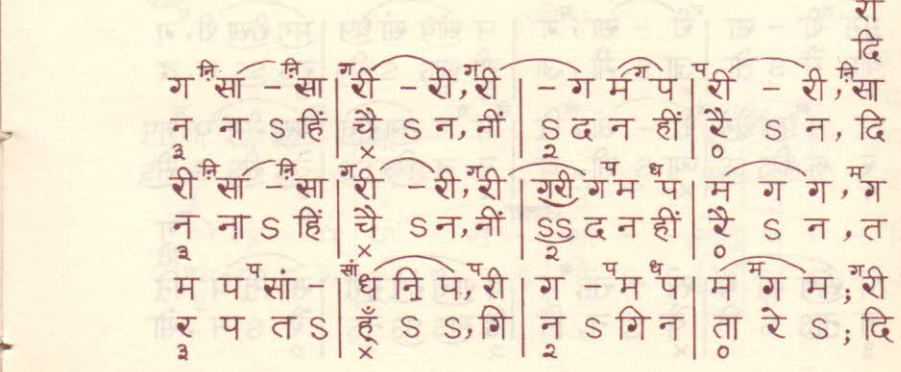

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | म |
| | | | जा |
| प नि सां नि | सां – , सां सां | रीं मं गं सां | रींगं सां – , म |
| ऽ य ऽ ब | से ऽ , प र | दे ऽ स बा | लऽ म ऽ , जा |
| ३ | × | २ | ० |
| प नि सां नि | सां – , सां सां | रीं पं मंगं सां | रीं गं – , सां |
| ऽ य ऽ ब | से ऽ , प र | दे ऽ सऽ बा | ल म ऽ , त |
| ३ | × | २ | ० |
| सां सां (सां) – | ध नि प , प | री ग म प | म ग म ; री |
| क त हूँ ऽ | रा ऽ ह , बि | र हा त न | जा रे ऽ ; दि |
| ३ | × | २ | ० |
| ग सा – सा | | | |
| न ना ऽ हिं | --- इत्यादि स्थायी के अनुसार | | |
| ३ | | | |

---

## राग बिलहरी – त्रिताल (मध्यलय)

स्थायीः सैयाँ मैंतो जागी, जागी सारी रात

दरस की प्यासी चरन की चेरी।

अंतराः दिन नाहीं चैन निंदिया न रैन

सोहत नाहीं घर अंगना, भई मैं बौरी॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | गप |
| | | | सैऽ |
| मग री – सा | री – सा , ग | प सांध सां धप | मग रीसा री , ग |
| याँऽ मैं ऽ तो | जा ऽ गी , जा | गी साऽ ऽ रीऽ | राऽ ऽऽ त , द |
| ३ | × | २ | ० |
| प प धसां रींगं | रीं – सां , नि | ध प मग रीसा | धसा रीग प ; गप |
| र स कीऽ ऽऽ | प्या ऽ सी , च | र न कीऽ ऽऽ | चेऽ रीऽ ऽ ; सैऽ |
| ३ | × | २ | ० |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | ग |
| | | | दि |
| प सांध सां ध | सां – सां , प | ध सांरीं गंमं गंरीं | सां नि ध , नि |
| न नाऽ ऽ हिं | चै ऽ न , निं | दि याऽ ऽऽ नऽ | रै ऽ न , सो |
| ३ | × | २ | ० |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ध प म ग | री सा म ग | म, री ग री | ध़सा रीग प; गप |
| ह त ना हीं | घ र अं ग | ना, भ ई मैं | बौंऽ रीऽ ऽ; सेऽ |
| ३ | × | २ | ० |

| | |
|---|---|
| मग री – सा | |
| युँऽ मैं ऽ तो | --- इत्यादि स्थायी के अनुसार |
| ३ | |

---

## राग दीपक – त्रिताल (मध्यलय)

स्थायीः दीपन की ज्योत तारन को चन्दा
भयो प्रकाश धरनी अकाश
दोऊ भये उजियार चहूँ ओर।
अंतराः ऐसे समे आली आगम भयो है पिया को
अत हुलसाये परी जिया मोरा॥

### स्थायी

प़
दी

| | | | |
|---|---|---|---|
| प ध़ म़ प़ | ऩि सा सा, री | ऩि सा सा म | ग री सा, सा |
| प न की ऽ | ज्यो ऽ त, ता | र न को ऽ | च ऽ न्दा, भ |
| ३ | × | २ | ० |
| ऩि ध़ म़ प़ | ऩि सा सा, सा | ग मप ध मप | ग री सा, सा |
| यो प ऽ र | का ऽ स, ध | र नीऽ ऽ अऽ | का ऽ स, दो |
| ३ | × | २ | ० |
| ग म प ध | प नि ध प | ध म म, प | ग री सा; प़ |
| ऽ ऊ ऽ भ | ये ऽ उ जि | या ऽ र, च | हूँ ओ र; दी |
| ३ | × | २ | ० |

### अंतरा

म
ऐ

| | | | |
|---|---|---|---|
| प नि सां नि | सां – – – | – – –, रीं | नि सां –, प |
| ऽ से ऽ स | मे ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ, आ | ऽ ली ऽ, आ |
| ३ | × | २ | ० |
| नि सां – मं | गं – रीं – | सां – –, सांनि | ध प –, नि |
| ग म ऽ भ | यो ऽ ऽ ऽ | है ऽ ऽ, पिऽ | या को ऽ, अ |
| ३ | × | २ | ० |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ध प म ग | री सा –, सा | ग मप ध मप | ग री सा; प |
| त हु ल सा | ऽ ये ऽ, प | ऽ रीऽ ऽ जिऽ | या मो रा; दी |
| ३ | × | २ | ० |

| | |
|---|---|
| प़ ध़ म़ प़ | |
| पु न की ऽ | ---- इत्यादि स्थायी के अनुसार |
| ३ | |

---

## राग दीपक-एकताल (विलंबित)

स्थायी : चौंक पुरावो री आली अंगना आज
सरस सुगंध अंग लगाऊँ, शुभ घरी शुभ दिन मनाऊँ।

अंतरा : आज घर आये बालमुवा,
गरे लगाऊँ मंगल गाऊँ॥

### स्थायी

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| सानि़ ध़प़ | ध़म़ प़, नि़नि़ | सा नि़सा | री,सानि़ ,साम | ग री | सा ,गम |
| चौं ऽ ऽऽ | ऽऽ ऽ,कपु | रा ऽऽ | ऽ,ऽऽ ,वोरी | आ ऽ | ली ,अंग |
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० |
| प म | ग रीसा | सानि़ ध़प़ | साग म,प | धप नि | ध प |
| ना ऽ | ऽ ऽऽ | आऽ ऽज | सर स,सु | गंऽ ऽ | ऽ ध |
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० |
| म,गम गम,गमप,म | गरी सा | म़प़ नि़सा | रीसा ,गमप | धम पग | री सा; |
| अं,ऽऽ गऽ,ऽऽऽ,ल | गाऽ ऊँ | शुभ घरी | शुभ ,दिनम | नाऽ ऽऽ | ऽ ऊँ; |
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० |

### अंतरा

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| म प | धम,प निनि | सां निसां | सां ,सांसांमं | गंरीं सांनि | ध प |
| आ ज | ऽऽ,ऽ घर | आ ऽऽ | ये ,बालमु | वाऽ ऽऽ | ऽ ऽ |
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० |
| मप धप,नि | धप मग | री सा | साग ,मप | धम पग | री सा; |
| गरे ऽऽ,ल | गाऽ ऽऽ | ऽ ऊँ | मंऽ ,गल | गाऽ ऽऽ | ऽ ऊँ; |
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० |

---

## राग मिश्रपहाडी-पालना-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : जसोदा हरि पालने झुलावै।
हिलरावै दुलरावै मल्हावै
जोइ सोइ कछु गावै॥ जसोदा ...

अंतरा-१ : मेरे लाल को आऊँ निंदरिया, काहे न आनि सुवावै।
तू काहे न बेगीसी आवै, तोको कान्ह बुलावै॥ जसोदा ...

अंतरा-२ : कबहुँ पलक हरि मूँदि लैत है, कबहुँ अधर फरकावै।
सोवत जानि मौन व्है व्है रहि, करि कर सैन बतावै॥ जसोदा-

अंतरा-३ : इहि अंतर अकुलाय उठे हरि, जसुमति मधुरै गावै।
जो सुख 'सूर' अमर मुनि दुर्लभ, सो नंद-भामनि पावै॥ जसोदा-

(टीप: 'सूरदास' जी के इस पद का केवल स्वरकरण लेखक ने किया है।)

स्थायी

म
ज

मग रीग सा ऩिध़ | ऩि प़ ध़ सा | सा रीग सा री | ग - ग -,
सोऽ ऽऽ दा ऽऽ | ह रि पा ऽ | ल नेऽ ऽ झु | ला ऽ वै ऽ,
२ | ० | ३ | ×

प़ प़ ध़ सा | सा - - - | - -, ध़ प़ | ध़ सा सा री
हि ल रा ऽ | वै ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ, दु ल | रा ऽ वै म
२ | ० | ३ | ×

ग - ग -, | ग - ग ग | - ध प पम | ग म गरी; ग
ल्हा ऽ वै ऽ, | जो ऽ इ सो | ऽ इ क छुऽ | गा ऽ वैऽ; ज
२ | ० | ३ | ×

(सा) - ऩि ध़ |
सो ऽ दा ऽ | ... इत्यादि
२

अंतरा-१

ऩि ध़ ऩि सा | - ऩि सा - | सारी गम ग म | री ग सा -
मे रे ऽ ला | ऽ ल को ऽ | आऽ ऽऽ ऊँ निं | द रि या ऽ
० | ३ | × | २

ग - ग ग | ग - म प | मग रीग री - | - - - -,
का ऽ हे न | आ ऽ नि सु | वाऽ ऽऽ वै ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ,
० | ३ | × | २

सा प प - | प ध पध प | म ग ग री | रीग मग रीसा सा
तू ऽ का ऽ | हे न बेऽ ऽ | गी ऽ सी ऽ | आऽ ऽऽ वैऽ ऽ
० | ३ | × | २

| ० | ३ | × | २ |
|---|---|---|---|
| (सा)नि़ ध़ नि़ (ध)प़ | (सा)ध़ सा (ग)रीगसा (ग)री | ग – ग; (ग)म | मग रीग (री)सा नि़ध़ |
| तो ऽ को ऽ | का ऽन्हऽऽ बु | ला ऽ वै; ज | सोऽ ऽऽ दा ऽऽ |
| नि़ (ध)प़ (सा)ध़ सा | सा (ग)रीग सा (ग)री | ग – ग – | – – – – |
| ह रि पा ऽ | ल नेऽ ऽ झु | ला ऽ वै ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |

अंतरा-२

| ० | ३ | × | २ |
|---|---|---|---|
| (सा)ध ध ध, ध | (नि)ध नि ध प | (ग)प – ध (ध)पध | प म ग री |
| क ब हुँ, प | ल क ह रि | मूँ ऽ दि लेऽ | ऽ त है ऽ |
| (ग)म ग री, (नि)सा | सा सा (ग)रीग सारी | (री)ग – ग – | – – – – |
| क ब हुँ, अ | ध र फऽ रऽ | का ऽ वै ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| (सा)ध़ – सा सा | री – री, (ग)री | – प म ग | (ग)री ग (री)सा सा |
| सो ऽ व त | जा ऽ नि, मो | ऽ न ह्वै ऽ | ह्वै ऽ र हि |
| (सा)नि़ ध़ नि़ (ध)प़ | (सा)ध़ सा (ग)रीगसा (ग)री | ग – ग; (ग)म | मग रीग (री)सा नि़ध़ |
| क रि क र | से ऽनऽऽ ब | ता ऽ वै; ज | सोऽ ऽऽ दा ऽऽ |
| नि़ (ध)प़ (सा)ध़ सा | सा (ग)रीग सा (ग)री | ग – ग – | – – – – |
| ह रि पा ऽ | ल नेऽ ऽ झु | ला ऽ वै ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |

अंतरा-३

| ० | ३ | × | २ |
|---|---|---|---|
| (प)ग ग प – | ध ध (नि)ध ध | पध निसां नि सां | (सां)ध नि (ध)प प |
| इ हि अं ऽ | त र अ कु | लाऽ ऽऽ य उ | ठे ऽ ह रि |
| (म)ग म ग गरी | (नि)सा सा रीग सारी | (री)ग – ग – | – – – – |
| ज सु म तिऽ | म धु रैऽ ऽऽ | गा ऽ वै ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| (सा)म – म म | (ग)म – म म | (ग)म म (ध)प ध | प (ध)प म ग |
| जो ऽ सु ख | सू ऽ र अ | म र मुनि | दु र ल भ |
| (ग)म ग री सा | (नि)सा – (ग)रीगसा (ग)री | ग – ग; (ग)म | मग रीग (री)सा नि़ध़ |
| सो ऽ न न्द | भा ऽमऽऽ नि | पा ऽ वै; ज | सोऽ ऽऽ दा ऽऽ |
| नि़ (ध)प़ (सा)ध़ सा | सा रीग सा (ग)री | ग – ग – | – – – – |
| ह रि पा ऽ | ल नेऽ ऽ झु | ला ऽ वै ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |

## राग हंसध्वनि - त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : हे रिध सिध दायक गणनायक गजानन
लम्बोदर हेरम्ब विनायक नमो नमो नमस्ते।

अंतरा : विघ्न हरन विघ्नेश गणेश विधापति गणपत
शरण चरण तिहारे आयो है आज 'सुजन'
नमो नमो नमस्ते॥

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| (नि)सां, निरीं गंरीं सांनि | पग रीसा ऩिप़ ऩिरी | ग ग पनि सांरीं | सांनि पग रीसा, री |
| हे, रिऽ धऽ सिऽ | धऽ दाऽ यऽ कऽ | ग ण नाऽ ऽऽ | यऽ कऽ ऽऽ, ग |
| × | २ | ० | ३ |
| (ऩि)सा - ऩि प़, | (सा)ऩि - री - | (प)ग ग, प - | निसां रींसां, नि |
| जा ऽ न न, | ल ऽ म्बो ऽ | द र, हे ऽ | रऽ ऽम्ब, वि |
| × | २ | ० | ३ |
| पग रीसा ऩिरी गप, | निसां रींगं रींसां, निप | गरी ऩिरी गप, निसां | रीं - सांनि पनि |
| नाऽ ऽऽ यऽ कऽ, | नऽ मोऽ ऽऽ, नऽ | मोऽ ऽऽ ऽऽ, नऽ | म ऽ स्तेऽ ऽऽ |
| × | २ | ० | ३ |

### अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| (नि)रीं सां नि प | ग री (सा)ऩि री | (ऩि)सा - (सा)ऩि, (ग)री | ग - ग, प |
| वि घ न ह | र न वि घ | ने ऽ श, ग | णे ऽ श, वि |
| ० | ३ | × | २ |
| - (सां)निरीं गंपं गंरीं | सां, (नि)प नि रीं | गं रीं सां सां, | (सा)ऩि री ग, प |
| ऽ धाऽ ऽऽ पऽ | ति, ग ण प | त श र ण, | च र ण, ति |
| ० | ३ | × | २ |
| निसां रींसां निप, गरी | ऩिरी गप गरी, ऩिरी | साऩि प़ ऩिरी गप, | निसां रींगं रींसां, निप |
| हाऽ ऽऽ रेऽ, आऽ | योऽ ऽऽ हैऽ, आऽ | जऽ सु जऽ नऽ, | नऽ मोऽ ऽऽ, नऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| गरी ऩिरी गप, निसां | रीं - सांनि पनि | सां; निरीं गंरीं सांनि | पग रीसा ऩिप़ ऩिरी |
| मोऽ ऽऽ ऽऽ, नऽ | म ऽ स्तेऽ ऽऽ | हे; रिऽ धऽ सिऽ | धऽ दाऽ यऽ कऽ |
| ० | ३ | × | २ |

इत्यादि स्थायी के अनुसार---

## राग हंसध्वनि–एकताल (विलंबित)

स्थायी : दैया री मनाय् नहीं माने जिया मोरा
अब मैं कासे कहूँ अपनी बिथा ये ।
अंतरा : तरपत बीति जात रैन दिना मोरे
बिन चैन, बालम परदेस बिरमाये ॥

### स्थायी

| गरी सा(सा),सा | निप ,निनि | री – | री ,नि | रीगप- पग | गरी ,निरी |
|---|---|---|---|---|---|
| दैया री ऽ ,म | नाय ,नहीं | मा ऽ | ने ,जि | याऽऽऽ मोऽ | राऽ ,अब |
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० |

| सा,रीनि निपनिरी | ग ग,प | निसांरींगंरीं--- ,सांसां | पपगरी गपसां,नि |
|---|---|---|---|
| मैं ,काऽ ऽऽऽऽ | ऽ से,क | हूँ ऽऽऽऽऽऽ ,अप | नीऽऽऽ ऽऽऽ,बि |
| ३ | ४ | × | ० |

| प गरी | निरी सा ‖ |
|---|---|
| था ऽऽ | ऽऽ ये ‖ |
| २ | ० |

### अंतरा

| पप सांसां | सां ,रीं | सां निसां,सां | प निसांरींगं,रीं | सां निप |
|---|---|---|---|---|
| तर पत | बी ,ति | जा ऽऽ,त | रै नऽऽऽ,दि | ना मोरे |
| ३ | ४ | × | ० | २ |

| गरी गपनिसां ‖ | रीं सां | सां निप | गप ग | री निसा | सा ,निरी |
|---|---|---|---|---|---|
| बिन चैऽऽऽ ‖ | ऽ न | बा लम | पर दे | ऽ ऽऽ | स ,बिर |
| ० | ३ | ४ | × | ० | २ |

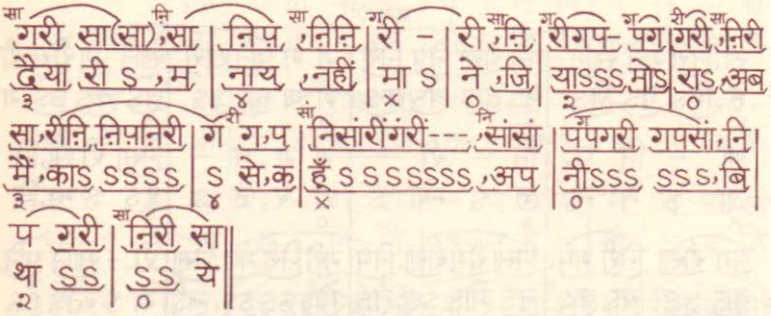

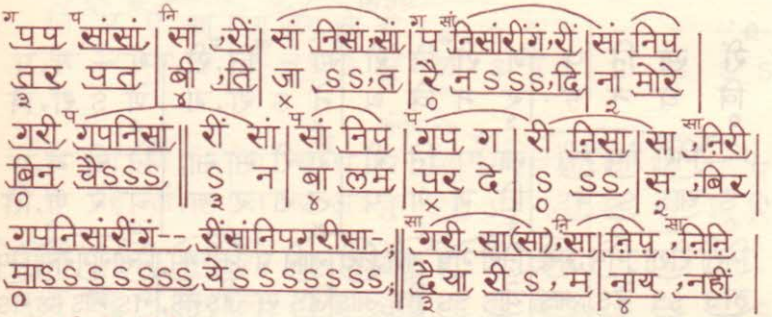

| गपनिसांरींगं-- रींसांनिपगरीसा- ; | ‖ गरी सा(सा),सा | निप ,निनि |
|---|---|---|
| माऽऽऽऽऽऽऽ येऽऽऽऽऽऽऽ ; | ‖ दैया री ऽ ,म | नाय ,नहीं |
| ० | ३ | ४ |

इत्यादि स्थायी के अनुसार ...

## राग हंसध्वनि- होरी- धमार (विलंबित)

स्थायी : होरी नाचत श्री शंभो महादेव, निरत ताण्डव
कैलास धाम पर, अत धूम मची है, काँपत
जल थल व्योम थर थर थर |

अंतरा : जीव जंत सुरहु नर मुनि, सकल जग भयभीत
निरखत, मानो महा प्रलय आयो है, हाथ जोर
ब्रह्मा अस्तुत गावत – हो प्रसन्न शंभो महादेव,
गंगाधर शिव-पिनाक भूतनाथ, हे जय हर हर ||

स्थायी

(सां)नि सां (गं)रीं | गं रीं सां नि | प ग री सा – | –, (सा)प़
हो री ना | च त सि रि | श ऽ ऽ म्भो ऽ | ऽ, म
० | ३ | × | २

सा – – | (प)ग प (सां)नि रीं | गं रीं सां नि प | (सां)नि सां
हा ऽ ऽ | दे ऽ ऽ व | नि र त ता ऽ | ण्ड व
० | ३ | × | २

रीं – – | (पं)गं पं (गं)रीं सां | (नि)सां नि प ग री | (प)ग प
कै ऽ ऽ | ला ऽ ऽ स | धा ऽ म प र | अ त
० | ३ | × | २

(सा)नि़ री ग | (री)सा – –, (सा)नि़ | (नि)प़ नि़ री ग – | – –,
धू ऽ ऽ | म ऽ ऽ, म | ची ऽ ऽ है ऽ | ऽ ऽ,
० | ३ | × | २

(नि)प़ नि़ सा | (ग)री री ग ग | प – प (सां)नि नि | रीं रीं
काँ प त | ज ल थ ल | व्यो ऽ म थ र | थ र
० | ३ | × | २

(नि)सां सां; (गं)रीं | गं रीं सां नि |
थ र; ना | च त सि रि | ...इत्यादि
० | ३

अंतरा

(ग)प ग री | (नि)सा – – सा | (सा)प़ प़ प़ (सा)नि़ नि़ | री री
जी ऽ व | जं ऽ ऽ त | सु र हु न र | मु नि
० | ३ | × | २

ग ग ग | प प (सां)नि नि | रीं – रीं गं रीं | सां सां
स क ल | ज ग भ य | भी ऽ त नि र | ख त
० | ३ | × | २

| | | | |
|---|---|---|---|
| (ग)प - - | (सां)नि - -,रीं | सां - (सां)प (गं)रीं रीं | (सां)नि रीं |
| मा ऽ ऽ | नो ऽ ऽ,म | हा ऽ प्र ल य | आ यो |
| ० | ३ | × | २ |
| (नि)सां - -, | (सा)ग री सा सा | (प)ग प (सां)प नि - | रीं - |
| है ऽ ऽ, | हा ऽ ऽ थ | जो ऽ र ब्र ऽ | ह्मा ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| (सा)ऩि सा री | ग - ग ग | प री (सा)री ऩि री | सा सा |
| अ स्तु त | गा ऽ व त | हो ऽ प्र स ऽ | ऽ न्न |
| ० | ३ | × | २ |
| (सा)ग - री | ग - -,प | (सां)नि - सां रीं - | - रीं |
| शं ऽ ऽ | भो ऽ ऽ,म | हा ऽ ऽ दे ऽ | ऽ व |
| ० | ३ | × | २ |
| गं - रीं | (सां)नि - प प | (सां)नि सां रीं सां - | - सां |
| गं ऽ ऽ | गा ऽ ध र | शि व पि ना ऽ | ऽ क |
| ० | ३ | × | २ |
| (सा)ऩि - री | ग - - ग | (ग)प - - (सां)नि नि | रीं रीं |
| भू ऽ त | ना ऽ ऽ थ | हे ऽ ऽ ज य | ह र |
| ० | ३ | × | २ |
| (नि)सां सां; (गं)रीं | गं रीं (नि)सां नि | इत्यादि स्थायी के अनुसार | |
| ह र; ना | च त सि रि | | |
| ० | ३ | | |

---

# राग हंसध्वनि-वर्णम्-आदिताल

(संस्कृत में)

पल्लवी : वन्दे श्री विश्वेशं योगेशं
देवं शंभो बम्भोला नाथं।

अनुपल्लवीः गौरांग गौरीनाथं शंकरम्
विश्वाधारं गंगाधरम् तं ॥

चरणम् : नित्यं शान्तं धीरं शिवम् ॥

टीपः मूल कर्णाटक वर्णम् में, तेलगू शब्दों के स्थान पर लेखक ने संस्कृत शब्दों को रखा है।

पल्लवी

| | | |
|---|---|---|
| ग-री-,सा---, ऩिसारीग,रीरीसाऩि | सारीसासा,ऩिप़,ऩिसा, | री,प़-ऩि,-सा-री |
| वंऽदेऽ,श्रीऽऽऽ,विऽऽऽ,श्वेऽऽऽ | शंऽऽऽ, ऽऽ,योऽ, | ऽ,गेऽऽ,ऽशंऽऽ |
| × | २ | ३ |

गरीसा,नि़ सारी,प़नि़ सारीग,प गनि,प- | सांनिसांरीं -,सांनिप | प,ग-री -सा-री ||

देSS,वं SS,शंS SSS,भी SS,बंS | भोSSS S,लाSS | S,नाSS SथंSS ||

× | 2 | 3

### अनुपल्लवी

पगरी,सा नि़सा,री- ग-,रीरी सासानि़प़ | नि़सारीग -सा,गरी | गपसांनि सां--- ||

गौंSS,रां SS,गंS SS,गौंS रीSSS | नाSSथं SS,थंS | SSSक रंSSS ||

× | 2 | 3

रींसांनि,प निसांरींगं, सांरींगंपं गंरींसांनि, | रींरीं-सां निप,पग | -रीसानि़,प़नि़सारी ||

विSS,श्वा SSSSS, धाSSS रंSSS, | गंSSगा SS,धरं | SSSS,तंSSS ||

× | 2 | 3

### मुक्तायंपू

ग-रीग रीसारी-, नि़सारीग रीरीसानि़ | री-,नि़ग री,नि़सारी, | प़नि़सारी ग--,प ||

× | 2 | 3

गरीसारी -,गपनि, रीगप,नि़ सारीगप, | प़नि़सारी -,गपनि, | रीगपनि सां--,रीं ||

× | 2 | 3

रींसांनिप -,निगंरीं सांनि-,प निसांरींगं, | प-निसां -रींगंरीं, | पनिसांरीं गंरीं,निरीं ||

× | 2 | 3

गंपंगंरीं सांनि,सांरीं सांनिपग, रीगपनि | गंरीं-सां निप,रींसां | -निपग -,रीसारी ||

× | 2 | 3

### चरणम्

नि--- --,सां- रीं-,सांनि प,पगरी | ग--,ग रीसारी-, | रीसानि़,सा रीग-प ||

निSSS SS,त्यंS SS,शांS S,तंSS | धीSS,S SSरंS, | SSS,शि SवंSS ||

× | 2 | 3

### चिट्टस्वरम्

१. नि-प- --,ग- --,री- सा-नि़- | प़--,री --,नि़- | -,सा-,री -,ग-,प ||

× | 2 | 3

२. नि-पग रीसा,री- गरीसानि़, प़-रीनि़ | -,गरीनि़, प़नि़सारी | -,रीग,नि़ सारीगप ||

× | 2 | 3

३. निपगरी, नि़गरीनि़, प़नि़प़सा, नि़रीसाग, | रीपगनि, पसांनिरीं, | निगंरींनि रींनिपग, ||

× | 2 | 3

पनिसांरीं गं,गपनि सांरीं,रीग पनिसां,नि | गंरींसांनि, परींसांनि | प,गरी,नि़ सारीगप ||

× | 2 | 3

४. सां--- --,निरीं सांनिपग रीसारीग | प--- --,सांनि | पगरीसा, रीगपनि, ||

× | 2 | 3

सांरीं-,नि रींनिपग परी-,ग पगरीसा | रीनि़-,ग री,गपनि, | रीगपनि सां---, ||

× | 2 | 3

निपगप --,रीग पनि-,ग पनिसांरीं, | पनिसांरीं -गं,निसां | निगंरींरीं नि-,पनि ||

× | 2 | 3

गंरीं-,नि सांरीं,पंगं -रींसांनि, पनिसांरीं | सां--,प --,निप | गरीसा,नि़ सारीगप ||

× | 2 | 3

## राग हेमनाट

राग हेमनाट यह 'हेमकल्याण' एवम् 'नाट' इन दोनों के संमिश्रण से बना हुवा राग है, जिसमें सब स्वर शुद्ध लगते हैं और इसीलिए इसे बिलावल थाट का राग माना जाता है | इस राग में "रेसा, प़ध़प़,[प़]सा, [म]ग,[म]रे,सा" इस स्वर-समुदाय द्वारा 'हेम' तथा "[नि]सारी,[सा]रीग,[री]गम, परी,सा" से 'नाट', इस प्रकार इन दोनों रागांगों का प्रयोग इसमें बार बार दिखाई देता है | निषाद स्वर का प्रयोग इस राग में अवश्य होता है, किन्तु उस पर न्यास नहीं होता | इस राग में वादी स्वर षड्ज तथा संवादी पंचम माना जाता है | गान समय रात्रि का प्रथम प्रहर है | गम्भीर प्रकृति का आलाप योग्य, मंद्र-मध्य-तार इन तीनों सप्तकों में फैलता हुवा राग है | इसमें एक विशेषता यह है कि "प़ध़ऩिसारेग" इस प्रकार का सरल स्वरविन्यास इस राग में बहुत आता है | सा, ग तथा प इन स्वरों पर न्यास किया जा सकता है |

### स्वरविस्तार

[नि]सा, रेसा, ध़प़, प़ध़प़, सा, रेसा, साग, मरेसा, प, मग, मरेसा, ध़ऩिरेग, मरेसा, [सा]ऩिरे, सा |
[ऩि]साग, ग-मरे, ध़ऩिरेग, मरे, पगमरे, ऩिरेगमप-रे, सा, प़ध़ऩिसारेग, गमप गमरे, सा, [सा]ऩिरे, सा|
ग, रेसा, प़ध़ऩिसारेग, मरे, प, धप, म, ग, म, रे, ध़ऩिरेग, मप, गम, रे, [सा]ऩिरे, सा |
म, रे, सा, ध़प़, प़सा, सारेसा, ग, गमरे, [सा]ऩिरेसा, प़ध़ऩिसारेगमरेसा, प, धप, गमरेप, धपमग, मरे,
प, सां-धप, ऩिरेगमप-रे, [सा]ऩिरे, सा|
प, धप, [म]गमरेप, मप, धप, ऩिरेगमरे प-रेसा, प़ध़ऩिसारेगमप, सां, धप, रेंसां, धप,
धनिरेंगं, मंरेंसां, पधनिसांरेंगं, मंरेंसां, पं-रेंसां-(प)मग, गमपसां, (प), ऩिरेगमप, रे,
ध़ऩिरेग, [रे]गम, [ग]मप, रे, सा |
म, रेप, सांध, सां, सां-[नि]सांरें, सां, धनिरेंगं, मंरेंसां, पं-रेंसां, धनिरेंगं, [रें]गंमं, रेंसां, गंरेंसां,
(प), मग, गमप-रे, सा, प़ध़ऩिसारेग, गमप, गम, रे, सा |

तानों का क्रम इस प्रकार होगाः

रेसासा ध़प़प़ सासारेगमरेसासा, पगमरेसासा, प़प़ध़ऩि सारेगमप गमरेसा |
ध़ऩिरेगमरेसासा, प़ध़ऩिसारेगमप गमरेसासा, ऩिरेगमरे सासाध़प़, ध़ऩिरेग, गमप गमरेसासा |
प, गमरेप, धपमगमरेप, सांसांधपमगमरेप, सांसांरेंगंमंरें सांसांधप मगमरेप, पपधनिसांरें
गंमंपंगंमंरें सांसांधपमगमरेप, धपमग, गमप गमरेसासाध़प़, ध़ऩिसारेगमप, रे, सा |
ग, गरेसाऩि ध़ऩिरेग, गमप गमरे साऩिध़ऩिरेग, पपधप मगमरे साऩिध़ऩिरेग, पपधपप
सांसांधपप धनिसांरेंगंमंरें सांसांधपप मगमरे साऩिध़ऩिरेग, प़प़ध़ऩि ध़ऩिसारे, गमप, रे, सा |

सूचनाः इन उपरोक्त तानों में स्वल्पविराम चिन्ह केवल तानों के विभिन्न टुकड़े दर्शाते हैं; उन पर रुकने का आशय नहीं |

# राग हेमनाट - त्रिताल (मध्यलय)

स्थायीः निरतत कान्ह ब्रिज गोपीयन संग
चलो री सखि राधे हमहूँ चले ।
अंतराः माननी अब मान न कर री अनारी
फिर पछतैहो कान्ह न पैहो ॥

## स्थायी

[ग]री
नि

| ३ | × | २ | ० |
|---|---|---|---|
| ग री सा – | [सा]ग – ग, [म]ग | म प म [म]ग | [ग]म री सा, [सा]प़ |
| र त त ऽ | का ऽ न्ह, ब्रि | ज गो पी य | न सं ग, च |
| ध़ ऩि सा री | [म]ग म री, [ऩि]सा | री सा –, [ऩि]सा | [सा]ध़ – प़; [ग]री |
| लो री स खि | रा ऽ धे, ह | म हूँ ऽ, च | ले ऽ ऽ; नि |

## अंतरा

[ग]म
मा

| ३ | × | २ | ० |
|---|---|---|---|
| [ग]री री प प | [सां]नि ध सां, सां | [नि]सां रीं सां, [नि]सां | [गं]रींगं मं रींसां, [ग]म |
| न नी अ ब | मा ऽ न, न | क र री, अ | नाऽ ऽ रीऽ, मा |
| [ग]री री प प | [सां]नि ध सां, सां | [नि]सां रीं सां, [नि]सां | [गं]रींगं मं रीं सां |
| न नी अ ब | मा ऽ न, न | क र री, अ | नाऽ ऽ री ऽ |
| [म]प प [प]सां सां | (प) – म ग | [म]गम प री सा | [सा]ऩि ध़ ऩि; [ग]री |
| फि र प छ | तै ऽ हो ऽ | काऽ ऽ न्ह न | पै ऽ हो; नि |
| ग री सा – | | | |
| र त त ऽ | ----- इत्यादि स्थायी के अनुसार | | |

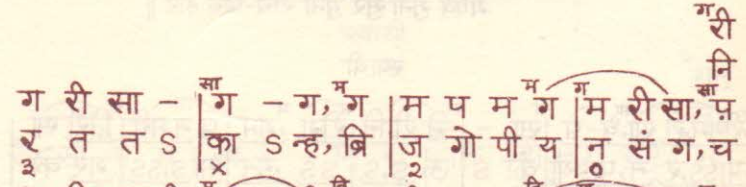

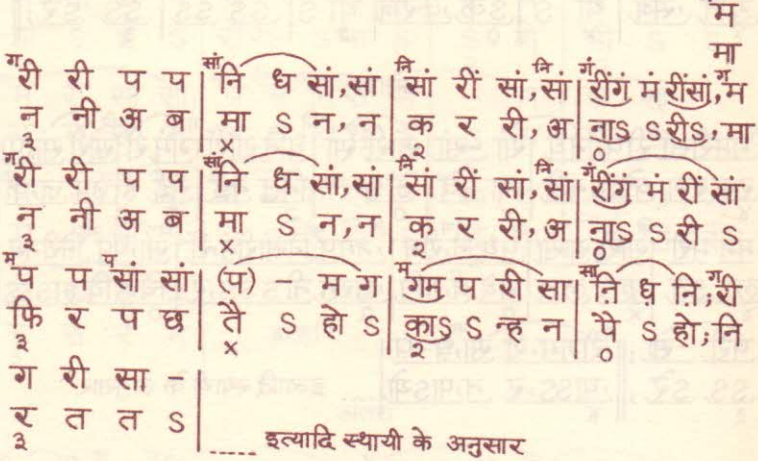

---

# राग हेमनाट–एकताल (विलंबित)

स्थायी : पार न पायो कोऊ गुन–सागर को
नाद विधा ये अप्रंपार
गायक - गुनी सब थाके कर बिचारे।

अंतरा : रस रंग को नहीं आवे अंत
नित नई नई उपज फलत फूलत
गंधर्व गुनी सुर मुनी रचि-पचि हारे ॥

## स्थायी

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| [ग],रीगम,री [सा]सा,ध़-प़ | [प़]सा – | [सा]नि़ री,नि़ | [ग]रीग [म],गम | प ग,मरी | [सा]नि़री सा |
| ,पाSS,र न,पाSयो | को S | ऊ S,S | SS ,गुन | सा S,SS | गर को |
| ४ | × | ० | २ | ० | ३ |
| [सा]नि़सारीगम [नि़]री,सा | [म]रीप [म]प | – ,धप | मग मरी | सा नि़सा | [सा]प़ [नि़]ध़नि़ |
| नाS SSS द,वि | धाS ये | S ,अप्रं | पाS SS | र SS | गा यक |
| ४ | × | ० | २ | ० | ३ |
| [ग]रीग [म],गम | प ग | मरी [म],गमप | [प]सां – | नि़री गम | परी –सा; |
| गुनि ,सब | था S | Sके ,करबि | चा S | SS SS | SS Sरे; |
| ४ | × | ० | २ | ० | ३ |

## अंतरा

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| [म]गमरीसा [म]रीप,[प]निध | सां –सां | [नि]सांरीं सां | [नि]धनि सांरीं | [मं]गंमं रीं | [नि]सांरीं सां,(प) |
| रस रंग कोS,नहीं | आ Sवे | अंS त | नित नई | नई S | उप ज,फ |
| ४ | × | ० | २ | ० | ३ |
| मग मरी | [नि़]सारी सासा | [नि़]प़ध़ नि़,[ग]रीग | [री],गमप [सां]निसांरींगं,रीं | [नि]सां,धप [सा]नि़रीगम | |
| लS,Sत | फूS लत | गंध र्व,गुनि | ,सुरमु नीS SS,र | चि,पचि हाSSS | |
| ४ | × | ० | २ | ० | |
| परी –सा; | [ग],रीगम,री [सा]सा,ध़-प़ | | | | |
| SS Sरे; | ,पाSS,र न,पाSयो | .... इत्यादि स्थायी के अनुसार | | | |
| ३ | ४ | | | | |

# राग हेमनाट-होरी-धमार

स्थायीः सरस रंग होरी खेले कन्हाई
राधा गोपीयन संग अत ही धूम धाम सों
दै दै तारी।

अंतराः ढप मृदंग बाँसुरी की धुन संग
नाचत गावत, सबहु ब्रिज-मंडल
गरज उठ्यो राग ताल सों, ऐसी न्यारी॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | (म)गम |
| | | | ऽऽ |
| री सा (सा)ध़ प़ | (प)सा - - (री)ऩि री | (री)ऩि (ग)री | ग मप, (ग)म |
| र स रं ग | हो ऽ ऽ री ऽ | ऽ खे | ले ऽऽ, स |
| ३ | × | २ | ० |
| री सा (सा)ध़ प़ | (प)सा - - (री)ऩि री | (री)ऩि (ग)री | ग -, (ग)म |
| र स रं ग | हो ऽ ऽ री ऽ | ऽ खे | ले ऽ, क |
| ३ | × | २ | ० |
| (म)री सा (सा)ध़ प़ | (प)सा - - (म)री प | -, (प)ध | प म ग |
| न्हा ऽ ई ऽ | रा ऽ ऽ धा ऽ | ऽ, गो | पी ऽ ऽ |
| ३ | × | २ | ० |
| (ग)म री सा सा, | (सा)प़ (नि)ध़ (सा)ऩि (ग)री ग | - म | प सां - |
| य न सं ग, | अ त ही धू ऽ | ऽ म | धा ऽ ऽ |
| ३ | × | २ | ० |
| (सां)प -, (सा)ऩि (ग)री | (म)ग म प री - | सा, (सा)ध़ | -ऩि प़; (ग)म |
| म ऽ, सों ऽ | ऽ ऽ ऽ दै ऽ | दै ता | ऽऽ री; स |
| ३ | × | २ | ० |
| री सा (सा)ध़ प़ | | | |
| र स रं ग | ---- इत्यादि | | |
| ३ | | | |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| (ग)म री (नि)सा (म)री प | - प | (प)सां ध सां | (नि)सां रीं सां - |
| ढ प म्रि दं ऽ | ऽ ग | बाँ ऽ सु | री ऽ की ऽ |
| × | २ | ० | ३ |
| (नि)सां (सां)ध नि सां रीं | (मं)गं मं | रीं सां सां | (म)प - म ग |
| धु न ऽ सं ग | ना ऽ | ऽ च त | गा ऽ व त |
| × | २ | ० | ३ |

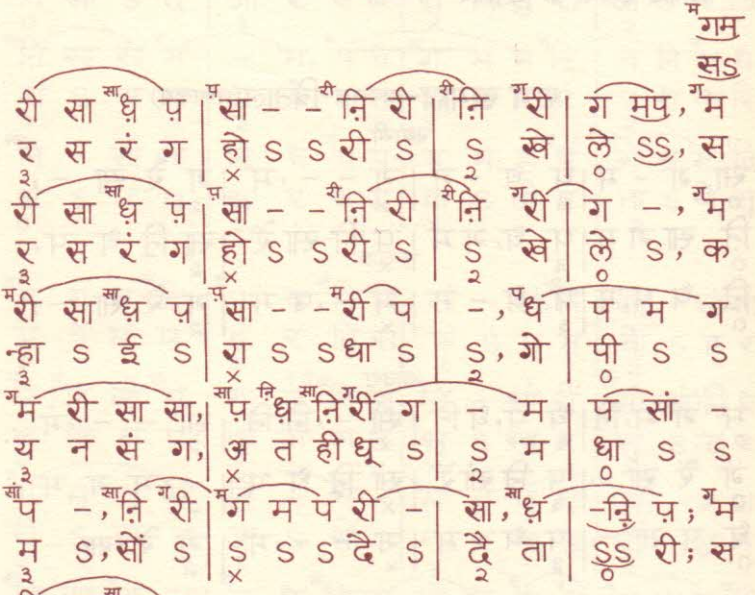

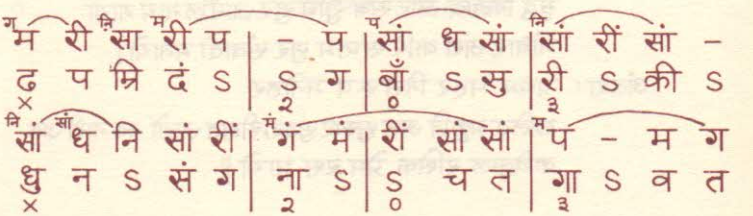

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग म प म री | सा – | – ध प, | प ध नि री |
| स ब हु ब्रि ज | मं ऽ | ऽ ड ल, | गु र ज उ |
| × | २ | ० | ३ |
| ग – –, ग – | – म | प सां – | प –, नि री |
| व्यो ऽ ऽ, रा ऽ | ऽ ग | ता ऽ ऽ | ल ऽ, सों ऽ |
| × | २ | ० | ३ |
| ग म प री – | सा ध | –नि प;म | री सा ध प |
| ऽ ऽ ऽ पे ऽ | सी न्या | ऽऽ री;स | र स रं ग |
| × | २ | ० | ३ |

-----इत्यादि स्थायी के अनुसार

---

## राग खमाज-सरगम-त्रिताल(मध्यलय)

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| सा ग – म | प ध – म | ग – – ,म | ग रे सा –, |
| ० | ३ | × | २ |
| नि सा ग म | प ध, ग म | प नि सां रें | सां नि ध प, |
| ० | ३ | × | २ |
| नि ध प,म | प ध – म | ग – ,प म | ग रे सा –; |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| म ग म,नि | ध प,ध नि | सां –, नि नि | सां – – ,मं |
| ० | ३ | × | २ |
| गं रें सां –, | प नि सां रें | सां नि ध प | –, म ग म |
| ० | ३ | × | २ |
| ध प सां –, | प ध – म | ग – – ,म | ग रे सा –; |
| ० | ३ | × | २ |

---

## राग खमाज- लक्षणगीत –त्रिताल(मध्यलय)

स्थायी : 'सुजन' अब राग खमाज सुनो
मृदु निखाद और सब शुचि सुर जामें लगाय गायो
गांधार अंश करि सप्तम सुर संवादी मनायो।

अंतरा : प्रथम पहर निस रूप मनोहर
ललित प्रकृति अत सुस्वर सुंदर, रीझत जासों नर-नारी जन
कविकुल रसिक प्रेम रस पायो॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | [प]नि |
| | | | सु |
| ध ध [प]म ग | [म]ग म प ध | [सां]नि – सां [सां]नि | सां नि, [नि]सां रीं |
| ज न अ ब | रा ऽ ग ख | मा ऽ ज सु | नो ऽ, मृ दु |
| ० | ३ | × | २ |
| सां नि ध प | [म]ग म प ध | [म]ग म ग ग, | [ग]म ग री सा |
| नि खा ऽ द | औ र स ब | शु चि सु र, | जा ऽ में ल |
| ० | ३ | × | २ |
| [सां]नि सा सा [म]ग | – म, [ध]प ध | [म]ग म ग [म]नि | ध नि [ध]प ध, |
| गा ऽ य गा | ऽ यो, गा ऽ | न्धा ऽ र अं | ऽ श क रि, |
| ० | ३ | × | २ |
| [सां]नि – सां सां | नि ध [म]प प | [म]ग म प [प]ध | [म]ग म ग; [प]नि |
| स ऽ स म | सु र स म | वा ऽ दी म | ना ऽ यो; सु |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| [ग]म ग म [म]नि | [ध]प ध [सां]नि नि | सां – सां, [सां]नि | सां – सां सां |
| प्र थ म प | ह र नि स | रू ऽ प, म | नो ऽ ह र |
| ० | ३ | × | २ |
| [म]प [सां]नि सां [सां]मं | गं [रीं]गं [सां]नि सां | [सां]नि – सां रीं | [नि]सां (सां) नि ध |
| ल लि त प्र | कृ ति अ त | सु ऽ स्व र | सु ऽ न्द र |
| ० | ३ | × | २ |
| [म]ग म प सां | नि – ध – | [प]म म [ध]प ध | (म) – ग ग |
| री ऽ झ त | जा ऽ सों ऽ | न र ना ऽ | री ऽ ज न |
| ० | ३ | × | २ |
| [सां]नि सा [म]ग म | [ध]प ध [सां]नि, सां | नि ध, [ध]प [प]ध | [म]ग म ग; [प]नि |
| क वि कु ल | र सि क, प्रे | ऽ म, र स | पा ऽ यो; सु |
| ० | ३ | × | २ |
| ध ध [प]म ग | ------ इत्यादि स्थायी के अनुसार | | |
| ज न अ ब | | | |
| ० | | | |

# राग खमाज – त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी: सखि साँवरो गिरिधर गोपाल
जाके मोर मुकुट कुंडल कान
मुरली अधर मन लुभात मुसकान।

अंतरा: बिसर गई तन की, सूझ-बूझ मन की सारी,
लीन भई ब्रिज की नारी, निरखि निरखि मोहनी
मूरत, घरि पल छिन दिन रैन लगत ध्यान॥

## स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | ग |
| | | | स |
| म पध निसां नि | सां – –, नि | ध प ध सां | नि ध प, ग |
| खि साँऽ ऽऽ व | रो ऽ ऽ, गि | रि ध र गो | पा ऽ ल, जा |
| 3 | × | 2 | 0 |
| म प सां नि | ध प, म प | ध (म) ग म | प नि सां मं |
| के मो र मु | कु ट, कुं ड | ल का ऽ न | मु र लि अ |
| 3 | × | 2 | 0 |
| ग रीं सां निध | प म ग म | प ध गम पध | निसां निध पम; ग |
| ध र म नऽ | लु भा ऽ त | मु स काऽ ऽऽ | ऽऽ ऽऽ नऽ; स |
| 3 | × | 2 | 0 |

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| नि धप म ग | नि सा, ध नि | सां – –, नि | धप ग म प |
| बि सऽ र ग | ई ऽ, त न | की ऽ ऽ, सू | झऽ बू ऽ झ |
| 3 | × | 2 | 0 |
| नि धप म ग | नि सा, ध नि | सां –, प नि | सां नि सां रीं |
| बि सऽ र ग | ई ऽ, त न | की ऽ, सूझ | बू झ म न |
| 3 | × | 2 | 0 |
| सां नि ध प | ग म प सां | नि ध म प | ध (म) ग म |
| की सा ऽ री | ली ऽ न भ | ई ऽ ब्रि ज | की ना ऽ री |
| 3 | × | 2 | 0 |
| सा नि सा, म | ग म, नि धप | ध, नि सां सां, | मं गंरीं सां रीं |
| नि र खि, नि | र खि, मो हऽ | नी, मू र त, | घ रिऽ प ल |
| 3 | × | 2 | 0 |
| नि सां ध नि | प ध प, म | प ध, गम पध | निसां निध पम; ग |
| छि न दि न | रै ऽ न, ल | ग त, ध्याऽ ऽऽ | ऽऽ ऽऽ नऽ; स |
| 3 | × | 2 | 0 |

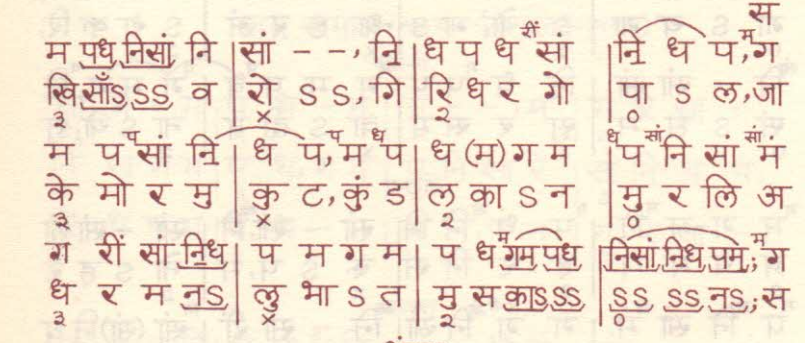

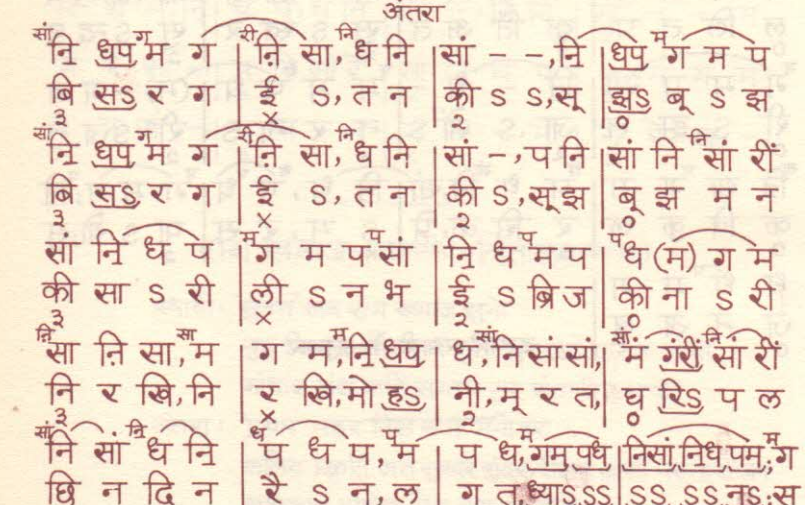

# राग खमाज – दाक्षिणात्य रूपक (मध्यलय)

स्थायीः जय विष्णु जय हो जय नारायण सनु चतुर
धन धन धन भरतखण्ड विप्रान्वय भारतीय
तौर्यत्रिक कीर्ति-ध्वज जय हो नित जय तिहारी।

अंतराः अप्रम्पार नादो-दधि ताही को मंथन करि
श्रुति-सुर-लय-राग-ताल सबहु रतन किये सुलभ
दियो ग्यान ध्यान मान गुनियन को,
कहालों कीजे बखान, 'सुजन' कहे करि पुकार
जय जय हो जय तिहारी॥

स्थायी

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (म)ग म | प - | प - | (ध)प ध | (प)म - | ग -, | (म)ग म | ध प | (नि)ध नि |
| जै ऽ | वि ऽ | ष्णु ऽ | जै ऽ | हो ऽ | जै ऽ, | ना ऽ | रा ऽ | य ण |
| × | २ | ० | × | २ | ० | × | २ | ० |
| सां (सां) | नि ध | प प, | (नि)ध नि | रीं सां | रीं रीं | (सां)नि सां | नि सां | - सां |
| स ऽ | नु च | तु र, | ध न | ध न | ध न | भ र | त ख | ऽ ण्ड |
| × | २ | ० | × | २ | ० | × | २ | ० |
| (नि)सां रीं | नि ध | प ध | (प)म ग | म ग | (री)सा सा, | (म)ग म | प - | प प |
| वि ऽ | प्रा ऽ | न्व य | भा ऽ | र ती | ऽ य, | तौ ऽ | र्य ऽ | त्रि क |
| × | २ | ० | × | २ | ० | × | २ | ० |
| (नि)सां (सां)रीं | सां नि | ध प, | (सां)नि - | नि - | नि नि | सां - | (सां)नि सां | - सां; |
| की ऽ | र्ति ऽ | ध्व ज, | जै ऽ | हो ऽ | नि त | जै ऽ | ति हा | ऽ री; |
| × | २ | ० | × | २ | ० | × | २ | ० |

अंतरा

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (ध)नि ध | नि ध | प ध | (सां)नि - | सां नि | सां सां | (सां)नि - | सां नि | सां - |
| अ प्रं | ऽ पा | ऽ र | ना ऽ | दो ऽ | द धि | ता ऽ | ही ऽ | को ऽ |
| × | २ | ० | × | २ | ० | × | २ | ० |
| गं रीं | सां नि | ध प, | (म)ग ग | म म | प ध | (सां)नि सां | नि सां | - सां |
| मं ऽ | थ न | क रि, | श्रु ति | सु र | ल य | रा ऽ | ग ता | ऽ ल |
| × | २ | ० | × | २ | ० | × | २ | ० |
| (सां)नि सां | रीं नि | ध प | (प)म (ध)प | ध (प)म | ग ग, | (सा)ऩि सा | - (म)ग | - ग |
| स ब | हु र | त न | कि ये | ऽ सु | ल भ, | दि यो | ऽ ग्या | ऽ न |
| × | २ | ० | × | २ | ० | × | २ | ० |
| म - | ग म | - म | (ध)प सां | नि ध | प -, | (ध)प ध | सांरीं गं | सां नि |
| ध्या ऽ | न मा | ऽ न | गु नि | य न | को ऽ, | क हा | लोंऽ ऽ | की ऽ |
| × | २ | ० | × | २ | ० | × | २ | ० |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [नि]सां [सां]रीं | नि ध | प प, ‖ | [प]नि ध | प म | ग - ‖ | [ग]म ग | रीसा | -सा |
| जे S | ब खा | S न, ‖ | सु ज | न क | हे S ‖ | क रि | पु का | S र |
| × | 2 | 0 ‖ | × | 2 | 0 ‖ | × | 2 | 0 |
| [म]ग म | प ध | नि - ‖ | सां - | [सां]नि सां | - सां; ‖ | | | |
| जे S | जै S | हो S ‖ | जै S | ति हा | S री; ‖ | | | |
| × | 2 | 0 ‖ | × | 2 | 0 ‖ | | | |

टीपः इस गीत की रचना लेखक ने अपने गुरुवर्य पं. वि. ना. भातखण्डेजी के पुण्यस्मरण में की है।

## राग मिश्र खमाज–कहरवा (मध्यलय)

स्थायीः जावो ना मथुरा न जावो ब्रिजबिहारी ब्रिज छाँडि के
ब्रिज के ग्वार-ग्वारनियाँ हम सब कर जोरजोर
बिनति करत मानो मानो हे ग्वार-गुसैंया कन्हैया।

अंतरा-१ः भाँत भाँत केलि किये इहि गोकुल बिंदराबन
रास रच्यो अत सुन्दर जमुना तट, अत आनन्द दियो
ब्रिज बासिन को, न जावो भूलि न जैयो ब्रिज के बसैया॥

अंतरा-२ः मधुर मुरलि धुन सुनि तुम्हरी वह, चहूँ ओर छायो
राग रंग रस, मगन भये गोप गोपीजन, खग मृग धेनु
सबहु वृख वेली, जमुना जलहु भयो थिर इक छिन
सुमिरत लीला घरि पल छिन तुम्हरी, आँसु बहावत
हम ब्रिज जन, छाँडि न जैयो दुःख के हरैया॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| [म]ग - म पध | निसां - -, नि ‖ | ध [प]म प निध | प (प) म ग |
| जा S वो नाS | SS S S, म ‖ | थु रा S नS | जा S वो S |
| × | 0 ‖ | × | 0 |
| -, [ग]म ग री | [सा]नि सा सा, [म]ग ‖ | म प - ध | नि ध प -, |
| S, ब्रि ज बि | हा S री, ब्रि ‖ | ज छाँ S डि | के S S S, |
| × | 0 ‖ | × | 0 |
| [प]ग प ध सां | (सां) नि, ध प ‖ | [म]ग म पध निसां | रीं सां नि ध |
| ब्रि ज के ग्वा | S र, ग्वा S ‖ | र नि याS SS | ह म स ब |
| × | 0 ‖ | × | 0 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| [नि]ध नि [नि]ध – | नि ध प ध | [सां]नि सां सां नि | ध प, [म]ग म |
| क र जो ऽ | र जो ऽ र | बि न ति क | र त, मा नो |
| × | ० | × | ० |
| पध सांरीं गंमं गंरीं | सां नि सां [नि]सां | नि ध प [प]म | प (प) म ग; |
| माऽ ऽऽ ऽऽ नोऽ | हे म्वा र गु | सैं ऽ या क | न्है ऽ या ऽ, |
| × | ० | × | ० |

अंतरा-१

| | | | |
|---|---|---|---|
| [सां]नि – नि [सां]नि | ध नि सां – | सां [सां]नि सां – | [सां]नि नि [सां]नि – |
| भाँ ऽ त भाँ | ऽ त के ऽ | लि कि ये ऽ | इ हि गो ऽ |
| × | ० | × | ० |
| नि नि सां (सां) | नि ध प प, | [म]ध – ध [नि]ध | [नि]धनि रींसां नि ध, |
| कु ल बिं द | रा ऽ ब न, | रा ऽ स र | च्योऽ ऽऽ अ त, |
| × | ० | × | ० |
| [म]ग म प ध | [सां]नि नि सां – | नि ध प प, | [मं]गं गं गं मं |
| सु ऽ न्द र | ज़ मु ना ऽ | त ट अ त, | आ न न्द दि |
| × | ० | × | ० |
| गं रीं सां सां | [ध]प ध सां रीं | गं – –, [नि]सां | [सां]नि सां सां – |
| यो ऽ ब्रि ज | बा ऽ सि न | को ऽ ऽ, न | ज़ा ऽ वो ऽ |
| × | ० | × | ० |
| [नि]ध नि सां रीं | नि ध प – | नि ध प [प]म | प (प) म ग; |
| भू ऽ लि न | जै ऽ यो ऽ | ब्रि ज के ब | सै ऽ या ऽ; |
| × | ० | × | ० |
| [म]ग – म पध | निसां – –, नि | ध [प]म प निध | [म]प (प) म ग |
| जा ऽ वो नाऽ | ऽऽ ऽऽ, म | थु रा ऽ नऽ | ज़ा ऽ वो ऽ |
| × | ० | × | ० |

----→ इत्यादि स्थायी के अनुसार

अंतरा-२

| | | | |
|---|---|---|---|
| [ग]प प प प | प प [म]ग म | प प प प | [सां]धसां रींगं रीं सां |
| म धु र मु | र लि धु न | सु नि तु म्ह | रीऽ ऽऽ व ह |
| × | 0 | × | 0 |
| [ध]प प ध [सां]नि | – नि सां – | [नि]सां – नि ध | प म ग [रें]गं |
| च हूँ ऽ ओ | ऽ र छा ऽ | यो ऽ रा ऽ | ग रं ऽ ग |
| × | 0 | × | 0 |
| [नि]सा सा, [म]ग ग | ग म म – | प – प प | – प ध प, |
| र स, म ग | न भ ये ऽ | गो ऽ प गो | ऽ पि ज न, |
| × | 0 | × | 0 |
| [म]ध ध ध ध | [नि]ध – ध नि | [ध]प [सां]ध नि नि | सां – सां –, |
| ख ग मृ ग | धे ऽ नु स | ब हु वृ ख | वे ऽ ली ऽ, |
| × | 0 | × | 0 |
| [मं]गं गं गं – | मं गं रीं सां | [सां]नि – सां सां | नि ध प प, |
| ज मु ना ऽ | ज ल हु भ | यो ऽ थि र | इ क छि न, |
| × | 0 | × | 0 |
| [म]ग म प ध | म ग (सा) – | [सा]नि सा ग ग | म म प प |
| सु मि र त | ली ऽ ला ऽ | घ रि प ल | छि न तु म्ह |
| × | 0 | × | 0 |
| [सां]धसां रींगं, [नि]सां – | सां [सां]नि सां नि | सां रीं गं रीं | सां नि ध प |
| रीऽ ऽऽ, आँ ऽ | सु ब हा ऽ | व त ह म | ब्रि ज ज न |
| × | 0 | × | 0 |
| [नि]ध नि सां रीं | नि ध प – | [प]नि ध प [प]मं | प(प) म ग; |
| छाँ ऽ डि न | जै ऽ यो ऽ | दुः ख के ह | रै ऽ या ऽ; |
| × | 0 | × | 0 |
| [म]ग – म पध | निसां – – नि | ध [प]मं प निध | प(प) म ग |
| जा ऽ वो नाऽ | ऽऽ ऽ ऽ म | थु रा ऽ नऽ | जा ऽ वो ऽ |
| × | 0 | × | 0 |

..... इत्यादि स्थायी के अनुसार

# राग खमाज- साध्रा- झपताल (मध्यलय)

स्थायी: कदम्ब की छैया ठाड़े कन्हैया
साँवरी सलोनी सूरत मन भावनी।

अंतरा: मुकुट माथे सोहे मकर कुंडल कान
नेह भरी नैन ज्योति चित लुभावनी॥

संचारी: पीतांबर काछे गर बैजयंती
निरखि मन लज्यो मदन मूरत मन मोहनी॥

आभोग: अधर धरि माधुरी मुरली बजे सजे
रूप मिलि रागनी अत ही रिझावनी॥

## स्थायी

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [ग]म ग | म [ध]प ध | [सां]नि सां | [नि]सां – – | नि॒ धम | प –,प | [ध]प ध | [प]म ग – |
| क दं | ब की ऽ | छै ऽ | या ऽ ऽ | ठा ऽऽ | ड़े ऽ,क | न्है ऽ | या ऽ ऽ |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |
| [सां]नि – | सां नि,सां | [नि]सां (सां) | नि॒ ध प | [म]ग म | प,[प]सां नि | ध प | [प]ध म ग |
| साँ ऽ | व री,स | लो ऽ | नी ऽ ऽ | सू र | त, म न | भा ऽ | व नी ऽ |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |

## अंतरा

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [ग]म ग | म [म]नि॒ ध | [सां]नि सां | [नि]सां – सां | [सां]नि नि | नि,सां नि | सां (सां) | नि॒ ध प |
| मु कु | ट मा ऽ | थे ऽ | सो ऽ हे | म क | र,कुं ऽ | ड ल | का ऽ न |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |
| [प]नि॒ धप | ध [सां]नि [रीं]सां | नि॒ धप | म,[म]ग – | ग गम | प [सां]नि,ध | [प]म प | ध(म)ग |
| ने ऽऽ | ह भ री | नै ऽऽ | न,ज्यो ऽ | ति ऽऽ | चि त,लु | भा ऽ | व नी ऽ |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |

## संचारी

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [म]ग – | म ग म | प प | [म]प – प | [प]ग प | [सां]ध सां नि | धप ध | [प]म ग – |
| पी ऽ | ता ऽ ऽ | म्ब र | का ऽ छे | ग र | बै ऽ ज | यंऽ ऽ | ती ऽ ऽ |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |
| [ग]प म | ग री सा | [सां]नि॒ सा | [म]ग ग म | [म]ग म | प,[सां]ध सां | नि॒ धप | नि॒ ध प |
| नि र | खि म न | ल ज्यो | म द न | मू र | त, म न | मो ऽऽ | ह नी ऽ |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |

## आभोग

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [ग]म ग | म [म]नि॒ ध | [सां]नि सां | नि सां – | [सां]प नि | सां –,रीं | सां [नि]सां | नि॒ ध – |
| अ ध | र ध रि | मा ऽ | धु री ऽ | मु र | ली ऽ,ब | जै ऽ | स जै ऽ |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |

(म)ग म | ध (सां)नि (रीं)सां | नि धप | धप - ‖ (म)ग म | पसां,नि | धप, ध | म (प)ग -
रू S | पु मि लि | र SS | ग नीS ‖ अ त | ही S,रि | झाS S | व नी S
× | २ | ० | ३ ‖ × | २ | ० | ३

---

## राग खमाज- भजन- कहरवा (मध्यलय)

स्थायी : नहीं माँगत हूँ धन सम्पद सुख
नहीं जनम मरण तें मुक्ति चहत हूँ ।
परब्रह्म मिलन नहीं ग्यान-जोग
नहीं रिध-सिध इक छिनहु, नहीं इक छिनहु ॥

अंतरा : जनम जनम नित पाऊँ चरण-सेवा सुख
हरि-गुण गाऊँ ध्याऊँ निस दिन या नैन मनोहर
सुन्दर साँवरी मूरत रहे न टरे इन अँखियनतें
यही आस, एक यही आस एक; नहीं माँगत हूँ--- ॥

### स्थायी

(म)ग म
न हिं

प - प प | प -,(म)ग म ‖ (ग)प - प प | (ध)प ध,(प)म ग
माँ S ग त | हूँ S, ध न ‖ स S म्प द | सु ख, न हिं
× | ० ‖ × | ०

(म)ग म ध प | (नि)ध नि सां (सां) ‖ नि ध प (प)ध | (म)ग म ग -
ज न म म | र ण तें S ‖ मु S क्ति च | ह त हूँ S
× | ० ‖ × | ०

- - - - | - -,(सां)नि नि ‖ (सां)नि - नि (नि)सां | सां सां (ध)प ध
S S S S | S S, प र ‖ ब्र S ह्म मि | ल न न हिं
× | ० ‖ × | ०

सांरीं गं सां नि | ध प,(म)ग म ‖ प ध (सां)नि रीं | सां नि ध प
ग्याS S न जो | S ग, न हिं ‖ रि ध सि ध | इ क छि न
× | ० ‖ × | ०

(म)ग म,(ध)प ध | सां नि ध प ‖ म ग - - | - -; (म)ग म
हु S, न हिं | इ क छि न ‖ हु S S S | S S; न हिं
× | ० ‖ × | ०

### अंतरा

(सां)नि नि नि,(सां)नि | नि सां नि ध ‖ पध निसां सां (सां)नि | सां सां,(नि)सां -
ज न म,ज | न म नि त ‖ पाS SS ऊँ च | र ण, से S
× | ० ‖ × | ०

| | | | |
|---|---|---|---|
| ^नि ध नि ^ध प ध | ^सां नि रीं सां रीं | ^नि ^सां ध नि धप म | ग ग, म ग^री |
| वा ऽ सुख | ह रि गु ण | गा ऽ ऊँऽ ध्या | ऽ ऊँ, नि स |
| × | ० | × | ० |
| ^सा नि़ नि़ सा – | ^सा नि़ सा ग म | ^नि ध – ध ध | ^नि ध नि ध नि |
| दि न या ऽ | नै ऽ न म | नो ऽ ह र | सुं द र साँ |
| × | ० | × | ० |
| ^ध प ध ^प म ग, | ^मं गं गं मं गं | (सां) – ^ध प ध | सां (सां) ^नि ध नि |
| ऽ व री ऽ, | मू र त र | हे ऽ न ट | रे ऽ इ न |
| × | ० | × | ० |
| ^नि ध नि ^ध प ध | ^सां नि सां, नि ध | प म ग, ^सां नि | सां सां नि ध |
| अँ खि य न | तें ऽ, य ही | आ ऽ स, प | ऽ क य ही |
| × | ० | × | ० |
| प म ग, ^प नि | ^ध प ध; ^म ग म | प – प प | इत्यादि स्थायी के अनुसार |
| आ ऽ स, प | ऽ क; न हिं | माँ ऽ ग त | |
| × | ० | × | |

---

## राग खमाज-होली-दीपचंदी (मध्यलय)

स्थायीः न खेलूंगी मैं तोसे होरी कन्हैया

न मानूंगी अब एकहू तोरी पीत की बतियाँ।

अंतराः जानो न लच्छन बचन पीत के

नारी नमो हो अनारी अनोखे होरी के खिलैया॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| ^म ग म गम | ग री ग – | ^री नि़ री नि़ | ^री ग –री ^म गम पम |
| न खे ऽऽ | लूं ऽ ऽ ऽ | गी ऽ ऽ | मैं ऽऽ तोऽ ऽसे |
| × | २ | ० | ३ |
| प – – | प – –, ^प ध | ^प ग प – | म ग ^री ग – |
| हो ऽ ऽ | री ऽ ऽ, क | न्है ऽ ऽ | या ऽ ऽ ऽ |
| × | २ | ० | ३ |
| ^सां नि नि – | सां – (सां) – | नि ध नि | ^प ध – प प |
| न मा ऽ | नूं ऽ ऽ ऽ | गी ऽ ऽ | ऽ ऽ अ ब |
| × | २ | ० | ३ |
| ^प ग प – | ^प गप ध^नि सां सां – | ^ध प ध प | म ग – म |
| ए क ऽ | हूऽ ऽऽ ऽ ऽ | तो ऽ री | पी ऽ ऽ ऽ |
| × | २ | ० | ३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| पध निसां – | निध पध – प | ग प – | म ग ग –री; |
| तुऽ ऽऽ ऽ | कीऽ ऽऽ ऽ ब | ति ऽ ऽ | याँ ऽ ऽ ऽऽ; |
| × | २ | ० | ३ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| म ग म | निंनि धध निसां नि | सां – – | सां – – सां |
| जा ऽ ऽ | नोऽ ऽऽ ऽऽ न | ल ऽ ऽ | च्छ ऽ ऽ न |
| × | २ | ० | ३ |
| नि नि – | सां – (सां) – | नि ध नि | पध – प – |
| ब च ऽ | न ऽ ऽ ऽ | पी ऽ ऽ | तऽ ऽ के ऽ |
| × | २ | ० | ३ |
| नि – – | सां – – , रीं | ध सां (सां) | नि ध नि , ध |
| ना ऽ ऽ | री ऽ ऽ , न | मो ऽ ऽ | हो ऽ ऽ , अ |
| × | २ | ० | ३ |
| प – – | धसां रींगं – , सां | नि ध नि | ध प – ध |
| ना ऽ ऽ | रीऽ ऽऽ ऽ , अ | नो ऽ ऽ | खे ऽ ऽ ऽ |
| × | २ | ० | ३ |
| म ग म | पध निसां – प | प ध – | म ग ग –री; |
| हो री ऽ | केऽ ऽऽ ऽ खि | लै ऽ ऽ | या ऽ ऽ ऽऽ; |
| × | २ | ० | ३ |

---

## राग खमाज-ध्रुवपद- चौताल (विलंबित)

स्थायीः जमुना के नीर तीर रास रच्यो है
गोप गोपीयन संग खेले कन्हैया।
अंतराः मुरली की धुन पर नाचत आनंद भरे
गोकुल गाँव के गोप ग्वाल छैया॥
संचारीः झाँझ मृदंग ढप किन्नरी बजे मधुर
पैंजन की झनकार परम सुख दैया॥
आभोगः ता थेई थेई तत् आ थेई थेई तत्
थेई ता थेई ता थेई थेई तत् तत् ता थैया॥

स्थायी

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ग ग | सा ग | – म | प – | ध म | ग म |
| ज मु | ऽ ना | ऽ के | नी ऽ | र ती | ऽ र |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

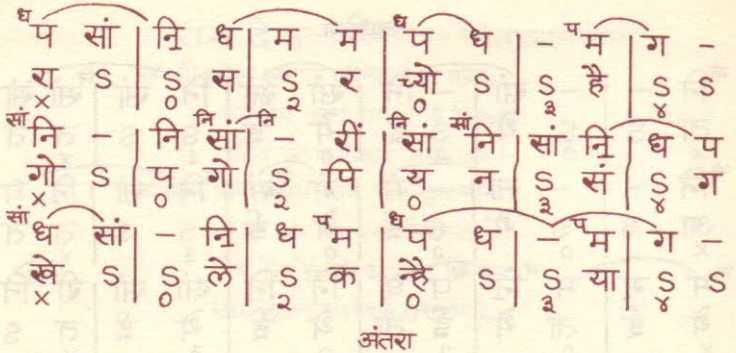

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (ध)प | सां | नि॒ | ध | म | म | (ध)प | ध | – | (प)म | ग | – |
| रा | S | S | स | S | र | च्यो | S | S | है | S | S |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |
| (सां)नि | – | नि | (नि)सां | (नि)– | रीं | (नि)सां | (सां)नि | सां | नि॒ | ध | प |
| गो | S | प | गो | S | पि | य | न | S | सं | S | ग |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |
| (सां)ध | सां | – | नि॒ | ध | (प)म | (ध)प | ध | – | (प)म | ग | – |
| खे | S | S | ले | S | क | न्है | S | S | या | S | S |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |

अंतरा

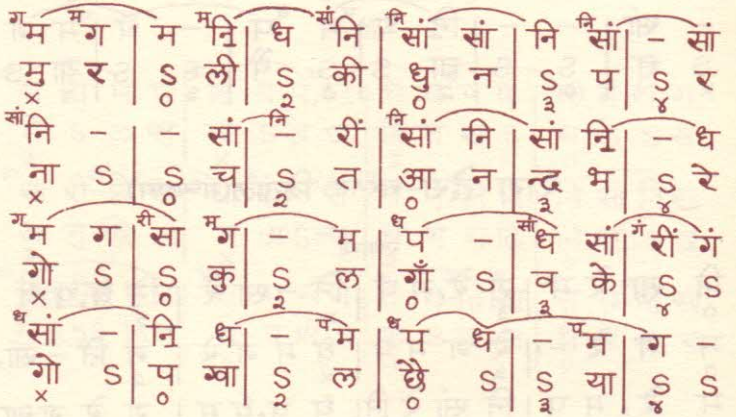

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (ग)म | (म)ग | म | (म)नि॒ | ध | (सां)नि | (नि)सां | सां | नि | (नि)सां | – | सां |
| मु | र | S | ली | S | की | धु | न | S | प | S | र |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |
| (सां)नि | – | – | सां | (नि)– | रीं | (नि)सां | नि | सां | नि॒ | – | ध |
| ना | S | S | च | S | त | आ | न | न्द | भ | S | रे |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |
| (ग)म | ग | (री)सा | (म)ग | – | म | (ध)प | – | (सां)ध | सां | (गं)रीं | गं |
| गो | S | S | कु | S | ल | गाँ | S | व | के | S | S |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |
| (ध)सां | – | नि॒ | ध | – | (प)म | (ध)प | ध | – | (प)म | ग | – |
| गो | S | प | ग्वा | S | ल | छै | S | S | या | S | S |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |

संचारी

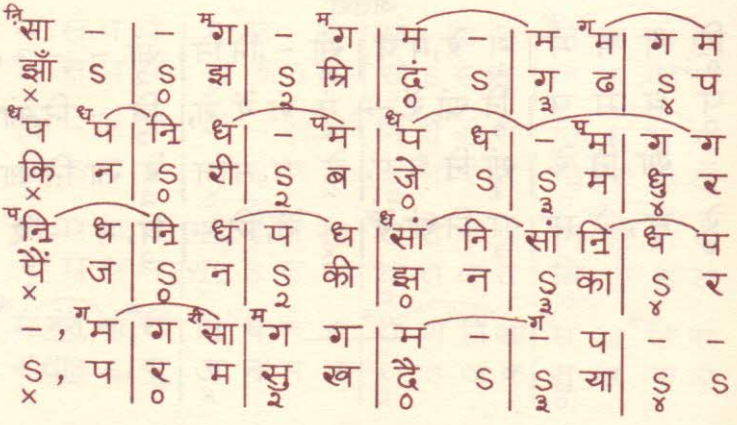

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (नि॒)सा | – | – | (म)ग | – | (म)ग | म | – | म | (ग)म | ग | म |
| झाँ | S | S | झ | S | त्रि | दं | S | ग | ढ | S | प |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |
| (ध)प | (ध)प | नि॒ | ध | – | (प)म | (ध)प | ध | – | (प)म | ग | ग |
| कि | न | S | री | S | ब | जे | S | S | म | धु | र |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |
| (प)नि॒ | ध | नि॒ | ध | प | ध | (ध)सां | नि | सां | नि॒ | ध | प |
| पैं | ज | S | न | S | की | झ | न | S | का | S | र |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |
| –, | (ग)म | ग | (री)सा | (म)ग | ग | म | – | (ग)– | प | – | – |
| S, | प | र | म | सु | ख | दै | S | S | या | S | S |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |

आभोग

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (सां)नि | – | – | सां | – | नि | (नि)सां | सां | (सां)नि | सां | (नि)सां | सां |
| ता | ऽ | ऽ | थे | ऽ | ई | थे | ई | ऽ | ऽ | त | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (सां)नि | – | – | सां | – | (सां)मं | गं | (रीं)सां | (सां)नि | सां | नि॒ | ध |
| आ | ऽ | ऽ | थे | ऽ | ई | थे | ई | ऽ | ऽ | त | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (ग)म | ग | म | (म)नि॒ | (ध)प | ध | (सां)नि | नि | सां | सां | रीं | (सां)नि |
| थे | ई | ता | थे | ई | ता | थे | ई | थे | ई | त | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| – | सां | – | – | नि॒ | ध | (प)म | (ध)प | – | ध | (प)म | ग |
| ऽ | त | ऽ | ऽ | चा | ऽ | ऽ | थै | ऽ | ऽ | या | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

---

## राग देस- सरगम- त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| ऩि सा रे म | ग रे, म प | नि – सां रें | नि॒ ध, प ध |
| ० | ३ | × | २ |
| म ग रे –, | रे ग म प | ध म ग रे | ग ऩि – सा, |
| ० | ३ | × | २ |
| म रे, म प | नि सां रें नि॒ | ध प, ध म | ग रे ग सा |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| नि॒ ध प म | ग रे, म प | सां –, नि नि | सां – – –, |
| ० | ३ | × | २ |
| प ध म प | नि सां रें –, | मं गं रें गं, | नि – नि, सां |
| ० | ३ | × | २ |
| – सां, नि॒ रें | सां नि॒ ध प, | रे प म ग | रे सा ऩि सा, |
| ० | ३ | × | २ |
| रे म, रे म | प नि सां, रें | – रें, नि॒ – | ध, म – रे |
| ० | ३ | × | २ |

---

## राग देस - लक्षणगीत - त्रिताल (मध्यलय)

स्थायीः मेल खमाज जनित राग देस
अनुलोम अल्प धग चढ़ि निखाद
मंडित रि-प संवाद मधुर कर।

अंतराः निस प्रथम जाम सोहे सुलच्छन
सोरठ अंग रंग रस छिरकत
'रेप' 'धम' संगत इत उत बिलसत
सदा 'सुजन' मनरंजक सुखकर॥

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| $^{री}$म री म प | $^{सां}$नि़ ध प,$^{प}$नि़ | ध प $^{ध}$प ध | (म) ग री ग |
| मे ऽ ल ख | मा ऽज,ज | नि त रा ऽ | ग दे ऽ स |
| ३ | × | २ | ० |
| $^{नि़}$सा $^{री}$री नि़ सा | सा $^{म}$री – री | $^{प}$म प $^{सां}$नि नि | $^{सां}$नि सां नि सां |
| अ नु लो ऽ | म अऽल्प | ध ग च ढ़ि | नि खा ऽ द |
| ३ | × | २ | ० |
| $^{सां}$निसां रींनि ध प | $^{म}$री प म ग | री ग $^{री}$नि़,$^{नि़}$सा | $^{सा}$म़ प़ $^{सा}$नि़ सा |
| मंऽऽऽ डि त | री प सं ऽ | वा ऽ द, म | धु र क र |
| ३ | × | २ | ० |

### अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| $^{प}$म म प प | प $^{सां}$नि – नि | सां – सां सां | $^{सां}$नि सां सां सां |
| नि स प्र थ | म जाऽ म | सो ऽ हे सु | ल ऽ च्छ न |
| ३ | × | २ | ० |
| $^{सां}$नि – नि नि | सां – सां,$^{नि}$सां | नि रीं $^{नि}$सां रीं | नि़ ध प़ प |
| सो ऽ र ठ | अं ऽ ग,रं | ऽ ग र स | छि र क त |
| ३ | × | २ | ० |
| $^{म}$री प ध म | गरी ग $^{सा}$नि़ सा | $^{म}$री री म प | $^{सां}$नि सां रीं रीं |
| रे प ध म | संऽ ऽ ग त | इ त उ त | बि ल स त |
| ३ | × | २ | ० |
| $^{रीं}$मं गरीं $^{सां}$सां,रीं | नि $^{प}$ध म ग | $^{ग}$री ग $^{री}$नि़ सा | $^{सा}$म़ प़ $^{सा}$नि़ सा |
| स दाऽ ऽ,सु | ज न म न | रं ऽ ज क | सु ख क र |
| ३ | × | २ | ० |

# राग देस – त्रिताल (मध्यलय)

स्थायीः एरी बाँसुरी कौन कियो टोना
मोहि लिनो ऐसो मोहन मन तुँवै
छाँड़ि दीनी सारी हम संग पीत।
अंतराः दैहो सिखाये हम ग्वारनी को
बस कीन्हो जासों कुँवर कन्हाई
बता दो साची नीकी पीत की रीत॥

## स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | (प)नि<br>प |
| ध (ध)प ध प | म ग री,(म)री | म प (सां)नि सां | नि ध प,(ग)री |
| री बाँ ऽ सु | री ऽ ऽ,कौ | न कि यो ऽ | टो ऽ ना,मो |
| ३ | × | २ | ० |
| ग (प)म (ध)प ध | म ग री,म | ग (री)ग (री)नि सा | म (ग)री –,(प)म |
| हि लि नो ऽ | पे ऽ सो,मो | ह न म न | तुँ वै ऽ,छाँ |
| ३ | × | २ | ० |
| प (सां)नि सां – | (गं)रीं गं रीं,(नि)सां | रीं (सां)नि सां रीं | नि ध प;(प)नि |
| ड़ि दी न्ही ऽ | सा ऽ री,ह | म सं ऽ ग | पी ऽ त;प |
| ३ | × | २ | ० |

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | (प)म<br>दै |
| प (सां)नि सां नि | सां – सां,(प)म | प (सां)नि सां सां | (सां)नि सांरीं रीं,(रीं)मं |
| ऽ हो ऽ सि | खा ऽ ये,ह | म ग्वा ऽ र | नी ऽऽ,को,ब |
| ३ | × | २ | ० |
| गं (रीं)गं (रीं)नि – | (सां)नि सां सां,प | (सां)नि सां रीं नि | ध प प,(ग)री |
| स की न्हो ऽ | जा ऽ सों,कुँ | व र ऽ क | न्हा ऽ ई,ब |
| ३ | × | २ | ० |
| (म)गम पध (प)म गरी | ग (री)नि सा सा | (म)री म प सां | नि ध प;(प)नि |
| ताऽ ऽऽ दो साऽ | ची नी ऽ की | पी ऽ त की | री ऽ त;प |
| ३ | × | २ | ० |
| ध (ध)प ध म | म ग री, | | |
| री बाँ ऽ सु | री ऽ ऽ,..... इत्यादि स्थायी के अनुसार | | |
| ३ | × | | |

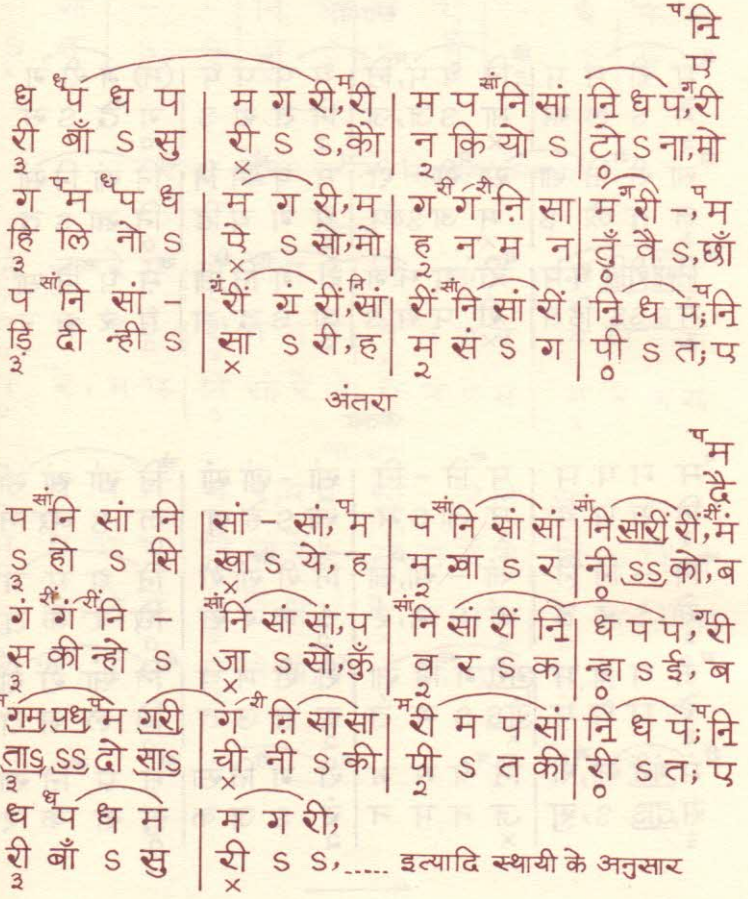

# राग देस – त्रिताल (मध्यलय)

स्थायीः कहो कहालों करूँ बिनती तोरी अहो नाथ निधान
तोरे चरण को इक आसरो मोहे अब ।

अंतराः द्वार ठाड़ो तोरे जोर जोर कर
कृपा दृष्टि अब कीजो 'सुजन' पे
मानो मानो अरज़ आज मेरी ॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| , ग नि सा | री म प नि | ध प –, सां | प ध म री |
| , क हो ऽ | क हा लों क | रूँ ऽ ऽ, बि | न ति तो री |
| 0 | 3 | × | 2 |
| –, प म ग | री म प ध | (म) ग री, ग | सा री नि सा |
| ऽ, अ हो ऽ | ना ऽ थ नि | धा ऽ न, तो | रे च र ण |
| 0 | 3 | × | 2 |
| री म, प नि | सां – निसां निसांरीं | नि ध प, ध | (म) ग म ग |
| को ऽ, इ क | आ ऽ ऽऽ ऽऽऽ | स रो ऽ, मो | हे ऽ ऽ अ |
| 0 | 3 | × | 2 |
| री; ग नि सा | | | |
| ब; क हो ऽ | ---- इत्यादि | | |
| 0 | | | |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| नि ध प ध | म री म प | नि – नि सां | – नि सां सां |
| द्वा ऽ र ठा | ऽ ड़ो तो रे | जो ऽ र जो | ऽ र क र |
| 0 | 3 | × | 2 |
| नि नि – सां | – सां सां सां, | री म प सां | प ध (म) गरी |
| क्रि पा ऽ दृ | ऽ ष्टि अ ब, | की ऽ जो सु | ज न पे ऽऽ |
| 0 | 3 | × | 2 |
| ग नि सा, री | ग म, प ध | म, ग री री, | सांरीं सांनि धप मग |
| मा ऽ नो, मा | ऽ नो, अ र | ज़, आ ऽ ज, | मेऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ |
| 0 | 3 | × | 2 |
| री; ग नि सा | री म प नि | ध प | |
| री; क हो ऽ | क हा लों क | रूँ ऽ -- इत्यादि स्थायी के अनुसार | |
| 0 | 3 | × | |

# राग देस - भजन - त्रिताल (मध्यलय)

स्थायीः खेलत श्याम सखा लिये संग
इक मारत इक रोवत गेंदहि
इक भागत करि नाना रंग।

अंतरा-१ः मारु परस्पर करत आपुमें
अतिहि आनंद भयो मनमाँ ही।
खेलत ही में श्याम सबनि को
यमुना तट को लीन्हे जाहीं॥

अंतरा-२ः मारि भजत जो जाहि ताहिसों
मारत लेत अपनो दाव।
'सूर' श्याम के गुण को जाने
और कहत कछु और उपाव॥

टीपः सूरदासजी के इस पद को लेखक ने केवल स्वर-ताल-बद्ध किया है।

## स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| , [री]ग सा री | म - प प | [प]निसां रीं - नि | [ध]प ध (म) ग |
| , खे ल त | श्या ऽ म स | खाऽ ऽ ऽ लि | ये ऽ सं ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| री, [सा]नि़ नि़ नि़ | सा सा, [नि़]सा सा | [ग]री प मग म | गरी ग [री]सा सा |
| ग, इ क मा | र त, इ क | रो ऽ वऽ त | गेंऽ ऽ द हि |
| ० | ३ | × | २ |
| [म]री री [प]म - | प प प प | पध [सां]नि धप ध | (म) - ग री |
| इ क भा ऽ | ग त क रि | नाऽ ऽ नाऽ ऽ | रं ऽ ऽ ग |
| ० | ३ | × | २ |

## अंतरा-१

| | | | |
|---|---|---|---|
| [सां]नि - नि [सां]नि | सां - सां सां | [गं]रीं रीं मं गं | रीं गं (सां) - |
| मा ऽ रु प | र ऽ स्प र | क र त आ | ऽ पु में ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| [म]री री म [प]म | प - प, प | [प]मप धनि [नि]ध नि | (प) - प - |
| अ ति हि आ | नं ऽ द, भ | योऽ ऽऽ म न | माँ ऽ ही ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| [म]री [प]म [ध]प [प]ध | (म) [री]ग (सा) - | [सा]नि़ सा [म]री, म | गरी ग री - |
| खे ऽ ल त | ही ऽ में ऽ | श्या ऽ म, स | बऽ नि को ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ^म^री री म - | प प पनि सांरीं | निध पध मप धप | (म) गरी ग^री^सा |
| जु मु ना S | त ट कोS SS | लीS SS न्हेS SS | जा SS हीं S |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा-२

| | | | |
|---|---|---|---|
| ^गं^रीं - रीं मं | गंरीं गं (सां) - | ^प^म प ^सां^नि सां | - सां^सां^निसां रीं |
| मा S रि भ | जुड त जो S | जा S हि ता | S हि सोंS S |
| ० | ३ | × | २ |
| ^नि^धनि रीं सां रीं | (नि) - ध प | ^म^री म पध ^सां^नि | ^प^ध म ग री |
| माS S र त | ले S S त | अ प नोS S | दा S S व |
| ० | ३ | × | २ |
| ^ग^री ग सा री | ^री^नि सा ^नि^सा - | ^म^री री म - | प - प - |
| सु S र थ्या | S म के S | गु ण को S | जा S ने S |
| ० | ३ | × | २ |
| ^म^री ^प^म ^ध^प ^सां^नि | सां रीं नि ध | ^प^मप ध प ^प^ध | (म) - ग री |
| औ S र क | हृ त क छु | औS S र उ | पा S S व |
| ० | ३ | × | २ |

## राग देस-होली-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : होरी खेलन को चले कन्हैया
ग्वाल-बाल सब अतहि आनंद भरे
गावत मधुर सुर बाँसुरी की धुन पर
नाचत नटनागर अत रस सों :
ताता थैया, ताता थैया, ताता थैया।

अंतरा : रंग अबीर गुलाल लिये भर भर झोरी
तक तक मारत कुमकुमे
निरखि हरखि सुर-नर-मुनिजन कहे :
धन गोकुल बिंदराबन, धन जमुना तट
ब्रिजभूमि धन, धन मुरली धुन, धन न्यारो :
रास रचैया, रास रचैया, रास रचैया॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | ^सा^नि सा |
| | | | हो री |
| ^म^रीम ग ^री^ग | ^सा^री, म ^प^प ^ध^ध | ^नि^सां नि ध प ध | ^ग^म ^री^ग, ^सा^नि सा |
| खे ल न को | S, च ले क | न्है S S S | या S, हो री |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| [म]री म ग [री]ग | [सा]री, [प]म [ध]प [नि]धु | [सां]नि – ध प, | निसां रीं सां नि |
| खे ल न को | ऽ, च ले क | न्है ऽ या ऽ, | ख्वाऽ ऽ ल बा |
| ० | ३ | × | २ |
| ध प म ग | [ग]री ग री [री]म | गरी ग [सा]ऩि सा, | [सा]ऩि सा री म |
| ऽ ल स ब | अ त हि आ | नंऽ द भ रे, | गा व त म |
| ० | ३ | × | २ |
| [ग]री म प [नि]धु | [प]म प [सां]नि सां | [गं]रीं रींगं रीं सां, | [सां]नि सां नि [सां]रीं |
| धु र सु र | बाँ सु री की | धु नऽ प र, | ना च त न |
| ० | ३ | × | २ |
| सां [सां]रीं नि ध, | [म]री [प]म [ध]प [सां]नि | सां, निसां रीं सां | नि ध प, [प]मप |
| ट ना ग र, | अ त र स | सों, ताऽ ऽ ता | थै ऽ या, ताऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| ध प म ग | री, [ग]रीम प [नि]धु | [सां]नि – ध प | म [री]ग; [सा]ऩि सा |
| ऽ ता थै ऽ | या, ताऽ ऽ ता | थै ऽ या ऽ | ऽ ऽ; हो री |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| [म]री [प]म [ध]प [सां]नि | धप [प]म – प | [सां]नि – [सां]सां नि | सां – – – |
| रं ग अ बी | ऽऽ र ऽ गु | ला ऽ ल लि | ये ऽ ऽ ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| [म]री [प]म [ध]प [सां]नि | धप [प]म – प | [सां]नि – [नि]सां, सां | पनि सांरीं [नि]सां रीं |
| रं ग अ बी | ऽऽ र ऽ गु | ला ऽ ल, लि | येऽ ऽऽ भ र |
| ० | ३ | × | २ |
| [सां]नि ध [प]म प, | [म]री [प]म [ध]प [प]ध | म ग री म | गरी ग [सा]ऩि सा, |
| भ र झो री, | त क त क | मा र त कु | मऽ कु मे ऽ, |
| ० | ३ | × | २ |
| [सा]ऩि सा री म | [ग]री म प [नि]धु | [प]म प [सां]नि सां | [गं]रीं रींगं रीं सां |
| नि र खि ह | र खि सु र | न र मु नि | ज नऽ क हे |
| ० | ३ | × | २ |
| [गं]रीं गं सांरीं गंमं | गंरीं गं [नि]सां सां | [सां]नि – सां सां, | [सां]नि सां [गं]रीं रींगं |
| ध न गोऽ ऽऽ | कुऽ ल बिं द | रा ऽ ब न, | ध न ज मुऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| रीं सां रीं [सां]नि, | [नि]सां सां पनि सांरीं | सां नि ध प, | [प]नि ध [ध]प [प]ध |
| ना ऽ त ट, | ब्रि ज भूऽ ऽऽ | मी ऽ ध न, | ध न मु र |
| ० | ३ | × | २ |
| (म) – ग री, | [म]री [प]म [ध]प [सां]नि | सां, निसां रीं सां | नि ध प, [प]मप |
| ली ऽ धु न, | ध न न्या ऽ | रो, राऽ ऽ सर | चै ऽ या, राऽ |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ध प म ग | री, रीम प ध | नि – ध प | म ग ; ऩि सा | |
| ऽ सर चै ऽ | या, राऽ ऽसर | चै ऽ या ऽ | ऽ ऽ ; हो री | |
| 0 | ३ | × | २ | |
| री म ग ग | री | | | |
| खे ल न को | ऽ | इत्यादि स्थायी के अनुसार | | |
| 0 | ३ ... | | | |

## राग देस - ध्रुवपद - चौताल (विलंबित)

स्थायी : उपजत अंग स्वभाव साचे गुरुन की सीख
नित्य नियत परिश्रम याहि तीन गुन होवे।

अंतरा : सहज ग्यान ध्यान मान सूक्ष्मांतर नाद भेद
स्वर-रचना माधुरी लच्छन अंग स्वभाव॥

संचारी : स्वर-लय-राग-प्रबन्ध इन सब में गुनी चतुर
साचो गुरु सो ही जानो सीख सफल यातें होवे॥

आभोग : बिन करनी कछु न आवे स्वाध्याय साधना
किये सोही गुन पावे गावे बजावे रिझावे॥

### स्थायी

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| सां सां | ऩि ध | प – | प ध | म ग | री री |
| उ प | ज त | अं ऽ | ग ऽ | स्व भा | ऽ व |
| × | 0 | २ | 0 | ३ | ४ |
| री प | म ग | ऩि सा | ऩि सा | री ऩि | ध़ प़ |
| सा ऽ | चे गु | रु न | की ऽ | ऽ सी | ऽ ख |
| × | 0 | २ | 0 | ३ | ४ |
| म ग | री म | प प | नि ध | म प | नि नि |
| नि ऽ | त्य नि | य त | प रि | ऽ श्र | ऽ म |
| × | 0 | २ | 0 | ३ | ४ |
| सां रीं | ऩि ध | प प | री म | प नि | सां सां |
| या ऽ | हि ती | ऽ न | गु न | ऽ हो | ऽ वे |
| × | 0 | २ | 0 | ३ | ४ |

### अंतरा

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ऩि ध | म प | नि नि | सां – | नि सां | – सां |
| स ह | ज ग्या | ऽ न | ध्या ऽ | न मा | ऽ न |
| × | 0 | २ | 0 | ३ | ४ |

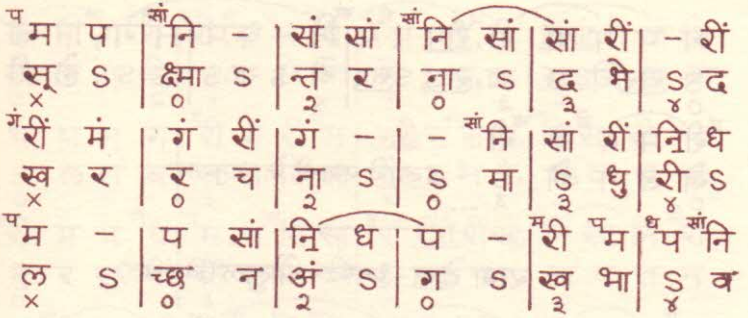

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (प)म | प | (सां)नि | – | सां | सां | (सां)नि | सां | सां | रीं | – | रीं |
| सू | ऽ | क्ष्मा | ऽ | न्त | र | ना | ऽ | द | भे | ऽ | द |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |
| (गं)रीं | मं | गं | रीं | गं | – | – | (सां)नि | सां | रीं | नि॒ | ध |
| स्व | र | र | च | ना | ऽ | ऽ | मा | ऽ | धु | री | ऽ |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |
| (प)म | – | प | सां | नि॒ | ध | प | – | (म)री | (प)म | (ध)प | (सां)नि |
| ल | ऽ | च्छ | न | अं | ऽ | ग | ऽ | स्व | भा | ऽ | व |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |

संचारी

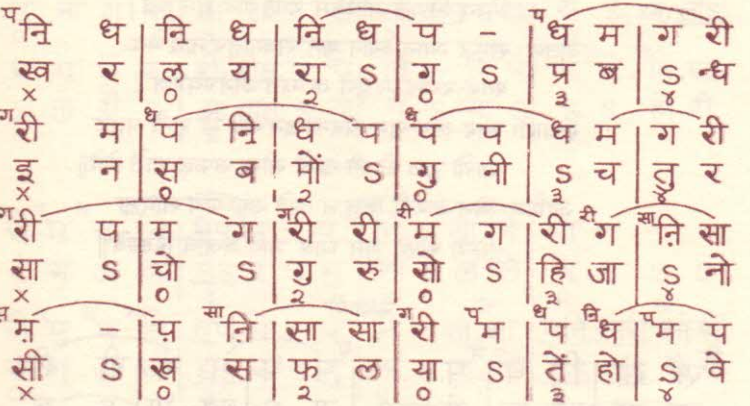

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (प)नि॒ | ध | नि॒ | ध | नि॒ | ध | प | – | (प)ध | म | ग | री |
| स्व | र | ल | य | रा | ऽ | ग | ऽ | प्र | ब | ऽ | न्ध |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |
| (ग)री | म | (ध)प | नि | ध | प | (ध)प | प | ध | म | ग | री |
| इ | न | स | ब | मों | ऽ | गु | नी | ऽ | च | तु | र |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |
| (ग)री | प | म | ग | (ग)री | री | (री)म | ग | री | (री)ग | (सा)नि॒ | सा |
| सा | ऽ | चो | ऽ | गु | रु | सो | ऽ | हि | जा | ऽ | नो |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |
| (प़)म़ | – | प़ | (सा)नि़ | सा | सा | (ग)री | (प)म | (ध)प | (नि)ध | (प)म | प |
| सी | ऽ | ख | स | फ | ल | या | ऽ | तें | हो | ऽ | वे |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |

आभोग

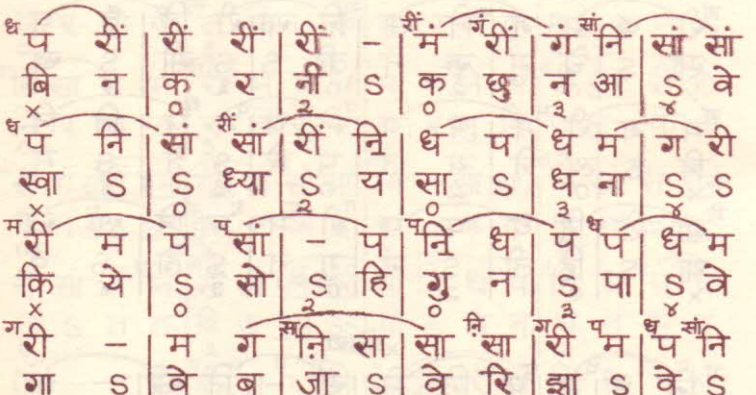

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (ध)प | रीं | रीं | रीं | रीं | – | (रीं)मं | (गं)रीं | गं | (सां)नि | सां | सां |
| बि | न | क | र | नी | ऽ | क | छु | न | आ | ऽ | वे |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |
| (ध)प | नि | सां | (रीं)सां | रीं | नि॒ | ध | प | ध | म | ग | री |
| स्वा | ऽ | ऽ | ध्या | ऽ | य | सा | ऽ | ध | ना | ऽ | ऽ |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |
| (म)री | म | प | (प)सां | – | प | (प)नि॒ | ध | प | (ध)प | ध | म |
| कि | ये | ऽ | सो | ऽ | हि | गु | न | ऽ | पा | ऽ | वे |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |
| (ग)री | – | म | ग | (सा)नि़ | सा | सा | (नि़)सा | (ग)री | (प)म | (ध)प | (सां)नि |
| गा | ऽ | वे | ब | जा | ऽ | वे | रि | झा | ऽ | वे | ऽ |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |

## राग केदारगौळ-वर्णम्-आदिताल

(संस्कृत में)

पल्लवी : वन्दे देवीम् श्री वाग्देवीम् श्री

विद्यादायिनीम् नादासक्ताम्।

अनुपल्लवी : नित्यं गीतानुरक्ताम् शारदाम्

ब्राह्मीं रागालप्त्यासुप्राप्याम् ताम्॥

चरणम् : वीणा वाद्यालंकृतां ताम्॥

### पल्लवी

| × | 2 | 3 |
|---|---|---|
| सां--नि़, धपमप, निध,पध, प-मग | री--ग, रीसा,सा- | -निधप, निसारी- ‖ |
| वंSS दे, SS,देS, SS,वींS, श्रीSSS | वाSSS, SS,ग्देS | Sवींss, श्रीSSS ‖ |
| मगरी,प, मग,रीम, पनिधप, निसांरीं-, | गंरींसांसां, -,निधप | प-मग, रीमपनि ‖ |
| विSS,द्या, SS,दाS, SSSयि, नींSSS, | नाSSदा, S,SSS | सSSS, क्तांSSS ‖ |

### अनुपल्लवी

| × | 2 | 3 |
|---|---|---|
| सांनिधप, म-,पनि, धप-,नि, ध,पमग | री--म, प-निनि | धपनिनि, सां--- ‖ |
| निSSS, त्यंS,गीS, SताS,S, S,नुSS | रSSक्तां, SSशाS | SSरS, दांSSS ‖ |
| सांनिसांरीं, -,मंगंरीं, रींगंरींसां, सांनिसांरीं | निसांनि,गं, रींसांनिसां | नि,सांनिध, प,मपनि ‖ |
| ब्राSSह्मीं, S,राSS, गाSSS, लSSS | प्त्याSS,सु, SS,प्राS | S,प्यांSS, S,तांSS ‖ |

### मुक्तायंपू

| × | 2 | 3 |
|---|---|---|
| सांनिधप, निधपप, प-,मग, रे-,पम | प--,नि, धप,मप | निसांरें,सां, रें-रें- ‖ |
| मंगंरेंगं, सांरें,निसां, निगंरेंसां, निध,परें | रें--,सां, निधप- | -,मगरे, -,मपनि ‖ |

### चरणम्

| × | 2 | 3 |
|---|---|---|
| नि---, सां---, निधपप, मगरीम | प---, --,निध | धपमग, री-मप ‖ |
| वीSSS, णाSSS, वाSSS, द्याSSS | लंSSS, SS,कृS | तांSSS, तांSSS ‖ |

### चिट्टस्वरम्

| × | 2 | 3 |
|---|---|---|
| १. नि---, --,सां-, --,नि-, ध-प- | --म-, ग-रे- | --म-, --प- ‖ |
| २. निधपम, प,सांनिध, प-,मग, रेगरे-, | सागरेसा, -निधप | निसारेसा, रे-रे- ‖ |
| मगरेरे, -,पमग, रेमपनि, धप,निसां | रेंसां-नि, धपप-, | मगरे,सा, -रेमप ‖ |

| | | |
|---|---|---|
| रें--- --,निरें सांनिधप मपनिनि | सां--- --,रेंसां | -निधप मपनिसां ॥ |
| × | २ | ३ |
| निसांनिध प,म-प मगरे-,रेपमप | मनिधप धपपम | गरे,मम प-प- ॥ |
| × | २ | ३ |
| मगरेरे -रे,निध पम-प, सांनिधप, | रेंसांनिध पनिसांरें, | निगंरेंसां रें-रें- ॥ |
| × | २ | ३ |
| रेंमंगंरें -गं,सांगं रेंसां-,रें सांनिधप, | निसांरेंसां -,मपध | प--,म ग,रेमप ॥ |
| × | २ | ३ |

टीपः इस उपरोक्त वर्णम् में तेलगू साहित्य के स्थान पर लेखक ने केवल संस्कृत साहित्य की योजना की है। इस राग का स्वरूप हिन्दुस्तानी संगीत में प्रचलित 'देस' राग से बहुत कुछ मिलता हुवा जान पड़ता है; किन्तु वास्तव में यह दोनों राग स्वतंत्र है।

---

## राग तिलककामोद- सरगम- त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| प़ नि़ सा रे | ग सा, रे म | प ध म प | सां - - प |
| २ | ० | ३ | × |
| ध म ग रे, | प म ग रे | ग (सा) - सा, | सां - सां,प |
| २ | ० | ३ | × |
| - प, म - | म, ग - सा, | म़ प़ नि़ सा | रे म ग सा; |
| २ | ० | ३ | × |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| म म प सां | - प म ग, | सा रे म प | नि - - नि |
| २ | ० | ३ | × |
| सां -, रें मं | गं - सां -, | प नि सां रें | गं, सां - प, |
| २ | ० | ३ | × |
| सां - प, ध | - म, ग - | सा - -, म़ | प़ नि़ सा रे; |
| २ | ० | ३ | × |

---

# राग तिलककामोद- लक्षणगीत- त्रिताल(मध्यलय)

स्थायी : मेल खमाज सुंदर सुर लिये
तासों रच्यो तिलककामोद
रसिक गुनि प्रिय राग-राज राजत।

अंतरा : वक्र स्वरूप रैन प्रथम पहर
रिप संवाद 'सांप, धम' संगत
धग बिन रोहण सुगम गीत युत॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| (ग)री प म (ग)म | गरी ग सा,(नि)सा | (सा)नि़ प़ (सा)नि़ सा | (ग)रीग सा (सा)नि़ सा |
| मे ऽ ल ख | माऽ ऽ ज,सु | न्द र सु र | लिऽ ये ऽ ऽ |
| ३ | × | २ | ० |
| (ग)री (प)म (ध)प (प)ध | मग रीग सा,(नि)सा | (सा)नि़ प़ नि़ सा | (ग)रीग सा –,(सा)प़ |
| मे ऽ ल ख | माऽ ऽऽ ज,सु | न्द र सु र | लिऽ ये ऽ,ता |
| ३ | × | २ | ० |
| (सा)नि़ सा री (प)म | (री)ग – सा,(नि)सा | (ग)री (प)म (ध)प ध | म ग री,(री)प |
| ऽ सों ऽ र | च्यो ऽ ऽ,ति | ल क का ऽ | मो ऽ द,र |
| ३ | × | २ | ० |
| म ग (री)सा सा | (ग)री म पनि सांरीं | गं (नि)सां – प | (ध)प ध म ग; |
| सि क गु नि | प्रि य राऽ ऽऽ | गु रा ऽ ज | रा ऽ ज त; |
| ३ | × | २ | ० |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| (प)म – म प | (सां)नि – नि,(नि)सां | – सां,(नि)सां नि | सां (नि)सां सां सां |
| व ऽ क्र स्व | रू ऽ प,रै | ऽ न,प्र थ | म प ह र |
| ३ | × | २ | ० |
| (नि)प नि सांरीं | गंरीं गं सां,(नि)सां | – प ध म | गरी ग (री)सा सा |
| रि प सं ऽ | वाऽ ऽ द,सा | ऽ प ध म | संऽ ऽ ग त |
| ३ | × | २ | ० |
| (सा)प़ (सा)नि़ सा (ग)री | मग री ग सा | (प)सां सां प (ध)प | ध म ग (री)सा; |
| ध ग बि न | रोऽ ऽ ह ण | सु ग म गी | ऽ त यु त; |
| ३ | × | २ | ० |

# राग तिलककामोद-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी: शरद रात उजियारी न्यारी
चन्द्र-ज्योत प्रकाशत नभ में
निरखि निरखि मन मोहत हरखत।

अंतरा: मंद मंद शीतल बहे समीर
कुसुम सुगंधित अत सुखदायक
भँवर गुंजार करत रस बरसत॥

## स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| [सा]ऩि ऩि प़ [सा]ऩि | सा सा [ग]री म | ग – (सा) – | – [ग]री ग साऩि |
| श र द रा | ऽ त उ जि | या ऽ री ऽ | ऽन्या ऽ रीऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| [सा]ऩि ऩि प़ [सा]ऩि | सा सा [ग][प]री म | ग – (सा) – | [ग]री ग (सा) – |
| श र द रा | ऽ त उ जि | या ऽ री ऽ | न्या ऽ री ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| [म]री – री [प]म | प प [म]प प | मप ध [प]म म | गरी ग (सा) – |
| च ऽ न्द्र ज्यो | ऽ त प र | काऽ ऽ श त | नऽ भ में ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| [सां]नि नि नि [नि]सां | सां सां प प | धप ध [प]म म | [म]ग [री]ग [री]सा ऩि; |
| नि र खि नि | र खि म न | मोऽ ऽ ह त | ह र ख त; |
| ० | ३ | × | २ |

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| [प]म – म प | – प [सां]नि – | सां सां [नि]सां सां | [सां]नि सां – सां |
| मं ऽ द मं | ऽ द शी ऽ | त ल ब हे | स मी ऽ र |
| ० | ३ | × | २ |
| [ध]प नि सां रीं | [गं]रीं गं [रीं]सां सां | [नि]सां सां प ध | (म) – ग री |
| कु सु म सु | गं ऽ धि त | अ त सु ख | दा ऽ य क |
| ० | ३ | × | २ |
| [सा]ऩि सा [ग]री म | ग – [री]सा [ग]री | [प]म [ध]प सां प | [प]ध म ग [री]सा; |
| भँ व र गुं | जा ऽ र क | र त र स | ब र स त; |
| ० | ३ | × | २ |

# राग तिलककामोद – त्रिताल (मध्यलय)

स्थायीः धन धन भाग जसोदा रानी
तुम्हरे आँगन बाल मूरत
जगजीवन खेलत केष्ण कुँवारो।

अंतराः सुर नर मुनि(ग्यानी) जोगी जाके नाम जपत नित
रूप धरत चित, गोद तुम्हरे सोही राजे दुलारो॥

## स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| [ग]री प म म | गरी ग [नि]सा सा | नि [ध]प [सा]नि सा | [ग]री ग (सा) - |
| ध न ध न | भाऽ ऽ ग ज | सो ऽ दा ऽ | रा ऽ नी ऽ |
| ३ | × | २ | ० |
| [री]ग [सा]री म - | प - प प | [प]म - प [प]ध | [प]म म, ग री |
| तु म्हे रे ऽ | आँ ऽ ग न | बा ऽ ल मू | र त, ज ग |
| ३ | × | २ | ० |
| [प]म प [सां]नि सां | [गं]रीं गं [रीं]सां सां | [प]मप सां प [प]ध | (म) ग (सा) -; |
| जी ऽ व न | खे ऽ ल त | केऽ ऽष्ण कुँ | वा ऽ रो ऽ; |
| ३ | × | २ | ० |

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| [प]म म प प | [सां]नि नि सां - | सां सां - सां | [सां]प नि सां रीं |
| सु र न र | मु नि ग्याऽ | नि जो ऽ गि | जा ऽ के ऽ |
| ३ | × | २ | ० |
| मं गं [रीं]सां [नि]सां | [गं]रीं गं [रीं]सां सां | [ध]प ध [प]म [ग]म | गरी ग सा सा |
| ना ऽ म ज | प त नि त | रू ऽ प ध | रऽ त चि त |
| ३ | × | २ | ० |
| [नि]प़ नि़ सा [ग]री | म ग [री]सा सा | [प]सां - प [प]ध | (म) ग (सा) -; |
| गो ऽ द तु | म्ह रे सो हि | रा ऽ जे दु | ला ऽ रो ऽ; |
| ३ | × | २ | ० |

# राग तिलककामोद- विक्रमताल(मध्यलय)

स्थायीः जय जय सरस्वती शारदा विद्यादानी
बिनति मानो यही अब देवि
संगीत को आज काज सँवारो।

अंतराः ग्यान गुन दोऊ पायो तुँव कृपातें ही
ऐसो चतुर मुनि महाग्यानी गुनी महा विद्यावंत
जिहिं निहारो मारग राग विद्या को न्यारो॥

## स्थायी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (नि)प़ | (सा)नि़ | सा | री | (री)म | ग | - | (री)सा | (ग)री | (प)म | (ध)प | सां |
| ज | य | ज | य | स | र | ऽ | स्व | ती | ऽ | ऽ | ऽ |
| × | | 2 | | | 0 | | | 3 | | | |
| (सां)प | ध | म | ग | री | (री)प | म | ग | (नि)सा | (ग)री | ग | (री)सा |
| शा | ऽ | र | दा | ऽ | वि | द्या | ऽ | दा | ऽ | ऽ | नि |
| × | | 2 | | | 0 | | | 3 | | | |
| (म)री | री | म | प | - | (ध)प | ध | म | (म)री | (प)म | (ध)प | (सां)नि |
| बि | न | ति | मा | ऽ | नो | ऽ | य | ही | ऽ | अ | ब |
| × | | 2 | | | 0 | | | 3 | | | |
| (नि)सां | - | प | (ध)प | ध | (प)म | ग | (री)सा | (री)म | ग | (री)सा | नि़ |
| दे | ऽ | वि | सं | ऽ | गी | ऽ | त | को | ऽ | ऽ | ऽ |
| × | | 2 | | | 0 | | | 3 | | | |
| (नि़)प़ | नि़ | सा | (ग)री | प | म | ग | (नि़)सा | (ग)री | ग | (री)सा | नि़ |
| आ | ऽ | ज | का | ऽ | ज | ऽ | सँ | वा | ऽ | रो | ऽ |
| × | | 2 | | | 0 | | | 3 | | | |

## अंतरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (प)म | - | प | (सां)नि | नि | (नि)सां | - | सां | (नि)प | (सां)नि | सां | रीं |
| ग्या | ऽ | न | गु | न | दो | ऽ | ऊ | पा | ऽ | यो | ऽ |
| × | | 2 | | | 0 | | | 3 | | | |
| मं | गं | (रीं)सां | (गं)रीं | गं | (नि)सां | - | प | (ध)प | ध | (प)म | ग |
| तुँ | व | क्रि | पा | ऽ | तें | ऽ | हि | पे | ऽ | सो | ऽ |
| × | | 2 | | | 0 | | | 3 | | | |
| (नि़)सा | (ग)री | ग | (री)सा | सा | (ग)री | (प)म | प | (सां)नि | सां | (गं)रीं | गं |
| च | तु | र | मु | नि | म | हा | ऽ | ग्या | ऽ | नी | ऽ |
| × | | 2 | | | 0 | | | 3 | | | |

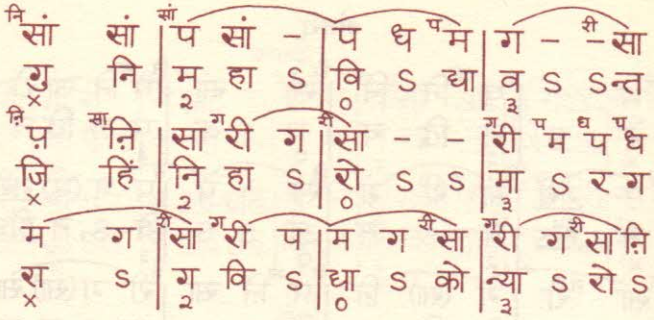

| | | | |
|---|---|---|---|
| [नि]सां सां | [सां]प सां - | प ध [प]म | ग - [री]-सा |
| गु नि | म हा S | वि S धा | व S Sन्त |
| × | २ | ० | ३ |
| [नि़]प़ [सा]नि़ | सा [ग]री ग | [री]सा - - | [ग]री [प]म [ध]प [प]ध |
| जि हिं | नि हा S | रो S S | मा S र ग |
| × | २ | ० | ३ |
| म ग | [री]सा [ग]री प | म ग [री]सा | [ग]री ग [री]सा नि़ |
| रा S | गु वि S | धा S को | न्या S रो S |
| × | २ | ० | ३ |

## राग तिलककामोद- विक्रमताल(मध्यलय)

स्थायीः कल ना परे परी कासे कहूँ मोरी बिपत आली
कहो कैसे होवेगो मिलना बालमसों लग्यो नेहा।

अंतराः रैन दिन एक पल छिन नहीं चैन आवे
नहीं माने जिया, सोवत जागत नैना नीर झरे
कौन जाय कहे यह संदेसो, अहो कैसे होवेगो
मिलना, बालमसों लग्यो नेहा॥

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| [नि़]प़ नि़ | सा [ग]री [री]म | ग रीसा [नि़]सा | [ग]री [प]म [ध]प सां |
| क ल | ना S प | रे SS प | री S S S |
| × | २ | ० | ३ |
| [नि]सां पध | (म) ग री | [री]प म गरी | [नि़]सा [ग]री ग (सा) |
| का SS | से S S | क हूँ SS | मो S S री |
| × | २ | ० | ३ |
| [ग]रीग सारी | म प - | [ध]प ध म | [ग]री [प]म [ध]प [सां]नि |
| बिS पS | त आ S | ली S क | हो S कै से |
| × | २ | ० | ३ |
| [नि]सां प | [ध]प ध म | ग री - | [री]म ग (सा) नि़ |
| हो S | वे S S | गो S S | मि ल ना S |
| × | २ | ० | ३ |
| [नि़]प़ [सा]नि़ | सा [ग]री प | [ग]म ग रीसा | [नि़]सा [ग]रीग (सा) नि़ |
| बा ल | म सों S | ल ग्यो SS | ने SS हा S |
| × | २ | ० | ३ |

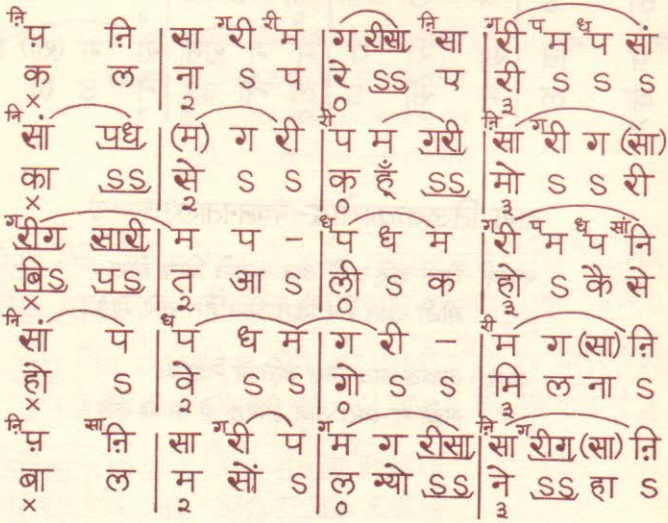

अंतरा

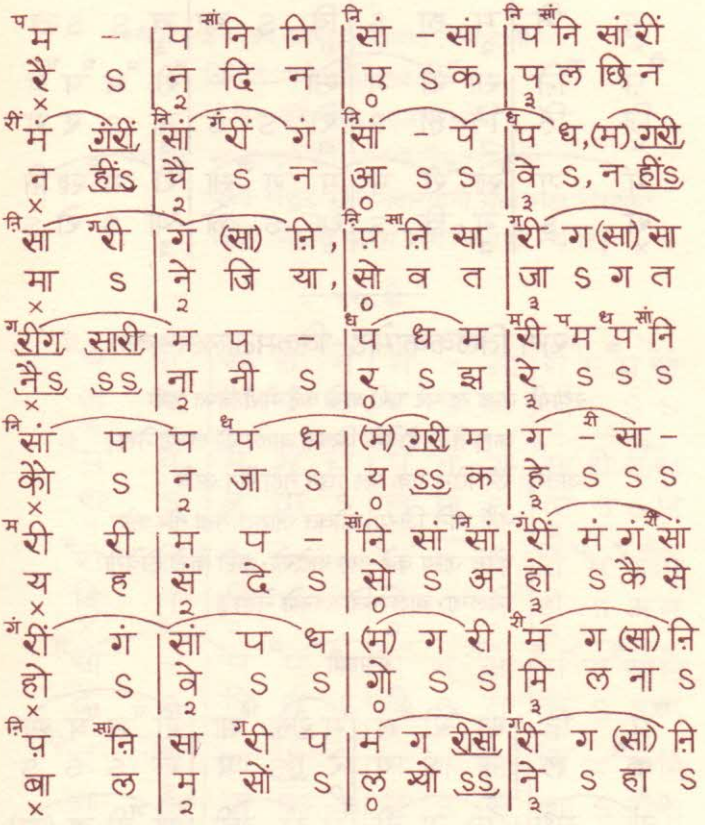

| | | | |
|---|---|---|---|
| ^पम – | प ^सांनि नि | ^निसां – सां | ^नि ^सांप नि सां रीं |
| रै ऽ | न दि न | ए ऽ क | प ल छि न |
| × | २ | ० | ३ |
| ^रींमं गंरीं | ^निसां ^गंरीं गं | ^निसां – प | ^धप ध,(म) गरी |
| न हींऽ | चै ऽ न | आ ऽ ऽ | वे ऽ, न हींऽ |
| × | २ | ० | ३ |
| ^नि़सा ^गरी | ग (सा) नि़, | ^नि़प़ ^सानि़ सा | ^गरी ग(सा) सा |
| मा ऽ | ने जि या, | सो व त | जा ऽ ग त |
| × | २ | ० | ३ |
| ^गरींग सारी | म प – | ^धप ध म | ^मरी ^पम ^धप ^सांनि |
| नैऽ ऽऽ | ना नी ऽ | र ऽ झ | रे ऽ ऽ ऽ |
| × | २ | ० | ३ |
| ^निसां प | प ^धप ध | (म) गरी म | ग ^री– सा – |
| कै ऽ | न जा ऽ | य ऽऽ क | हे ऽ ऽ ऽ |
| × | २ | ० | ३ |
| ^मरी री | म प – | ^सांनि सां ^निसां | ^गंरीं मं गं ^रींसां |
| य ह | सं दे ऽ | सो ऽ अ | हो ऽ कै से |
| × | २ | ० | ३ |
| ^गंरीं गं | सां प ध | (म) ग री | ^रीम ग (सा) नि़ |
| हो ऽ | वे ऽ ऽ | गो ऽ ऽ | मि ल ना ऽ |
| × | २ | ० | ३ |
| ^नि़प़ ^सानि़ | सा ^गरी प | म ग रीसा | ^गरी ग (सा) नि़ |
| बा ल | म सों ऽ | ल ग्यो ऽऽ | ने ऽ हा ऽ |
| × | २ | ० | ३ |

---

## राग तिलककामोद-पंचाननताल(मध्यलय)

स्थायी : कैसे करूँ कहो अब न माने जिया मोरा
बीती जात रैन दिन गिनगिन तारे मोहे।

अंतरा : आवत याद नित बतियाँ नेहा की
सह्यो न जात अब बिरहा ये कासों कहे॥

स्थायी

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प़ नि | सा री - | ग (सा) - | री म | प सां - पध | म ग - री | सा नि़ | |
| कै से | क रूँ ऽ | क् हो ऽ | अ ब | न मा ऽ नेऽ | जियाऽऽ | मो रा | |
| × | २ | ० | ३ | ४ | ५ | ० | |
| प रीं | सां - (प) | म गरी सानि | प़ नि | सासारी पधप | म ग गरी | सा नि़ | |
| बी ती | जा ऽ त | रै ऽऽ नऽ | दि न | गि न गिनऽऽ | ता ऽ रेऽ | मो हे | |
| × | २ | ० | ३ | ४ | ५ | ० | |

अंतरा

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गं रीं | गं(सां) - | प म ग | री म | प नि सां रीं | मं गं - | सां - | |
| आ व | त या ऽ | द नि त | ब ति | याँ ऽ ऽऽ | ने हा ऽ | की ऽ | |
| × | २ | ० | ३ | ४ | ५ | ० | |
| रीं सां | प म ग | गरी नि सा | री म | प सां प ध | म ग गरी | सा नि़ | |
| स ह्यो | ना जा ऽ | तऽ अ ब | बि र | हा ऽ ऽ ये | का ऽ सेांऽ | कु हे | |
| × | २ | ० | ३ | ४ | ५ | ० | |

## राग तिलककामोद-रूपक (विलंबित)

स्थायीः पपीहा पीहु पीहु जिन बोलो अब
मुझ बिरहन को अधिक ना सतावो
बालम मोरा परदेस बिलम रहो।
अंतराः उड़ जैहो उत जित हो पिया मोरा
टेर सुनैयो वाको अपनी, बिथा अब
सह्यो ना जाय मोसों, जाय कहो॥

स्थायी

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प़,नि़सा रीग | सासा ,रीमपनि | (सां) पध,(म) गरी | मग सा,रीग | | | | |
| प,पीऽ हाऽ | पीहु ,पीहुजिन | बो लोऽ,अ बऽ | मुझ बि,रऽ | | | | |
| २ | ३ | ⊗ | २ | | | | |
| (सा) प़प़ | नि़ सा ,प़नि़सा | री ,म | ग,रीग सा | री मप सां(सां) | | | |
| ह ऽन | को ऽ ,अधिक | ना ,स | ता,ऽऽ वो | बा लम मोऽ | | | |
| ३ | ⊗ | २ | ३ | ⊗ | | | |
| पे प,पध | (म) गरी | पम ग,रीग सासा; | | | | | |
| रा प,रऽ | दे सऽ | बिल म,ऽऽ रहो; | | | | | |
| २ | ३ | ⊗ | | | | | |

अंतरा

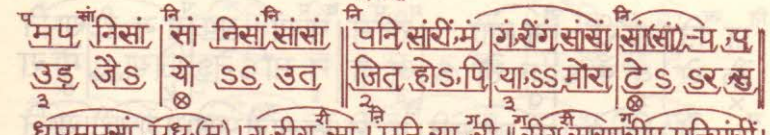

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मप | निसां | \| | सां | निसां | सांसां | \|\| | पनि | सांरीं,मं | \| | गंरींगं | सांसां | \| | सां(सां)-प | ,प \|\| |
| उड़ | जैऽ | \| | यो | ऽऽ | उत | \|\| | जित | होऽ,पि | \| | या,ऽऽ | मोरा | \| | टे ऽ | ऽर सु \|\| |
| ३ | | | ⊗ | | | | २ | | | ३ | | | ⊗ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धपमपसां | पध,(म) | \| | ग,रीग | सा | \| | पऩि | सा ,री | \|\| | रीग | सासा | \| | रीम | पनिसांरीं \| |
| नैऽऽऽऽ | ऽऽ,यो | \| | वा,ऽऽ | को | \| | अप | नी ,बि | \|\| | थाऽ | अब | \| | सहो | नाऽऽऽ \| |
| २ | | | ३ | | | ⊗ | | | २ | | | ३ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सां प | ,पध | \|\| | (म) | गरी | \| | रीम | पध | \| | म | गरी,ग साप; | \|\| | पऩिसा | रीग \| |
| जा ऽ | ,यऽ | \|\| | मो | सोंऽ | \| | जाऽ | ऽऽ | \| | य | ऽऽ,क होऽ; | \|\| | प,पीऽ | हाऽ \| ..... |
| ⊗ | | | २ | | | ३ | | | ⊗ | | | २ | |

इत्यादि स्थायी के अनुसार

---

## राग तिलककामोद-ध्रुवपद-चौताल (विलंबित)

स्थायी : प्रल्हाद हनुमंत ऊधो अक्रूर ब्रिज-ग्वारन
ब्रिखभान-नंदिनी परम पावन भक्त सकल ।

अंतरा : गौरांग महाप्रभु चंडीदास कबीर सूर
पुंडरीक पुरंदरदास तुलसी भये सफल ॥

संचारी : नानक गुरु नरसी मीरा ज्ञानदेव नामदेव
दासराम तुकाराम नाथपक दीनवत्सल ॥

आभोग : पायो इनहीं आत्मग्यान राम-कृष्ण-हरी नाम
उचरत जपत जगायो अंतर्ज्योति विमल ॥

स्थायी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ऩि | ऩि | प़ | ऩि | सा | सा | री | री | ग | सा | – | सा |
| प | र | ह | ला | ऽ | द | ह | न | ऽ | म | ऽ | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| री | री | म | म | ग | सा | सा | सा | री | ग | सा | सा |
| ऊ | धो | ऽ | अ | क्रु | र | ब्रि | ज | ग्वा | ऽ | र | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| म | ग | री | म | – | म | प | – | प | ध | म | प |
| ब्रि | ख | ऽ | भा | ऽ | न | न | ऽ | न्दि | नी | ऽ | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| सां | सां | सां | प | ध | म | म | – | गरी | ग | सा | सा |
| प | र | म | पा | व | न | भ | ऽ | क्ऽ | स | क | ल |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

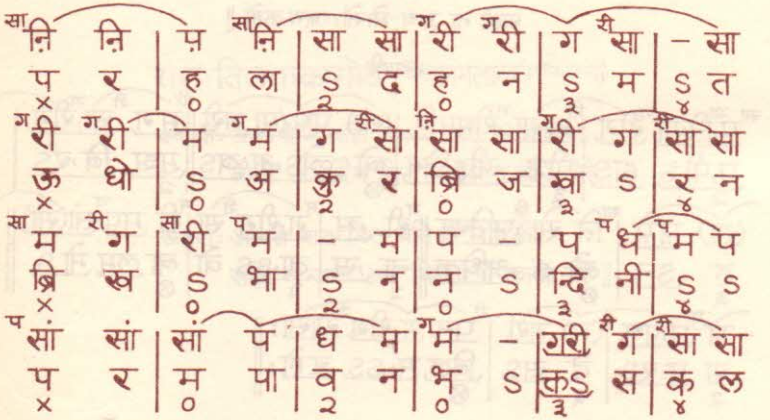

अंतरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (प)म | – | म | (ध)प | नि | नि | – | सां | सां | – | (नि)सां | सां |
| गौ | ऽ | र | अं | ऽ | ग | ऽ | म | हा | ऽ | प्र | भु |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (गं)रीं | – | मं | गं | – | (रीं)सां | (गं)रीं | (गं)रीं | गं | (रीं)सां | – | सां |
| चं | ऽ | डि | दा | ऽ | स | क | बी | र | सू | ऽ | र |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (नि)सां | – | रीं | (रीं)नि | सां | सां | (नि)सां | (सां)प | ध | (प)म | – | गरी |
| पुं | ऽ | ड | री | ऽ | क | पु | रं | ऽ | द | ऽ | रऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (ग)री | (प)म | (ध)प | (प)ध | म | म | (म)ग | (ग)री | ग | (री)सा | सा | सा |
| दा | ऽ | स | तु | ल | सी | भ | ये | ऽ | स | फ | ल |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

संचारी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (री)म | – | म | म | म | म | प | प | प | (प)ध | (प)म | प |
| ना | ऽ | न | क | गु | रु | न | र | सी | मी | ऽ | रा |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (प)म | – | प | (प)सां | – | प | (ध)प | ध | (प)म | ग | री | री |
| ज्ञा | ऽ | न | दे | ऽ | व | ना | ऽ | म | दे | ऽ | व |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (ग)री | प | म | ग | – | (री)सा | (ग)री | (ग)री | ग | (री)सा | – | सा |
| दा | ऽ | स | रा | ऽ | म | तु | का | ऽ | रा | ऽ | म |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (ग)री | – | री | (प)म | – | म | (म)प | – | प | (म)प | प | प |
| ना | ऽ | थ | प | ऽ | क | दी | ऽ | न | व | त्स | ल |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

आभोग

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (सां)नि | – | नि | (सां)नि | नि | नि | सां | – | सां | (नि)सां | – | सां |
| पा | ऽ | यो | इ | न | हिं | आ | ऽ | त्म | ग्या | ऽ | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (गं)रीं | पं | मं | गं | – | (रीं)सां | (गं)रीं | (गं)रीं | गं | (सां)नि | सां | सां |
| रा | ऽ | म | के | ऽ | ष्ण | ह | री | ऽ | ना | ऽ | म |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (ध)प | (सां)नि | सां | (गं)रीं | गं | (रीं)सां | (नि)सां | प | ध | म | ग | (ग)री |
| उ | च | ऽ | र | ऽ | त | ज | प | ऽ | त | ऽ | ज |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (ग)री | प | म | (री)ग | ग | (री)सा | (ग)री | म | गरी | (री)ग | (री)ऩि | सा |
| गा | ऽ | यो | अं | त | र | ज्यो | ऽ | तिऽ | वि | म | ल |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

# राग जयजयवंती- झपताल (मध्यलय)

स्थायी: आवो सहेलिया गावो मंगल गान
वैजयंती माल जननी जन्म भूकण्ठ में पहनाऊँ।

अंतरा-१: सोलह सिंगारतें कुलनायिका सजी
मानो खिली है प्रभात की कमलिनि
गावो सुनावो सखि सुखसों रिझावो
दास्य मुक्ति मनावो ॥

अंतरा-२: जय हिन्द जय हिन्द गरज उठ्यो नाद
व्योम जल थल मों भर्यो शब्द जासों
हरत पाप भय भीति, गावो मंगल गान
वैजयंती माल जननी जन्म भूकण्ठ में पहनाऊँ ॥

स्थायी

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ध म | री ग री | म म | प – – | ध नि | ध प ध | ग म | री ग री |
| आ ऽ | वो ऽ स | हे लि | या ऽ ऽ | गा ऽ | वो ऽ मं | ग ल | गा ऽ न |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |
| नि सा | री ग म | प नि | सां रीं नि | ध म | प ध म | री ग | री सा – |
| वै ऽ | ज यं ऽ | ती ऽ | मा ऽ ल | ज न | नी ऽ ऽ | ज ऽ | न्म भू ऽ |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |
| ध नि | री ग म | प नि | ध – प | | | | |
| कं ऽ | ठ में ऽ | प ह | ना ऽ ऊँ | | | | |
| × | 2 | 0 | 3 | | | | |

अंतरा-१

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म प | नि सां नि | सां – | नि सां – | नि सां | रीं गं रीं | सां रीं | नि ध प |
| सो ऽ | ल ह सिं | गा ऽ | र तें ऽ | कु ल | ना ऽ यि | का ऽ | स जी ऽ |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |
| प – | प रीं रीं | रीं गं | रीं –, सां | ध – | नि रीं सां | रीं नि | ध प – |
| मा ऽ | नो ऽ खि | ली ऽ | है ऽ, प्र | भा ऽ | त की ऽ | क म | लि नि ऽ |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |
| ग ग | म प, सां | नि ध | प ध प | ग म | ग ग म | प ध | (म) – – |
| गा ऽ | वो ऽ, सु | ना ऽ | वो स खि | सु ख | सों ऽ रि | झा ऽ | वो ऽ ऽ |
| × | 2 | 0 | 3 | × | 2 | 0 | 3 |
| ध नि | री ग म | प नि | ध – प | | | | |
| दा ऽ | स्य मु ऽ | क्ति म | ना ऽ वो | | | | |
| × | 2 | 0 | 3 | | | | |

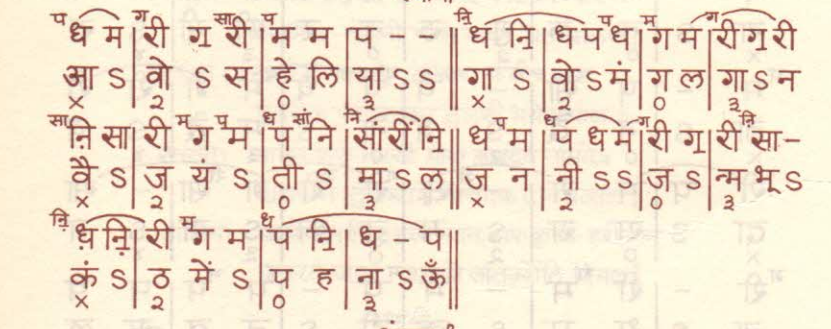

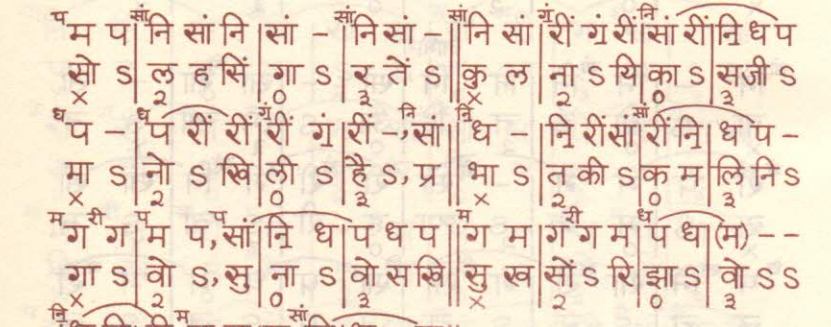

अंतरा-२

नि नि | नि – नि | सां सां | सां – सां || रीं रीं | रीं – गं | रीं सां | रीं नि सां
ज य | हिं ऽ द | ज़ु य | हिं ऽ द || ग र | ज ऽ उ | ब्यो ऽ | ना ऽ द
× | २ | ० | ३ || × | २ | ० | ३

गं – | गं रीं गं | मं पं | मंगं रींगं, रीं || सां – | सां रीं नि | ध प | म ग, री
ब्यो ऽ | म ज ल | थ ल | मेंऽ ऽऽ, भ || ब्यो ऽ | श ऽ द्ध | जा ऽ | सों ऽ, ह
× | २ | ० | ३ || × | २ | ० | ३

ग री | सा नि़ सा | ध़ नि़ | री – ग || म नि़ | ध प, ध | ग म | री ग री
र त | पा ऽ प | भ य | भी ऽ ति || गा ऽ | वो ऽ, मं | गु ल | गा ऽ न
× | २ | ० | ३ || × | २ | ० | ३

सा – | री ग म | प नि | सां रीं नि ||
वै ऽ | ज यं ऽ | ती ऽ | मा ऽ ल || ---- इत्यादि स्थायी के अनुसार
× | २ | ० | ३

टीपः लेखक ने इस गीत की रचना भारत के प्रथम स्वातंत्र्य दिवस (१५ अगस्त १९४७) के अवसर पर की थी।

---

## राग जयजयवंती-पालना-दादरा (मध्यलय)

स्थायीः अतही सुन्दर पालना घड़ि लावोरे बढ़ैया।

अंतरा-१ः शीत चन्दन कटाऊ धरि, खरादि रंग लगाऊँ विविध
चौकी बनाऊँ रंग रेशम, लगाऊँ हीरा मोती लाल मढ़ैया॥

अंतरा-२ः आनि धर्‍यो नंद-द्वार सुभग, ब्रज-वधु देखें बार बार
शोभा नहीं वार पार, धनी धनी धन्य है गढ़ैया॥

स्थायी

सा प म | प ग म || री ग री | सा, नि़ सा || निसा रीग री | नि़ ध़, नि़
अ त हि | सुं द र || पा ऽ ल | ना, घ ड़ि || लाऽ ऽऽ वो | रे ऽ, ब
× | ० || × | ० || × | ०

री – सा | रीगम, ग म || री ग री | सा निध़ नि़ || सा – नि़ | सा – –
ढ़ै ऽ ऽ | याऽऽ, घ ड़ि || ला ऽ वो | रे ऽऽ ब || ढ़ै ऽ ऽ | या ऽ ऽ
× | ० || × | ० || × | ०

अंतरा-१

म म मप | नि नि, नि || सां – नि | सां सां, प || नि – नि | नि सां, सां
शी त चंऽ | द न, क || टा ऽ ऊ | ध रि, ख || रा ऽ दि | रं ग, ल
× | ० || × | ० || × | ०

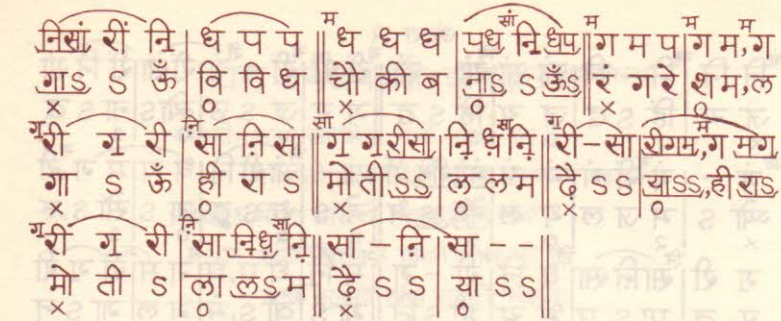

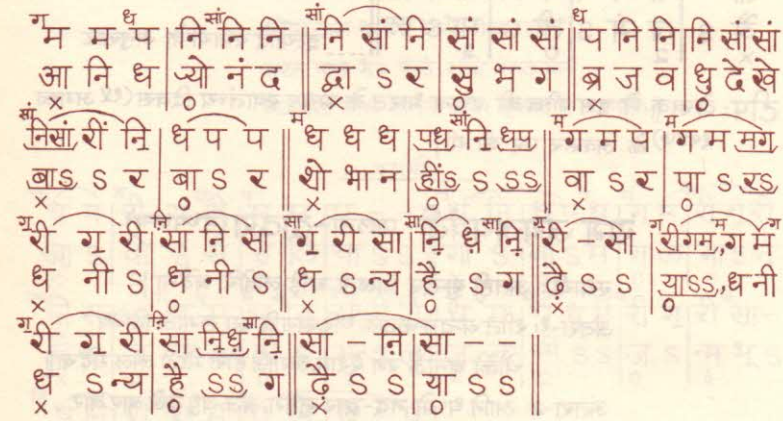

निसां रीं नि | ध प प || ध ध ध | पध नि धप || ग म प | ग म,ग
गाऽ ऽ ऊँ | वि वि ध || चो की ब | नाऽ ऽ ऊँऽ || रं ग रे | श म,ल
× | ० || × | ० || × | ०
री ग री | सा नि सा || ग गरीसा | नि ध नि || री – सा | रीगम,ग मग
गा ऽ ऊँ | ही रा ऽ || मो तीऽऽ | ल ल म || ढ़ै ऽ ऽ | याऽऽ,ही राऽ
× | ० || × | ० || × | ०
री ग री | सा निध नि || सा – नि | सा – – ||
मो ती ऽ | ला लऽ म || ढ़ै ऽ ऽ | या ऽ ऽ ||
× | ० || × | ० ||

अंतरा-२

म म प | नि नि नि || नि सां नि | सां सां सां || प नि नि | नि सां सां
आ नि ध | ज्यो नं द || द्वा ऽ र | सु भ ग || ब्र ज व | धु दे खे
× | ० || × | ० || × | ०
निसां रीं नि | ध प प || ध ध ध | पध नि धप || ग म प | ग म मग
बाऽ ऽ र | बा ऽ र || शो भा न | हींऽ ऽ ऽऽ || वा ऽ र | पा ऽ रऽ
× | ० || × | ० || × | ०
री ग री | सा नि सा || ग री सा | नि ध नि || री – सा | रीगम,ग म
ध नी ऽ | ध नी ऽ || ध ऽ न्य | है ऽ ग || ढ़ै ऽ ऽ | याऽऽ,ध नी
× | ० || × | ० || × | ०
री ग री | सा निध नि || सा – नि | सा – – ||
ध ऽ न्य | है ऽऽ ग || ढ़ै ऽ ऽ | या ऽ ऽ ||
× | ० || × | ० ||

---

## राग जयजयवंती-पालना- रूपक (मध्यलय)

स्थायीः झूलो पालने ब्रिजराज।

अंतरा-१ः सृष्टि के सिंगार झूलो, निगम आगम सार झूलो
माधुरी अवतार झूलो, मेरे प्राण अधार झूलो
परम शोभा आज॥ झूलो पालने-----

अंतरा-२ः झूलो सुखसों झूलो प्यारे, ब्रिज सहारे ब्रिज दुलारे
बढ़े छबि-सम्पति निहारे, नित्य 'राजेश्वर' पुकारे
दौलत-उम्र दराज़॥ झूलो पालने-----

टीपः इस उपरोक्त गीत की शब्द-रचना दरियाबाद के भूतपूर्व राजा स्व. राय राजेश्वर बली जी की है, जिसका स्वरकरण लेखक ने किया है।

## स्थायी

सां -रीं | निध पध | मग रीग री || सा (सा) | ध नि | री - मप
झू SS | लोS SS | पाS SS ल || ने S | ब्रि ज | रा S जS
२ | ३ | ⊗ || २ | ३ | ⊗

सां -रीं | निध पध | मग रीग री || सा (सा) | ध नि | री - री
झू SS | लोS SS | पाS SS ल || ने S | ब्रि ज | रा S ज
२ | ३ | ⊗ || २ | ३ | ⊗

ग -री | ग म | प ध म || ग म | री ग | री - मप;
झू SS | लो S | पा S ल || ने S | ब्रि ज | रा S जS;
२ | ३ | ⊗ || २ | ३ | ⊗

## अंतरा-१

म - प | सां - | - नि || सां - सां | नि सां | सां -
सृ S ष्टि | के S | S सिं || गा S र | झू S | लो S
⊗ | २ | ३ || ⊗ | २ | ३

नि ध नि | रीं - | गं गंरीं || नि सां रीं | नि सां | निध ध
नि ग म | आ S | ग मS || सा S र | झू S | लोS S
⊗ | २ | ३ || ⊗ | २ | ३

रीं - रीं | रीं गंरीं | मं पं || मं गं मं | रीं गं | रीं सां
मा S धु | री SS | अ व || ता S र | झू S | लो S
⊗ | २ | ३ || ⊗ | २ | ३

सां - नि | ध म | प ध || म ग म | री ग | री सा
मे S रे | प्रा S | ण अ || धा S र | झू S | लो S
⊗ | २ | ३ || ⊗ | २ | ३

ग री सा | नि सा | ध नि || री - मप | सां -रीं | निध पध
प र म | शो S | भा S || आ S जS | झू SS | लोS SS...
⊗ | २ | ३ || ⊗ | २ | ३

## अंतरा-२

म - प | सां सां | सां - || नि सां सां | नि सां | सां -
झू S लो | सु ख | सों S || झू S लो | प्या S | रे S
⊗ | २ | ३ || ⊗ | २ | ३

नि ध नि | रीं गं | रीं सां || नि सां रीं | नि ध | प -
ब्रि ज स | हा S | रे S || ब्रि ज दु | ला S | रे S
⊗ | २ | ३ || ⊗ | २ | ३

सां रीं नि | ध पम | प ध || म ग म | री ग | री -
ब ढ़ै S | छ बिS | सं S || प ति नि | हा S | रे S
⊗ | २ | ३ || ⊗ | २ | ३

| | | | |
|---|---|---|---|
| सा ध़ नि़ | री ग | मे प | |
| नि ऽ त्य | रा ऽ | जे ऽ | |
| ⊗ | 2 | 3 | |
| म ग मे | री ग | री सा | |
| श्व र पु | का ऽ | रे ऽ | |
| ⊗ | 2 | 3 | |
| ग री सा | नि़ सा | ध़ नि़ | |
| दौ ऽ ल | तु ऽ | म्र द | |
| ⊗ | 2 | 3 | |
| री – मप | सां –रीं | निध पध | |
| रा ऽ ज़ऽ | झू ऽऽ | लोऽ ऽऽ | |
| ⊗ | 2 | 3 | |
| मग रीग री | सा (सा) | | |
| पुाऽ ऽऽ ल | ने ऽ | --- इत्यादि स्थायी के अनुसार | |
| ⊗ | 2 | | |

---

## राग जयजयवंती-तराना-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी: दिर दिर तनोम् तदरे दीम् तद्रियानारे,
तदरे दानि, तन तदानि, द्रेन्ना द्रेन्ना द्रेन्ना द्रेन्ना,
धा किटतक, धुम किटतक, धिलांग।

अंतरा: ना दिर दिर दानि, तुं दिर दिर दानि, तन तुं दिर,
दिर दिर दिर दिर, तारे तन तदारे दानि, धा धा किट तक,
धा किटतक, धुम किटतक, धातीना कड़ान् ता धा॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| मम गम री सा | –, नि़ ध़ प़ | री – ग, सा | री ग म प |
| दिर दिर त नो | म्, त द रे | दी ऽ म्, त | द्रि या ना रे |
| 0 | 3 | × | 2 |
| म ग मे री | ग री, नि ध | नि ध प ध, | ग म प, सां |
| त द रे दा | ऽ नि, त न | त दा ऽनि, | द्रे ऽन्ना, द्रे |
| 0 | 3 | × | 2 |
| – सां, नि ध | प, म ग म, | ध़ नि़ री ग | म प निध, –प |
| ऽ न्ना, द्रे ऽ | न्ना, द्रे ऽ न्ना, | धा किट तक धुम | किटतक धिलांऽग |
| 0 | 3 | × | 2 |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| नि ध प म | गरी ग, म म | प सां – सां, | नि सां रीं गं |
| ना दिर दिर दा | ऽऽ नि, तुं दिर | दिर दा ऽनि, | त न तुं दिर |
| × | 2 | 0 | 3 |
| रीं सां नि ध | नि सां रीं, नि | ध प म ग | मे, री ग री, |
| दिर दिर दिर दिर | ता ऽ रे, त | न त दा ऽ | रे, दा ऽ नि, |
| × | 2 | 0 | 3 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| (सा)नि़ नि़ सा सा, | (ग)री ग ग, म | प नि,(नि)सां सां | रीं नि ध पम |
| धा धा किटतक, | धा किटतक धुम | किटतक, धा ती | ना क्डा न् ताऽ |
| × | २ | ० | ३ |

| | | |
|---|---|---|
| (ग)री – ग, (नि)सा | री ग म प | |
| धा ऽ ऽ, त | द्रि या ना रे | ---- इत्यादि स्थायी के अनुसार |
| × | २ | |

---

## राग जयजयवंती–त्रिताल (मध्यलय)
### (केवल तीव्र गंधारयुक्त प्रकार)

स्थायी : इन दृगन पै वारी जाऊँ

सोहनी सूरत निसदिन मन ध्याऊँ।

अंतरा : अधर धरी मुरली सोहत अत

रागनि की धुन सुनि सुख पाऊँ॥

स्थायी

(ग)म
इ

| | | | |
|---|---|---|---|
| मग (ग)री ग सा | (ग)री – –, (ग)री | ग (प)म (ध)प ध | (प)म ग री, (म)नि |
| नऽ द ग न | पै ऽ ऽ, वा | ऽ री ऽ ऽ | जा ऽ ऊँ, सो |
| ३ | × | २ | ० |
| ध प – (प)ध | (म)ग म (ग)री ग | सा सा, (नि)ध नि़ | (ग)रीग मपध (प)मग, (ग)म |
| ह नी ऽ सू | र त नि स | दि न, म न | ध्याऽ ऽऽऽ ऊँऽ, इ |
| ३ | × | २ | ० |
| मग (ग)री ग सा | | | |
| नऽ द ग न | इत्यादि | | |
| ३ | | | |

अंतरा

(प)म
अ

| | | | |
|---|---|---|---|
| प (सां)नि सां नि | सां – –, (नि)ध | नि रींगं (ग)मं रीं | सां नि ध प |
| ध र ऽ ध | री ऽ ऽ, मु | र लीऽ ऽ सो | ह त अ त |
| ३ | × | २ | ० |
| पनिसांरीं नि (नि)ध | (ध)प ध (प)म (म)ग | (ग)री ग (री)सा सा | नि़सारीग मपध (प)मग, (ग)म |
| राऽ ऽऽ ग नि | की ऽ धु न | सुनि सु ख | पाऽऽऽ ऽऽऽ ऊँऽ, इ |
| ३ | × | २ | ० |

| | |
|---|---|
| मग (ग)री ग सा | (ग)री |
| नऽ द ग न | पै ---- इत्यादि स्थायी के अनुसार |
| ३ | × |

# राग जयजयवंती-तिलवाडा (विलंबित)

(केवल तीव्र गंधारयुक्त प्रकार)

स्थायी: तज दे री अब माननी मान
आज मेरी साची कही मान तू
करो ना इतनो गुमान।

अंतरा: लर पछतैहो अपने पियासों
ले आवो मनाये वाको
यह इक बात नीकी जान॥

स्थायी

[ग]म,मग
त,जS

[ग]री [ग]रीग (सा) [नि],धनि | [ग]रीम गरी गम पध | म,गम [ग]रीग (सा) [नि]धनिरीगम,री |
दे SS री ,अब | माS SSनS नीS | मा,SS SS न आSSSS,ज |
३ | × | २ |

[नि]सा,निसा [सा]रीनि धप [प]मप || [ध]मप [सा]सा,नि सा निसा | [ग]री [ग]रीग (सा) [सा],निसा |
मे,SS रीS SS ,SS || साS,ची,क ही SS | मा नS तू ,करो |
० || ३ | × |

[ग]रीगमपसां – निध [प]प,ध | (म) गम रीग (सा) [ग],म,मग || [ग]री [ग]रीग (सा)
नाSSSS S इत नो,गु | मा SS SS न ; त,जS || दे SS री... इ.
२ | ० || ३

अंतरा

[ग]मम पप | [प]सां [सां]निध निसां सां | [नि]धनि [गं]रीं गंरीं सां | [सां]निसां निसांरींनि ध प |
लर पछ | तै SS SS हो | अप ने Sपि या | SS SSSS सों S |
| × | २ | ० |

[ग]रीगमपसां निध प [प],ध || (म),गम [ग]री [ग]रीग (सा)सा | [प]मम [प]पप सा [नि]निसां,सा |
लेSSSS आS वो ,म || ना,SS ये SS वाको | यह इक बा SS,त |
३ || × | २ |

[सा]निसारीगम पनिसांरीं– निधपमगमरीग (सा) [ग],म,मग || [ग]री [ग]रीग (सा) इत्यादि स्थायी के अनुसार
नीSकीSS SSSSS जाSSSSSSS न ; त,जS || दे SS री...
० || ३

# राग तिलंग - त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : मोहन मन मोह लियो आली या बाँसुरीया ने।

अंतरा : एकहु छिन अधरतें ना हटत

ऐसो बस कीनो ब्रिजकिशोर आली या बाँसुरीया ने॥

## स्थायी

$^{ग}$म
मो

| | | | |
|---|---|---|---|
| $^{म}$ग म प नि | सां (सां) नि॒ प | म – –;$^{ग}$म | $^{प}$म ग –;$^{म}$ग |
| ह न म न | मो ऽ ह लि | यो ऽ ऽ,आ | ऽ ली ऽ,या |
| ३ | × | २ | ० |
| $^{ग}$सा $^{म}$ग – म | $^{नि॒}$प – नि॒ प | $^{सां}$नि सां –$^{रें}$सां | $^{सां}$नि॒ $^{नि॒}$प $^{प}$म;$^{ग}$म |
| ऽ बाँ ऽ सु | री ऽ ऽ ऽ | या ऽ ऽ ने | ऽ ऽ ऽ;मो |
| ३ | × | २ | ० |
| $^{म}$ग म प नि | | | |
| ह न म न | इत्यादि | | |
| ३ | | | |

## अंतरा

$^{ग}$म
ए

| | | | |
|---|---|---|---|
| $^{म}$ग म प नि | सां सां सां $^{सां}$<u>निसां</u> | मं गं सां नि॒ | प म ग,$^{सां}$नि॒ |
| क हु छि न | अ ध र <u>तेंऽ</u> | ऽ ना ऽ ह | ट त ऽ,ऐ |
| ३ | × | २ | ० |
| सा $^{म}$ग म प | $^{प}$ग, $^{प}$म प $^{सां}$नि | सां नि॒ प $^{म}$ग | $^{प}$म ग –;$^{म}$ग |
| सो ब स की | नो, ब्रि ज कि | शो ऽ र आ | ऽ लीऽ,या |
| ३ | × | २ | ० |
| $^{ग}$सा $^{म}$ग – म | $^{नि॒}$प – नि॒ प | $^{सां}$नि सां – $^{रें}$सां | $^{सां}$नि॒ $^{नि॒}$प $^{प}$म;$^{ग}$म |
| ऽ बाँ ऽ सु | री ऽ ऽ ऽ | या ऽ ऽ ने | ऽ ऽ ऽ;मो |
| ३ | × | २ | ० |
| $^{म}$ग म प नि | | | |
| ह न म न | इत्यादि स्थायी के अनुसार | | |
| ३ | | | |

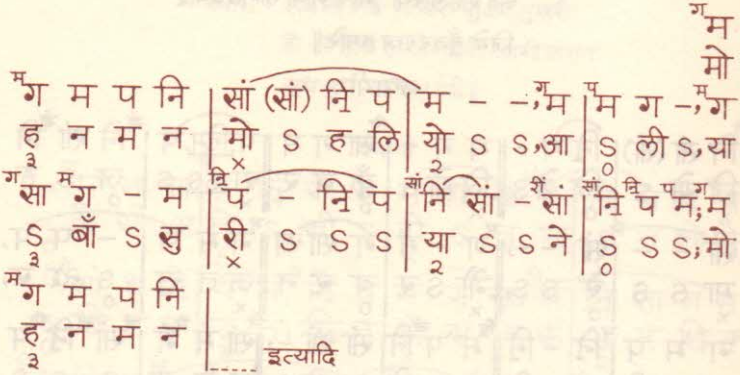

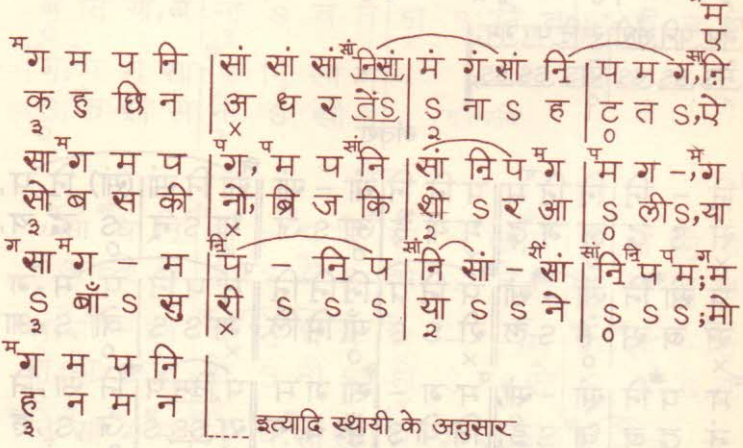

## राग तिलंग - दादरा (मध्यलय)

स्थायीः जियो जियो जियो कुँवर राज हमारे
गौर बरन अत सुन्दर तन निहारी
वारि गयो मनवा मेरो।

अंतराः संदलगद भयो है आज भानूदय
सब सहेलरियाँ मिली गावो आनंद बधाई
जियो कुँवरराज हमारे॥

### स्थायी

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| [सां]नि सां (सां) | नि प - | म ग - | [नि]सा ग म | प निम प | [सां]नि सां [सां]नि |
| जि यो ऽ | जि योऽ | जि यो ऽ | कुँ व र | रा ऽऽ ऽ | ज ऽ ह |
| × | ० | × | ० | × | ० |
| सां - - | [नि]सां - -, | [म]ग - म | ग सा सा | [म]ग म प | - प प, |
| मा ऽ ऽ | रे ऽ ऽ, | गौ ऽ र | ब र न | अ त सु | ऽ न्द र, |
| × | ० | × | ० | × | ० |
| [म]ग म प | [प]नि - नि | [नि]म प [सां]नि | सां सां -, | [नि]सां मं [मं]गं | [गं]सां [सां]नि [नि]प |
| त न नि | हा ऽ रि | वा ऽ रि | ग यो ऽ, | म न वा | ऽ ऽ ऽ |
| × | ० | × | ० | × | ० |
| [म]गम पनि सांरीं | सांनि पम गम, | | | | |
| मेऽ ऽऽ ऽऽ | रोऽ ऽऽ ऽऽ, | | | | |
| × | ० | | | | |

### अंतरा

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| [प]नि - नि | नि नि [प]म | प नि नि | सां - सां | [नि]सां नि सां | (सां) नि प, |
| सं ऽ द | ल ग ढ़ | भ यो है | आ ऽ ज | भा ऽ नू | ऽ द य, |
| × | ० | × | ० | × | ० |
| प सां [सां]नि | सां - [नि]सां | [नि]प नि प | नि नि नि | [प]म प नि | प म, [म]ग |
| स ब स | हे ऽ ल | री ऽ ऽ | याँ मि लि | गा ऽ ऽ | वो ऽ, आ |
| × | ० | × | ० | × | ० |
| [प]म प [सां]नि | सां - सां, | [प]म ग - | [नि]सा ग म | प निम प | [सां]नि सां, नि |
| नं द ब | धा ऽ ई, | जि यो ऽ | कुँ व र | रा ऽऽ ऽ | ज ऽ, ह |
| × | ० | × | ० | × | ० |
| सां - - | [नि]सां - - | [म]गम पनि सांमं | गंसां निप मप; | [सां]नि सां (सां) | नि प - |
| मा ऽ ऽ | रे ऽ ऽ | ऽऽ ऽऽ ऽऽ | ऽऽ ऽऽ ऽऽ; | ज़ि यो ऽ | ज़ि यो ऽ |
| × | ० | × | ० | × | ० |

----- इत्यादि स्थायी के अनुसार

## राग दुर्गा (खमाज थाट)–त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : कैसी अनोखी रीत पीत की ये
छिन रूठत छिन हँसत रूठत छिन
बतियाँ बनावत हो नित नई नई।

अंतरा : अब तो भई मैं चेरी 'सुजन' तुम्हरी
हो जो होनी हो सो, तोसों लागी लगन
सुध बुध सब हार दई॥

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| , (सा)म ग सा | (नि)ध़ नि़ सा ग | म ध सां (सां)ध | नि ध म (म)ग |
| , कै सी अ | नो ऽ खी ऽ | री ऽ त पी | ऽ त की ये |
| 0 | 3 | × | 2 |
| –, (ध)सां ध नि | ध म, (म)नि ध | म ग सा, (नि)ध़ | नि़ सा ग म |
| ऽ, छि न रू | ठ त, छि न | हँा स त, रू | ठ त छि न |
| 0 | 3 | × | 2 |
| (नि)ध नि सां, (नि)सा | (म)ग म ध म | (म)नि ध, (ध)सां सां | (सां)ध नि ध (ध)म |
| ब ति याँ, ब | ना ऽ व त | हा ऽ, नि त | न ई न ई |
| 0 | 3 | × | 2 |
| (म)ग; (ग)म ग सा | (नि)ध़ नि़ सा ग | | |
| ऽ; कै सी अ | नो ऽ खी ऽ | ----- इत्यादि | |
| 0 | 3 | | |

### अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| , (ध)सां (सां)ध नि | (ध)सां – (नि)ध नि | (ध)सां – (सां)सां, मं | गं सां नि ध |
| , अ ब्तो भ | ई ऽ मैं ऽ | चे ऽ रि, सु | ज न तु म्ह |
| 0 | 3 | × | 2 |
| म, (म)सां – सां | (नि)ध नि ध म | (म)ग – –, (ग)म | (म)ग (ग)सा –, (नि)ध़ |
| री, हो ऽ जो | हो ऽ नी ऽ | हो ऽ ऽ, सो | ऽ ऽ ऽ, तो |
| 0 | 3 | × | 2 |
| (सा)नि़ (ग)सा (म)ग (ध)म | (म)नि ध, (ध)सां सां | (सां)मं गं सां सां | (सां)ध (नि)– ग म |
| सों ला गी ल | ग न, सु ध | बु ध स ब | हा ऽ र् द |
| 0 | 3 | × | 2 |
| (म)ग; (ग)म ग सा | (नि)ध़ नि़ सा ग | | |
| ई; कै सी अ | नो ऽ खी ऽ | ----- इत्यादि स्थायी के अनुसार | |
| 0 | 3 | | |

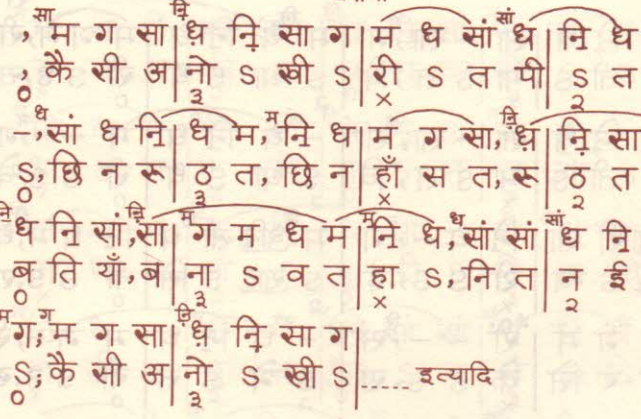

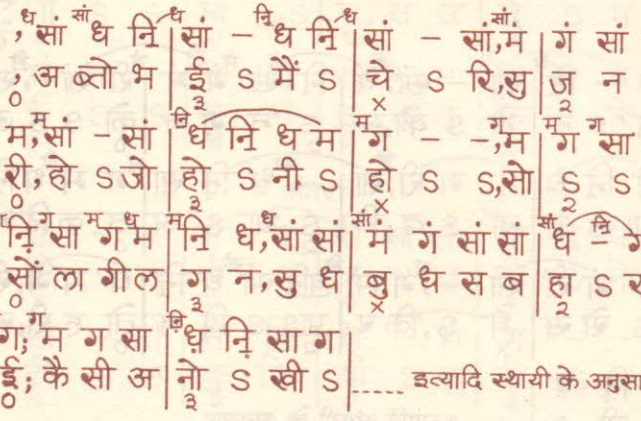

## राग रागेश्री – त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी: सरस्वती मात विधाधरी श्वेताम्बरी
हंसासिनी राग-रसिके रागेश्वरी।
अंतरा: देहु दान मोको ग्यान गुन को
अप्रम्पार नाद विधा अत कठिन
कैसे सधे किरपा बिन तोहरी॥

### स्थायी

री
स

| | | | |
|---|---|---|---|
| सा (री)सा नि ध | सा – सा, (म)ग | म (नि)ध नि ध | म ग म, री |
| र स ती ऽ | मा ऽ त, वि | ऽ धा ऽ ध | री ऽ ऽ, स |
| ३ | × | २ | ० |
| सा (री)सा नि ध | सा – सा, (सा)सां | – (सां)ध नि ध | म – –, (म)ग |
| र स ती ऽ | मा ऽ त, वि | ऽ धा ऽ ध | री ऽ ऽ, श्वे |
| ३ | × | २ | ० |
| म (नि)धनि रीं सां | नि ध –, (म)ग | म (नि)धनि सां (नि)ध | नि ध म, (नि)ध |
| ऽ ताऽ ऽ म्ब | री ऽ ऽ, हं | ऽ साऽ ऽ सि | नी ऽ ऽ, रा |
| ३ | × | २ | ० |
| नि सां (मं)गं मं | (गं)रीं – –, (नि)सां | – (सां)ध नि ध | म ग –; री |
| ऽ ग र सि | के ऽ ऽ, रा | ऽ गे ऽ स | री ऽ ऽ; स |
| ३ | × | २ | ० |

### अंतरा

(नि)सां
दे

| | | | |
|---|---|---|---|
| सां (सां)ध – (ध)नि | सां – सां, (सां)ध | नि सां (मं)गं मं | (गं)रीं सां –, (नि)सां |
| हु दा ऽ न | मो ऽ को, ग्या | ऽ न गु न | को ऽ ऽ, अ |
| ३ | × | २ | ० |
| सां (सां)ध नि ध | म ग री, (नि)सा | – (सा)ध नि सा | (म)ग म (नि)धनि |
| प्र म्पा ऽ र | ना ऽ द, वि | ऽ धा ऽ अ | त क ठि न |
| ३ | × | २ | ० |
| (नि)सां – गं रीं | सां –; (म)ग म | (नि)धनि सां (सां)ध नि | ध म ग; री |
| कै ऽ से स | धे ऽ, कि र | पाऽ ऽ बि न | तो ह री; स |
| ३ | × | २ | ० |
| सा (री)सा नि ध | ..... इत्यादि स्थायी के अनुसार | | |
| र स ती ऽ | | | |
| ३ | | | |

# राग रागेश्री – मणिताल (मध्यलय)

स्थायी : दृगन की चमकसों भान लज्यो मान तज्यो
अधर बाँसुरी निरखि लजी बृखभान नंदिनी
मान तज दे भई धुन सुनत बौरी।

अंतरा : कौन मंत्र पढ़ दीनो री लकुटि बाँसुरी
बस कीनो कृष्ण कन्हाई देहो बताय
बिनति करत 'सुजनवा' अनारी ॥

## स्थायी

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [ग]म | ग | री | सा | (सा) | [नि]ध़ | नि़ | सा | [म]ग | म | ध |
| दृ | ग | न | की | ऽ | च | म | क | सों | ऽ | ऽ |
| × | | | 2 | | 0 | | | 3 | | |
| [ध]नि | ध | म | [ग]री | सा | [नि]ध़ | नि़ | सा | [म]ग | म | – |
| भा | ऽ | न | ल | ज्यो | मा | ऽ | न | त | ज्यो | ऽ |
| × | | | 2 | | 0 | | | 3 | | |
| [नि]सा | ग | म | [नि]ध | नि | ध | सां | – | रीं | [सां]नि | सां |
| अ | ध | र | बाँ | ऽ | सु | री | ऽ | नि | र | खि |
| × | | | 2 | | 0 | | | 3 | | |
| [सां]नि | ध | – | [ध]ग | म | [नि]धनि | सां | सां | [सां]ध | नि | ध |
| ल | जी | ऽ | बृ | ख | भाऽ | ऽ | न | नं | ऽ | दि |
| × | | | 2 | | 0 | | | 3 | | |
| म | ग | री | [नि]सा | निसा | सा, | [सा]सां | सां | [सां]ध | नि | ध |
| नी | ऽ | ऽ | मा | ऽऽ | न, | त | ज | दे | ऽ | भ |
| × | | | 2 | | 0 | | | 3 | | |
| म | ग | –, | [नि]ध़ | नि़ | सा | [म]ग | म | [नि]ध | नि | ध; |
| ई | ऽ | ऽ, | धु | न | सु | न | त | बौ | ऽ | रि; |
| × | | | 2 | | 0 | | | 3 | | |

## अंतरा

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [नि]सां | – | सां | [मं]गं | मं | रीं | [नि]सां | सां | [नि]ध | नि | ध |
| कौ | ऽ | न | मं | ऽ | त्र | प | ढ़ | दी | ऽ | नो |
| × | | | 2 | | 0 | | | 3 | | |
| सां | –, | रीं | सां | नि | ध | – | म | ग | – | – |
| री | ऽ, | ल | कु | टि | बाँ | ऽ | सु | री | ऽ | ऽ |
| × | | | 2 | | 0 | | | 3 | | |

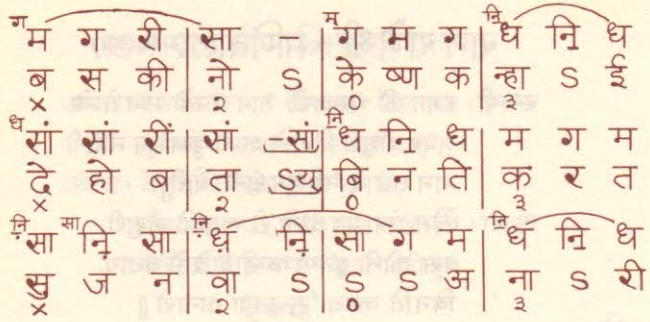

[ग]म ग री | सा – | [म]ग म ग | [नि]ध नि ध
ब स की | नो ऽ | के ष्ण क | न्हा ऽ ई
× | २ | ० | ३

[ध]सां सां रीं | सां –सां | [नि]ध नि ध | म ग म
दे हो ब | ता ऽय | बि न ति | क र त
× | २ | ० | ३

[नि]सा [सा]नि़ सा | [नि]ध़ नि़ | सा ग म | [नि]ध नि ध
सु ज न | वा ऽ | ऽ ऽ अ | ना ऽ री
× | २ | ० | ३

---

## राग रागेश्री–एकताल (विलंबित)

स्थायी : अचानक चौंक परी मैं कोयल की कूक सुनि
जिया में हूक उठी मोरी आली री।
अंतरा : बालम मोरा बिदेस बिलम रह्यो है
तब जानो कूक भली जब आवेंगे
साजन घर मोरी आली री ॥

स्थायी

सा [नि]सा(सा) | – [नि]ध़नि़ | सा – | ,नि़सा ,[म]गग | म – | [म]गमधनि सां
चा ऽऽ | ऽ नक | चौं ऽ | ,ऽऽ ,कप | री ऽ | ऽऽऽऽ ऽ
३ | ४ | × | ० | २ | ०

नि ध | म [ग]मग,रीगमग | रीसा [ध]नि़ध़,सा | [नि]ध़नि़साग मधनिसां | निसां [सां],निसां
मैं ऽ | ऽ कोऽ,ऽऽऽऽ | यल कीऽ,ऽ | कूऽऽऽ ऽऽऽऽ | ऽऽ ,कसु
३ | ४ | × | ० | २

नि ध || [नि]धध [नि]धनिसांनि | धम गे,म | [ग]री सा | [सा]ध़नि़ साग | म –
नी ऽ || जियामेंऽऽऽ | हूऽ क,उ | ठी ऽ | मोरी आली | री ऽ
० || ३ | ४ | × | ० | २

[री]ग [ग]म;री || सा [नि]सा(सा) | – [नि]ध़नि़ | ----- इत्यादि
ऽ ऽ;अ || चा ऽ ऽ | ऽ नक |
० || ३ | ४ |

अंतरा

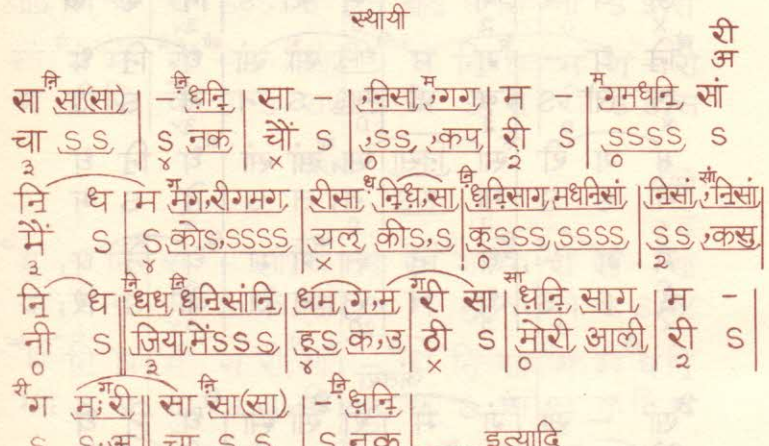

[ग]मगरीसा [म],गम | [नि]धनिसां– [सां],नि | सां निसां,सां | [सां]निसां रींसां | [सां]निसां निध
बाऽलम ,मोऽ | राऽऽऽ ,बि | दे ऽऽ,स | बिल मर | ह्योऽ हैऽ
३ | ४ | × | ० | २

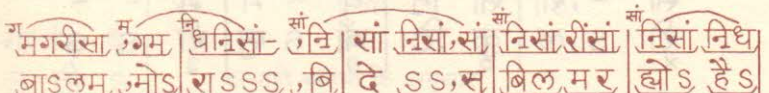

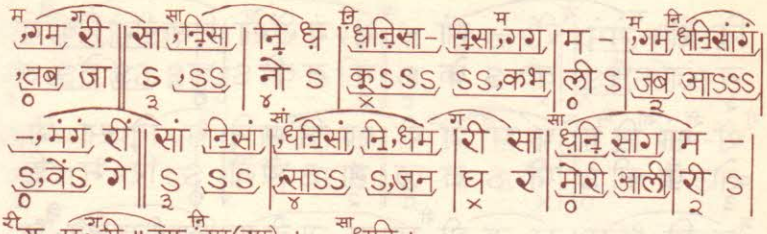

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ,गम री | सा ,निसा | नि ध | धनिसा- निसा,गग | म - | ,गम धनिसांगं |
| ,तब जा | ऽ ,ऽऽ | नो ऽ | कूऽऽऽ ऽऽ,कभ | ली ऽ | जब आऽऽऽ |
| ० | ३ | ४ | × | ० | २ |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| -,मंगं रीं | सां निसां | ,धनिसां नि,धम | री सा | धनि साग | म - |
| ऽ,वेंऽ गे | ऽ ऽऽ | ,साऽऽ ऽ,जन | घ र | मोरी आली | री ऽ |
| ० | ३ | ४ | × | ० | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग म;री | सा सा(सा) | - धनि | |
| ऽ ऽ;अ | चा ऽ ऽ | ऽ नक | ...... इत्यादि स्थायी के अनुसार |
| ० | ३ | ४ | |

---

## राग गारा – त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : बैरन भई रैन अँधेरी सखी  
जिया मोरा अत अकुलाय घबराय  
कैसे कैसे पिया सों मिलन अब होवे।

अंतरा : आवन कह गये अजहु न आये  
मैं न जानूँ वाके मन की बातें  
अब तो फँसी पीत लगाये बौरी भई  
कैसे कैसे पिया सों मिलन अब होवे ॥

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | ध |
| | | | बै |
| नि सा ग म | री ग री नि | सा नि सा सा | नि ध -,नि |
| र न भ ई | रै ऽ न अँ | धे ऽ री ऽ | स खी ऽ,जि |
| ३ | × | २ | ० |
| ध प म - | ध नि सा नि | सा - सा,ध | नि सा - ग |
| या मो रा ऽ | अ त अ कु | ला ऽ य,घ | ब रा ऽ य |
| ३ | × | २ | ० |
| म नि ध प | म ग री प | म ग री सा | निसा रीसा निध;ध |
| कै से कै से | पि या सों मि | ल न अ ब | होऽ ऽऽ वेऽ;बै |
| ३ | × | २ | ० |

### अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| नि ध प म | ग री सा - | ग म ध नि | सां - सां,ध |
| आ व न क | ह ग ये ऽ | अ ज हु न | आ ऽ ये,मैं |
| ३ | × | २ | ० |

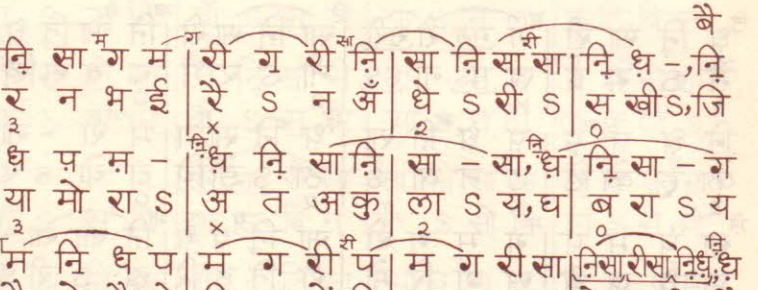

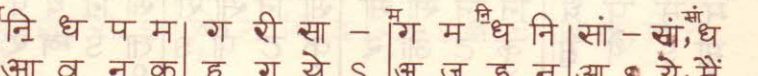

| | | | |
|---|---|---|---|
| नि सां – (मं)गमं | (गं)रीं – सां – | (गं)रीं गं रीं सां | निसां रींसां निध, (नि)गं |
| न जा ऽ नूँऽ | वा ऽ के ऽ | म न की ऽ | बाऽ ऽऽ तेंऽ, अ |
| ३ | × | २ | ० |
| (गं)रीं (रीं)सां (सां)नि(नि)ध | प म ग री | सा नि सा नि | ध नि सा ग |
| ब्तो फ़ँ सी ऽ | पी ऽ त ल | गा ऽ ये बौं | ऽ रि भ ई |
| ३ | × | २ | ० |
| (ग)म नि ध प | म ग री (री)प | म ग रीसा | निसा रीसा निध; (नि)ध |
| कै से कै से | पि या सों मि | ल न अ ब | होऽ ऽऽ वेऽ; बै |
| ३ | × | २ | ० |
| (सा)नि सा (म)ग म(ग) | | | |
| र न भ ई | ...... इत्यादि स्थायी के अनुसार | | |
| २ | | | |

## राग गारा – त्रिताल(मध्यलय)

स्थायीः मैं गई जमुना नीर भरन सखि
काहू को ढिटनवा ठाड़ो चितचोर
सुध बुध सगरि मोरी निहरि हारी।

अंतराः माथे मुकुट और कट पीताम्बर
गरे बैजयंती अधर बाँसुरी सोहे
लगन लगी मैं भई वाकी चेरी॥

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| (नि)ध नि सा री | (म)ग मग री गरी | (नि)सा नि सा री | (सा)नि (री)सा नि ध |
| मैं ऽ ग ई | ज मुऽ ना ऽऽ | नी ऽ र भ | र न स खि |
| ३ | × | २ | ० |
| नि ध प (ग)म | प ध (सा)नि सा | (नि)ध नि सा(म)ग | म(ग) री – सा |
| का हू को ढि | ट न वा ऽ | ठा ऽ ड़ो चि | त चो ऽ र |
| ३ | × | २ | ० |
| (नि)सा प म प | (म)ग म ग री | सा नि (ध)प ध | (सा)नि सा सा –; |
| सु ध बु ध | स ग रि मो | री नि ह रि | हा ऽ री ऽ; |
| ३ | × | २ | ० |

### अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| (सा)म (ग)म प ध | (सां)नि नि सां सां | (नि)सां नि (नि)सां रीं | सां नि ध प |
| मा ऽ थे मु | कु ट औ र | क ट पी ऽ | ता ऽ म्ब र |
| २ | × | २ | ० |

| | | | |
|---|---|---|---|
| नि॒ध नि॒ ध प | म ^ग री – सा | नि॒ध़ नि़ सा ^गरी | ^मग म ग ^गरी |
| ग़ रे बै ऽ | ज यं ऽ ति | अ ध र बाँ | सु री सो हे |
| ३ | × | २ | ० |
| ^निसा ^साप म प | ^मग म ^गरी रा | – ^सानि़ ^धप़ ध़ | ^सानि़ सा सा –; |
| ल ग न ल | गी मैं भ ई | ऽ वा ऽ की | चे ऽ री ऽ; |
| ३ | × | २ | ० |

## राग गारा – त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : बिन रागनि बाँसुरिया नहीं लकुटी
बाँसुरिया बिन कैसो बिहारी
बिहारी बिना बिंदराबन कैसो
कैसो री बिन बिंदराबन ब्रिज।

अंतरा : ब्रिज बिच इक बिंदराबन सोहे
तामें सोहे ब्रिज छैल बिहारी
जाके अधर धरी बाँसुरी सोहे
सोहे रागनी बाँसुरि मों॥

### स्थायी

^निसा नि़
बि न

| | | | |
|---|---|---|---|
| ^निसा (सा) नि़ ध | ^निध़ नि़ सा री | ग – ^पम प | म ^गग,म ^मग |
| रा ऽ ग नि | बाँ ऽ सु रि | या ऽ न ल | कु टि, बि न |
| ० | ३ | × | २ |
| ^गरी ग़ री सा | ^निध़ नि़ सा री | ग –, ^पम प | ^मग म ^गरी सा |
| रा ऽ ग नि | बाँ ऽ सु रि | या ऽ, न हीं | ल कु टी ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| ^सानि़ – सा नि़ | सारी, गम, ^गरी सा | ^निसा नि़ ^रीसा सा | नि़ ध़ प़, ^पम़ |
| बाँ ऽ सु रि | याऽ, ऽऽ, बि न | कै ऽ सो बि | हा ऽ री, बि |
| ० | ३ | × | २ |
| नि़ ध़ नि़ सा | री – ^सानि़ सा | गम, प ^मग म | ^मनि ध ^पप,म |
| हा ऽ री बि | ना ऽ बिं द | राऽ, ऽ ब न | कै ऽ सो, कै |
| ० | ३ | × | २ |
| ^मग म ^गरी सा | ^निध़ नि़ सा म | ग – ^पम प | ^मग म; ^गरी सा |
| ऽ सो री ऽ | बि न बिं द | रा ऽ ब न | ब्रि ज; बि न |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| म ग री सा | ग म ध नि | सां – सां सां | नि सां सां – |
| ब्रि ज बि च | इ क बिं द | रा S ब न | सो S हे S |
| ० | ३ | × | २ |
| नि – सां रींगं | मं रीं सां सां | सां नि सां सां | निसां रींसां नि ध |
| ता S में सोS | S हे ब्रि ज | छै S ल बि | हाS SS री S |
| ० | ३ | × | २ |
| सां नि ध प | म गम री सा | ध़ नि़ सा री | गम प मग म |
| जा S के अ | ध रS ध री | बाँ S सु री | सोS S हेS S |
| ० | ३ | × | २ |
| ध़ – नि़ सा | – नि़ सा – | रीग म ग म | री – ; सा नि़ |
| सो S हे रा | S ग नी S | बाँS S सु रि | मों S ; बि न |
| ० | ३ | × | २ |
| सा (सा) नि़ ध़ | ----- इत्यादि स्थायी के अनुसार | | |
| रा S ग नि | | | |
| ० | | | |

---

## राग गारा – त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : श्याम, कौन गली गयो री बता दे री

ब्रिज की ग्वारनिया बता दे री।

अंतरा : एक बन ढूँढूँ सकल बन ढूँढूँ

सूझत ना बूझत कछु मोहे अब काम-धाम

ब्रिज की ग्वारनिया बता दे री॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग – -ग मग | री ग री सा | नि़, री सानि़ ध़प़ | म़ ध़नि़ सा नि़ |
| कौ S Sन गS | ली S ग यो | री, ब ताS SS | S देS S री |
| × | २ | ० | ३ |
| सा -सा, ध़ नि़ | सा ग म प | मग रीसा नि़ री | सानि़ ध़,नि़ सा नि़ |
| श्या Sम् ब्रि ज | की ग्वा र नि | याS SS S ब | ताS S,दे S री |
| × | २ | ० | ३ |
| सा ; ग -ग मग | री ग री सा | ----- इत्यादि | |
| श्याम् ; कौ Sन गS | ली S ग यो | | |
| × | २ | | |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| सां सां निध नि | सां – सां, प | मग रीसा नि ध | नि सा सा, सा |
| ए क बऽ न | दूँ ऽ इँ, स | कुऽ लऽ ब न | दूँ ऽ इँ, सू |
| × | २ | ० | ३ |
| प म प ग | म रीग री सा | निसा रीग मग रीसा | निध धनि सा नि |
| झ त ना बू | झ तऽ क छु | मोऽ हेऽ ऽऽ अऽ | बऽ काऽ ऽ म |
| × | २ | ० | ३ |
| सा –सा, ध नि | सा ग म प | मग रीसा नि, री | सानि ध, नि सा नि |
| धा ऽम्, ब्रि ज | की ग्वा र नि | याऽ ऽऽ ऽ, ब | ताऽ ऽ, दे ऽ री |
| × | २ | ० | ३ |
| सा ; ग –ग मग | री ग री सा | | |
| श्याम् ; को ऽन् गऽ | ली ऽ ग यो | ----- इत्यादि स्थायी के अनुसार | |
| × | २ | | |

---

## राग गारा-तराना-आड़ाचौताल (मध्यलय)

स्थायी : दिर दिर तन तनन तदारे दानि तारेदानि तोम् तन
द्रियानारे दीम् तनोम् दीम् तनोम् तनन तन
तदियानारे तारे दानि तद्रेदानि ।

अंतरा : विलसितम् ललितम् ते चारुमुखि मनसिज
(संस्कृतमें) मनोव्याकुलयति जयतिकथैवका पुनस्तपस्विनाम्
मद्‌विध किं पुरुषाणाम् ॥

स्थायी

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ध नि | सा री, | ग म | ग, री | सा नि | सा री, | सा नि |
| दिर दिर | त न, | त न | न, त | दा रे | दा नि, | ता रे |
| × | २ | ० | ३ | ० | ४ | ० |
| सा री, | सा – | नि ध, | नि ध | प म | –, ध | – नि |
| दा नि, | तो म् | त न, | द्रि या | ना रे | ऽ, दी | म् त |
| × | २ | ० | ३ | ० | ४ | ० |
| सा – | –, ध | – नि | सां – | –, मं | गं रीं | सां नि, |
| नो म् | ऽ, दी | म् त | नो म् | ऽ, त | न न | त न, |
| × | २ | ० | ३ | ० | ४ | ० |
| सां रीं | सां नि | ध, सां | – नि | ध प, | म ग | री सा; |
| त दि | या ना | रे, ता | ऽ रे | दा नि, | त द्रे | दा नि; |
| × | २ | ० | ३ | ० | ४ | ० |

### अंतरा

(ग)म
वि

ग री | सा –, | (नि)ध नि | सां – | (सां)ध नि, | रीं सां | रीं (सां)नि
ल सि | त म, | ल लि | त म | ते S, | चा S | रू मु
४ | ० | × | २ | ० | ३ | ०

सां, नि | ध प | म ग | (ग)री –, | (नि)सा नि | सा री | (नि)सा नि
खि, म | न सि | ज म | नो S, | व्या S | कु ल | य ति
४ | ० | × | २ | ० | ३ | ०

(नि)ध नि | सा (म)ग | म – | प म | – – | –, (म)नि | ध –
ज य | ति क | थै S | व का | S S | S, पु | न स
४ | ० | × | २ | ० | ३ | ०

(सां)नि सां | – रीं | (मं)गं मं, | रीं सां | नि ध, | (ध)सां नि | ध प
त प | स वि | ना म, | म द | वि ध, | कि म | पु रु
४ | ० | × | २ | ० | ३ | ०

म ग | री सा; | (नि)ध नि | सा री |
षा S | णा म; | दिर दिर | त न | ..... इत्यादि स्थायी के अनुसार
४ | ० | × | २ |

---

## राग गारा – एकताल (विलंबित)

स्थायी : कह ना गये कछु बातें बालमवा मोरे
याद आवत नित घरि पल छिन दिन
कल ना परत मोहे |

अंतरा : अत बिरम रहे सखि परदेसवा, राह तकत हूँ
अब घर अंगना ना सोहे ||

### स्थायी

(नि)सासा, (नि)सागमप (म)ग(ग)म, रीग, री, | (नि)सा(सा) (सा),धनि | सा (म)ग | म (नि),सागम |
कह, नाSSS SS, SS, ग | ये S ,कछु | बा S | तें ,बालम |
३ | ४ | × | ० |

(नि)ध, पधनि (ध)ध(प)पम | (म)ग, (ग)रीग रीसा || (नि)सा प | धपमगरीगरीसा (सा)निसारीसा, निध |
वा, SSS SSS | S, SS मोरे || या S | दSआSSSवS तSSS, नित |
२ | ० || ३ | ४ |

(नि)धनि साग | (प)मप (म)गम | (म)गम(नि)धनिसां, नि धपमग | (ग)रीगरीसा (सा)निसारीसानिध; ||
घरि पल | छिन दिन | कSलSS, ना Sपरत | SSमोS SSSS हेS; ||
× | ० | २ | ० ||

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| ,साग मधनिसां | सां - | सां सां | ,धनि सांरींगंरींसां, निसांरींसां |
| ,अत बिरमर | हे S | स खि | ,पर देSSSS,SSSस |
| ४ | × | ० | २ |
| निध पम, ‖ | सांनि ध,प | म,गम रीसा, | धनिसाग मप,मग,म |
| वाS SS, ‖ | राS ह,त | क,तS हूँS, | अब घर अंS,SS,ग |
| ० | ३ | ४ | × |
| निधपमगरीसा, निसारीसा, निध, | धनिसाग म,रीग | रीसा निसारीसा, निध, ‖ | |
| नाSSSSSS SSSS,SS, | नाSSS S,SS | सोS SSSS,हेS, ‖ | |
| ० | २ | ० | |
| धनि,सागमप गम,रीग,री | सा(सा) ,धनि | | |
| कह,नाSSS SS,SS,ग | ये S ,कछु | ....इत्यादि स्थायी के अनुसार | |
| ३ | ४ | | |

## राग खंबावती-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी: लाज शरम तोको नाहीं आवे
अत नीलज डार दीन्हीं मोरी जल की गगरिया
निपट निठुर ठठोरी करत नित नित।
अंतरा: अब ही जाय जसोदा रानी से कह दूँगी
तेरे ऐसे छैल लाल ग्वाल-बाल
ना देखो ऐसो नटखट नीलज दुर्जन तुम्हरे सम॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग म सा सा | री म प ध | सां - प ध | मप ग म सा |
| ला S ज् श | र म तो को | ना S S S | हींS आ S वे |
| ० | ३ | × | २ |
| ग म सा सा | री म प ध | सां - प,प | ध सां रीं गं |
| ला S ज् श | र म तो को | ना S हीं,अ | त नी ल ज |
| ० | ३ | × | २ |
| सां प ध म | प ग म सा | सा री म प | ध नि ध - |
| डा S र दी | S न्हीं मो री | ज ल की ग | ग रि या S |
| ० | ३ | × | २ |
| प ध सां रीं | गं सां रीं नि | ध प ध म | प ग म सा; |
| नि प ट नि | ठु र ठ ठो | री क र त | नि त नि त; |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| म म प नि | – नि सां सां | सां सां प ध | सां रीं गं सां |
| अ ब ही जा | ऽ य ज सो | दा रा नी से | क ह दूँ गी |
| × | 2 | 0 | 3 |
| रीं – नि, सां | – ध, नि – | प, ध – म, | प – ग, म |
| तो ऽ रे, ऐ | ऽ से, छे ऽ | ल, ला ऽ ल, | ख्वा ऽ ल, बा |
| × | 2 | 0 | 3 |
| – सा –, सा | री म प ध | सां रीं गं सां | रीं नि सां, ध |
| ऽ ल ऽ, ना | दे खो ऐ सो | न ट ख ट | नी ल ज, दु |
| × | 2 | 0 | 3 |
| नि प ध, म | प ग म सा; | ग म सा, सा | री म प ध |
| र ज न, तु | म्ह रे स म; | ला ऽ ज, श | र म तो को |
| × | 2 | 0 | 3 |

----- इत्यादि स्थायी के अनुसार

## राग खंबावती-लक्षणगीत-तिलवाडा (विलंबित)

स्थायी : नाद नगर बसायो आज
राग जुगल सुन्दर मेल रचायो ।
अंतरा : देस के संग झिंझूटी मिलायो
बीच बीच चमके सुर मांड
अत अनुपम रूप खंबावती नाम कहायो ॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| गम सा,सा सारी म,प | ध पध सां नि | धप ध म पग | ग म – सा |
| नाऽ द,न गर ऽ,ब | सा ऽऽ ऽ ऽ | ऽऽ यो ऽ ऽऽ | आ ऽ ऽ ज |
| 3 | × | 2 | 0 |
| पध सां,रीं गं सां | सां (सां) नि ध | धनि प,पध धम पग | ग म – सा; |
| राऽ ग,जु ग ल | सु ऽ न्द र | मेऽ ल,रऽ चाऽ ऽऽ | ऽ ऽ ऽ यो; |
| 3 | × | 2 | 0 |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| मप निसां सां सां | सां सां सांरींरीं,सांरींगं ,सां | सां(सां) निध, धध धनि,प | |
| देस केऽ सं ग | झिं झू टीऽऽ,ऽऽऽ ,मि | लाऽ योऽ,बीच बीऽ,च | |
| 3 | × | 2 | |
| पप धसां नि धप | धम पग म सा | रीम पधसांरीं गं सां,रीं | |
| चम केऽ ऽ सुर | मांऽ ऽऽ ऽ ड | अत अनुपम रू प,खं | |
| 0 | 3 | × | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ^(सां)नि | धप | ^(प)ध | ^(प)म,प | ^(म)ग | म | – | सा; | ^(नि़)सागपम,पग | ^(ग)म–सा,^(नि़)सा | ^(म)सारी | म,प |
| बा | वति | ना | म,क | हा | S | S | यो; | नाSSS,SS | SSद,न | गर | S,ब |
| 2 | | | | 0 | | | | 3 | | | |

----- इत्यादि स्थायी के अनुसार

---

## राग झिंझोटी – दादरा (मध्यलय)

स्थायी: बन्सीबट जमुना तट निरतत बनवारी
अति सुगंध मंद मंद पवन चलत प्यारी।

अंतरा-१: चन्द्र बदन श्याम रसिक मुकुट चंद्र सीस लसत
चन्द्रमुखी पिया शरद चन्द्र की उजियारी
निरतत बनवारी॥

अंतरा-२: बाजे बाजत विशाल अति मति सुर अधिक ताल
राग रंग विविध भाँति नूपुर ध्वनि न्यारी
निरतत बनवारी॥

अंतरा-३: नारायण शिव सुजान गोपिका को भेख ठान
निरखि निरखि नृत्य गान भये चित्रकारी
निरतत बनवारी॥

टीप: इस उपरोक्त गीत के शब्द 'राग रत्नाकर' ग्रंथ से लिये गये हैं, जिसका स्वरकरण लेखक ने किया है।

### स्थायी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ^(सा)ध़ | सा | ^(सा)ध़ | सा | ^(नि़)सा | री | ^(म)ग | म | ^(ग)री | – | सा | सा |
| ब | S | न्सी | S | ब | ट | ज | मु | ना | S | त | ट |
| × | | | 0 | | | × | | | 0 | | |
| ^(ग)री | प | प | पध | ^(प)म | मप | ^(म)ग | – | ^(री)सा | ^(री)ग | – | – |
| नि | र | त | तS | ब | नS | वा | S | S | री | S | S |
| × | | | 0 | | | × | | | 0 | | |
| ^(म)ग | ^(म)गम | री | सा | ^(सा)नि़ | री | सा | नि़ | ध़ | ^(नि़)सा | – | – |
| नि | रS | त | त | ब | न | वा | S | S | री | S | S |
| × | | | 0 | | | × | | | 0 | | |
| ^(सा)नि़ | ध़ | ^(सा)नि़ | सा | – | ^(नि़)सा | ^(सा)नि़ | ध़ | ^(सा)नि़ | सा | – | ^(नि़)सा |
| अ | ति | सु | गं | S | ध | मं | S | द | मं | S | द |
| × | | | 0 | | | × | | | 0 | | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [सा]नि̣ | ध̣ | नि̣ | सा | सा | री | [म]ग | – | मग | [ग]री | – | – |
| प | व | न | च | ल | त | प्या | ऽ | ऽऽ | री | ऽ | ऽ |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| [ग]री | प | प | पध | [प]म | मप | [म]ग | – | [री]सा | [री]ग | – | – |
| नि | र | त | तुऽ | ब | नऽ | वा | ऽ | ऽ | री | ऽ | ऽ |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| [म]ग | [म]गम | री | सा | [सा]नि̣ | री | [नि]सा | नि̣ | ध̣ | [नि]सा | – | – |
| नि | रऽ | त | त | ब | न | वा | ऽ | ऽ | री | ऽ | ऽ |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |

अंतरा-१

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [म]ध | – | ध | नि | ध | प | [ध]प | ध | प | म | ग | री |
| चं | ऽ | द्र | ब | द | न | श्या | ऽ | म | र | सि | क |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| [म]ग | म | ग | री | सा | सा | [ग]री | ग | ग | म | ग | ग |
| मु | कु | ट | च | ऽ | न्द्र | सी | ऽ | स | ल | स | त |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| [प]सां | – | प | ध | [प]म | प | [म]ग | [म]गम | ग | री | सा | सा |
| च | ऽ | न्द्र | मु | खी | ऽ | पि | याऽ | ऽ | श | र | द |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| [सा]नि̣ | ध̣ | नि̣ | सा | [नि]सा | री | [म]ग | – | मग | [ग]री | – | – |
| च | ऽ | न्द्र | की | उ | जि | या | ऽ | ऽऽ | री | ऽ | ऽ |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| [ग]री | प | प | पध | [प]म | मप | [म]ग | – | [री]सा | [री]ग | – | – |
| नि | र | त | तुऽ | ब | नऽ | वा | ऽ | ऽ | री | ऽ | ऽ |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| [म]ग | [म]गम | री | सा | [सा]नि̣ | री | [नि]सा | नि̣ | ध̣ | [नि]सा | – | – |
| नि | रऽ | त | त | ब | न | वा | ऽ | ऽ | री | ऽ | ऽ |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |

अंतरा-२

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [री]म | – | म | – | [म]री | म | प | ध | [सां]नि | ध | – | ध |
| बा | ऽ | जे | ऽ | बा | ऽ | ज | त | वि | शा | ऽ | ल |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| [नि]ध | नि | [नि]ध | नि | ध | प | [प]ध | [प]म | प | [प]ध | – | ध |
| अ | ति | म | ति | सु | र | अ | धि | क | ता | ऽ | ल |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (ध)नि | ध | सां | नि | ध | प | म | ग | री | (नि)सा | - | सा |
| रा | ऽ | ग | रं | ऽ | ग | वि | वि | ध | भाँ | ऽ | ति |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| (सा)नि़ | ध़ | (सा)नि़ | सा | (नि)सा | री | (म)ग | - | मग | (ग)री | - | - |
| न्‌ | ऽ | पु | र | ध्व | नि | न्या | ऽ | ऽऽ | री | ऽ | ऽ |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| (ग)री | प | प | पध | (प)म | मप | (म)ग | - | (री)सा | (री)ग | - | - |
| नि | र | त | तऽ | ब | नऽ | वा | ऽ | ऽ | री | ऽ | ऽ |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| (म)ग | (म)गम | री | सा | (नि)सा | री | (नि)सा | नि़ | ध़ | (नि)सा | - | - |
| नि | रऽ | त | त | ब | न | वा | ऽ | ऽ | री | ऽ | ऽ |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |

अंतरा-३

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (सा)नि़ | - | नि़ | - | सा | सा | (ग)री | म | गरी | (नि)सा | - | सा |
| ना | ऽ | रा | ऽ | य | ण | शि | व | सुऽ | जा | ऽ | न |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| (ग)री | प | प | प | - | धप | म | गरी | सा | (ग)री | ग | ग |
| गो | ऽ | पि | का | ऽ | कोऽ | भे | ऽऽ | ख | ठा | ऽ | न |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| (ग)म | म | म | (ग)म | म | म | धप | निध | प | म | ग | ग |
| नि | र | खि | नि | र | खि | नऽ | ऽऽ | त्य | गा | ऽ | न |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| (सा)नि़ | ध़ | नि़ | सा | - | री | (म)ग | - | मग | (ग)री | - | - |
| भ | ये | ऽ | चि | ऽ | त्र | का | ऽ | ऽऽ | री | ऽ | ऽ |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| (ग)री | प | प | पध | (प)म | मप | (म)ग | - | (री)सा | (री)ग | - | - |
| नि | र | त | तऽ | ब | नऽ | वा | ऽ | ऽ | री | ऽ | ऽ |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| (म)ग | (म)गम | री | सा | (नि)सा | री | (नि)सा | नि़ | ध़ | (नि)सा | - | - |
| नि | रऽ | त | त | ब | न | वा | ऽ | ऽ | री | ऽ | ऽ |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |

# राग झिंझोटी–त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : मेरो मन सखि हर लीनो साँवरिया नें
सुन्दर सूरत अत रंगभरी चितचोरी
सुध बुध बिसर गई मोरी सारी |

अंतरा : सोवत जागत मन लागि रहत नित
कछु नाहीं मोहे अब सूझ-बूझ आज
लाज काज की, तरपत जिया
देखी देखी री मैं भई वाके चरनन की चेरी ॥

## स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| , [ग]म [ग]री ग | [री]सा री [सा]नि़ सा | [नि़]ध़ नि़ [ध]प़, [ध]प़ | [सा]ध़ सा [ग]री म |
| , मे रो म | न स खि ह | र ली नो, साँ | व रि या ऽ |
| × | २ | ० | ३ |
| ग, [ग]म [ग]री ग | [री]सा री [सा]नि़ सा | [नि़]ध़ नि़ [ध]प़ [ध]प़ | [सा]ध़ सा [ग]री म |
| ने, मे रो म | न स खि ह | र ली नो साँ | व रि या ऽ |
| × | २ | ० | ३ |
| ग – – –, | [ग]प म ग [ग]री | [री]म ग री सा | [सा]नि़ सा [ग]री [री]ग |
| ने ऽ ऽ ऽ, | सुं द र सू | र त अ त | रं ग भ री |
| × | २ | ० | ३ |
| री सा नि़ ध़, | [ध]प ध सां रीं | [रीं]गं [रीं]सां नि ध | प [ग]म ग [री]सा |
| चि त चो री, | सु ध बु ध | बि स र ग | ई मो री सा |
| × | २ | ० | ३ |
| री; [ग]म [ग]री ग | [री]सा | | |
| री; मे रो म | न ..... इत्यादि | | |
| × | २ | | |

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| [ध]सां नि ध प | ध [प]म प ध | सां – सां सां | [नि]सां सां सां सां |
| सो व त जा | ग त म न | ला ऽ गि र | ह त नि त |
| × | २ | ० | ३ |
| [सां]ध सां [गं]रीं पं | मं गंरीं गं [रीं]सां, | [सां]नि सां रीं, [नि]ध | नि सां, [ध]प ध |
| क छु ना हीं | मो हेऽ अ ब, | सू ऽ झ, बू | ऽ झ, आ ऽ |
| × | २ | ० | ३ |
| नि, [प]म प ध, | [म]ग म प, [ग]री | ग म, नि़ सा | री [नि़]ध़ नि़ सा, |
| ज, ला ऽ ज, | का ऽ ज, की | ऽ ऽ, त र | प त जि या, |
| × | २ | ० | ३ |

प़ ध़ नि़ प़ | ध़ सा री ग, | सा री म प | ध म ग सा
दे खी दे खी | री मैं भ ई, | वा के च र | न न की चे
× | २ | ० | ३

री; म री ग | सा
री; मे रो म | न ..... इत्यादि स्थायी के अनुसार
× | २

---

## राग झिंझोटी–धीमा त्रिताल

स्थायी : लकुटी जो हती अब बेन भई
हरिजू जो दियो सुर मार्ग को।
अंतरा : तब बाँस हती अब आँस भई
ब्रिज–बासिन के मनभावन को॥

### स्थायी

रीप
लकु

म – –ग,गरी | ग – सा,सारी | सा नि़ –ध़ध़ | सा – –,सासा
टी ऽ ऽजो,हऽ | ती ऽ ऽ,अब | बे ऽ ऽनभ | ई ऽ ऽ,हरि
३ | × | २ | ०

री म –पध | सां – नि,धप | ध म –गरी | ग सा –;रीप
जू ऽ ऽजोदि | यो ऽ ऽ,सुर | मा ऽ ऽरग | को ऽ ऽ;लकु
३ | × | २ | ०

### अंतरा

मप
तब

सां – –निध | सां – –,पप | ध सां –रींमं | गं सां –,सांरीं
बाँ ऽ ऽसह | ती ऽ ऽ,अब | आँ ऽ ऽसभ | ई ऽ ऽ,ब्रिज
३ | × | २ | ०

सां नि –पध | सां नि –,धप | ध म –गरी | ग सा –;रीप
बा ऽ ऽसिन | के ऽ ऽ,मन | भा ऽ ऽवन | को ऽ ऽ;लकु
३ | × | २ | ०

---

# राग झिंझोटी–एकताल (विलंबित)

स्थायी: साँवरो मन भायो अतही सुख पायो
सखि नन्द-दुलारो ब्रिजबारो ठाडो जमुना के तीर।
अंतरा: लागी लगन मोहनी मूरत सों
भई बावरी गोरी भरे नैना नीर ॥

स्थायी

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| [ग]म,गरी | (सा)नि [नि]धनिपध | [ध]सा [ध]नि [प]धसा | सा [नि]सासा | [ग]रीप [ग]म,गरी | |
| साँ,वऽ | रो ऽ मऽनऽ | भा ऽ ऽऽ | यो अत | हीऽ सु,खऽ | |
| | ४ | × | ० | २ | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| [री]ग–सा– [नि],सासा | [नि]सारीग,सारीमप ध ‖ | ध,ध पधनि– | धप [ध],पप | |
| पाऽयोऽ ,सखि | नंऽऽ,ऽऽऽऽ ऽ ‖ | द,दु लाऽऽऽ | रोऽ ,ब्रिज | |
| ० | ३ | ४ | × | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| [ध]पध,(म) [ग]म,गरी | [री]ग,रीसा [नि],सासा | [ग]रीप मगरीसानिध,पध | सारीगम,[री][सा]गरी |
| बाऽ,रो ठा,ऽऽ | डो,ऽऽ ,जमु | नाऽ केऽऽऽऽऽ,तीऽ | ऽऽऽऽ,ऽर |
| ० | २ | ० | ३ |

| | | |
|---|---|---|
| –;[ग]म,गरी ‖ | (सा)नि [नि]धनिपध | ..... इत्यादि |
| ऽ;साँ,वऽ ‖ | रो ऽ मऽनऽ | |
| | ४ | |

अंतरा

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| [प]म [सां]प,ध | सां – | [ध]नि[प]ध सां | सां [ग]पप | [सां]धसां ध,सांरीं | सांरींगंमं गंसां ‖ |
| ला गि,ल | ग ऽ | ऽऽ ऽ | न मोह | नीऽ ऽ,मूऽ | ऽऽऽऽ रत ‖ |
| ४ | × | ० | २ | ० | ३ |

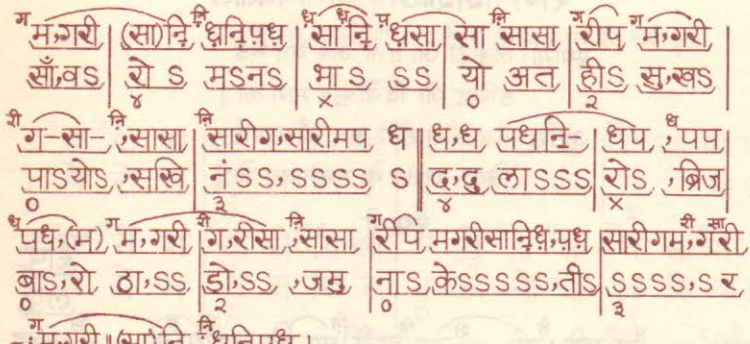

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| [सां]नि,–ध [सां]धरीं | निनि धप | [ध]पध [म]म,गरी | [री]ग,रीसा [नि],सा | [ग]रीप मगरीसानिध,पध |
| सों,ऽऽ भई | बाऽ वरी | गोऽ री,भऽ | रे,ऽऽ ,नै | नाऽ नीऽऽऽऽऽ,ऽऽ |
| ४ | × | ० | २ | ० |

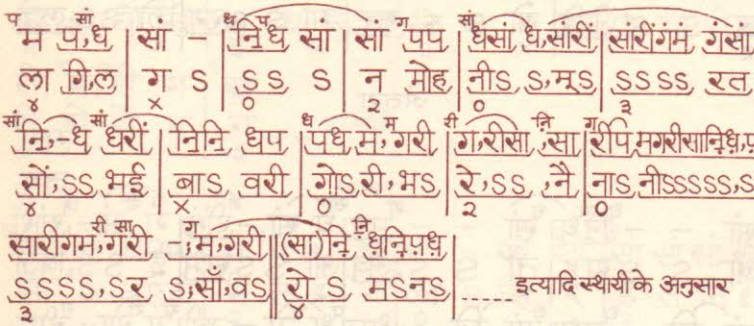

| | | |
|---|---|---|
| सारीगम,[री][सा]गरी –;[ग]म,गरी ‖ | (सा)नि [नि]धनिपध | ..... इत्यादि स्थायी के अनुसार |
| ऽऽऽऽ,ऽर ऽ;साँ,वऽ ‖ | रो ऽ मऽनऽ | |
| ३ | ४ | |

# राग नारायणी-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : सहेलरिया गावो री आज
मोरे मंदर मंगल गावो बजावो
सुखसों आनन्द बधाई।

अंतरा : शुभ घरी शुभ महूरत मनावो
नंद घर जायो कुँवर कन्हाई॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | (नि)सा |
| | | | स |
| (म)री (प)म (ध)प नि | ध प -, (प)नि | ध प म - | (म)री - सा, (री)म |
| हे ल रि S | या S S, गा | S वो री S | आ S ज, मो |
| ३ | × | २ | ० |
| (म)री सा नि ध | (प)म - प ध | (ध)सा सा -; (नि)सा | (म)री (प)म (ध)प (नि)ध |
| रे मं द र | मं S ग ल | गा वो S, ब | जा S S S |
| ३ | × | २ | ० |
| (सां)नि धप, (प)म प | धसां रींसां नि ध | - मप धप (प)म | (म)री - सा; (नि)सा |
| वो SS, सु ख | सोंS SS आ नं | S दS SS ब | धा S ई; स |
| ३ | × | २ | ० |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | (प)म |
| | | | शु |
| प (सां)ध सां ध | (ध)सां सां -, (सां)ध | सां (मं)रीं मं रींसां | (सां)नि - धप, (ध)नि |
| भ घ री S | शु भ S, म | हू र त मS | ना S वोS, नं |
| ३ | × | २ | ० |
| धप (प)म - प | (ग)म - (ग)रीसा, (नि)सा | री मप धनि धप | (ग)म - (ग)रीसा; (नि)सा |
| दS घ S र | जा S योS, कुँ | व रS SS कS | न्हा S ईS; स |
| ३ | × | २ | ० |
| (म)री (प)म (ध)प नि | ध प | | |
| हे ल रि S | या S ..... | इत्यादि स्थायी के अनुसार | |
| ३ | × | | |

---

# राग नारायणी–एकताल (विलंबित)

स्थायी : बमना रे बिचार सगुन भलो री भलो
बालम मोरा परदेसी अत बेकल होत जिया।
अंतरा : देखत ही मुख तन मन वारूँ, जा दिन ऐहैं
ग्वार गुसैंया चरवाल चरैया॥

## स्थायी

[नि];सासा ‖ [म]री प | [प]म[प]म प,[प]नि | धप -प | [प]मपध[सां]सं -नि | धप धपमपधप,म |
,बम ‖ ना ऽ | ऽऽ रे,बि | चाऽ ऽर | सगुनऽ ऽभ | लोऽ रीऽऽऽऽऽ,भ |
‖ ३ | ४ | × | ० | २ |

[म]री सा ‖ [सां]निध़-प़ म़-प़ध़ | सासा [नि]सासा | रीमपधनि धप | [प]मप,धसांरींसां निध |
लो ऽ ‖ बाऽऽऽ ऽऽलम | मोरा पर | देऽऽऽऽ सीऽ | अत,बेऽऽऽ कल |
० ‖ ३ | ४ | × | ० |

[म]री[प]म[ध]पनि ,धप,म | [म]री -[नि];सासा ‖ [म]री प | ..... इत्यादि
होऽऽऽ ,तऽ,जि | या ऽ;बम ‖ ना ऽ |
२ | ० ‖ ३ |

## अंतरा

[ग]म [सां]धध | [ध]सां--ध सांसां | [सां]धसां रींसां | [सां]नि-धम [नि]धप | [मं]रींमं रींसां | निध प ‖
दे खत | हीऽऽऽ मुख | तन मन | वाऽऽऽ रूँऽ | जाऽ दिन | ऐऽ हैं ‖
४ | × | ० | २ | ० | ३ ‖

[प]मप-म [ध]पनि | [नि]ध -प | [नि];सासा [म]री[प]म | [ध]पनि धप,म | [म]री [नि]सां;सासा |
ग्वाऽऽऽ र गु | सैं ऽया | ;चर वाऽ | ऽऽ लऽ,च | रै या;बम |
४ | × | ० | २ | ० |

[म]री प ‖ [प]म[प]म प,[प]नि | धप -प | ..... इत्यादि स्थायी के अनुसार
ना ऽ ‖ ऽऽ रे,बि | चाऽ ऽर |
३ ‖ ४ | × |

---

# राग सोरठ - त्रिताल (मध्यलय)

स्थायीः गूँध लावो री मालनियाँ बेगि हरवा
साजन आज आइलो मंदर मोरे।

अंतराः सोलहुँ सिंगार कर आभरन सजीहुँ
मोद भरी मिलि मंगल गाऊँ
गरवा डारूँ सरस सुगंधित हार॥

## स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | (ग)म |
| | | | गूँ |
| रीग (सा)री म प | (प)नि सांरीं नि ध | प (ध)प ध म | म री – ; (म)नि |
| धुऽ ला वो री | माऽऽ ल नि | या बे ऽ गि | ह र्वा ऽ, सा |
| ३ | × | २ | ० |
| ध म (ध)प ध | म री री (म)रीं | प म री री | (री)नि सा सा ; (ग)म |
| जु न आ ज | आ ऽ इ लो | ऽ मं द र | मो ऽ रे ; गूँ |
| ३ | × | २ | ० |

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| (प)म म प नि | (सां)नि – सां (नि)सां | सां (सां)नि सां सां | (सां)नि सां रीं रीं |
| सो ल हुँ सिं | गा ऽ र क | र आ भ र | न स जी हुँ |
| ३ | × | २ | ० |
| (गं)रीं रींगं रीं सां | रीं (रीं)नि सां सां | पनि सांरीं सां रीं | (सां)नि (नि)म प, (म)प |
| मो ऽऽ द भ | री ऽ मि लि | मंऽ ऽऽ ग ल | गा ऽ ऊँ, ग |
| ३ | × | २ | ० |
| रीं (मं)रीं मं रीं | (नि)सां रीं (सां)नि सां | निध मप (प)नि (नि)ध | म री री ; (ग)म |
| वी डा ऽ रूँ | स र स सु | गंऽ ऽऽ धि त | हा ऽ र ; गूँ |
| ३ | × | २ | ० |
| रीग (सा)री म प | (प)नि सांरीं नि ध | प | |
| धुऽ ला वो री | माऽऽ ल नि | या..... इत्यादि स्थायी के अनुसार | |
| ३ | × | २ | |

# राग सोरठ – त्रिताल (मध्यलय)

स्थायीः गुन को मौल तौल ना कीजियो
सुन 'सुजान' जानि मानि लैहो
गुन-समुद्र ये अतही अप्रम्पार।

अंतराः सुर-नर-मुनि-गुनि-गंधर्व महाग्यानी
हरिहर ब्रह्मा नारद तुंबर भारती
महा बाक बानि सरसति करि बिचार
रचि पचै गये हार॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| [री]म री [प]म प | [सां]नि सां सां नि | म म [ध]प ध | (म) - म री |
| गु न को ऽ | मौ ऽ ल तौ | ऽ ल ना ऽ | की ऽ ज्यो ऽ |
| ३ | × | २ | ० |
| [री]म [सा]री [प]म प | [सां]निसां रींनि नि नि | म म प - | [ध]प ध - म |
| गु न को ऽ | मौऽ ऽऽ ल तौ | ऽ ल ना ऽ | की ऽ ऽ जि |
| ३ | × | २ | ० |
| म री [म]री म | री [री]ऩि सा सा | म री री म | - म प प |
| यो ऽ सु न | सु जा ऽ न | जा ऽ नि मा | ऽ नि लै हो |
| ३ | × | २ | ० |
| [प]नि नि नि [सां]नि | [नि]म प [सां]नि सां | [मं]रीं [रीं]मं रीं [नि]सां | रीं [रीं]नि सां सां |
| गु न स मु | ऽ द्र ये ऽ | अ त ही अ | प्र म्पा ऽ र |
| ३ | × | २ | ० |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| [प]म म म म | प प [सां]नि नि | [नि]सां सां सां सां | सां [सां]नि सां सां |
| सु र न र | मु नि गु नि | गं ध र्व म | हा ग्या ऽ नि |
| ० | ३ | × | २ |
| [मं]रीं [रीं]मं रीं सां | रीं [रीं]नि सां - | [प]निसां रीं सां रीं | [सां]नि - [नि]म प |
| ह रि ह र | ब्र ऽ ह्मा ऽ | नाऽ ऽ र द | तुं ऽ ब र |
| ० | ३ | × | २ |
| [म]री - म [नि]प | नि म [म]री - | [री]ऩि सा - सा | म री म प |
| भा ऽ र ती | ऽ म हा ऽ | बा ऽ ऽ क | बा ऽ नि स |
| ० | ३ | × | २ |
| [सां]नि नि सां - | [नि]सां रीं नि नि | [प]म प,[म]री म | प सां - प |
| र स ती ऽ | क रि बि चा | ऽ र, र चि | प चै ऽ ग |
| ० | ३ | × | २ |

प
धमरी री; | री
म री प
म प |
ये हा ऽ र; | गु न को ऽ | ..... इत्यादि स्थायी के अनुसार
० | ३

---

## राग सोरठ–एकताल (विलंबित)

स्थायीः आज नंद घर जाये क्रेष्ण कन्हाई
बाजन लागे घर घर आनन्द बधाई।

अंतराः जगजीवन जगतनाथ पूरन अवतार लियो है
दीनन दुःख हारन कारन जय जदुराई॥

### स्थायी

| पध म,म | रीरी ,मप | नि सां | सां – | सांनिरींसां | रीं निधप,प ||
|---|---|---|---|---|---|
| आऽ ज,नं | ऽद ,घर | जा ऽ | ये ऽ | क्रेऽ ऽऽ | ऽ ष्णऽऽ,क ||
| २ | ४ | × | ० | २ | ० |

| प,निध मरी | नि सा | रीम ,पनिध | (म) मरी | रीरी ,मप | नि सां ||
|---|---|---|---|---|---|
| न्हा,ऽऽ ईऽ | ऽ ऽ | बाऽ ,जनऽ | ला गेऽ | घर ,घर | आ ऽ ||
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० |

| सां निसांरींसां | रीं नि | ध प,मप | सां पध | म री | निसा सा; ||
|---|---|---|---|---|---|
| नं ऽऽऽऽ | ऽ ऽ | द ऽ,बऽ | धा ऽऽ | ऽ ऽ | ऽऽ ई; ||
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० |

| पध म,म | मरी ,मप | नि सां | सां – | |
|---|---|---|---|---|
| आऽ ज,नं | ऽद ,घर | जा ऽ | ये ऽ | ..... इत्यादि |
| ३ | ४ | × | ० | |

### अंतरा

| मम प | निम,प निनि | सां सां | सां सां | निसां सां | म प | निनि सांसां |
|---|---|---|---|---|---|---|
| जगजी | ऽऽ,ऽ वन | ज ग | त ना | ऽऽ थ | पू ऽ | रन अव |
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० | ३ |

| रींमं रीं,सां | रीं निसां | सां – | निध,पप | पनि म | पनिनि | सां सांसां |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ताऽ र,लि | यो ऽऽ | है ऽ | दीऽ,नन | दुख हा | ऽ रन | का रन |
| ४ | × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

| मरी ,मप | सां पध | (म) री | निसा सा; | पध म,म | मरी ,मप |
|---|---|---|---|---|---|
| जैऽ ,जदु | रा ऽऽ | ऽ ऽ | ऽऽ ई; | आऽ ज,नं | ऽद ,घर |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

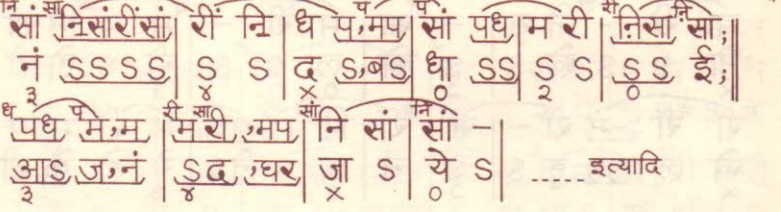

| नि सां | सां – | |
|---|---|---|
| जा ऽ | ये ऽ | ..... इत्यादि स्थायी के अनुसार |
| × | ० | |

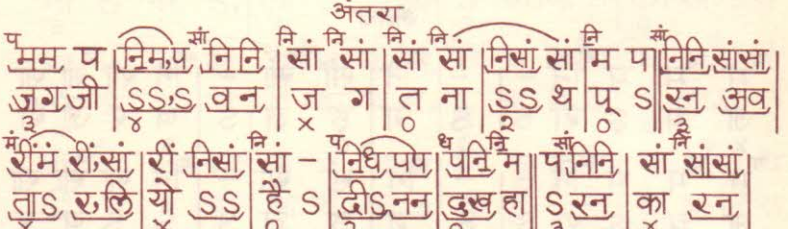

# राग सोरठ-होरी-धमार

स्थायी: ये हो कैसी रीत खेलन की
अनोखे खिलारी होरी खेलहु न जाने।

अंतरा: अचरा गहत बरजोरी मींडत मुख
देखे सखी सब बरजो न माने॥

## स्थायी

| | | | 3 |
|---|---|---|---|
| | | (नि)सा | म री (प)म प |
| | | ये | हो ऽ कै सी |

| × | 2 | 0 | 3 |
|---|---|---|---|
| (सां)नि सां – नि ध | प, (ध)प | (ध)प पध, म | (री)ग (सा)री (प)म प |
| री ऽ ऽ त ऽ | ऽ, खे | ल नऽ, ये | हो ऽ कै सी |
| (सां)नि सां – (नि)सां – | – नि | (नि)ध (ध)प ध | म री, (प)म प |
| री ऽ ऽ त ऽ | ऽ खे | ल न ऽ | की ऽ, कै सी |
| (सां)नि सां – (नि)सां – | – नि | (नि)ध (ध)प ध | म री –, (री)प |
| री ऽ ऽ त ऽ | ऽ खे | ल न ऽ | की ऽ ऽ, अ |
| म री – (री)ऩि सा | –, (ऩि)सा | म री – | (प)म प (सां)नि सां |
| नो ऽ ऽ खे ऽ | ऽ, खि | ला ऽ ऽ | री ऽ हो री |
| (मं)रीं (मं)रीं –मं रीं – | सां (सां)रीं | नि (ध)म पध, | म री (प)म प |
| खे ल ऽऽ हु ऽ | ऽ न | जा ऽ नेऽ, | ये हो कै सी |

## अंतरा

| × | 2 | 0 | 3 |
|---|---|---|---|
| (प)म (प)म प (सां)नि – | – (सां)नि | सां (नि)सां – | (सां)नि सां (नि)सां सां |
| अ च ऽ रा ऽ | ऽ ग | ह त ऽ | ब र जो री |
| (प)म (प)म प (सां)नि – | – (सां)नि | सां सां – | (सां)नि सां (नि)सां सां |
| अ च ऽ रा ऽ | ऽ ग | ह त ऽ | ऽ ऽ ब र |
| (प)नि (नि)म प नि – | – (सां)नि | सां सां – | (सां)नि सां रीं रीं |
| जो ऽ ऽ री ऽ | ऽ मीं | ड त ऽ | ऽ ऽ मु ख |

रीं - -मं रीं - | - सां | रीं नि - | सां - सां -
दे ऽ ऽऽ खे ऽ | ऽ स | खी ऽ ऽ | सु ऽ ब ऽ
× 2 0 3

प प रीं नि - | म प | प ध म; | रीग सारी म प
ब र ऽ जो ऽ | ऽ न | मा ऽ ने; | येऽ होऽ कै सी
× 2 0 3

नि सां - सां - |
री ऽ ऽ त ऽ | ----- इत्यादि स्थायी के अनुसार
×

---

## राग गोरखकल्याण–त्रिताल (मध्यलय)

स्थायीः नित उठ तुम्हरे ढंग ऐसे अनोखे लाल ग्वाल-बाल साँवरे
लपट झपट दुरकि दीन्ही जल की गगरी मोरी, का कहूँ तोसे अब।
अंतराः ठठोरी करत सब ब्रिज की ग्वारनिया, सास ननंद मोरी
सुनि देंगी गारी, चलो हटो मोहे घर जाने दो, मग ना रोको अब॥

### स्थायी

नि ध
नि त

म री सा (सा) | नि - - ध | सा - सा री | म मे - ; ध
उ ठ तु म्ह | रे ऽ ऽ ऽ | ढं ऽ ग ऐ | ऽ से ऽ, अ
3 × 2 0

सां - सां -, | ध सां ध, सां | रीं सां, ध म | म, री - री
नो ऽ खे ऽ, | ला ऽ ल, ग्वा | ऽ ल, बा ऽ | ल, साँ ऽ व
3 × 2 0

सा -, ध सा | ध, सा री सा, | री म री, म | ध म, ध सां
रे ऽ, ल प | ट, झ प ट, | दु र कि, दी | ऽ न्ही, ज ल
3 × 2 0

रीं मं रीं सां | ध म, ध - | नि ध म री | म ध; नि ध
की ग ग री | मो री, का ऽ | क हुँ तो से | अ ब; नि त
3 × 2 0

### अंतरा

ध नि ध म | ध ध सां सां | ध सां रीं सां | ध ध(म) -
ठ ठो री क | र त स ब | ब्रि ज की ग्वा | र नि या ऽ
0 3 × 2

| | | | |
|---|---|---|---|
| (म)री म री सा | नि़ ध़ सा सा | (सा)ध़ सा (म)री म | म (नि)ध नि ध |
| सा ऽ स न | न न्द मो री | सु नि दे ऽ | गी गा ऽ री |
| ० | ३ | × | २ |
| (मं)रीं मं रीं सां | (सां)ध सां नि ध | म री म,(नि)ध | नि ध म (म)री |
| च लो ह टो | मो हे घ र | जा ने दो,म | ग ना रो को |
| ० | ३ | × | २ |
| म ध; (ध)नि ध | म री सा(सा) | | |
| अ ब; नि त | उ ठ तु म्ह | ..... इत्यादि स्थायी के अनुसार | |
| ० | ३ | | |

## राग गोरखकल्याण–त्रिताल(मध्यलय)

स्थायीः नित उठ जप रे राम नाम, कहे मान मान मोरी बावरे
मन तू मूरख खोई दीनो घरि पल छिन दिन, का कहूँ तोसे अब।

अंतराः सुख चैन की नींद बहुत भई, मन जाग जाग प्यारे, जनम बीतत
सब साँस मिटे, पछताये सो का होवे तब॥

स्थायी

(ध)नि ध
नि त

| | | | |
|---|---|---|---|
| म री सा(सा) | (सा)नि़ – – ध़ | (ध)सा – सा (म)री | म मे –, (सां)ध |
| उ ठ ज प | रे ऽ ऽ ऽ | रा ऽ म ना | ऽ म ऽ, क |
| ३ | × | २ | ० |
| सां – – –, | (सां)ध सां ध,(ध)सां | रीं सां,(सां)ध म | म,(म)री – री |
| हे ऽ ऽ ऽ, | मा ऽ न, मा | ऽ न,मो ऽ | री,बा ऽ व |
| ३ | × | २ | ० |
| सा –, (सा)ध़ सा | ध़,(ध)सा री सा, | (म)री म री,म | ध मे, (सां)ध सां |
| रे ऽ, म न | तू, मू र ख, | खो ऽ ई,दी | ऽ नो, घ रि |
| ३ | × | २ | ० |
| (मं)रीं मं रीं सां | ध म, (नि)ध – | नि ध म री | म ध; (ध)नि ध |
| प ल छि न | दि न, का ऽ | क हुँ तो से | अ ब; नि त |
| ३ | × | २ | ० |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| (नि)ध नि ध म | (सां)ध सां – सां | (सां)ध सां रीं सां | (सां)ध – म मे |
| सु ख चै न | की नीं ऽ द | ब हु त भ | ई ऽ म न |
| ० | ३ | × | २ |

(म)री म री, सा | नि़ ध़ सा सा, | (सा)ध़ सा (म)री म | (नि)ध ध नि ध
ज़ा ऽ ग, जा | ऽ ग प्या रे, | ज न म बी | त त स ब
0 | ३ | × | २

(मं)रीं मं रीं सां | ध सां, नि ध | म री म (नि)ध | नि ध म री
साँ ऽ स मि | टे ऽ, प छ | ता ऽ ये सो | का हो ऽ वे
0 | ३ | × | २

म ध; (ध)नि ध | म री सा(सा) |
त ब; नि त | उ ठ ज प | ----- इत्यादि स्थायी के अनुसार
0 | ३

---

## राग गोरखकल्याण – एकताल (विलंबित)

स्थायीः बनरा बनी आयो ब्याहन बनरी को
अत मन-भावनो |
अंतराः सरस सुगंधित सेरा बँधा है
हाथ कंगना बनरी के अत ही सुहावनो ||

### स्थायी

(री),मरी | सा(सा),(सा)नि़ (सा)नि़ध़,सारी | म री | म म | (सा री)ममरीसा,रीमपध
,बन | रा ऽ , ऽ ऽऽ,बनी | आ ऽ | ऽ यो | ब्याऽऽऽ,ऽऽऽऽ
४ | × | 0 | २

पधनि,धप | म री | (सां)मध,सां || ध (सां),धसांरींसां | नि ध | मध नि,धप | म री |
ऽऽऽ,हऽ | न ऽ | बन री || ऽ ,ऽऽऽऽ | को ऽ | अत म,नऽ | भा ऽ |
0 | ३ || ४ | × | 0 | २

(म)रीम,रीमपम,रीसा नि़--ध़ | सा ;मरी || सा(सा),(सा)नि़ (सा)नि़ध़,सारी |
ऽऽ,ऽऽऽऽ,वऽ नोऽऽऽ | ऽ ;बन || रा ऽ, ऽ ऽऽ,बनी | ..... इत्यादि
0 | ३ || ४

### अंतरा

(ध)निधम- (सां)ध़,(सां)ध | सां रींसां | (सां)धसां (मं)रींमं,रींसां | (सां)नि ध | (ध)सां -(ध)धसांरीं | सां
सुरसऽ ऽ,सु | गं धित | सेऽ राऽ,बँऽ | धा है | हा ऽथ,कंग | ना
४ | × | 0 | २ | 0 | ३

धनिधम,(म)रीमध- || सांध ,नि,धप | (म),(म)रीम रीसा | (सा)ध़सा (म)रीमपधनि-,धप |
ऽऽऽऽ,ऽऽऽऽ || ऽऽ ,ब,नऽ | री,ऽऽ केऽ | अत हीऽऽऽऽऽ,सुऽ |
|| ४ | × | 0

म री | (म)रीम,रीमपम,रीसा (सा)नि़--ध़ | सा ;मरी || सा(सा),(सा)नि़ (सा)नि़ध़,सारी |
हा ऽ | ऽऽ,ऽऽऽऽ,वऽ नोऽऽऽ | ऽ ;बन || रा ऽ, ऽ ऽऽ,बनी |
२ | 0 | ३ || ४

----- इत्यादि स्थायी के अनुसार

## राग गौड़मल्हार - सरगम - त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग रे म ग | रे, सा ऩि सा, | रे प म प | ध - नि प, |
| 2 | 0 | 3 | × |
| म प म ग | -, सां - सां | ध प म प | ध सां -, ध |
| 2 | 0 | 3 | × |
| प म प म | ग -, म नि | ध नि प ध | म प -; म |
| 2 | 0 | 3 | × |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| प प प सां | ध सां - सां | रें -, सां सां | नि ध सां -, |
| 0 | 3 | × | 2 |
| गं रें मं गं | रें सां -, ध | नि प सां -, | ध नि प म |
| 0 | 3 | × | 2 |
| ग रे सा -, | गं रें सां नि | ध प -; म | ग रे, म ग |
| 0 | 3 | × | 2 |
| रे, सा ऩि सा | ----- इत्यादि स्थायी के अनुसार | | |
| 0 | | | |

---

## राग गौड़मल्हार - लक्षणगीत - त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी: नाम गौड़ मल्हार बिराजत
मेल खमाज जनित सम्पूरन
गौड़ अंग मल्हार सुमिश्रित।

अंतरा: अंश मध्यम समवादी खरज मत
बरखा के समे गावत सुमधुर
'रेपमपधसां मपम रेमगरेसा
रेगमपमग' सुर-संगत सोहत ॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| (म)ग म री (नि)सा | - री, (सा)ऩि सा | (ग)री ग मे, प | (ग)म प मग |
| ना ऽ म गौ | ऽ ड़, म ल | हा ऽ र, बि | रा ऽ ज त |
| 0 | 3 | × | 2 |
| म री प (प)म | प - प, (म)प | (ध)सां सां (सां)धप | (ग)म प मेग |
| मे ऽ ल ख | मा ऽ ज, ज | नि त स ऽ | म्पू ऽ र न |
| 0 | 3 | × | 2 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| (प)सां - सां (सां)ध | नि प (प)म प | (नि)धनि सां ध प | (ग)म प म ग; |
| गौ ऽ ड़ अं | ऽ ग म ल | हाऽ ऽ र सु | मि ऽ श्रि त; |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| (ग)म - म (म)ग | प प (ध)सां ध | सां - सां सां | (नि)सां रीं सां सां |
| अं ऽ श म | ध्य म स म | वा ऽ दि ख | र ज म त |
| ० | ३ | × | २ |
| (नि)सां सां (सां)ध - | (ध)सां सां सां - | (नि)सां रीं सां सां | (सां)ध नि प प |
| ब र खा ऽ | के स मे ऽ | गा ऽ व त | सु म धु र |
| ० | ३ | × | २ |
| रे प म प | ध सां -,मे | प म -,रे | म ग रेसा |
| ० | ३ | × | २ |
| रे ग म प | म ग,(प)म प | (नि)धनि सां ध प | (ग)म (ध)प म ग; |
| | सु र | संऽ ऽ ग त | सो ऽ ह त; |
| ० | ३ | × | २ |

## राग गौड़मल्हार- त्रिताल(मध्यलय)

स्थायीः कारी घटा छाई नभ मण्डल
बरसे मूसलधार चहूँ ओर
बिजरी चमके गरजे मेहा।
अंतराः सियरी पवन बहे जोर जोर
निस अँधियारी जिया डर पावे
तन काँपे छतिया धरके
कैसे जताऊँ श्याम सुंदर संग नेहा॥

स्थायी

(म)प
का

| | | | |
|---|---|---|---|
| -(नि)ध नि ध | (नि)सां - -(सां)ध | नि प (प)म प | (री)म (ग)म (म)री,प |
| ऽ री ऽ घ | टा ऽ ऽ छा | ऽ ई न भ | मं ड ल,का |
| ३ | × | २ | ० |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| – ध नि ध | सां – – ध | नि प म प | म – ग ग |
| ऽ री ऽ घ | टा ऽ ऽ छा | ऽ ई न भ | मं ऽ ड ल |
| ३ | × | २ | ० |
| ग म री सा | सा सा सा री | प प प नि | ध नि सां सां |
| ब र से ऽ | मू स ल धा | ऽ र च हैं | ऽ ओ ऽ र |
| ३ | × | २ | ० |
| सां रीं सां – | ध नि प – | म म प ध | सां म री; प |
| बि ज री ऽ | च म के ऽ | ग र जे मे | ऽ हा ऽ; का |
| ३ | × | २ | ० |

अंतरा

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| प प प – | नि ध सां सां | सां – सां – | सां सां – सां |
| सि य री ऽ | प व न ब | है ऽ जो ऽ | र जो ऽ र |
| ३ | × | २ | ० |
| सां सां ध ध | सां – सां – | सां रीं सां सां | ध नि प – |
| नि स अँ धि | या ऽ री ऽ | ज़ि या ड र | पा ऽ वे ऽ |
| ३ | × | २ | ० |
| म म (म) री | प – ध नि | प म प म, | सां – सां सां |
| त न काँ ऽ | पे ऽ छ ति | या ध र के, | कै ऽ से ज |
| ३ | × | २ | ० |
| रींगं मं रीं सां | – ध नि प | म प ध सां | म(म) री ; प |
| ताऽ ऽ ऊँ श्या | ऽ म ऽ सुं | द र सं ग | ने हा ऽ ; का |
| ३ | × | २ | ० |
| – ध नि ध | सां – | | |
| ऽ री ऽ घ | टा ऽ..... इत्यादि स्थायी के अनुसार | | |
| ३ | × | | |

# राग गौड़मल्हार- आड़ाचौताल(मध्यलय)

स्थायी: उमंड घन गगन आयो री, गरजे बादर बिजरी चमकत
बरसत अत रूमझूम रूमझूम, जिया डर पावे।
अंतरा: मैंतो अकेली बिरहन बेकल, बिरम रहे पिया परदेस
सही न जात अब ये बिथा, घर आंगन न भावे॥

स्थायी

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (म)री | म | री | (री)प | प | (प)नि | (प)म | प | (ग)म | ग | म | री | सा | – |
| उ | मं | ड़ | घ | न | ग | ग | न | आ | ऽ | ऽ | यो | री | ऽ |
| × | | २ | | ० | | ३ | | ० | | ४ | | ० | |
| (सा)ऩि | सा | (ग)री | ग | म | (ग)प | (म)री | म | पध | निसां | (सां)ध | प | म | ग |
| ग | र | जे | बा | द | र | बि | ज | रीऽ | ऽऽ | च | म | क | त |
| × | | २ | | ० | | ३ | | ० | | ४ | | ० | |
| (ग)म | म | प | प | (नि)ध | नि | (नि)सां | रीं | सां | सां | (ग)म | प | म | मग |
| ब | र | स | त | अ | त | रू | म | झू | म | रू | म | झू | मऽ |
| × | | २ | | ० | | ३ | | ० | | ४ | | ० | |
| (सा)ऩि | री | सा | सा | ऩिसा | रीग | मप | धनि | सांरीं | गंरीं | सांनि | धप | मग | रीसा |
| जि | या | ड | र | पाऽ | ऽऽ | ऽऽ | ऽऽ | ऽऽ | ऽऽ | वेऽ | ऽऽ | ऽऽ | ऽऽ |
| × | | २ | | ० | | ३ | | ० | | ४ | | ० | |

अंतरा

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (म)प | – | प | म | (प)नि | ध | (ध)सां | सां | सां | सां | (नि)सां | – | सां | सां |
| मैं | ऽ | तो | अ | के | ली | बि | र | ह | न | बे | ऽ | क | ल |
| × | | २ | | ० | | ३ | | ० | | ४ | | ० | |
| (नि)ध | नि | ध | (ध)सां | सां | – | (नि)सां | रीं | (नि)सां | सां | (सां)ध | नि | प | प |
| बि | र | म | र | हे | ऽ | पि | या | प | र | दे | ऽ | ऽ | स |
| × | | २ | | ० | | ३ | | ० | | ४ | | ० | |
| (म)री | म | री | (री)प | – | प | (प)म | प | (नि)धनि | सांरीं | (नि)सां | धप | म | ग |
| स | ही | न | जा | ऽ | त | अ | ब | येऽ | ऽऽ | ऽ | बिऽ | था | ऽ |
| × | | २ | | ० | | ३ | | ० | | ४ | | ० | |
| (सां)गं | रीं | सां | सां | (सां)धनि | प | मप | धनि | सांरीं | गंरीं | सांनि | धप | मग | रीसा |
| घ | र | आं | ग | नऽ | न | भाऽ | ऽऽ | ऽऽ | ऽऽ | वेऽ | ऽऽ | ऽऽ | ऽऽ |
| × | | २ | | ० | | ३ | | ० | | ४ | | ० | |

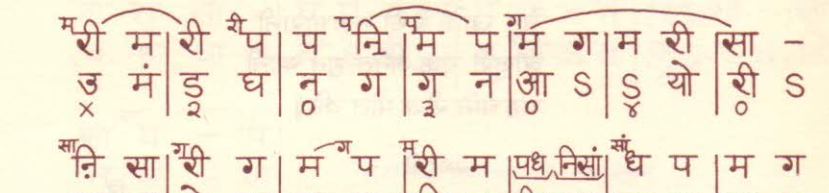

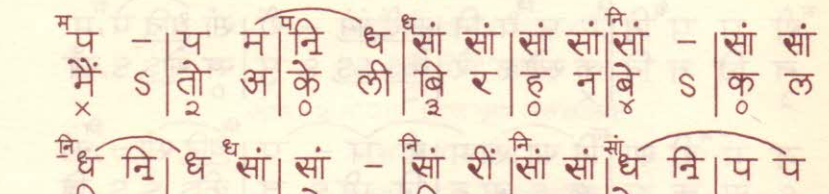

# राग गौड़मल्हार– त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी: बिन मोल नाहीं पीत हरि की
जोलों नहीं जान्यो पहचान्यो
छिन छिन निकस्यो हरि के मुख सों
साँस कहा आस हरि पीत की।

अंतरा: हरि हस्त लीला संजमित
छेहु जाके ऐसी महाभागनी
बाँसुरी एक अनत गुन खानी
पहचाने रीत पीत की॥

स्थायी

(नि)सां
बि

सां (सां)ध – (नि)प | म – री प | – प (नि)म प | (नि)धनि सां –, (नि)सां
न मो ऽ ल | ना ऽ हिं पी | ऽ त ह रि | कीऽ ऽ ऽ, जो
३ | × | २ | ०

सां (सां)ध प म | ग म, री सा | ऩिसा रीग मप धप | म ग म, (ग)म
लों न हीं जा | ऽ न्यो, प ह | चाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ | न्यो ऽ ऽ, छि
३ | × | २ | ०

(म)री प प (ध)नि | (नि)म प (नि)ध नि | सांरीं गंमं – रीं | सां धनि प, (ग)म
न छि न नि | क स्यो ह रि | केऽ ऽऽ ऽ मु | ख सोंऽ ऽ, साँ
३ | × | २ | ०

ग म (ग)री सा | (सा)ऩि सा सा म | री प – प | (नि)धनि सां –; (नि)सां
ऽ स क हा | आ ऽ स ह | रि पी ऽ त | कीऽ ऽ ऽ; बि
३ | × | २ | ०

अंतरा

(ग)म
ह

म (ग)प – प | सां ध सां – | – – (नि), सां – | (नि)सां सां सां, (नि)सां
रि ह ऽ स्त | ली ऽ लाऽ | ऽ ऽ, सं ऽ | ज़ मि त, छे
३ | × | २ | ०

| | | | |
|---|---|---|---|
| सां ग॑रीं गं रीं | नि॑सां – सां॑ध प | प॑म प – नि॑धनि | सां धप म गम |
| हु जा ऽ के | ऐ ऽ सी ऽ | म हा ऽ भाऽ | ऽ गऽ नी ऽऽ |
| ३ | × | २ | ० |
| ग रीग सा सा | नि॑सा निसा ग॑रीरी | ग ग ग॑री ग | मप धप म ग |
| बाँ ऽऽ सु री | ए ऽऽ क अ | न त गु न | खाऽ ऽऽ नी ऽ |
| ३ | × | २ | ० |
| सां॑गं रीं सां – | सां॑ध प; ग॑म गम | म प – प | नि॑धनि सां –; नि॑सां |
| पु ह चा ऽ | ने ऽ, रीऽऽ | तु पी ऽ त | कीऽ ऽ ऽ; बि |
| ३ | × | २ | ० |
| सां सां॑ध – प | | | |
| न मो ऽ ल | | | |
| ३ | | | |

..... इत्यादि स्थायी के अनुसार

---

## राग गौड़मल्हार–भजन–त्रिताल(मध्यलय)

स्थायी: हों इक नयी बात सुनि आयी
महरि यशोदा ढोटा जायो
घर घर बजत बधाई।

अंतरा-१: द्वारे भीर गोप गोपिन की
महिमा बरनी न जायी री
अतहि आनंद होत गोकुल में
रतन भूमि निधि छाई॥

अंतरा-२: नाचत तरुण वृद्ध अरु बालक
गोरस कीच मचाई
'सूरदास' स्वामी सुख सागर
सुंदर श्याम कन्हाई॥

टीप: सूरदासजी के इस पद का स्वरकरण लेखक ने किया है।

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| गरी ग री सा | सा॑नि सा – ग॑री | – री ग रीग | म धप मग म |
| होंऽ ऽ इ क | न यी ऽ बा | ऽ त सु निऽ | आ ऽऽ यीऽ ऽ |
| २ | ० | ३ | × |

| | | | |
|---|---|---|---|
| गरी ग री सा | ^सा नि़ सा – ^ग री | – री ग रीग | ^प मप धप म ग |
| होंऽ ऽ इ क | न यी ऽ बा | ऽ त सु निऽ | आऽ ऽऽ यी ऽ |
| २ | ० | ३ | × |
| म – री –, | ^म री री म ^प म | प – प – | ^नि धनि ^सां सां धनि प |
| ऽ ऽ ऽ ऽ, | मु ह रि य | शो ऽ दा ऽ | ढोऽ ऽ टाऽ ऽ |
| २ | ० | ३ | × |
| ^ग म प म ग, | ^प म म प प | ध ^सां सां धनि प | मप धप मग म; |
| जा ऽ यो ऽ, | घ र घ र | ब ज तऽ ब | धाऽ ऽऽ ईऽ ऽ; |
| २ | ० | ३ | × |

अंतरा-१

| | | | |
|---|---|---|---|
| ^ग म री प – | ^प नि ध ध ^नि सां | – सां ^नि सां – | ^नि सां रीं सां – |
| द्वा ऽ रे ऽ | भी ऽ र गो | ऽ प गो ऽ | पि न की ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| ^नि सां सां ^गं रींगं मं | रीं सां ^नि सां – | रीं (सां) – सां | ^सां ध – नि प |
| मु हि माऽ ऽ | ब र नी ऽ | न जा ऽ यी | री ऽ ऽ ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| ^ग म म ध ध | ^नि धनि सां ^नि सां सांध | नि प म ग | म (म) ^ग री – |
| अ त हि आ | नंऽ ऽ द होऽ | ऽ त गो ऽ | कु ल में ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| ^नि सा सा सा ^ग री | गरी री ^म ग ग | मप धप म गम; | ^म गरी ग री सा |
| र त न भू | ऽऽ मि नि धि | छाऽ ऽऽ ई ऽऽ; | होंऽ ऽ इ क...इ. |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा-२

| | | | |
|---|---|---|---|
| ^सां नि – नि नि | सां सां ^गं सांरींगं | मं ^नि रीं सां सां | ^सां ध नि प प |
| ना ऽ च त | त रु णवृऽ | ऽ द्ध अ रु | बा ऽ ल क |
| ० | ३ | × | २ |
| ^ग म री म म | प – प प | धनिसांरीं गंरींसांसां | ^सां ध नि प – |
| गो ऽ र स | की ऽ च म | चाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ | ई ऽ ऽ ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

(सां)निसां रींगं रीं मं | गं रीं (नि)सां – | (सां)ध नि (प)म प | (नि)धनि सांरीं सां सां
सुऽ ऽऽ र दा | ऽ स स्वा ऽ | मी ऽ सु ख | साऽ ऽऽ ग र
0 | ३ | × | २

(ग)म – प प | सांध सां धनि प | (प)मप धप म गम; | (म)गरी ग री सा
सुं ऽ द र | श्याऽ ऽ मऽ क | न्हाऽ ऽऽ ई ऽऽ; | होंऽ ऽ इ क... इ.
0 | ३ | × | २

---

## राग गौड़मल्हार – दादरा(मध्यलय)

(सिंहली भक्ति–गीत)

स्थायीः सकल भुवन अभिनंदन, करन गीत राजिनी।
सवन मधुर बाहन सरय, पियवि कोमल वादिनी॥

अंतरा-१ः सरनु सरय रसिनि रसिक, मनस पिनन मोहिनी।
किरुद पॅलंदि नरन यदिन, सॅवोम हितव तानिनी॥

अंतरा-२ः दियत पॅतिर सतुट ओबेनि, नॅसेइ कोप रागिणी।
पतन सरन सॅमट देन्न, नितर असिरि प्रेमिनी॥

टीपः इस सिंहली भक्ति-गीत की शब्द-रचना कोलंबो निवासी श्री. एम्. परेराने की है एवम् इसका स्वर-करण लेखकने किया है।

### स्थायी

(ग)री ग री | म ग म ‖ (ग)री ग (सा) | – सा सा
स क ल | भु व न ‖ अ भि नं | ऽ द न
× | 0 ‖ × | 0

(सा)नि सा सा | (ग)री ग री ‖ (म)गम पध (म)प | म ग म
क र न | गी ऽ त ‖ राऽ ऽऽ जि | नी ऽ ऽ
× | 0 ‖ × | 0

(म)री म री | प प प ‖ मप धसां धप | म (री)गग रीसा
स व न | म धु र ‖ बाऽ हऽ नऽ | स रऽ यऽ
× | 0 ‖ × | 0

(सा)नि सा सा | (ग)री ग री ‖ (म)गम पध प | म ग म;
पि य वि | को म ल ‖ वाऽ ऽऽ दि | नी ऽ ऽ;
× | 0 ‖ × | 0

## अंतरा-१

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (प)म | म | प | (सां)नि | सां | सां | (नि)सां | सां | सां | रीं | सां | सां |
| स | र | तु | स | र | य | र | सि | नि | र | सि | क |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| (नि)सां | सां | रीं | गं | (रीं)सां | सां | (सां)धनि | सांनि | प | म | – | – |
| म | न | स | पि | न | न | मोऽ | ऽऽ | हि | नी | ऽ | ऽ |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| (म)री | म | री | प | प | प | (नि)ध | नि | प | म | (री)ग | री |
| कि | रु | द | पॅ | लं | दि | न | र | न | यु | दि | न |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| (सा)नि | सा | सा | (ग)री | ग | री | (म)गम | पध | प | म | ग | म; |
| सॅ | वो | म | हि | त | व | ताऽ | ऽऽ | नि | नी | ऽ | ऽ; |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |

## अंतरा-२

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (म)प | रीं | रीं | (सां)नि | सां | सां | (सां)ध | नि | प | म | प | प |
| दि | य | त | पॅ | ति | र | स | तु | ट | ओ | बे | नि |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| (प)म | प | प | (नि)धनि | सांरीं | धप | (ग)म | ग | प | म | – | – |
| नॅ | से | इ | कोऽ | ऽऽ | पऽ | रा | ऽ | गि | णी | ऽ | ऽ |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| (म)री | म | म | प | प | प | (सां)ध | रीं | सां | (सां)ध | नि | प |
| प | त | न | स | र | न | सॅ | म | ट | दे | ऽ | न्न |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| (ग)म | ग | री | (सा)नि | सा | (ग)री | (म)गम | पध | प | म | ग | म; |
| नि | त | र | अ | सि | रि | प्रेऽ | ऽऽ | मि | नी | ऽ | ऽ; |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |

# राग गौड़मल्हार–त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी: विप्र दिगम्बर घर जनम लिये
पलुशग्राम पुण्यधाम नाम कियो उज्वल
दस दिस फहरायो कीर्ति-ध्वज संगीत कला को
नमो नमः शतबार चरण तुम्हरे
जय विष्णो हो जय विष्णो।

अंतरा: नाद ब्रह्मोपासना रत, सतत सुर-राग-ताल
मगन हृदय, सरस्वती भारती दत्तवर
रहे नाम अजरामर यावत् चन्द्र दिवाकर
गगन बिराज रहे, जय विष्णो हो जय विष्णो॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| मग रीग म (प) | म ग री सा | नि़ सा री ग | म प म ग |
| विऽ ऽऽ प्र दि | ग ऽम्ब र | घ र ज न | म लि ये ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| म नि ध नि | प प मपधनिसां | धप म ग म | म प म ग |
| प लु श ग्रा | ऽ म पुऽऽऽऽ | ण्यऽ धा ऽ म | ना ऽ म कि |
| ० | ३ | × | २ |
| री सा, म री | प प म प | ध नि सां रीं | सां – – धप |
| यो ऽ, उ ऽ | ज्व ल द स | दि स फ ह | रा ऽ ऽ योऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| म – ग ग | म प, म ग | री सा सा सा | ध़ नि़ प़ – |
| की ऽ र्ति ऽ | ध्व ज, सं ऽ | गी ऽ त क | ला ऽ को ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| प़ नि़ सा सा | री ग म प | ध सां सां ध | नि प म प |
| न मो ऽ न | मः ऽ श त | बा ऽ र च | र ण तु म्ह |
| ० | ३ | × | २ |
| धनि सांरीं सां – | ध प म प | म री प – | ध नि प –; |
| रेऽ ऽऽ जै ऽ | वि ऽ ष्णो ऽ | हो ऽ जै ऽ | वि ऽ ष्णो ऽ; |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा

| ० | ३ | × | २ |
|---|---|---|---|
| (नि)ध - नि प | (प)म प सां ध | सां - सां (नि)सां | - - सां सां |
| ना ऽ ऽ द | ब्र ऽ ह्मो ऽ | पा ऽ स ना | ऽ ऽ र त |
| (नि)ध - नि प | (प)म प सां ध | सां - सां (नि)सां | - सां सां,(नि)सां |
| ना ऽ ऽ द | ब्र ऽ ह्मो ऽ | पा ऽ स ना | ऽ र त,स |
| (गं)रीं गं मं गं | रीं - सां धनि | सां (सां)सां ध प | म (ग)प म म |
| त त सु र | रा ऽ ग ताऽ | ऽ ल म ग | न हृ द य |
| (ग)री सा - सा | (ग)री ग (प)म - | प म - (म)री | प प रीं सां |
| स र ऽ स्व | ती ऽ भा ऽ | र ती ऽ द | ऽ त्त व र |
| (सां)ध नि प (प)म | - प (नि)ध नि | सां - धनि प | (प)सां - ध प |
| र हे ऽ ना | ऽ म अ ज | रा ऽ मऽ र | या ऽ व त् |
| म ग री सा | (सा)ध़ नि़ प़ प़ | (म)प़ नि़ सा री | (ग)री ग री,ग |
| च ऽ न्द्र दि | वा ऽ क र | ग ग न बि | रा ऽ ज,र |
| (प)म प, म ग | री पम प -, | (नि)सां रीं (नि)सां - | (सां)ध नि प -; |
| हे ऽ, जै ऽ | वि ऽऽ ष्णो ऽ, | हो ऽ जै ऽ | वि ऽ ष्णो ऽ; |

टीपः इस बन्दिश की रचना लेखक ने गायनाचार्य पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्करजी के पुण्यस्मरण में की है।

# राग गौड़मल्हार-झपताल(मध्यलय)

(गंधार वर्जित प्रकार)

स्थायी : ग्यान गुन दोऊ दिये ऐसो महा चतुर
सुघर ग्यानी गुनी सीस नवाऊँ तुम्हरे चरण आज।

अंतरा : राग विद्या को न्यारो उजियारो
मार्ग दिखायो कहालों बखानो जस कीरत आज॥

## स्थायी

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (री)म री | सा री सा | (म)री प | प म प ‖ | (सां)ध सां | (सां)ध नि प | (री)म प | म री री |
| ग्या ऽ | न गु न | दो ऽ | ऊ दि ये ‖ | ऐ ऽ | सो ऽ म | हा ऽ | च तु र |
| × | २ | ० | ३ ‖ | × | २ | ० | ३ |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (नि)सा री | सा (सा)ध़ नि़ | प़ – | (प)म़ प़ (सा)ध़ ‖ | सा – | (नि)सा ध ध | नि प | (प)म प – |
| सु घ | र ग्या ऽ | नी ऽ | गु नी ऽ ‖ | सी ऽ | स ऽ न | वा ऽ | ऊँ ऽ ऽ |
| × | २ | ० | ३ ‖ | × | २ | ० | ३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| (सां)ध सां | (सां)ध नि प | (प)म प | (री)म री सा ‖ |
| तु म्ह | रे ऽ च | र ण | आ ऽ ज ‖ |
| × | २ | ० | ३ ‖ |

## अंतरा

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (म)प – | (प)सां सां – | (नि)सां – | सां – – ‖ | (मं)रीं मं | रीं – सां | (नि)सां सां | (सां)ध नि प |
| रा ऽ | ग वि ऽ | द्या ऽ | को ऽ ऽ ‖ | न्या ऽ | रो ऽ ऽ | उ जि | या ऽ रो |
| × | २ | ० | ३ ‖ | × | २ | ० | ३ |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (प)म प | (सां)ध सां ध | नि प | म प म ‖ | (नि)सा सा | (नि)सा सां ध | नि प | (प)म प – |
| मा ऽ | र ग दि | खा ऽ | यो ऽ ऽ ‖ | क हा | लों ऽ ब | खा ऽ | नो ऽ ऽ |
| × | २ | ० | ३ ‖ | × | २ | ० | ३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| (सां)ध सां | रीं धनि प | (प)म प | (नि)ध नि प ‖ |
| ज स | की ऽऽ ऽ | र त | आ ऽ ज ‖ |
| × | २ | ० | ३ ‖ |

टीप: अपने गुरु पं. विष्णु नारायण भातखण्डे 'चतुर पंडित' के पुण्यस्मरण में लेखक ने इस बंदिश की रचना की है।

---

## राग गौड़मल्हार–रूपक (मध्यलय)
### (गंधार वर्जित प्रकार)

स्थायी : मान मतवारे जिन करो बरजोरी
कन्हैया इतनी धिटाई |
अंतरा : देखत है ब्रिज की लुगैंया
हँसी हँसी करत ठठोरी ||

### स्थायी

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | [री]म |
| | | | | | मा |
| री सा | री सा | [म]री प - ‖ | [म]प - | [प]म प | [सां]ध [सां]ध सां |
| ऽ न | म त | वा ऽ ऽ ‖ | रे ऽ | जि न | क रो ऽ |
| 2 | 3 | ⊗ | 2 | 3 | ⊗ |
| - - | [प]नि प | [प]म प - ‖ | [री]म री | सा,[नि]सा | रीसा - |
| ऽ ऽ | ब र | जो ऽ ऽ ‖ | री ऽ | ऽ,क | न्है ऽ ऽ |
| 2 | 3 | ⊗ | 2 | 3 | ⊗ |
| [सा]ध़ नि़ | प़ - | [नि]सा [सा]म री ‖ | प - | - प | निप मप धसां |
| या ऽ | ऽ ऽ | इ त ऽ ‖ | नी ऽ | ऽ धि | टाऽ ऽऽ ऽऽ |
| 2 | 3 | ⊗ | 2 | 3 | ⊗ |
| (सां) [सां]ध | नि प | म - ; (म) ‖ | री सा | री सा | |
| ऽ ई | ऽ ऽ | ऽ ऽ ; मा ‖ | ऽ न | म त | ...... इत्यादि |
| 2 | 3 | ⊗ | 2 | 3 | |

### अंतरा

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| [प]म प [सां]ध | सां सां | [नि]सां - ‖ | [नि]सां [नि]सां रीं | सां - | - [नि]सां |
| दे ऽ ऽ | ख त | है ऽ ‖ | ब्रि ज ऽ | की ऽ | ऽ लु |
| ⊗ | 2 | 3 | ⊗ | 2 | 3 |
| सां (सां) - | [सां]ध नि | प - ‖ | [प]म प [नि]ध | (नि) प | [प]म प |
| गैं ऽ ऽ | या ऽ | ऽ ऽ ‖ | हँ सी हँ | सी ऽ | क र |
| ⊗ | 2 | 3 | ⊗ | 2 | 3 |
| [सां]ध सां - | [प]नि प | [प]म प ‖ | म - ; (म) | री सा | |
| त ऽ ऽ | ठ ठो | ऽ ऽ ‖ | री ऽ ; मा | ऽ न | ...... इत्यादि |
| ⊗ | 2 | 3 | ⊗ | 2 | |

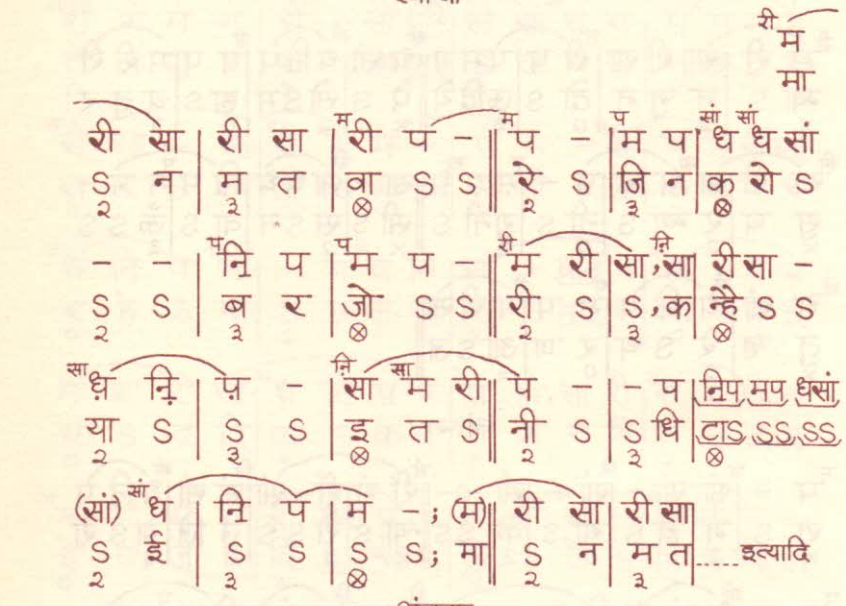

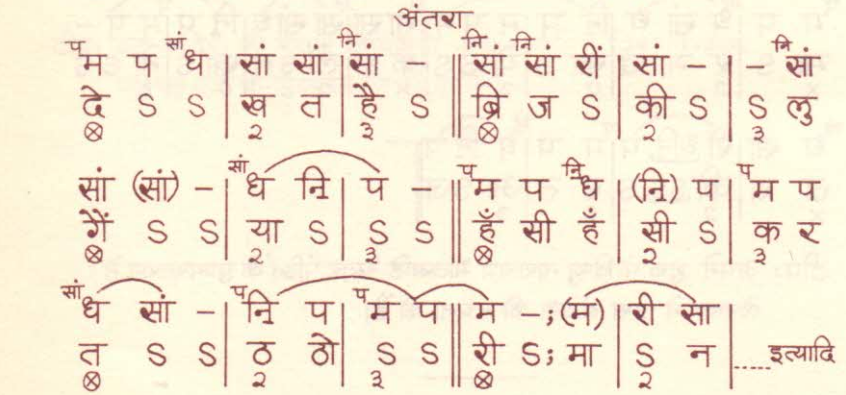

# राग गौड़मल्हार–ध्रुवपद–चौताल

स्थायीः सत्य बचन नेक चाल दीनन दुख निवारन
साचो एक मनुज धरम दूजो नाहीं धरम 'सुजन'।

अंतराः मनुस जाति धारन जातें होवे सोही धरम
सकल धरम सार एक आप पर भेद भंजन॥

संचारीः जल वायु भूमि उपज ऋतुमान आधीन
सदाचार विविध भाँति देस देस धरम दीन॥

आभोगः परम पुरुख प्रकट भयो चराचर रूप धरे
अनादि अनंत सोही मनुज देह धरे जान॥

## स्थायी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (नि)सां | – | (नि)सां | रीं | सां | सां | (सां)ध | नि | प | (ग)म | प | म |
| स | ऽ | त्य | ब | च् | न | ने | ऽ | क् | चा | ऽ | ल |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (म)ग | म | री | सा | (सा)ऩि | सा | (ग)री | ग | री | (म)ग | म | म |
| दी | ऽ | न् | न | दु | ख | नि | वा | ऽ | र | ऽ | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (ग)म | री | री | (री)प | – | प | (नि)ध | नि | प | (प)म | प | प |
| सा | ऽ | चो | प | ऽ | क | म् | नु | ज् | ध | र | म |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (सां)ध | सां | – | (सां)ध | नि | प | (प)म | प | (सां)ध | सां | (सां)म | प |
| दू | जो | ऽ | ना | ऽ | हिं | ध | र | म | सु | ज़ | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

## अंतरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (म)प | प | प | (प)सां | – | सां | (नि)सां | – | – | (नि)सां | रीं | सां |
| म | नु | स | जा | ऽ | ति | धा | ऽ | ऽ | र | ऽ | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (नि)सां | – | रीं | (मं)गं | मं | रीं | (नि)सां | – | सां | (सां)ध | नि | प |
| जा | ऽ | तें | हो | ऽ | वे | सो | ऽ | हि | ध | र | म |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (ग)म | म | ध | (नि)ध | नि | प | (नि)ध | नि | सां | (सां)ध | नि | प |
| स | क | ल | ध | र | म | सा | ऽ | र | ए | ऽ | क |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (नि)सां | — | रीं | (रीं)ध | नि | प | (प)म | प | (सां)ध | सां | (सां)म | प |
| आ | ऽ | पु | प | ऽ | र | भे | ऽ | दु | भं | जु | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

## संचारी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (ऩि)सा | सा | — | (ग)री | गरी | ग | (ग)म | — | म | (ग)म | म | म |
| ज | ल | ऽ | वा | ऽऽ | यु | भू | ऽ | मि | उ | पु | ज |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (ग)म | म | प | (सां)ध | सां | सां | (नि)सां | — | — | (सां)ध | नि | प |
| ऋ | तु | ऽ | मा | ऽ | न | आ | ऽ | ऽ | धी | ऽ | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (प)म | प | ध | (म)ग | प | म | ग | री | ग | (ऩि)सा | — | सा |
| स | दा | ऽ | चा | ऽ | र | वि | वि | ध | भाँ | ऽ | ति |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (ग)म | री | प | (म)प | (प)म | प | (सां)ध | सां | सां | (सां)ध | नि | प |
| दे | ऽ | स | दे | ऽ | स | ध | र | म | दी | ऽ | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

## आभोग

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (ध)सां | सां | ध | सां | सां | सां | (नि)सां | सां | सां | (नि)रीं | सां | — |
| प | र | म | पु | रु | ख | प्र | क | ट | भ | यो | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (नि)सां | सां | — | (मं)रीं | मं | रीं | (नि)सां | — | ध | नि | प | — |
| च | रा | ऽ | च | ऽ | र | रू | ऽ | पु | ध | रे | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (नि)सां | सां | — | (मं)रीं | पं | मं | रीं | — | सां | (सां)ध | नि | प |
| अ | ना | ऽ | दि | ऽ | अ | नं | ऽ | त | सो | ऽ | हि |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (प)म | प | प | (सां)ध | रीं | सां | (ग)म | प | ध | नि | (नि)म | प |
| म | नु | ज | दे | ऽ | ह | ध | रे | ऽ | जा | ऽ | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

# राग गौड़मल्हार-त्रिताल (मध्यलय)

(कोमल गंधारयुक्त एक प्रकार)

स्थायीः गरवा डारूँ हार सरस सुगंध
लैहों बलैया मोरी आली, आगम भयो है प्राणपिया के।

अंतराः बहुत दिनन पाछे बालम आये
जागे मेरे भाग, शुभ घरि शुभ दिन शुभ महूरत मनाय के॥

### स्थायी

(म)प
ग

| 3 | × | 2 | 0 |
|---|---|---|---|
| प (नि)धनि सां धप | म री (नि़)-री,सा | (ध़)नि़ नि़ - री | सा - सा, (प़) |
| वीं डाऽ ऽ रूँऽ | हा ऽ ऽर,स | र स ऽ सु | गं ऽ ध, लै |
| -(प़)सा - (नि़)सा | (म)री प (म)ग म | री सा (सा)नि़ सा | (म)री म मे (प)म |
| ऽ हों ऽ ब | लै ऽ या ऽ | मो री आ ली | आ ग म् भ |
| प - (प)निम प | पप धनि सांरीं (नि)सां | ध प म प | (म)ग म (री)री;प |
| यो ऽ हैंऽ ऽ | प्राऽ ऽऽ ऽऽ ऽ | ण पि या ऽ | के ऽ ऽ; ग |

### अंतरा

| 3 | × | 2 | 0 |
|---|---|---|---|
| (म)प प (प)प सां | सां (नि)सां सां सां | (मं)गं मं रीं सां | रीं - सां,(नि़)सा |
| ब हु त दि | न न पा छे | बा ऽ ल म् | आ ऽ ये,जा |
| सा (म)री म मे | प - (म)प,प | (प)नि (ध)नि प,(नि)ध | नि सां रीं,(नि)सां |
| गे मे ऽ रे | भा ऽ ग,शु | भ घ रि,शु | भ दि न,शु |
| (सां)ध (प)म प (नि)धनि | सांरीं (नि)सां - (सां)धप | म - री (सा)नि़ | (ध़)नि़ सा -;(म)प |
| भ म हू रऽ | ऽऽ त ऽ मऽ | ना ऽ य के | ऽ ऽऽ; ग |

| 3 | |
|---|---|
| प (नि)धनि सां धप | |
| वीं डाऽ ऽ रूँऽ | ..... इत्यादि स्थायी के अनुसार |

# राग गौड़मल्हार – त्रिताल (मध्यलय)

(कोमल गंधारयुक्त एक प्रकार)

स्थायी : जा दिनतें सखि दरस भयो
अत लागि लगन जिया तरसे निसदिन।

अंतरा : इक घरि पल छिन कल ना परत मोको
याद आवत नित मोहनी मूरत मन॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| म म | | सा | प |
| गमप गम री सा | री – सा सा | म री प म | प – , म प |
| जाऽऽ ऽऽ दि न | तें ऽ स खि | द र स भ | यो ऽ , अ त |
| ३ | × | २ | ० |
| सां | प म म | | म म |
| धसां रींसां नि प | म प ग ग | म म निपम पनि | ग गम री सा ; |
| लाऽ ऽऽ गि ल | ग न जि या | त र सेऽऽ ऽऽ | नि सऽ दि न ; |
| ३ | × | २ | ० |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| म | नि | नि . सां नि. | म |
| प प सां सां | सां सां रीं सां | सां ध सांरीं सांसां | निप मप ग म |
| इ क घ रि | प ल छि न | क ल नाऽ पऽ | रऽ तऽ मो को |
| ३ | × | २ | ० |
| म म नि | नि | सा सां | प |
| गमप गम री सा | री री सा सा | सां रीं सां प | नि प म प ; |
| याऽऽ ऽऽ द आ | व त नि त | मो ह नी मू | र त म न ; |
| ३ | × | २ | ० |

---

# राग गौड़मल्हार – तिलवाडा (विलंबित)

(कोमल गंधारयुक्त एक प्रकार)

स्थायी : सखि बेग बुलाओ प्यारे बालम को
अब नाहीं मानत जियरा मोरा।

अंतरा : दिन रतियाँ बीती जात तरप तरप नित
बाट तकत हूँ, ना जानूँ कब आवेगो
पीतम प्राण पियारा॥

स्थायी

पप
सखि

धनि सां निसां ,धप | म री री – | नि़ नि़ री सा | (प़) सा नि़सा रीप
बेऽ ऽ ऽऽ ,गबु | ला ऽ ओ ऽ | प्या ऽ ऽ रे | बा ऽ ऽऽ लम
३ | × | २ | ०

गग म री सा,नि़सा | सासा री म मे | प निमप पप ,पप |
कोऽ ऽ ऽ ऽ,ऽऽ | अब ना ऽ हीं | मा ऽऽऽ नत ,जिय |
३ | × | २ |

धनिसांरीं सां ,धप मरीसा–;मप || धनि सां निसां ,धप | ....इत्यादि
राऽऽऽ ऽ ,मोऽ राऽऽऽ;सखि || बेऽ ऽ ऽऽ ,गबु |
० || ३ |

अंतरा

पप सांसां | सां – निनि सां | गं मं रीं,सां निसां,सां | नि सां रीं,सां
दिन रति | यँा ऽ ऽऽ ऽ | बी ऽ ति,जा ऽऽ,त | तृ र प,त
| × | २ | ०

ध प म प | मपमप धनिसांरीं सां,सां धप | ग म री सा |
र प नि त | बाऽऽऽ ऽऽऽऽ ट,त कत | हूँ ऽ ऽ ऽ |
३ | × | २ |

सा,नि़सा ,सा रीम ,पप || नि मप प – | पपधनिसांरीं सां (प) ,मप |
ना,ऽऽ ,जा नूँऽ ,कब || आ ऽऽ वे ऽ | गोऽऽऽऽऽ पी तम ,ऽऽ |
० || ३ | × |

गम प म ,रीसा | री सा नि़ सा;पप || धनि सां निसां ,धप |
प्राऽ ऽ ऽ ,णपि | या रा ऽ ऽ;सखि || बेऽ ऽ ऽऽ ,गबु |
२ | ० || ३ |

म री री – |
ला ऽ ओ ऽ | ..... इत्यादि स्थायी के अनुसार
× |

# राग गौड़मल्हार–तिलवाडा (विलंबित)

(कोमल गंधारयुक्त एक प्रकार)

स्थायी : या अल्ला सॉंई हों तोरे दरबार आयो
माँगन माँगत कर जोर जोर आज।

अंतरा : दीन दुनी के दाता दोऊ जग के हो वाली
मुश्किलात मोरी देहो निस्तार आज॥

स्थायी

| पमप– गग म ,रीसा | री – सा ,निसा | मरी पप निपमप धसां |
|---|---|---|
| याऽऽऽ ल्लाऽ ऽ ,सॉंई | हों ऽ ऽ ,ऽऽ | तोरे दर बाऽऽऽ ऽऽ |
| ३ | × | २ |

| ध निप मप गग,म, | गग म – ,रीसा | री – सा सा |
|---|---|---|
| ऽ ऽर आऽ योऽ,ऽ, | माँऽ ऽ ऽ ,गन | माँ ऽ ग त |
| ० | ३ | × |

| म री प –प | निपमपधसां रींसां निमप गम; |
|---|---|
| क र जो ऽर | जोऽऽऽऽऽ ऽर आऽऽ जऽ; |
| २ | ० |

अंतरा

| प सांसां सां सां | रीं – सां – | नि प मप धसां | गं गंमं रीं सां |
|---|---|---|---|
| दी नदु नी के | दा ऽ ता ऽ | दो ऊ जग केऽ | हो ऽऽ वा ऽ |
| ३ | × | २ | ० |

| नि प –, ,मप | गग म,रीसा री सा | म री प –,प |
|---|---|---|
| ली ऽ ऽ, ,मुश्कि | लाऽ ऽ,तऽ मो री | दे ऽ हो ऽ,नि |
| ३ | × | २ |

| निपमपधसां रींसां निमप गम; | पमप– गग म ,रीसा | |
|---|---|---|
| स्ताऽऽऽऽऽ ऽर आऽऽ जऽ; | याऽऽऽ ल्लाऽ ऽ ,सॉंई | इत्यादि |
| ० | ३ | |

# राग शुद्धमल्हार–त्रिताल(मध्यलय)
(ग–नि वर्जित औडुव प्रकार)

स्थायी: धूम धूम धूम आये गरज गरज अत
बरसन लागे बादर बिजरी चमके जियरा डर पावे।
अंतरा: राह तकत हूँ उनके आवन की, दिन ना चैन मोहे
निंदिया न रैन, बिरह की माती अकेली तरसत,
घर आंगना कछु ना सुहावे ॥

## स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | री म धू |
| री री, प – | प, सां ध ध | सां रीं सां – | ध प म, प |
| S म, धू S | म, धू S म | आ S ये S | ग र ज, ग |
| ० | ३ | × | २ |
| म री सा सा, | म री प प | सां ध सां – | सां रीं सां सां |
| र ज अ त, | ब र स न | ला S गे S | बा S द र |
| ० | ३ | × | २ |
| मं रीं सां रीं | सां सां, म प | ध सां ध प | म प म; म |
| बि ज री च | म के, जि य | रा S ड र | पा S वे; धू |
| ० | ३ | × | २ |

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| प – प प | सां ध सां – | सां सां सां सां | सां रीं सां – |
| रा S ह त | क त हूँ S | उ न के आ | व न की S |
| ० | ३ | × | २ |
| सां सां ध सां | – सां सां सां | सां रीं सां सां | ध प म म |
| दि न ना चै | S न मो हे | निं दि या न | रै S S न |
| ० | ३ | × | २ |
| री री म म | प – प, प | ध रीं सां – | ध प म प |
| बि र हा की | मा S ती, अ | के S ली S | त र स त |
| ० | ३ | × | २ |

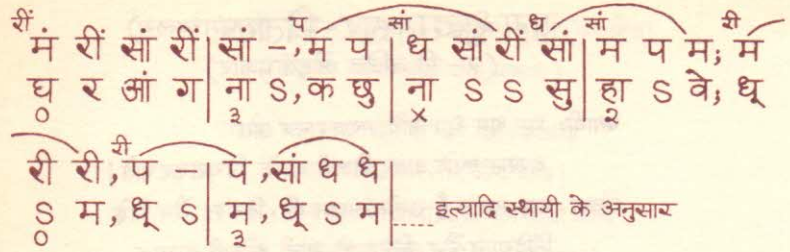

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रीं | | | | | | प | | | सां | | ध | सां | | | री |
| मं | रीं | सां | रीं | सां | -, | म | प | ध | सां | रीं | सां | म | प | म; | म |
| घ | र | आं | ग | ना | S, | क | छु | ना | S | S | सु | हा | S | वे; | धू |
| ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | री | | | | | |
| री | री, | प | - | प | ,सां | ध | ध |
| S | म, | धू | S | म | , धू | S | म |
| ० | | | | ३ | | | |

..... इत्यादि स्थायी के अनुसार

---

## राग जोग

यह एक अप्रसिद्ध राग-रूप है, जो आजकल पर्याप्त लोकप्रिय हो चुका है| कर्णाटक संगीत प्रणाली में "नाट" नाम का एक राग है, जिसमें ठीक वे ही स्वर लगते हैं, जो इस जोग राग में प्रयुक्त होते हैं| अर्थात् दोनों गंधार, दोनों निषाद तथा षड्ज मध्यम एवम् पंचम | इस राग में ऋषभ तथा धैवत मूलतः वर्ज्य हैं; अतः इसे औडुव जाति का राग माना जाता है| लगभग तिलंग राग का ही चलन रखकर बीच बीच में "ग सा, ग़ सा" यह स्वर-समुदाय जोड़ा जाता है| इसका वादी स्वर षड्ज, संवादी पंचम माना जाता है| गान-समय रात्रि का प्रथम प्रहर है| कोमल गंधार केवल अवरोह में उपरोक्त स्वर-समुदाय द्वारा लगाया जाता है| कोमल निषाद का प्रयोग भी आरोह में क्वचित् ही होता है; यद्यपि कुछ विद्वानों के मतानुसार इस राग में केवल कोमल निषाद का ही प्रयोग योग्य माना गया है|

टिप्पणी:-

कर्णाटक संगीत प्रणाली के "नाट" राग में षड्ज, षट्श्रुति ऋषभ, अंतर गंधार मध्यम, पंचम, षट्श्रुति धैवत तथा काकली निषाद, ये स्वर लगते हैं| हिन्दुस्तानी संगीत प्रणाली के अनुसार (स्वर-संकेतानुसार) क्रमशः "सा, ग़, ग, म, प, नि़, नि" इस प्रकार होंगे| "नाट" राग में "रीग, गरी" तथा "धनि, निध" ये प्रयोग हो सकते हैं| हिन्दुस्तानी संगीत के स्वरानुसार ये प्रयोग क्रमशः "ग़ग, गग़" तथा "नि़नि, निनि़" इस प्रकार होंगे|

यद्यपि जोग राग में यदि इस प्रकार के प्रयोग क्वचित् कोई करें, तो वह "ग, ^सा^ग़ सा" तथा "नि, ^प^नि़ प" इस प्रकार कोमल गंधार को षड्ज का एवम् कोमल निषाद को पंचम का कण देकर करेंगे|

आरोहावरोह स्वरूप:

सा, गम, प ^सां^नि, सां | सां, नि़प, मग, पमगसा, ग़सा ||

## स्वर-विस्तार

सा, गमप, मगम, प, मग, म, गसा, गसा, निसा, ग, म, गसा, गसा, सागमप, निप, म, गम, गमप, म, गम, गसा, गसा|

सा, निसा, निप, नि, सा, गमप, मग-सा, सागमप, निप, निसां, निप, गमप, म, पमगग, म, गमपमगम, गसा, गसा|

सा, निसा, पमगसा, गसा, सा प, म, पमगगम, गसा, गसा, गसानिप, पनि, सा, गमप, निपमगगम, गसा, गसा|

सा, प, मप, गमप, ग, सागमप, निप, सां, निप, निसां, गंसां, निप, गमपनि सांगंसां, गंसांनिप, सां, निप, पमगगम, गमपम गसा, गसा|

<u>अंतरा</u>: मपनि, निसां, सां, निसां, गंसां, गंसांनिप, निपमग, म, पनिपमगग, म, पमगसा, गसा|

मपनिप, नि, निसां, निप, निसां, पनिसांगं, मं, गंसां, गंसां, सांगंमंपं, मं, पंमंगंगं, मं, गंसां, गंसां, गंसां, निप, मपमगगम, सागमप, म, निप, निम, पग, गम, गमपमगम, गसा, गसा|

### कुछ अभ्यास की तानें

सागमप गमगसा गसा, सागमप गमनिप मपमग मगसागसा, सागमप गमपनि पनिसांनि पम निपमपमग मगसागसा|

पमगसा गसा, निपमग पमगसा गसा, सांनिपम निपमग पमगमगसा गसा, निसागमपमगम पनिसांगंसांनि सांनिपम पमगगम सागमपमग मगसागसा|

मगसा पमग निपमग पमगसा गसा, निसागमपनिपमगसाग, सागमपनिपम गमपनि पनिसांगंसांनिपम गमपसां निपमगसा गसा|

सांनिपमगसा गसा, गंमंगंसां गंसांनिपम गमगसा गसा, सागम गमप मपनि, पनिसांगंसां गंमंगंसां गंसांनिपमगसा गसा|

ममगसा पपमग निनिपम सांसांनिप गंगंसांनि मंमंगंसां गंगंसांनि सांसांनिप निनिपम पपमग ममगसा, निसागमपनिसांगं सांनिपम गमपमगसा गसा|

---

# राग जोग–त्रिताल(मध्यलय)

स्थायी : बनरा बनी आयो ब्याहन बनरी को
शुभ घरी शुभ दिन मुहूरत मनाओ।

अंतरा : सज सिंगार सोहे सीस सेरा
सब मंगल गावो बजावो रिझावो
शुभ घरी शुभ दिन मुहूरत मनाओ॥

## स्थायी

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | ग |
| | | | | म |
| | | | | ब |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | सा म | प म | ग सा |
| ग सा नि़ प़ | नि़ सा सा, ग | म प म गम | सा ग सा, नि़ |
| न रा ब नि | आ ऽ यो, ब्या | हू न ब नऽ | री ऽ को, शु |
| ३ | × | २ | ० |
| म | प म | री | ग |
| सा ग म, प | नि प म, प | म ग ग, म | गसा ग सा; म |
| भ घ रि, शु | भ दि न, मु | हू र त, म | नाऽ ऽ ओ; ब |
| ३ | × | २ | ० |

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| प | सां नि | मं | सां |
| , म म प | नि सां सां सां | सां गं मं मं | गंसां गं सां, गं |
| , स ज सिं | गा ऽ र सो | हे सी ऽ स | सेऽ ऽ रा, स |
| ३ | × | २ | ० |
| | नि़ | सा सा | री सा |
| सां नि प म | ग – सा, प | नि़ सा सा, प | मग ग म, नि़ |
| ब मं ग ल | गा ऽ वो, ब | जा ऽ वो, रि | झाऽ ऽ वो, शु |
| ३ | × | २ | ० |
| म | प म | री | ग |
| सा ग म, प | नि प म, प | म ग ग, म | गसा ग सा; म |
| भ घ रि, शु | भ दि न, मु | हू र त, म | नाऽ ऽ ओ; ब |
| ३ | × | २ | ० |

| | |
|---|---|
| ग सा नि़ प़ | |
| न रा ब नि | ----- इत्यादि स्थायी के अनुसार |
| ३ | |

# राग जोग – लक्षणगीत – एकताल (विलंबित)

स्थायी: जुगल निखाद गंधार मिलाये
भयो अत सुंदर जोग राग।
अंतरा: नाट कहे कर्णाट राग रीत प्रमाण
अंश गहे खरज, रात समे उपजत अनुराग॥

स्थायी

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ग | सा नि़ | म | | | नि़ |
| मग सा,नि़प़ | नि़सा सा,म | ग म | – गसा | ग सा, | सा नि़प़ |
| जुग ल,निऽ | खाऽ द,गं | धा ऽ | ऽ ऽऽ | ऽ र, | मि लाऽ |
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| सा नि़ | | री | प | म | |
| नि़ सा,सा | गमप- ,नि़प | म गग | म ,पम | ग -म | गसा गसा; |
| ये ऽ,भ | योऽऽऽ ,अत | सु ऽऽ | ऽ ,न्दर | जो ऽग | राऽ ऽग; |
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग सां | | मं मं | री ग |
| म,पनि सां,निनि | सां -सां | गं--मं गंसां,गं--सां | नि़पमग गम,म |
| ना,टक हे,कर | ना ऽट | राऽऽग रीऽ,ऽऽऽत | परमाऽ ऽऽ,न |
| ४ | × | ० | २ |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| प प | | सा नि़ म | | सां | |
| मपनि़-,पम गम ‖ | गसा नि़प़ | ,नि़सासा सा,गम | प ,निसां | गंसां निप | |
| अंऽऽऽ,शग हेऽ ‖ | ऽऽ ऽऽ | ,खरज रा,तस | मे ,उप | जत अनु | |
| ० | ३ | ४ | × | ० | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| री म | | ग | नि़ | म |
| मग गम | गसा गसा; ‖ | मग सा,नि़प़ | नि़सा सा,म | ग |
| राऽ ऽऽ | ऽऽ ऽग; ‖ | जुग ल,निऽ | खाऽ द,गं | धा....इत्यादि |
| २ | ० | ३ | ४ | × |

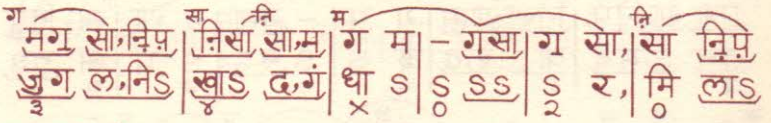

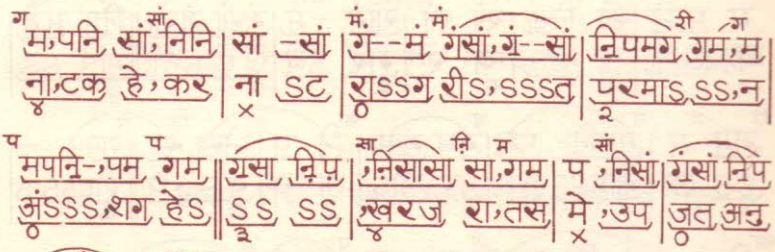

# राग जोग – एकताल (विलंबित)

स्थायी : तन मन वार दई, रूप अनुपम सुंदर श्याम पै।

अंतरा : काछे पीताम्बर गरे बैजयंती माला
सोहे मुरली अधर धरी, ठाड़ो जमुना तट पै॥

स्थायी

| मग साऽनिप | निसा साऽम | ग म | –ऽगसा | ग सा | सा निप |
|---|---|---|---|---|---|
| तन ऽऽमन | वाऽ रऽद | ई ऽ | ऽऽरूऽ | ऽ प | अ नुऽ |
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० |

| नि साऽसा | गमप– ऽनिप | म गग | म ऽपम | ग –म | गसा गसा; |
|---|---|---|---|---|---|
| प ऽऽम | सुंऽऽऽ ऽदर | श्या ऽऽ | ऽ ऽऽम | पै ऽऽ | ऽऽ ऽऽ; |
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० |

अंतरा

| म पऽनि | सां ऽनिसां | सां सां | सांगं –मं | गंसां गंसां ‖ | निप मग |
|---|---|---|---|---|---|
| का छेऽपी | ता ऽऽऽ | म्ब र | गरे ऽबै | जैंऽ ऽन्ती ‖ | माऽ ऽऽ |
| ४ | × | ० | २ | ० | ३ |

| गम म | मपनि– पम | गम गसा | नि प | निसा ऽसा ‖ | गमप– – |
|---|---|---|---|---|---|
| ऽऽ ला | सोऽऽऽ हेऽ | मुर लीऽ | अ ध | रऽ ऽध ‖ | रीऽऽऽ ऽ |
| ४ | × | ० | २ | ० | ३ |

| निसां गंसां | निप मग | गम ऽपम | ग –म | गसा गसा; ‖ |
|---|---|---|---|---|
| ठाड़ो जमु | नाऽ ऽऽ | ऽऽ ऽतट | पै ऽऽ | ऽऽ ऽऽ; ‖ |
| ४ | × | ० | २ | ० |

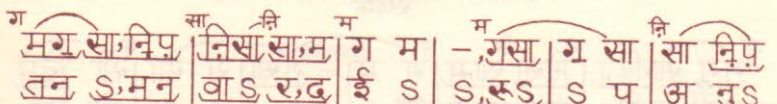

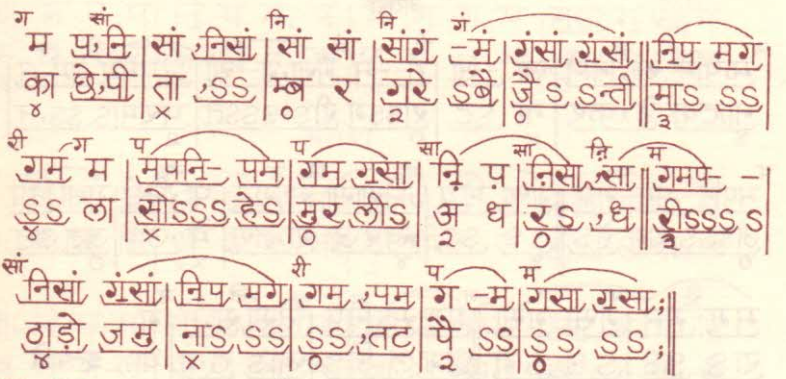

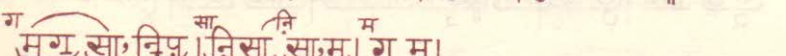

| मग साऽनिप | निसा साऽम | ग म |
|---|---|---|
| तन ऽऽमन | वाऽ रऽद | ई ऽ |
| ३ | ४ | × |

.....इत्यादि स्थायी के अनुसार

---

## राग भैरव-सरगम-त्रिताल(मध्यलय)

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| प़ म ग रे॒ | सा, ^मग - म | ^निध॒ - प -, | म ग रे॒ सा |
| 0 | 3 | × | 2 |
| ^सानि़ सा ^मग म | प, ^मग म प | ^निध॒ नि सां -, | ^निध॒ नि सां रें॒ |
| 0 | 3 | × | 2 |
| सां नि ध॒ प, | नि ध॒ प म | ग रे॒ सा -, | रे॒ ग - म |
| 0 | 3 | × | 2 |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| ध॒ प म ग | म ^निध॒ - ध॒ | सां - ^सांनि नि | सां - - - |
| 0 | 3 | × | 2 |
| ^निध॒ नि सां रें॒ | - रें॒, सां - | सां, ^सांनि - नि, | ^निध॒ - ध॒, प |
| 0 | 3 | × | 2 |
| - प, म ग | म प ध॒ नि | सां नि ध॒ प | म ग रे॒ सा |
| 0 | 3 | × | 2 |

---

## राग भैरव-लक्षणगीत-एकताल(मध्यलय)

स्थायीः रागनमों राग प्रथम भैरव गुनि गावत नित

प्रात समे उपजावत भक्तिरस अतही मधुर।

अंतरा : धैवत वादी सुर लिये रेखब संवादी गहे

किये बिस्तार गुन पावत सुनो 'सुजान' कहे चतुर॥

स्थायी

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ^गरी॒ ^सारी॒ | ^सारी॒ ^सारी॒ | सा नि़सा | ^नि़ध़॒ - | ^नि़ध़॒ ^सानि़ | सा सा |
| रा S | ग न | मों SS | रा S | ग प्र | थ म |
| × | 0 | 2 | 0 | 3 | 4 |
| ^मग म | ^गरी॒ ^सारी॒ | ^मग प | ^मग म | ^गरी॒ ^सारी॒ | सा सा |
| भै S | र व | गु नि | गा S | व त | नि त |
| × | 0 | 2 | 0 | 3 | 4 |

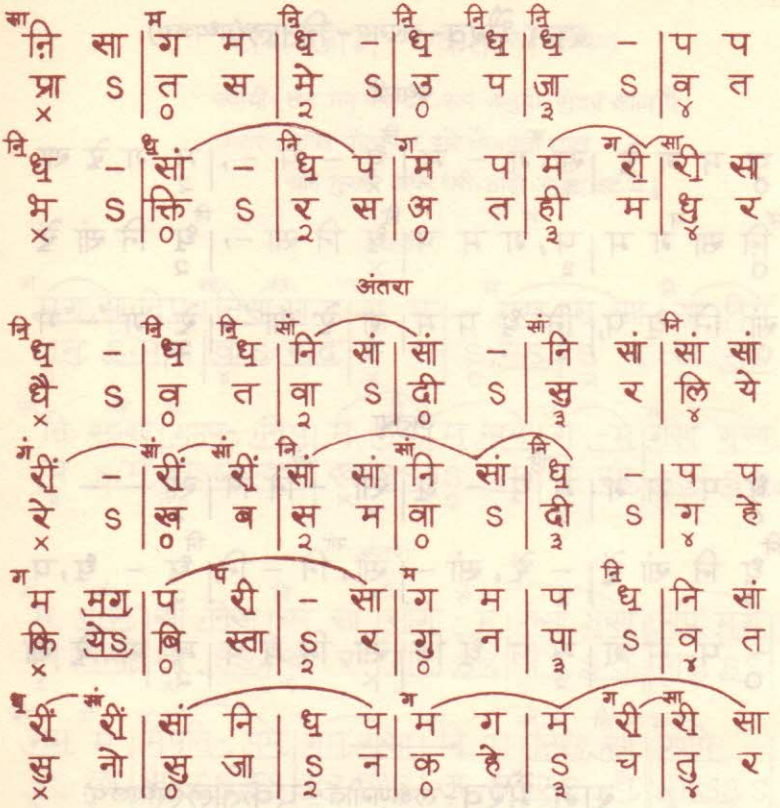

| सा | | म | | नि॒ | | नि॒ | नि॒ | नि॒ | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नि़ | सा | ग | म | ध॒ | – | ध॒ | ध॒ | ध॒ | – | प | प |
| प्रा | S | त | स | मे | S | उ | प | जा | S | व | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| नि॒ | | ध॒ | | नि | | ग | | | ग | सा | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ध॒ | – | सां | – | ध॒ | प | म | प | म | री॒ | री॒ | सा |
| भ | S | क्ति | S | र | स | अ | त | ही | म | धु | र |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

अंतरा

| नि॒ | | नि॒ | नि॒ | सां | | | | सां | | नि | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ध॒ | – | ध॒ | ध॒ | नि | सां | सां | – | नि | सां | सां | सां |
| धै | S | व | त | वा | S | दी | S | सु | र | लि | ये |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| गं | | सां | सां | नि | | सां | | नि | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रीं॒ | – | रीं॒ | रीं॒ | सां | सां | नि | सां | ध॒ | – | प | प |
| रे | S | ख | ब | स | म | वा | S | दी | S | ग | हे |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| ग | | | प | | | म | | | नि॒ | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | मग | प | री॒ | – | सा | ग | म | प | ध॒ | नि | सां |
| कि | येऽ | बि | स्ता | ऽ | र | गु | न | पा | S | व | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| ध॒ | सां | | | | | ग | | | ग | सा | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रीं॒ | रीं॒ | सां | नि | ध॒ | प | म | ग | म | री॒ | री॒ | सा |
| सु | नो | सु | जा | S | न | क | हे | S | च | तु | र |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

---

## राग भैरव – त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी: कन्हैया तोरी बाँसुरी नीकी लगत
अत मधुर धुन सुनि सुध बुध सब हार गई
लगी लगन आज मोरी।

अंतरा: जल भरन जमुना जो मैं गई री
सुनि बाँसुरी की धुन ध्यान-ध्यान
लाज-काज भूल गई, भई बौरी ॥

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | प |
| | | | क |
| ग म री सा | ध - ध प | -,ध पम प | ग म री सा |
| न्हैं या तो री | बाँ ऽ सु री | ऽ, नी कीऽ ल | गु त अ त |
| ३ | × | २ | ० |
| ऩि सा ग म | प री सा,ऩि | सा ग म प | ध नि सां रीं |
| म धु र धु | न सु नि,सु | ध बु ध स | ब हा र् ग |
| ३ | × | २ | ० |
| सां - -,री | ग म ध ध | नि सां सां ध | - प -, ध |
| ई ऽ ऽ,ल | गी ल ग न | आ ऽ ज मो | ऽ री ऽ, क |
| ३ | × | २ | ० |
| म प ग म | | | |
| न्हैं या तो री | ---- इत्यादि | | |
| ३ | | | |

### अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| म ग म ध | ध नि सां सां | रीं - सां नि | सां - - सां |
| ज ल भ र | न ज मु ना | जो ऽ मैं ग | ई ऽ ऽ री |
| ० | ३ | × | २ |
| ध नि सां रीं | नि सां ध प | म ग म,री | - सा, म ग |
| सु नि बाँ सु | री की धु न | ध्या ऽ न,ध्या | ऽ न, ला ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| मे, ध सां सां | रीं सांनि सां ध | प - -,म | री - -,ग |
| ज, का ऽ ज | भू ऽऽ ल ग | ई ऽ ऽ,भ | ई ऽ ऽ,बौ |
| ० | ३ | × | २ |
| प री सा; ध | म प ग म | | |
| ऽ री ऽ; क | न्हैं या तो री | ---- इत्यादि स्थायी के अनुसार | |
| ० | ३ | | |

# राग भैरव-ध्रुवपद-चौताल

स्थायी: चंद्रमा ललाट सोहे, जटाजूट गंग सोहे
गर सोहे रुण्ड माल, सोहे अत बाघाम्बर।

अंतरा: भाल लोचन अत उज्वल, गौर बरन बदन सोहे
अंग बभूत सोहे, अत सोहे त्रिशूल कर ॥

संचारी: ब्रह्मा गणेश शेष, नारायण नारद मुनि
जपत नाम अस्तुत गाय जय हर हर शिव शंकर ॥

आभोग: निरतत ताण्डव शिव कैलासपति महेश
डमरु नाद अत गंभीर शब्द बजत हर हर हर ॥

स्थायी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (नि)ध | - | (नि)ध | प | - | (नि)ध | प | म | प | म | (म)ग | म |
| च | S | न्द्र | मा | S | ल | ला | S | ट | सो | S | हे |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (ग)म | (म)री | - | (म)ग | प | प | (ग)म | ग | म | (ग)री | - | सा |
| ज | टा | S | जू | S | ट | गं | S | ग | सो | S | हे |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (नि)ध | (नि)ध | - | (सा)नि | सा | सा | (ग)री | - | (सा)री | (नि)सा | - | सा |
| ग | र | S | सो | S | हे | रु | S | ण्ड | मा | S | ल |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (नि)ध | - | (ध)सां | - | (नि)ध | प | (प)म | (ग)प | (प)री | - | सा | सा |
| सो | S | हे | S | अ | त | बा | S | घा | S | म्ब | र |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

अंतरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (नि)ध | - | (नि)ध | (सां)नि | सां | सां | (सां)नि | सां | (नि)सां | - | सां | सां |
| भा | S | ल | लो | च | न | अ | त | उ | S | ज्व | ल |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (गं)रीं | - | (सां)रीं | (गं)रीं | (सां)रीं | सां | (नि)सां | नि | सां | (नि)ध | - | प |
| गौ | S | र | ब | र | न | ब | द | न | सो | S | हे |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| (नि॒)ध॒ | - | - | (ध॒)सां | - | (नि)सां | (सां)नि | सां | सां | (नि)ध॒ | - | प |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अं | ऽ | ऽ | ग | ऽ | ब | भू | ऽ | त | सो | ऽ | हे |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | 4 | |

| (ग)म | (ग)री | - | ग | (म)प | प | (ग)म | ग | म | (ग)री | सा | सा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | त | ऽ | सो | ऽ | हे | त्रि | शू | ऽ | ल | क | र |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | 4 | |

## संचारी

| (नि॒)सा | - | - | (सा)ध॒ | - | (नि॒)ध॒ | (नि॒)ध॒ | - | (नि॒)ध॒ | प | - | प |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ब्र | ऽ | ऽ | ह्मा | ऽ | ग | णे | ऽ | श | शे | ऽ | ष |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | 4 | |

| (नि॒)ध॒ | - | (नि॒)ध॒ | - | नि | सां | (गं)रीं | सां | (सां)नि | सां | (नि)ध॒ | प |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ना | ऽ | रा | ऽ | य | ण | ना | ऽ | र | द | मु | नि |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | 4 | |

| (ग)म | ग | (ग)री | (म)ग | प | प | (ग)म | ग | म | (ग)री | सा | सा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ज | प | त | ना | ऽ | म | अ | स्तु | त | गा | ऽ | य |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | 4 | |

| (नि॒)सा | सा | (सा)म | म | (ग)प | प | (नि॒)ध॒ | (नि॒)ध॒ | (नि॒)ध॒ | - | प | प |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ज | य | ह | र | ह | र | शि | व | शं | ऽ | क | र |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | 4 | |

## आभोग

| (म)प | प | - | (नि॒)ध॒ | - | नि | सां | - | (सां)नि | सां | (नि)सां | सां |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नि | र | ऽ | त | ऽ | त | ता | ऽ | ण्ड | व | शि | व |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | 4 | |

| (गं)रीं | - | - | (मं)गं | - | मं | (गं)रीं | सां | (नि)सां | (नि)ध॒ | - | प |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| कै | ऽ | ऽ | ला | ऽ | स | प | ति | म | हे | ऽ | श |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | 4 | |

| (ग)म | ग | म | (ग)री | - | सा | (ग)म | ग | म | (नि॒)ध॒ | - | प |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ड | म | रु | ना | ऽ | द | अ | त | ग | म्भी | ऽ | र |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | 4 | |

| (प)रीं | - | (सां)रीं | (गं)रीं | सां | सां | (नि॒)सा | सा | (सा)म | (म)ग | प | प |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श | ऽ | द्ध | ब | ज | त | ह | र | ह | र | ह | र |
| × | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | 4 | |

# राग भैरव–वर्णम्–आदिताल

पल्लवी : देहि मां सुस्वरम् शारीरम्
लयान्वितं हे रागसत्तमे।

अनुपल्लवी : भैरवानुगृण्हीहि प्रसीद
प्रातः पूजयामि सेवकोऽति विनीतो ॥

चरणम् : ते मनोज्ञता स्वैरैश्वर्यं वितनोऽति ॥

## पल्लवी

सां--नि धपम,प धपमग मपरी,ग | मप,मग रीसानिसा | निसारीग मपधनि ||
देSSS SSहि,मां SSSSS SSS,सु | SS,स्वरं SSSSS | शाSSरी SSरंS ||
× | २ | ३

गंरींसांनि ध,रींसांनि धपम,ध पम,रीग | मपमग री,पमग, | धपम,नि धपधनि ||
लयाSS S,SSन्वि तंSS,हे SS,राS | SSSSS S,गSS, | सSS,त्त मेSSS ||
× | २ | ३

## अनुपल्लवी

रीं--रीं मंगंरींसां नि,धपम गमपध | निसां--, पंमंगंरीं | सांनिधप म,पधनि, ||
भैSSर वाSSS S,नुSगृ SSण्हीS | SSSSS,हिSSप्र | सीSSS S,दSS, ||
× | २ | ३

मपध,ग मप,रीग मगरीसा निसागम | पधनिसां रींसां--, | रींसांनिध मपधनि ||
प्राSS,तः SS,पूS SSजया SSSSS | मिसेSS वकोSS, | तिविनीS SतोSS ||
× | २ | ३

## मुक्तायंपू

गमप,रे प,रेध,रे नि,धपम पध,रेंसां | गं,निसांनि, पध,मप, | रेरेप,रे मगपरे ||
× | २ | ३

सा–,पसा –,धसा–, निरे–,सा ध–,परें | –सां,परें –रें,ध– | ध,रे–रे,ध–ध,नि ||
× | २ | ३

–निसां–, पधनिसां –,गमप धनिसां–, | रेरेरे,ग गग,मम | म,धधध, निनिनि,सां ||
× | २ | ३

सां,निसांनि सां,पपम पमप,रे रेसारेसा | रे,प–म गम,ध– | पमप,नि –धपध, ||
× | २ | ३

गं,मपरें, गमनि,रे गध,निसां रें,गंमंरें | –सां,नि– धप–म, | रे–ग,म –,पधनि ||
× | २ | ३

## चरणम्

प---, गमनिध प--,रीं सांनिधप | मपधप धनिधनि | सांरींसांनि धपधनि ||
तेSSS, मनोSज्ञ ताSS,स्व रैSSश्व | SSर्यंS SSSSS | वितनोS SSSति ||
× | २ | ३

## चिट्टस्वरम्

१. सा--प --म- -ग-- रे--सा | --,म- -ग-- | म--प -धनिध ‖
×　　　　　　　　　　　　| २　　　　　| ३

२. सा-रेग -मध- निसां-,रें निसां-,ध | निपधम पगमरे | -,सारेग मपधनि ‖
×　　　　　　　　　　　　| २　　　　　| ३

३. पमम,ध पप,रेग मपधनि धसां-,गं | रेंमंगं,पं रें-रें,ध | रेंसां-,सा रेगमप ‖
×　　　　　　　　　　　　| २　　　　　| ३

धनि-,ध निसारेग मप-,रे गम-,नि | सारे-,ग म-,पध | -,निसां-,रेंसांनिध ‖
×　　　　　　　　　　　　| २　　　　　| ३

४. गंरेंगंरें गंरें,मंगं रें,सांसांसां सांसांसां,रें | सां,पधनि सां,मपध | निसां,रेंप रेंसा,धरें ‖
×　　　　　　　　　　　　| २　　　　　| ३

धप,रेंपं रेंसां,गं- रेंधरें-, सांपसां-, | निमनि-, धगध-, | पंरेंप-, मगरेसा ‖
×　　　　　　　　　　　　| २　　　　　| ३

नि-धप मगरेसा, रें-सांनि धपमग | रेंसा,गं- रेंसांनिध | पमगरे सा,म-म, ‖
×　　　　　　　　　　　　| २　　　　　| ३

ध-प,ध सानिरेसा पमधप निधरें,सां | निधपम पधनिसां | --,रे- -सा-- ‖
×　　　　　　　　　　　　| २　　　　　| ३

५. धधध,ध धध,निसां -,मं-मं रें-,सांनि | धप,मप धनि,गम | पध,रेग मप,सारे ‖
×　　　　　　　　　　　　| २　　　　　| ३

गम,निसा रेग-,म पधनि-, सांरेंसां,पं | मंपं,गंमं रेंगंसांरें | निसांधनि पधमप ‖
×　　　　　　　　　　　　| २　　　　　| ३

ध,गमप -प,मप ध-ध,प धनि-नि, | धनिसां- सां,सा-रे | गमपध रें-सां- ‖
×　　　　　　　　　　　　| २　　　　　| ३

-,नि-- -,ध--,प--,म --,ग- | -,म-- -,प--, | ध-निसां -,मगम ‖
×　　　　　　　　　　　　| २　　　　　| ३

टीपः कर्णाटक संगीत पद्धति के वर्णम् के आधार पर लेखक ने
उपरोक्त वर्णम् की रचना की है।

---

# राग रामकली- त्रिताल(मध्यलय)

(लक्षणगीत)

स्थायी: गावो री बजावो सुनावो रस रंगसों सखि

रागनी को रामकली आजे।

अंतरा: सप समवादी-वादी गहत नित

भैरव मेल सजत प्रात गेय

मध्यम तीवर मृदु निखाद सों

अत मन भायो ॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| गम; प - प | ध - - ध | ध - प - | म प गम पम |
| SS; गा S वो | री S S ब | जा S वो S | S S SS SS |
| ३ | × | २ | ० |
| री - सा - | सा सा म गम | म गमप प प | पध निसां - सां |
| ना S वो S | र स रं गS | सों SSS स खि | राS SS S ग |
| ३ | × | २ | ० |
| ध - प - | ध - प - | ध म प - | धध पम प म |
| नी S को S | रा S S S | म क ली S | आS SS S जे |
| ३ | × | २ | ० |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| प प प प | ध - नि - | सां - सां सां | नि सां सां सां |
| स प स म | वा S दी S | वा S दि ग | ह त नि त |
| × | २ | ० | ३ |
| ध - ध ध | नि - सां सां | रीं रीं सां नि | सां ध - प |
| भै S र व | मे S ल स | ज त प्रा S | त गे S य |
| × | २ | ० | ३ |
| ग म प प | ध - नि नि | सां सां सां सां | नि सां ध प |
| म S ध्य म | ती S व र | मृ दु नि खा | S द सों S |
| × | २ | ० | ३ |
| ध ध सां सां | - ध नि ध | प - म प | गम; प - प |
| अ त म न | S भा S यो | S S S S | SS; गा S वो |
| × | २ | ० | ३ |

# राग रामकली–त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : पचरंग चुनरी मोरी भीनी सारी
बरजोरी कीन्ही लंगर ढीट कन्हैया
मैं कासे कहूँ मैंतो लाज लजाऊँ।

अंतरा : भरी गगरी डार दीनी, उचक काँकरिया
मारी, अब कैसे घर जाऊँ॥

स्थायी

(नि)ध
प

| | | | |
|---|---|---|---|
| नि ध प ध | (प)म प (प)ग म | (नि)ध – (नि)ध (सां)नि | सां (नि)ध प, (म)प |
| च रं ग चु | न री मो री | भी ऽ नी सा | ऽ री ऽ, ब |
| ० | ३ | × | २ |
| (प)ग म (ग)री (सा)सा | (नि)नि़, सा ग म | प – (नि)प, ध | नि सां (रीं)सां (नि)ध |
| र जो री की | न्ही, लं ग र | ढी ऽ ट, क | न्है ऽ ऽ या |
| ० | ३ | × | २ |
| – प –, (सा)नि़ | सा ग म, प | (नि)ध नि सां, नि | ध – प; (नि)ध |
| ऽ मैं ऽ, का | से क हूँ, मैं | तो लाऽज ल | जा ऽ ऊँ; प |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा

(म)प
भ

| | | | |
|---|---|---|---|
| प (नि)ध (नि)ध नि | सां – सां रीं | (सां)सां, नि सां सां | (नि)ध – नि सां |
| री ग ग री | डा ऽ र दी | नी, उ च क | काँ ऽ क रि |
| ० | ३ | × | २ |
| रीं (सां)सां नि सां | (नि)ध, ग (प)म (नि)ध | नि सां रीं सां | नि ध प; (नि)ध |
| या ऽ मा ऽ | री, अ ब कै | से घ र जा | ऽ ऊँ ऽ; प |
| ० | ३ | × | २ |
| नि ध प ध | (प)म प | | |
| च रं ग चु | न री ----- इत्यादि स्थायी के अनुसार | | |
| ० | ३ | | |

# राग रामकली–तराना–त्रिताल (मध्यलय)

स्थायीः ना दिर दिर तन तुं दिर दिर दीम् दीम् तदीम्
द्रियानारे तोम्तन, उदानि उदानि तदानि तदानि
दीम् तनोम् तार्दीनि |

अंतराः धिल्लांग् धिल्लांग् दिर दिर तोम् तननननन
ना दिर दिर दिर तोम्तन तुम् दिर दिर दिर दीम्तन
दिर तन दिर तन दिर दिर दिर दिर दिर दिरदीम्तन
यारे नारे यलि यलाले यलियल यलियल
यलि यलाले तार्दीनि ||

## स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| नि ध | प, मं प ग | नि | |
| ध नि ध प | म, प ग म | प – –, ध | नि ध प – |
| ना दिर दिर त | न, तुं दिर दिर | दी ऽ म्,दी | ऽ म्त दी म् |
| 0 | 3 | × | 2 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| मं ग ग | ग | नि सा | म मं |
| प ग मप मम | री – सा सा, | सा सा सा म | ग म, प प |
| द्रि या नाऽ रेऽ | तो ऽ म्त न, | उ दा नि उ | दा नि, त दा |
| 0 | 3 | × | 2 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| नि नि नि | सां | नि मं | ग ग |
| प ध ध ध, | नि सां रीं सांनि | ध – –, प | म री – सा |
| नि त दा नि, | दी ऽ ऽ म्तऽ | नो ऽ म्,ता | ऽ दीं ऽ नि |
| 0 | 3 | × | 2 |

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| मं मं | नि | | सां |
| प प – प | ध – नि नि | सां – सां सां | नि सां सां सां |
| धि ल्लां ग् धि | ल्लां ग् दिर दिर | तो ऽ म्त न | न न न न |
| 0 | 3 | × | 2 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| गं | गं | सां रीं | नि |
| रीं रीं रीं रीं | रीं – सां सां, | नि नि सां सां | ध – प प |
| ना दिर दिर दिर | तो ऽ म्त न, | तुं दिर दिर दिर | दी ऽ म्त न |
| 0 | 3 | × | 2 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| मं | नि | | नि |
| प प मं, प | ध ध, नि नि | सां सां रीं सां | ध – प प |
| दिर त न, दिर | त न, दिर दिर | दिर दिर दिर दिर | दी ऽ म्त न |
| 0 | 3 | × | 2 |

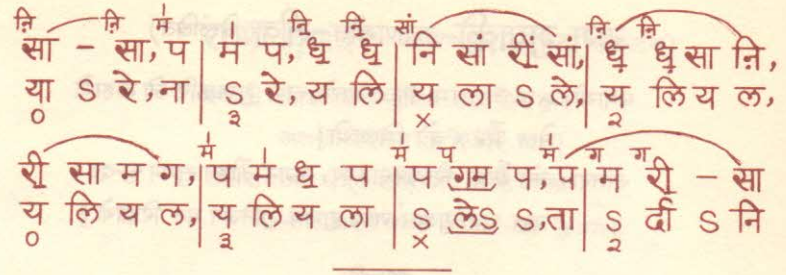

| | | | |
|---|---|---|---|
| नि़ नि़ मं | नि नि | सां | नि़ नि़ |
| सा - सा,प | मं प,ध ध | नि सां रीं सां, | ध़ ध़ सा नि़, |
| या ऽ रे,ना | ऽ रे,य लि | य ला ऽ ले, | य लि य ल, |
| ० | ३ | × | २ |
| | मं | मं प मं | ग ग |
| री सा म ग, | प मं ध प | प गम प,प | म री - सा |
| य लि य ल, | य लि य ला | ऽ लेऽ ऽ,ता | ऽ दी ऽ नि |
| ० | ३ | × | २ |

---

## राग मेघरंजनी- साद्रा- झपताल(मध्यलय)

स्थायी : दानव दलन धीर बीर गंभीर है
नायक सकल श्रेष्ठ दानी दयवंत है।

अंतरा : जपत जाको नाम टरत दुःख दंद है
भगत-वत्सल कृपावंत गुणवंत है॥

### स्थायी

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा | म ग | | ग | ग | ग | | |
| नि़ री | ग म म | म म | म - म | म - | मं म - | ग - | री ग - |
| दा ऽ | न व द | ल न | धी ऽ र | बी ऽ | र गं ऽ | भी ऽ | र है ऽ |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |
| ग | सां | | नि | नि | ग | म | |
| म - | म म नि | नि सां | रीं - सां | सां - | म म म | ग - | री ग - |
| ना ऽ | य क स | क ल | श्रे ऽ ष्ठ | दा ऽ | नि द य | वं ऽ | त है ऽ |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |

### अंतरा

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग | सां | | नि | सां | | | नि |
| म म | म नि सां | सां - | रीं - सां | नि नि | रीं गं रीं | सां - | रीं सां - |
| ज प | त जा ऽ | को ऽ | ना ऽ म | ट र | त दु ख | दं ऽ | द है ऽ |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |
| नि | नि | नि | नि | नि | ग | म | |
| सां सां | सां रीं सां | रीं सां | रीं सां - | सां - | म म म | ग - | री ग - |
| भ ग | त व ऽ | त्स ल | कृ पा ऽ | वं ऽ | त गु ण | वं ऽ | त है ऽ |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |

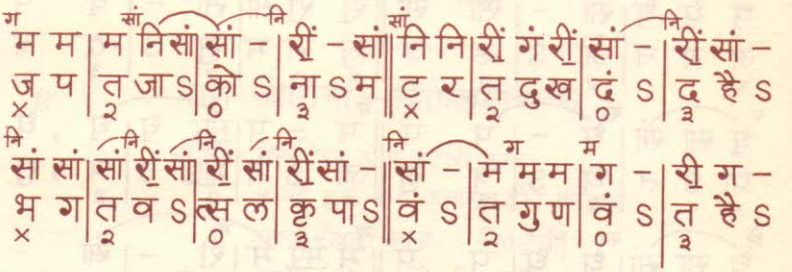

---

## राग गुणक्री–लक्षणगीत–तीव्रा (विलंबित)

स्थायी : रूप अनुपम आज गायो, राग गुणकरि जो कहायो
मेल भैरव को मिलायो।

अंतरा : अंश धैवत रिखब सहचर, अगन औडव सुगम सुन्दर
प्राल चत्र 'सुजान' गाय सुनाय गुनिजन मन रिझायो ॥

### स्थायी

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा | | सा | सा | सा | | | | | नि़ | ध़॒ | | | |
| री॒ | - | री॒ | री॒ | री॒ | सा | सा | ध़॒ | - | ध़॒ | सा | - | सा | - |
| रू | S | प | अ | नु | प | म | आ | S | ज | गा | S | यो | S |
| × | | | २ | | ३ | | × | | | २ | | ३ | |
| ग | | सा | ग | | | | | | नि़ | ध़॒ | | | |
| री॒ | - | री॒ | री॒ | री॒ | सा | सा | ध़॒ | - | ध़॒ | सा | - | सा | - |
| रा | S | ग | गु | ण | क | रि | जो | S | क | हा | S | यो | S |
| × | | | २ | | ३ | | × | | | २ | | ३ | |
| नि़ | | | नि़ | | | | ग | | | ग | | | |
| सा | ध़॒ | ध़॒ | ध़॒ | - | प | प | म | प | म | री॒ | - | सा | - |
| मे | S | ल | भै | S | र | व | को | S | मि | ला | S | यो | S |
| × | | | २ | | ३ | | × | | | २ | | ३ | |

### अंतरा

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | | | नि़ | | नि़ | नि़ | ध़॒ | | | नि | | | |
| प | - | प | ध॒ | - | ध॒ | ध॒ | सां | सां | सां | सां | सां | सां | सां |
| अं | S | श | धै | S | व | त | रि | ख | ब | स | ह | च | र |
| × | | | २ | | ३ | | × | | | २ | | ३ | |
| सां | नि | नि | ध॒ | | | | सां | सां | | नि | | नि | |
| ध॒ | ध॒ | ध॒ | सां | - | सां | सां | रीं॒ | रीं॒ | सां | सां | - | ध॒ | प |
| अ | ग | न | औ | S | ड | व | सु | ग | म | सु | S | न्द | र |
| × | | | २ | | ३ | | × | | | २ | | ३ | |
| प | | | सां | | | | म | | | | | | नि़ |
| ध॒ | सां | सां | ध॒ | - | प | प | प | - | प | मप | ध॒ | ध॒ | , ध॒ |
| प्रा | S | त | च | S | त्र | सु | जा | S | न | गाS | S | य | , सु |
| × | | | २ | | ३ | | × | | | २ | | ३ | |
| नि़ | | | सां | नि | | | ग | | | म | | | |
| ध॒ | सां | सां | ध॒ | ध॒ | प | प | म | मप | म | री॒ | - | सा | - |
| ना | S | य | गु | नि | ज | न | म | नS | रि | झा | S | यो | S |
| × | | | २ | | ३ | | × | | | २ | | ३ | |

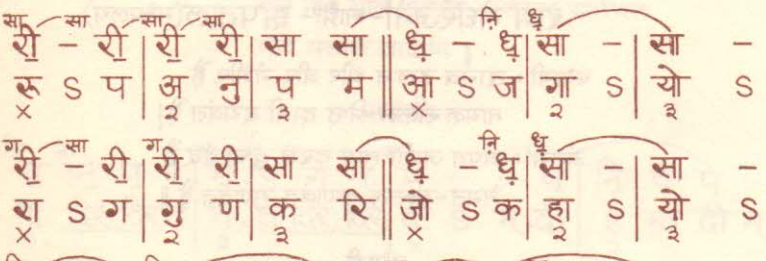

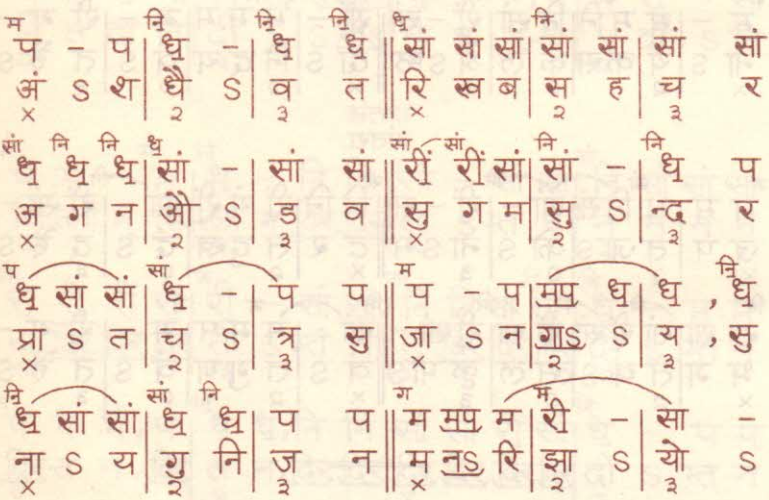

## राग गुणक्री – साधा – झपताल (मध्यलय)

स्थायी : आज आयो सुदिन आये मेरे द्वारे
अलख निरंजन जागे मेरे भाग।

अंतरा : अंग बभूत सोहे गरे रुण्ड माला
नील बरन कण्ठ लिपट रह्यो भुजंग॥

### स्थायी

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा | सा सा | सा नि | धृ | सा नि | ध | | सां नि |
| री – | री री सा | धृ धृ | सा सा सा | ध ध | सां – रीं | सां – | ध ध प |
| आ S | ज आ S | यो S | सु दि न | आ S | ये S मे | रे S | द्वा S रे |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |
| ग | म | | म ग | नि | सा | म नि नि | नि |
| म म | म – प | म – | री री सा | सा – | प – प | ध ध | ध – प |
| अ ल | ख S नि | रं S | ज S न | जा S | गे S मे | रे S | भा S ग |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |

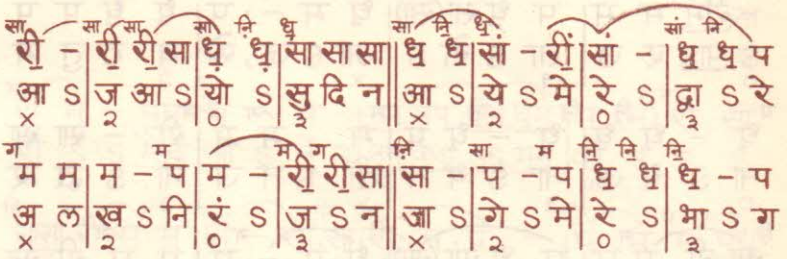

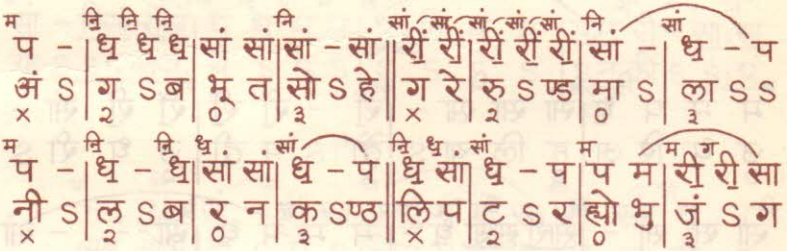

### अंतरा

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | नि नि नि | | नि | सां सां | सां सां सां | नि | सां |
| प – | ध ध ध | सां सां | सां – सां | रीं रीं | रीं रीं रीं | सां – | ध – प |
| अं S | ग S ब | भू त | सो S हे | ग रे | रु S ण्ड | मा S | ला S S |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |
| म | नि नि ध | सां | | नि ध सां | | म | म ग |
| प – | ध – ध | सां सां | ध – प | ध सां | ध – प | प म | री री सा |
| नी S | ल S ब | र न | क Sण्ठ | लि प | ट S र | ह्यो भु | जं S ग |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |

---

## राग जोगिया – त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : खेवटिया पार उतारो आज
खेवट तुम, नाथ अनाथन दीन जनोद्धर
काज सँवारो आज--- खेवटिया।

अंतरा : उधरि अहिल्या द्रौपदी उधरी
उधर्‍यो ऐरावतहु नाथ, गोपि ग्वार गोकुल के
उधरे, शरणागत के तुम हितकारी
इतहु निहारो आज --- खेवटिया॥

---

स्थायी

```
                                        म | म म री सा
                                       खे | व टि या ऽ
                                          | २

री म म म | प ध सां (सां) | ध प –, म | म म री सा
पा ऽ र उ | ता ऽ रो ऽ | आ ऽ ज्, खे | व टि या ऽ
०        | ३          | ×          | २

– रीम म म | प ध सां (सां) | ध म –, प | ध ध प प
ऽ पाऽ र उ | ता ऽ रो ऽ | आ ऽ ज्, खे | व ट तु म
०         | ३          | ×          | २

ध – ध ध | ध – ध प | म – म म | री – सा सा
ना ऽ थ अ | ना ऽ थ न | दी ऽ न ज | नो ऽ द्ध र
०        | ३        | ×        | २

सा री म म | प ध सां (सां) | ध प –; म | म म री सा
का ऽ ज सँ | वा ऽ रो ऽ | आ ऽ ज्; खे | व टि या ऽ
०         | ३          | ×          | २
```

अंतरा

```
म म प ध | सां सां सां – | रीं – रीं रीं | रीं रीं सां –
उ ध रि अ | ह लि या ऽ | द्रौ ऽ प दी | उ ध री ऽ
०        | ३         | ×          | २

सां सां सां – | सांरीं सांसां ध – | म म प ध | सां – – सां
उ ध ऱ्यो ऽ | ऐऽ ऽऽ रा ऽ | व त हु ऽ | ना ऽ ऽ थ
०           | ३               | ×        | २

सां – सां ध | – ध म – | प ध म – | री री सा –
गो ऽ पि ग्वा | ऽ र गो ऽ | कु ल के ऽ | उ ध रे ऽ
०           | ३        | ×        | २

सा सा री प | म म रीसा | सा री म म | प – प –
श र णा ऽ | ग त के ऽ | तु म हि त | का ऽ री ऽ
०        | ३        | ×         | २

रीं रीं रीं सां | सां – सांरीं सांसां | ध प –; म | म म री सा
इ त हु नि | हा ऽ रोऽ ऽऽ | आ ऽ ज्; खे | व टि या ऽ
०         | ३            | ×          | २
```

# राग जोगिया–तिलवाडा (विलंबित)

स्थायी : परी मैं ना जानूँ उनके मन की
यहाँ तो गँवाये बैठी नींदरिया सुख चैन की।

अंतरा : अब्तो भई मैं चेरी सजनी, उन बिन जियरा
मानत नाहीं; कासे कहूँ अब अपने मन की ॥

## स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | सा |
| | | | ए |
| री म - पप | ध - प - | ममप मप धनि धम | प (म) री सा |
| री ऽ ऽ मैंना | जा ऽ नूँ ऽ | उन केऽ ऽऽ मन | की ऽ ऽ ऽ |
| ३ | × | २ | ० |
| सासा री प म | री - सा,सा | री म प - | ध म म पध |
| यहाँ तो ऽ गँ | वा ऽ ये, बै | ठी ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ नीं दरि |
| ३ | × | २ | ० |
| सां - निसां रींसां | ध ध म प | ध नि ध म | पम री - सा;सा |
| या ऽ ऽऽ सुख | चै ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽन की ऽ ऽ;ए |
| ३ | × | २ | ० |

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| मम पध | सां - रीं सां | सांरीं मं रीं सां | रीं सां ध प |
| अब तोभ | ई ऽ मैं ऽ | चेऽ ऽ री ऽ | स ज नी ऽ |
| | × | २ | ० |
| मप धरां - - | री री सा - | सा री सारी मम | प - प - |
| उन बिन ऽ ऽ | जि य रा ऽ | मा ऽ ऽऽ नत | ना ऽ हीं ऽ |
| ३ | × | २ | ० |
| प ध पध रींसां | ध (म)म मम प | धनि धम प (म) | री - सा; सा |
| का ऽ ऽऽ सेक | हूँ अब अप ने | ऽऽ मन की ऽ | ऽ ऽ ऽ; ए |
| ३ | × | २ | ० |

---

# राग देवरंजनी – त्रिताल (मध्यलय)

स्थायीः जिया की बिथा कासे कहूँ सजनी
मैंतो फ़ँसी पीत लगाये उन संग।
अंतराः वे तो रसिया अपने ही रस के
बतियाँ बनाय के झूठी झूठी
साची नीकी पीत लगाये औरन संग॥

## स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | (सा) म |
| | | | जि |
| सा ध़ – ऩि | सा म – , म | म प पध़ नि | ध़ प म, म |
| या की ऽ बि | था ऽ ऽ , का | से क हूँऽ ऽ | स ज नी, मैं |
| ३ | × | २ | ० |
| प ध़ सां – | ध़ नि धप नि | ध़ प म , प | म सा सा; मप |
| तो फ़ँ सी ऽ | पी ऽ तऽ ल | गा ऽ ये , उ | न सं ग; जिऽ |
| ३ | × | २ | ० |
| मसा सा ध़ ऩि | सा म | | |
| याऽ की ऽ बि | था ऽ ...... इत्यादि | | |
| ३ | × | | |

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | (नि) ध़ |
| | | | वे |
| प म प ध | सां – – , सां | मं मं सां सां | ध नि ध, प |
| ऽ तो र सि | या ऽ ऽ , अ | प ने ऽ ही | र स के, वे |
| ३ | × | २ | ० |
| म म प ध | सां – – ,सां | मंपं मं सां सां | ध नि ध, प |
| ऽ तो र सि | या ऽ ऽ ,अ | पऽ ने ऽ ही | र स के, ब |
| ३ | × | २ | ० |
| म सा ध़ ऩि | सा म – म | प – – , ध | नि ध प, सां |
| ति याँ ऽ ब | ना ऽ ऽ य | के ऽ ऽ , झू | ठी झू ठी, सा |
| ३ | × | २ | ० |

सां धु नि धु | प – नि धु | प म, म प | म सा सा; मप
चि नी ऽ की | पी ऽ त ल | गा ये, औ र | न सं ग ; जिऽ
३ × २ ०

मसो सा धु नि | सा म
याऽ की ऽ बि | था ऽ ..... इत्यादि स्थायी के अनुसार
३ ×

## राग देवरंजनी – एकताल (विलंबित)

स्थायी : ऐसी को गुन खानी, रसरानी, मृग नैनी
जिन कारन तरपत जियरा बालम तुम्हरो ।

अंतरा : चूक परी का हमसों जो नेहा छाँड़ दियो
चतुर सुघर पेसो को जिन बस कीन्हो मन तुम्हरो ॥

स्थायी

साप –म | सा,निसा धुधु | निसा सा | मप धु,निनि | धुनिसा– सा |
ऐऽ ऽसी | को,ऽऽ गुन | खाऽ नी | रस रा,ऽऽ | ऽऽऽऽ नी |
३ ४ × ० २

सासा,म प,मप || पधनिसां निधु | प धम | मप धनि | धप म | म पम |
मृग,नै ऽ,ऽऽ || नीऽऽऽ जिन | कारन | तर पत | जिय रा | बा लम |
० ३ ४ × ० २

सासा धु,निसा ||
तुम्ह रो,ऽऽ ||
०

अंतरा

म पधु | नि सां | सां निसां | सांसां पं,मं | सां नि | धप म ||
चू कप | री ऽ | का ऽऽ | हम्सो ऽ,जो | ने ऽ | ऽऽ हा ||
३ ४ × ० २ ०

मपधनि धप | म – | धु नि | सा म | म प | म प ||
छाँऽऽऽ ड़दि | यो ऽ | च तु | र सु | घ र | पे सो ||
३ ४ × ० २ ०

मपधनि सां | निधु पम | मप धनि | धु प | म ,पम | सासा धु निसा ||
कोऽऽऽ ऽ | जिन बस | कीऽ ऽऽ | न्हो ऽ | ऽ ,मन | तुम्ह रो,ऽऽ ||
३ ४ × ० २ ०

# राग गौळ

यह कर्नाटक संगीत पद्धति का एक मनोरंजक राग-स्वरूप है। इसका मेल मायामालवगौळ है, जो कि हिन्दुस्तानी भैरव ठाठ के सदृश है। इसमें मध्यम वादी एवम् संवादी षड्ज स्वर माने गये हैं। धैवत तथा गंधार इसमें वर्ज्य होने के कारण औडुव जाति का राग माना गया है। गान समय प्रातःकाल है।

आरोहावरोह स्वरूपः

सा रे म प नि सां | सां नि प म रे सा ॥

पकड़ः

साम, मपम, पनि, पम, पम, रे, सा ॥

## राग गौळ–लक्षणगीत–झपताल(मध्यलय)

स्थायीः मेल भैरव तामें धग बरज कीन्हे
वादी मध्यम लिये गौळ राग कहायो।

अंतराः गाये बजाये कर्नाट राग-रीत में
अनुपम सुन्दर रूप आज सुनायो॥

### स्थायी

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (नि़)सा म | म प नि | नि नि | सां नि प | म म | प नि प | म – | री सा – |
| मे ऽ | ल भै ऽ | र व | ता ऽ में | ध ग | ब र ज | की ऽ | न्हे ऽ ऽ |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |
| (नि़)सा (नि़)सा | (सा)सा म – | म म | प म – | (प)म प | नि सां – | (नि)रीं सां | नि प म |
| वा ऽ | दी म ऽ | ध्य म | लि ये ऽ | गौ ऽ | ळ रा ऽ | ग क | हा ऽ यो |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |

### अंतरा

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (प)म प | नि – (सां)नि | सां – | (नि)सां,सां सां | (नि)प नि | सां रीं – | सां नि | – प म |
| गा ऽ | ये ऽ ब | जा ऽ | ये,क र | ना ऽ | ट रा ऽ | ग री | ऽ त में |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |
| (सा)म म | प (म)म,प | म म | (म)री – सा | (म)री म | प नि,सां | नि प | म री सा |
| अ नु | प म,सु | न्द र | रू ऽ प | आ ऽ | ज ऽ,सु | ना ऽ | ऽ ऽ यो |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |

# राग ललितपंचम–साध्रा–झपताल(मध्यलय)

स्थायी: बिघन हरता एकदंत विनायक
गौरी सुत गणेश विधाधर नमो।
अंतरा: आयो शरन 'सुजन' द्वारे तिहारे
बिपत हरो मेरो चरण कँवल नमो॥

स्थायी

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (सा)ग री | सा (नि)ध नि | सा म | (ग)म – म | (ग)म – | म – (म)म | (ग)म म | (ग)म ग – |
| बि घ | न ह र | ता ऽ | ए ऽ क | दं ऽ | त ऽ वि | ना ऽ | य क ऽ |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |
| (म)ग – | (ध)म ध नि | ध नि | (ध)म – म | (म)नि (ध)नि | (ध)म ग प | ग प | ग री सा |
| गौ ऽ | री ऽ सु | त ग | णे ऽ श | वि ऽ | धा ऽ ध | र न | मो ऽ ऽ |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |

अंतरा

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म ग | (ध)म धम ध | सां सां | (नि)सां सां सां | (सां)नि रीं | गं रीं सां | (सां)नि रींनि | ध प – |
| आ ऽ | यो ऽऽ श | र न | सु ज न | द्वा ऽ | रे ऽ ति | हा ऽऽ | रे ऽ ऽ |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |
| (ग)म म | म – (ग)म | निध नि | (ध)म – म | (ध)म ध | प ग प | ग प | ग री सा |
| बि प | त ऽ ह | रोऽ ऽ | मे ऽ रो | च र | ण ऽ कँ | व ल | न मो ऽ |
| × | २ | ० | ३ | × | २ | ० | ३ |

---

# राग गौरी(भैरव थाट)–त्रिताल(मध्यलय)

स्थायी: कीरत तुम्हरी तिहूँ लोक मों
सकल गुनी गंधर्व सुर नर मुनी
गाये बजाये सुनाये रिझाये।
अंतरा: आयो दरवजवा तिहारे जोर जोर कर
बिनति करत 'सुजन' दीन
बिपत सुनाये सुनाये सुनाये॥

स्थायी

(ग)री
की

| ग री (नि़)सा सा | (सा)प – –,(नि)ध | नि (ध)प ध म | प ग –,(ग)री |
|---|---|---|---|
| र त तु म्ह | री ऽ ऽ,ति | हूँ लो ऽ क | मों ऽ ऽ,स |
| ३ | × | २ | ० |

| ग री (नि़)सा सा | (नि़)री री री,(म)प | प (नि)ध नि (गं)रीं | गं रीं सां,(म)प |
|---|---|---|---|
| क ल गु नि | गं ध र्व,सु | र न र मु | नी ऽ ऽ,गा |
| ३ | × | २ | ० |

| नि सां रीं,(गं)रीं | सां – सां,(सां)रीं | नि धप म,(म)प | ग री सा;(ग)री |
|---|---|---|---|
| ऽ ये ऽ,ब | जा ऽ ये,सु | ना ऽऽ ये,रि | झा ऽ ये;की |
| ३ | × | २ | ० |

अंतरा

(ग)री प
आ यो

| प नि सां (नि)रीं | सां – –,(नि)सां | (सां)(रीं)रीं (नि)नि (ध)ध म | (प)ग –,(ग)री प |
|---|---|---|---|
| द र व ज | वा ऽ ऽ,ति | हा ऽ रे ऽ | ऽ ऽ,आ यो |
| ३ | × | २ | ० |

| प नि सां (नि)रीं | सां – –,(नि)सां | (सां)रीं (रीं)नि (नि)ध (ध)प | (म)प म म,(म)प |
|---|---|---|---|
| द र व ज | वा ऽ ऽ,ति | हा ऽ रे ऽ | जो ऽ र,जो |
| ३ | × | २ | ० |

| ग री (नि़)सा सा, | (म़)प़ नि़ सा (ग)री | प प,ध (नि)नि | (ध)प (प)ध मप ग |
|---|---|---|---|
| ऽ र क र, | बि न ति क | र त,सु ज | न दी ऽऽ न |
| ३ | × | २ | ० |

| (ग)री प नि सां | (नि)रीं – सां,(सां)रीं | नि धप म,(म)प | ग री सा;(ग)री |
|---|---|---|---|
| बि प त सु | ना ऽ ये,सु | ना ऽऽ ये,सु | ना ऽ ये;की |
| ३ | × | २ | ० |

| ग री (नि़)सा सा | (सा)प – – |
|---|---|
| र त तु म्ह | री ऽ ऽ ----- इत्यादि स्थायी के अनुसार |
| ३ | × |

---

# राग गौरी (भैरव थाट) – एकताल (विलंबित)

स्थायी : जी न जैयो मथुरा हम ग्वारिन को नेहा लगाय के
छाँड़िके बिरहा बिथा भरी अगन जरी।

अंतरा : घरि पल छिन दिन तुम्हरे संग नाचत गावत
हँस हँस बीते, अब को बजावे धुन बाँसुरी ॥

## स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| गमप- धनि,पधु | मप,ग, मप,गरी | सा ,सारी | (सा),निधुनि, -,सारी |
| जीनजेऽ ऽऽ,ऽऽ | योऽ,ऽ ऽऽ,मथु | रा ,हम | ग्वा,ऽऽऽ ऽ,रिन |
| ३ | ४ | × | ० |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ग--,म प--,प | पधुरीं,नि प ‖ | धनि,पधु मप,ग | गमप,ग रीसा | धु-धु |
| कोऽऽ,ने हाऽऽ,ल | गाऽऽ,ऽ ऽ ‖ | ऽऽ,ऽऽ ऽऽ,ऽ | ऽऽऽ,य केऽ | ,छाँऽड़ि |
| २ | ० | ३ | ४ | × |

| | | | |
|---|---|---|---|
| निसारी- | निरी,गमपधनि- -,धप | मप,पग पगरीसा | री,सारीग- रीसा ‖ |
| केऽऽऽ | बिर,हाऽऽऽऽऽ ऽ,बिथा | भऽ,रीऽ अगनज | री,ऽऽऽऽ ऽऽ ‖ |
| | ० | २ | ० |

## अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| धुधनिनि सांसां,रीं | सां ,सांसां | रीं,सांरींगं- रींसां | रींनिधु,नि धुप |
| घरिपल छिन,दि | न ,तुम्ह | रे,ऽऽऽऽ संग | नाचत,गा वत |
| ४ | × | ० | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| गमपधु नि,पधु ‖ | मप,ग मप,ग | रीसा ,निसा | ग--,म प |
| हँसहँस बी,ऽऽ ‖ | ऽऽ,ऽ ऽऽ,ऽ | तेऽ ,अब | कोऽऽ,ब जा |
| ० | ३ | ४ | × |

| | | |
|---|---|---|
| पधुसांरींगं-,रीं सां | रींनिधुप ग,मप,ग | री,सारीग- रीसा ‖ |
| वेऽऽऽऽऽ,धु न | बाँऽऽऽ ऽ,ऽऽ,सु | री,ऽऽऽऽ ऽऽ ‖ |
| ० | २ | ० |

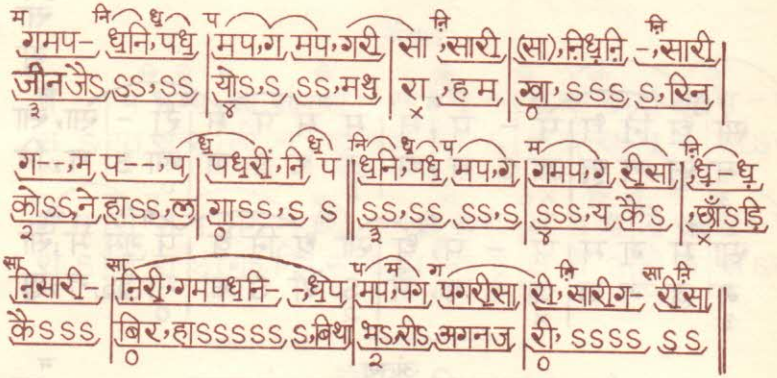

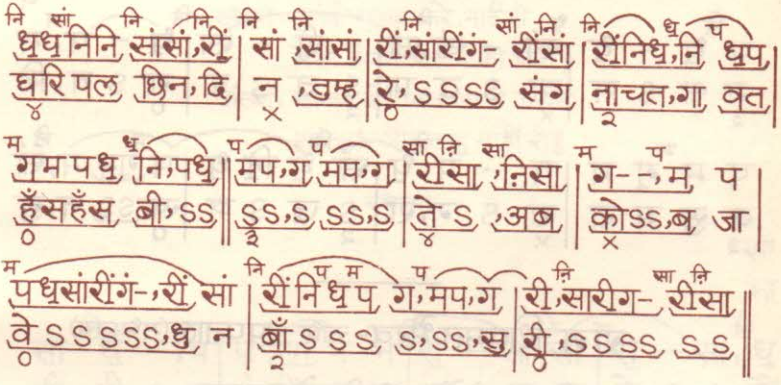

## राग शिवमत भैरव-लक्षणगीत-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायीः सुन सुन 'सुजान' चतुर बखान
निग जुगल जान भैरव समान।
अंतराः धग समवाद प्रातर गान
शिव सुमत राग राज बखान ॥

स्थायी

(नि)सां
सु

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सां | (नि)ध | नि | ध | प | - | प | ,(ग)म | म | (ग)म | प | म | (ग)री | - | सा, | (नि)सा |
| न | सु | न | सु | जा | S | न | ,च | तु | र | S | ब | खा | S | न, | नि |
| ३ | | | | × | | | | २ | | | | ० | | | |
| सा | (सा)म | ग | म | प | - | प, | (नि)ध | सां | (नि)ध | नि | ध | प | (म)गम | म; | (नि)सां |
| ग | जु | ग | ल | जा | S | न, | भै | S | रैं | S | स | मा | SS | न; | सु |
| ३ | | | | × | | | | २ | | | | ० | | | |

अंतरा

(म)प
ध

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | (नि)ध | - | ध | (ध)सां | - | (नि)सां, | सां | - | रीं | - | सां | (नि)ध | - | (प)प, | म |
| ग | स | S | म | वा | S | द, | प्रा | S | त | S | र | गा | S | न, | शि |
| ३ | | | | × | | | | २ | | | | ० | | | |
| प | म | (म)ग | म | प | - | प, | (नि)ध | सां | (नि)ध | नि | ध | प | (म)गम | म; | (नि)सां |
| व | सु | म | त | रा | S | ग, | रा | S | ज | S | ब | खा | SS | न; | सु |
| ३ | | | | × | | | | २ | | | | ० | | | |

## राग शिवमत भैरव-साधा-झपताल (मध्यलय)

स्थायी : प्रथम ओंकार ध्वनि तातें अनाहत
गुप्त नाद, आहत दूजो प्रकट होत।
अंतराः सप्त सुर तीन ग्राम एकईस मूरछान
राग-रागनि रूप आहततें निकसत ॥

स्थायी

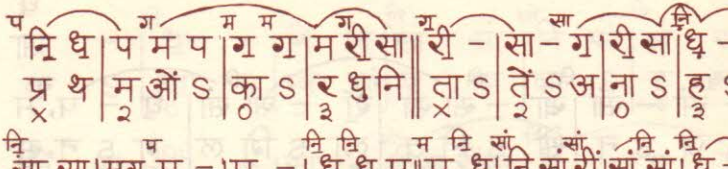

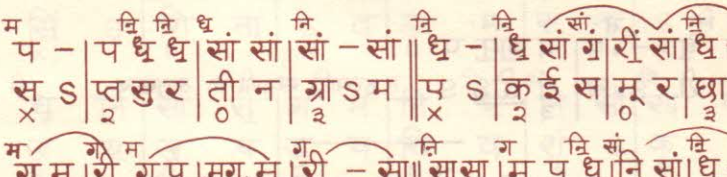

| प नि ध | प म प | ग ग | म रीसा || री - | सा - ग | रीसा | ध - प |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प्र थ | म ओं ऽ | का ऽ | र धुनि || ता ऽ | तें ऽ अ | ना ऽ | ह ऽ त |
| × | २ | ० | ३ || × | २ | ० | ३ |
| नि सा सा | मग म - | प - | नि नि ध ध प || म प ध | नि सां रीं | सां सां | नि ध - प |
| गु प | तुऽ ना ऽ | द ऽ | आ ह त || द ऽ | जो ऽ प्र | कु ट | हो ऽ त |
| × | २ | ० | ३ || × | २ | ० | ३ |

अंतरा

| म प - | प नि नि ध ध | सां सां | सां - सां || नि ध - | नि ध सां गं | रीं सां | नि ध - प |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स ऽ | प्त सुर | ती न | ग्रा ऽ म || प ऽ | क ई स | मू र | छा ऽ न |
| × | २ | ० | ३ || × | २ | ० | ३ |
| म ग म | ग म री गप | मग म | ग री - सा || नि सासा | ग म प ध | नि सां नि | नि ध - प |
| रा ऽ | गु रा ऽ | गुऽ नि | रू ऽ प || आ ह | त तें ऽ | नि क | स ऽ त |
| × | २ | ० | ३ || × | २ | ० | ३ |

---

## राग बंगालभैरव – त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : ननंदी चवाव करे, माई री

मैंतो अपने बालम की चेरी।

अंतरा : साजन सों नित लागि लगन

सुधबुध और कछु नाहीं री॥

स्थायी

| | | | नि सा |
|---|---|---|---|
| | | | मा |
| सा नि ध -, प | प म गम प म | ग री - सा नि सा | ग री - सा, नि ध |
| ई री ऽ, न | नं दीऽ ऽ च | वा ऽ व क | रे ऽ ऽ, मैं |
| ० | ३ | × | २ |
| - नि री -, सा | सा नि ध -, नि ध | सां सां नि ध प, | म प ग प गम रीसा; नि सा |
| ऽ तो ऽ, अ | प ने ऽ, बा | ल म की ऽ, | चे ऽऽ रीऽ; मा |
| ० | ३ | × | २ |

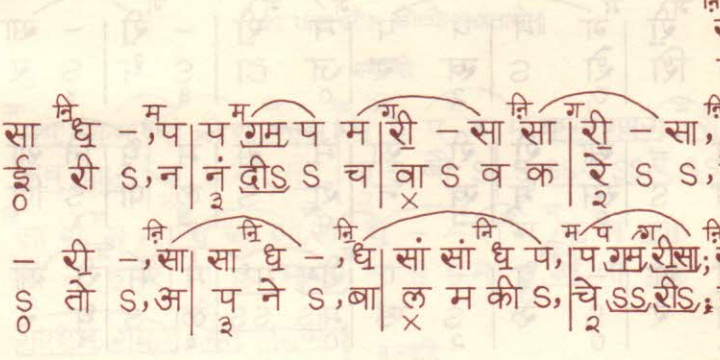

अंतरा

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | | | | | | | | सा |
| − | सां | − | सां | \| | सां | − | सां | सां | \| | रीं | − | सां | सां | \| | ध − | प, म |
| ऽ | ज | ऽ | न | \| | सों | ऽ | नि | त | \| | ला | ऽ | गि | ल | \| | ग ऽ | न, सु |
| 0 | | | | | ३ | | | | | × | | | | | २ | |
| प | ग | − | म | \| | प | − | ध | − | \| | सां | ध | प | प | \| | गम री | सा; सा |
| ध | बु | ऽ | ध | \| | औ | ऽ | र | ऽ | \| | क | छु | ऽ | ना | \| | हींऽ री | ऽ; मा |
| 0 | | | | | ३ | | | | | × | | | | | २ | |
| सा | ध | − | , प | \| | प | गम | प | | | | | | | | | |
| ई | री | ऽ | , न | \| | नं | दीऽ | ऽ ..... | इत्यादि स्थायी के अनुसार | | | | | | | | |
| 0 | | | | | ३ | | | | | | | | | | | |

---

## राग प्रभात भैरव–एकताल (मध्यलय)

स्थायी: हर हर हर गंगाधर शशिशेखर जटाधर
भस्म भूखन शूलपाणि गरे रुण्ड मालधर।
अंतरा : बाघाम्बर वृख वाहन त्रिपुरारी भूतेश्वर
सिंगि नाद डमरु नाद जयजय जय शिव शंकर॥

स्थायी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ध | ध | प | प | म | ग | म | म | म | − | ग | ग |
| ह | र | ह | र | ह | र | गं | ऽ | गा | ऽ | ध | र |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |
| म | री | ग | म | प | प | म | री | − | री | − | सा |
| श | शि | शे | ऽ | ख | र | ज | टा | ऽ | ध | ऽ | र |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |
| नि | − | सा | री | री | सा | म | ग | म | ध | नि | सां |
| भ | ऽ | स्म | भू | ख | न | शू | ऽ | ल | पा | ऽ | णि |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |
| रीं | सां | − | ध | − | प | रेग | मध | म | म | री | सा |
| ग | रे | ऽ | रु | ऽ | ण्ड | माऽ | ऽऽ | ला | ऽ | ध | र |
| × | | 0 | | २ | | 0 | | ३ | | ४ | |

### अंतरा

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| म | नि | | नि | सां | नि |
| प - | ध - | नि नि | सां सां | नि सां | सां सां |
| बा ऽ | घा ऽ | म्ब र | वृ ख | बा ऽ | ह न |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| सां | गं | | सां | नि | |
| नि सां | रीं - | सां - | निसां रींसां | ध - | प प |
| त्रि पु | रा ऽ | री ऽ | भूऽ ऽऽ | ते ऽ | श्व र |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| म | ग | | | ग म | |
| ग - | ग म | नि ध | म म | री ग | म म |
| सिं ऽ | गि ना | ऽ द | ड़ म | रु ना | ऽ द |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| नि़ | | म | म नि | सां | नि |
| ध़ नि़ | सा री | ग म | नि ध | नि सां | सां सां |
| ज य | ज़ य | ज़ य | शि व | शं ऽ | क र |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| नि ध | प म | ग ग | |
| ह र | ह र | ह र | ----- इत्यादि स्थायी के अनुसार |
| × | ० | २ | |

---

## राग प्रभात भैरव - तिलवाडा (विलंबित)

स्थायी: अब्तो जागो मनवा बौरे
बिन हरि नाम जनम बितायो।

अंतरा: फिर पाछे नर तन आवे नहीं
बहुत भई सुख चैन की नींद
का फल सौंस मिथ्यो पछतायो॥

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग | ग नि़ | सा नि़ म | म |
| मंमं मग,म | री री सा ,सासा | ध ध प ग | म गम,मं गमग -री |
| अब तोऽ,ऽ | जा ऽ गो ,मन | वा ऽ बौ ऽ | ऽ ऽऽ,ऽ ऽऽ,रे ऽऽ |
| | × | २ | ० |

| | | | |
|---|---|---|---|
| नि़ म | नि नि | | म म |
| सा सा ग म | ध सां सां,सां | ध - -प | ग ,ग म गम |
| बि न ह रि | ना ऽ म,ज | न ऽ ऽम | ऽ ,बि ता ऽऽ |
| ३ | × | २ | ० |

| | |
|---|---|
| ग | |
| गमधमं गमग ; मंमं मग,म | इत्यादि |
| ऽऽऽऽ ऽऽ,यो; अब तोऽ,ऽ | |
| ३ | |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| मप धृ- | नि सां - सांसां | निसां - रीं सां | सां,निसां ध - प |
| फिर पाऽ | छे ऽ ऽ नर | तन ऽ आ ऽ | वे,ऽऽ न ऽ हीं |
| | × | २ | ० |
| म म प ,ध | नि सां - धप | म - म गमम | म ग म -ग |
| ब ड़ त ,भ | ई ऽ ऽ सुख | चै ऽ न कीऽऽ | नीं ऽ ऽ ऽद |
| ३ | × | २ | ० |
| ध नि - सारी | ग म म ,ध | ध सां - धप | म - - गम |
| का ऽ ऽ फल | साँ ऽ स ,मि | व्यो ऽ ऽ पछ | ता ऽ ऽ ऽऽ |
| ३ | × | २ | ० |
| गमधम गम,ग -री,मम मग,म ‖ | | | |
| ऽऽऽऽ ऽऽ,यो ऽऽ,अब तोऽ,ऽ ‖ ----- इत्यादि स्थायी के अनुसार | | | |
| ३ | | | |

---

## राग आनंदभैरव–त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी : बिन दरस मन तरसत निस-दिना
कल ना परत सखि एक घरि पल छिना।

अंतरा : मोहि गयो चित सोहनी सुंदर मूरत पे
अब नाहीं सोहे घर आँगना उन बिन ‖

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | प |
| | | | बि |
| म री री सा | री री ग म | प म प ग | म री -,ग |
| न द र स | म न त र | स त नि स | दि ना ऽ,क |
| ३ | × | २ | ० |
| म प ध नि | प,ध प,ध | म,प मग,प | मग रीसा; प |
| ल ना प र | त,स खि,प | क,घ रिऽ,प | लऽ छि ना; बि |
| ३ | × | २ | ० |
| म री री सा | | | |
| न द र स ----- इत्यादि | | | |
| ३ | | | |

अंतरा

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | | | | | | | | प |
| | | | | | | | | | | | | | | | | मो |
| सां | सां | सां | रीं | सां,रीं | गं | मं | | रीं | सां | सां,ध | | नि | प | म,म | | |
| हि | ग | यो | चि | त,सो | ह | नी | | सु | न्द | र,मू | | र | त | पे,अ | | |
| ३ | | | | × | | | | २ | | | | ० | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | ध | प | म | री,ग | मग,प | | म | री | –,सा | | री | ग | मग;प | |
| ब | ना | हिं | सो | हे,घ | रऽ,आँ | | ग | ना | ऽ,उ | | न | बि | नऽ;बि | |
| ३ | | | | × | | | २ | | | | ० | | | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| म | री | री | सा | |
| न | द | र | स | ...... इत्यादि स्थायी के अनुसार |
| ३ | | | | |

---

## राग आनंद भैरव- एकताल (विलंबित)

स्थायीः कौन गुन कीजे लीजे मनाये
नट नागर को ।
अंतराः कौन बजावे धुन मुरली, बन रचे
को अब लीला रास, गोकुल छाँड़ि चले
आनंदघन मथुरा नगर को ॥

स्थायी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म(म) | री | सा | ,सासा | री | – | सा | निसा | सा | री | ग | म |
| कौऽ | ऽ | न | ,गुन | की | ऽ | जे | ऽऽ | ली | ऽ | जे | ऽ |
| ३ | | ४ | | × | | ० | | २ | | ० | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ,गम | मग | प | – | पपधनिसां | ध | ,निप | धप | मगमपमम | | री | सा |
| ,ऽऽ | मऽ | ना | ऽ | येऽऽऽऽ | न | ,ऽट | नाऽ | ऽऽगऽरऽ | | को | ऽ |
| ३ | | ४ | | × | | ० | | २ | | ० | |

अंतरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | – | सां | ,सां | सां | निसां | सां | निसां | रींरीं | गंमं | रीं | सांसां |
| कौ | ऽ | न | ,ब | जा | ऽऽ | वे | ऽऽ | धुन | मुर | ली, | बन |
| ३ | | ४ | | × | | ० | | २ | | ० | |

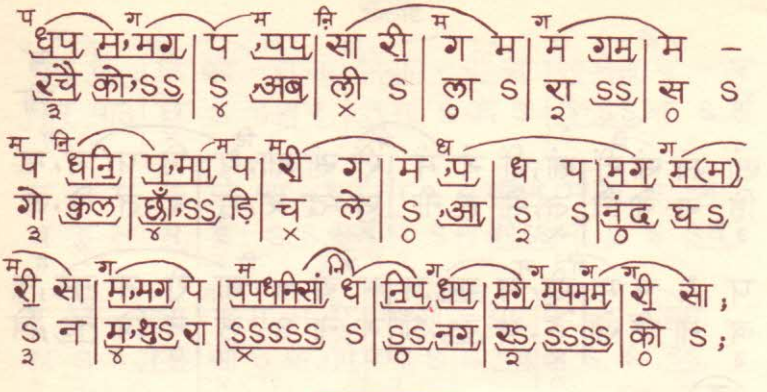

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| धप म,मग | प ,पप | सा री | ग म | म गम | म – |
| रचै को,ऽऽ | ऽ ,अब | ली ऽ | ला ऽ | रा ऽऽ | स ऽ |
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| प धनि | प,मप प | री ग | म ,प | ध प | मग म(म) |
| गो कुल | छाँ,ऽऽ ड़ि | च ले | ऽ ,आ | ऽ ऽ | नंद घऽ |
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| री सा | म,मग प | पपधनिसां ध | निप धप | मग मपमम | री सा ; |
| ऽ न | म,थुऽ रा | ऽऽऽऽऽ ऽ | ऽऽ नग | रऽ ऽऽऽऽ | को ऽ ; |
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० |

---

## राग आनंदभैरव - ध्रुवपद - चौताल (विलंबित)

स्थायी : शुभ घरी शुभ दिन आज आयो है
धन धन धन भरत भूमि भाग तेरो जाग्यो है।

अंतरा : दास्य को उदास दिन बीत्यो है
हिया भज्यो आनंदतें जिया अत हुलसायो है॥

संचारी : तिहारे विशाल भाल तिलक चढ़ायो है
ध्वजा कीरति की नीकी ज्योत बीरता है॥

आभोग : तुम्हरो नाम जस गुन त्रिभुवनमों गरज रहे
चाँद सूरज तारक गन ज्योलों प्रकाश रहे॥

### स्थायी

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| म री | गरी गरी | ग प | म ग | म री | – सा |
| शु भ | ऽऽ घऽ | री ऽ | शु भ | ऽ दि | ऽ न |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |
| सा – | री ग | मग म | प – | सां ध | नि प |
| आ ऽ | ज आ | ऽऽ यो | है ऽ | ऽ ऽ | ऽ ऽ |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |
| ध नि | ध प | म ग | म प | म री | – सा |
| ध न | ध न | ध न | भ र | त भू | ऽ मि |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |
| सा – | सा री | – री | ग म | ग म | – – |
| भा ऽ | ग ते | ऽ रो | जा ऽ | ग्यो है | ऽ ऽ |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

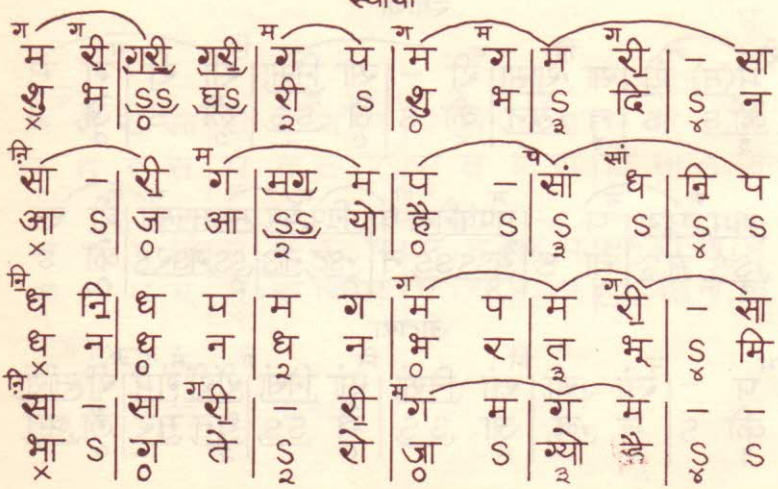

## अंतरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (ग)प | – | प | (प)सां | – | सां | (नि)सां | – | सां | (सां)नि | सां | सां |
| दा | S | स्य | को | S | उ | दा | S | स | दि | S | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (गं)रीं | – | – | (गं)रीं | – | (सां)सां | नि | सां | – | (सां)ध | – | प |
| बी | S | S | त्यो | S | S | है | S | S | S | S | S |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (ग)म | मग | मग | (प)म | (ग)प | – | (प)सां | – | (सां)ध | नि | प | – |
| हि | याS | SS | भ | ज्यो | S | आ | S | न | न्द | तें | S |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (ग)ध | (ध)प | (प)म | (म)ग | (ग)री | सा | (ग)री | – | (ग)री | (म)ग | म | – |
| जि | या | अ | त | हु | ल | सा | S | यो | है | S | S |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

## संचारी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा | (नि)सा | प | प | – | प | (नि)ध | नि | ध | प | – | प |
| ति | हा | S | रे | S | वि | शा | S | ल | भा | S | ल |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (ग)म | मग | म | (ग)प | – | प | (प)सां | – | सां | (सां)ध | – | प |
| ति | लS | S | क | S | च | ढ़ा | S | यो | है | S | S |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (गं)रीं | रीं | – | (गं)रीं | (मं)गं | मं | (गं)रीं | – | – | (नि)सां | – | सां |
| ध्व | जा | S | की | र | ति | की | S | S | नी | S | की |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (नि)सां | – | सां | (सां)ध | नि | प | म | ग | म | (ग)प | – | – |
| ज्यो | S | त | बी | S | र | ता | S | S | है | S | S |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

## आभोग

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (ग)प | प | प | (प)सां | – | सां | (नि)सां | सां | (सां)नि | सां | (नि)सां | सां |
| तु | म्ह | रो | ना | S | म | ज | स | S | S | गु | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| रीं रीं | रीं रीं | सां – | सां सां | सां ध | नि प |
| त्रि भु | व न | मों ऽ | ग र | ज र | ऽ हे |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |
| रीं – | रीं गं | मं पं | रीं – | रीं रीं | सां सां |
| चौं ऽ | द स् | र ज | ता ऽ | र क | ग न |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |
| म ग | म प | – प | सां – | सां ध | नि प |
| ज्यों ऽ | ऽ लो | ऽ प्र | का ऽ | श र | ऽ हे |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

---

## राग अहीरभैरव–त्रिताल(मध्यलय)

स्थायी : गोकुल की अहीरनियाँ भई बौरी

रस रूप रागिनिसों हरि की।

अंतरा : मोहनी मूरत पर तनमन वार दियो

घर आँगना कछु ना सुहावे

सुनि माधुरी धुन बाँसुरी की॥

स्थायी

प
गो

| | | | |
|---|---|---|---|
| मग री सा,री | ग म म मग | री –,मप मग | री – सा,म |
| कुल की ऽ,अ | ही ऽ र निऽ | यौं ऽ,भऽ ईऽ | बौ ऽ रि,र |
| ३ | × | २ | ० |
| प ध नि ध | प – ध म | प ध ध म | री सा –; प |
| स रू ऽ प | रा ऽ गि नि | सों ऽ ह रि | की ऽ ऽ; गो |
| ३ | × | २ | ० |

अंतरा

म
मो

| | | | |
|---|---|---|---|
| म री – म | प – – प | – – प – | प – – ,म |
| ह नी ऽ मू | र ऽ ऽ त | ऽ ऽ प ऽ | र ऽ ऽ ,त |
| ३ | × | २ | ० |

| | | | |
|---|---|---|---|
| म प - ध | नि - - - | ध नि ध प | ध प -,ध |
| न म ऽ न | वा ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ र ऽ | दि यो ऽ,घ |
| ३ | × | २ | ० |
| प ध - म | प ध - ध | म (म) - म | री - सा,सा |
| र आँ ऽ ग | ना ऽ ऽ क | छु ना ऽ सु | हा ऽ वे,सु |
| ३ | × | २ | ० |
| सा मग म ग | म - -,म | म री -मप | मग री सा; प |
| नि माऽ ऽ धु | री ऽ ऽ,धु | नि बाँ ऽसुऽ | रीऽ की ऽ; गो |
| ३ | × | २ | ० |
| मग री सा री | ग म म म | | |
| कुल की ऽ अ | ही ऽ र नि | ----- इत्यादि स्थायी के अनुसार | |
| ३ | × | | |

---

## राग अहीरभैरव–सवारी (मध्यलय)

स्थायी : देखो देखो री न माने कन्हैया रार करत नित उठ पनघट पर
लाज नाहीं याको नेकहु ढीट लंगर ऐसो अत निपट निडर ॥

अंतरा : कहो सखि कौन रीत ये कहालों सहिये ढंग अनोखे, कासे कहूँ
मैं लाज की मारी हँस हँस ठठोरी करत ब्रिज किशोर ॥

स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| सासा म,प पध | ध धप म(म)रीसा | री रीग मप रीसा | निसा मग मम पप |
| देखो ऽ,दे खोऽ | री नमा नेक न्हैया | रा रक रत नित | उठ पन घट पर |
| ३ | × | ० | २ |
| धनि धप -म | पध ध (म)रीसा | रींसां,सां धप मप | धनि धप म,री सासा |
| लाऽ ज,ना ऽहीं | याऽ को ने कहु | ढी ट,लं गर ऐसो | अत निप ट,नि डर |
| ३ | × | ० | २ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| मरी -म म | प पप -ध पम | पप सां धनि धप | म प,म री सा |
| कहो ऽस खी | को नरी ऽत येऽ | कहा लों सहियेऽ | ढं ग,अ नो खे |
| ३ | × | ० | २ |
| रींगं मंरीं सां | धप मम प,री -सा | सासा मग पप सां,रीं | |
| कासे ऽ,क हूँ | मैंऽ लाज की,मा ऽरी | हँस हँस ठठो री,क | |
| ३ | × | ० | |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| संसां | धनि | पम | गम ‖ | सासा | म,प | पध | \| | |
| रत | ब्रज | किशो | SR ‖ | देखो | S,दे | खोS | \| | ..... इत्यादि |
| २ | | | | ३ | | | | |

---

## राग अहीरभैरव–एकताल (विलंबित)

स्थायी: अरे निर्दयी नज़रे तू काहे नित उठ
कूक सुनावे, मुझ बिरहन को अधिक सतावे।
अंतरा: राह तकत हूँ उनके आवन की, जिया तरपत
दिन रैन, जरी जात हूँ वाके मिलन बिन,
तापर तू कूक सुनावे, मुझ बिरहन को
अधिक सतावे॥

### स्थायी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सासा | प | –म | पध | ध | प | मग | (म) | री | – | सा | ,सारी |
| अरे | S | SS | निर | द | यी | SS | S | S | S | S | ,नज़ |
| २ | | ४ | | × | | ० | | २ | | ० | |
| ग | म | मे | – | म | प | प | ,प | ध | –नि | ध | प |
| रे | S | तू | S | का | S | हे | ,नि | त | SS | उ | ठ |
| ३ | | ४ | | × | | ० | | २ | | ० | |
| धधपम | पध | पम | ग,(म) | री | – | सा | निसा | सारी | गम | प | री |
| कूSSS | SS | कूS | S,सु | ना | S | वे | SS | मुझ | बिर | ह | न |
| ३ | | ४ | | × | | ० | | २ | | ० | |
| सा | ,सारी | गरी | मग | पम | धप | नि,ध | पम | ग | री | सा | निसा |
| को | ,अधि | कS | SS | SS | SS | S,स | ताS | S | S | वे | SS |
| ३ | | ४ | | × | | ० | | २ | | ० | |

### अंतरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | – | री | –,म | पप | प | मम | प,ध | नि | नि | ध | प |
| रा | S | ह | S,त | कत | हूँ | उन | के,आ | व | न | की | S |
| ३ | | ४ | | × | | ० | | २ | | ० | |
| प | पध | ,पम | ,पध | धप | मग | (म) | री | री | सा | सासा | रींरीं |
| जि | याS | ,SS | ,तर | पत | SS | दि | न | रै | न | जरी | Sजा |
| ३ | | ४ | | × | | ० | | २ | | ० | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| -रीं सां | मप धनि | धप (म) | री सा | सारी गम | म गम |
| ऽत हूँ | वाऽ केऽ | मिल न | बि न | ताऽ पर | तू ऽऽ |
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० |
| गमपधनिसां निध | पम ग,(म) | री - | सा निसा | सारी गम | प री |
| कूऽऽऽऽऽ ऽऽ | कऽ ऽ,सु | ना ऽ | वे ऽऽ | मुझ बिर | ह न |
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० |
| सा ,सारी | गरी मग | | | | |
| को ,अधि | कऽ ऽऽ | ----- इत्यादि स्थायी के अनुसार | | | |
| ३ | ४ | | | | |

---

# राग बैरागीभैरव

कर्नाटक संगीत पद्धति के 'बकुलाभरण' मेल से उत्पन्न हुवा यह ओडुव जाति का राग पिछले कुछ वर्षों से हिन्दुस्तानी संगीत में भी गाया-बजाया जाने लगा है। इस राग में गंधार तथा धैवत वर्ज्य स्वर हैं। वादी पंचम तथा संवादी षड्ज माने गये हैं। गान-समय प्रातः काल है। चलन में यह सरल गति का राग माना गया है।

आरोहावरोह स्वरूप:-

सा रे म प नि,सां। सां नि प म रे, सा॥

पकड़:-

मपनिप, मरे, म, पनि, प।

---

# राग बैरागीभैरव - त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी: पचरंगी चूनरिया मोरी भीनी
हँस हँस ठठोरी करत सब ब्रिज की
ग्वारनियाँ, चलो हटो निठुर कन्हैया।

अंतरा: लाज लजत नहीं नेक लंगर ऐसो
निपट निडर तुम गारी दूँगी अब
करूँगी लराई तोसों ग्वार गुसैंया॥

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | प प |
| म म री सा | री म म म | प म प नि | प म री, सा |
| च रं गी S | चू S न रि | या S मो री | भी S नी, हैं |
| ३ | × | २ | ० |
| सा री सासा | री म प नि | प नि म प | नि सां सां प |
| स हँ स ठ | ठो S री क | र त स ब | ब्रि ज की ग्वा |
| ३ | × | २ | ० |
| नि प म -, | रीं सां निसां | प निम, प | म री सा; प |
| र नि याँ S, | च लो ह टो | नि ठु र, क | है S या; प |
| ३ | × | २ | ० |
| म म री सा | | | |
| च रं गी S | ...... इत्यादि | | |
| ३ | | | |

### अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| म - -म प | नि नि म प | नि सां सां सां | रीं रीं सां सां |
| ला S Sज ल | ज त न हीं | ने S क लं | ग र ऐ सो |
| ३ | × | २ | ० |
| रीं मं पं मं | रीं रीं सां सां | म - म प | - प नि नि |
| नि प ट नि | ड र तु म | गा S री दूँ | S गी अ ब |
| ३ | × | २ | ० |
| सां सां सां रीं | सां सां नि प | म प निनिपम | री - सा; प |
| क रूँ गी ल | रा ई तो सो | ग्वा S Sरग्रS | सैं S या; प |
| ३ | × | २ | ० |
| म म री सा | | | |
| च रं गी S | ...... इत्यादि स्थायी के अनुसार | | |
| ३ | | | |

# राग बैरागीभैरव–एकताल(विलंबित)

स्थायी : औलिया निजामुद्दीन, पीर सब पीरन के
तुम हो अत प्रबीन।
अंतरा : दरवजवा आयो कर जोर जोर
इतनी अर्ज़ सुनो, मुष्किलात मेरी दोऊ जग की
दूर करो, शरन तिहारे 'सुजन' दीन॥

## स्थायी

पम
औलि

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| रीरी सा,सा | रीम ऽ,म | म प | – प | नि प | मप प |
| याऽ ऽ,नि | जाऽ ऽ,मु | द्दी ऽ | ऽ न | पी ऽ | ऽऽ र |
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० |
| मम म | प ,पप | रीरी ,मम | पनिसां– –,निपम | री री | सा; पम |
| सब पी | ऽ ,रन | के ऽ ,तुम | होऽऽऽ –,अतप्र | बी ऽ | न; औलि |
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० |

## अंतरा

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| निप मम | री सा | सां निसां | सां ,सांसां | रींरीं –सां | निप –प |
| दर वज | वा ऽ | आ ऽऽ | यो ,कर | जोऽ ऽर | जोऽ ऽर |
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० |
| मम प,नि | पम रीसा | सा –सा | रीम –म | प प | पप ,निसां |
| इत नी,अ | रज सुनो | मु ऽष्कि | लाऽ ऽत | मे री | दोऊ ,जग |
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० |
| रीं सां | मपनिप म | मम प,म | री सा | ,सांनिप मरी | सा; पम |
| की ऽ | दूऽरक रो | शर न,ति | हा रे | ,सुजन दीऽ | न; औलि |
| ३ | ४ | × | ० | २ | ० |

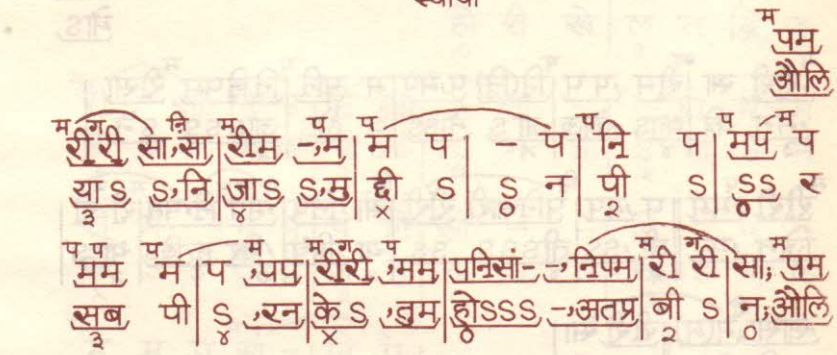

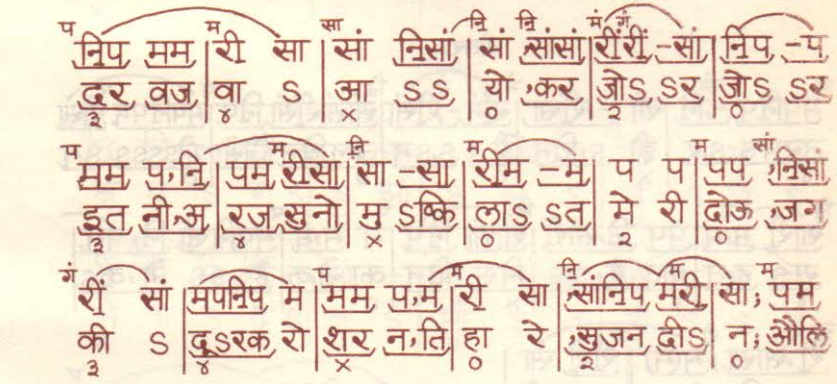

## राग बैरागीभैरव–एकताल (विलंबित)

स्थायीः मो मन की का कोऊ जाने, वे ही जाने
जिन पर बीती, या बिध बिरह बिथा सखि।
अंतरा : तरप रही दिन रैन जलबिन जैसो मीन
राह तकत हूँ निसदिन, कासे कहूँ ये कथा सखि॥

### स्थायी

| |
|---|
| (री)म(म) |
| मोS |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| (म),रीरी सा | (सा)रीम ,पप | (प)नि(नि) प,मप | म पनि | (प)निनिपम (म)रीसा | |
| ,मन की | काS ,कोऊ | जा S ने,SS | वे हीS | जाSSS Sने | |
| ३ | ४ | × | ० | २ | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (म)रीरी (प),मम ‖ | प ,मप | (नि)पनिसांरीं रींरीं | (नि)सां ,निप | (प)(म)(प),मप नि,पम | (म)री (ग)री | |
| जिन ,पर ‖ | बी ,SS | तीSSS SS | या ,बिध | ,बिर ह,बिS | था S | |
| ० | २ | ४ | × | ० | २ | |

| | | |
|---|---|---|
| ,सासा;(री)म(म) ‖ | (म)रीरी सा | ---- इत्यादि |
| ,सखि;मोS ‖ | मन की | |
| ० | २ | |

### अंतरा

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| (प)मपनिप –,(सां)नि | सां –,रींसां | (मं)रींमं –,(मं)रींसां | (नि)सांसांरींसां निप | (प)मपनिपम (म)रीसा | |
| तरपS S,र | ही S,दिन | रैS S,Sन | जलबिन जैसो | मीSSSS Sन | |
| ४ | × | ० | २ | ० | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (नि)सारी (प)म,म | पप नि,सांरीं | (नि)सांसां निप | (प)म म,म | (प)मपनिसां नि,पम | | |
| राS ह,त | कत हूँ,SS | निस दिन | का से,क | हूँSSS ये,कS | | |
| ३ | ४ | × | ० | २ | | |

| | | |
|---|---|---|
| (म)री,सासा ;(री)म(म) ‖ | (म)रीरी सा | ----- इत्यादि स्थायी के अनुसार |
| था,सखि ;मोS ‖ | मन की | |
| ० | २ | |

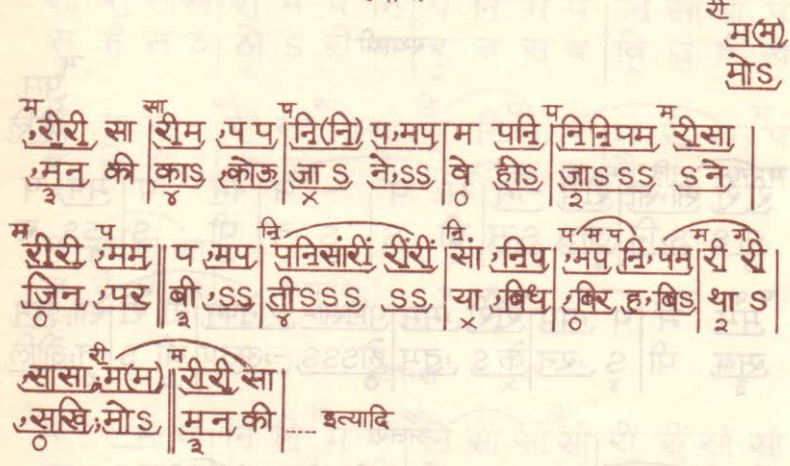

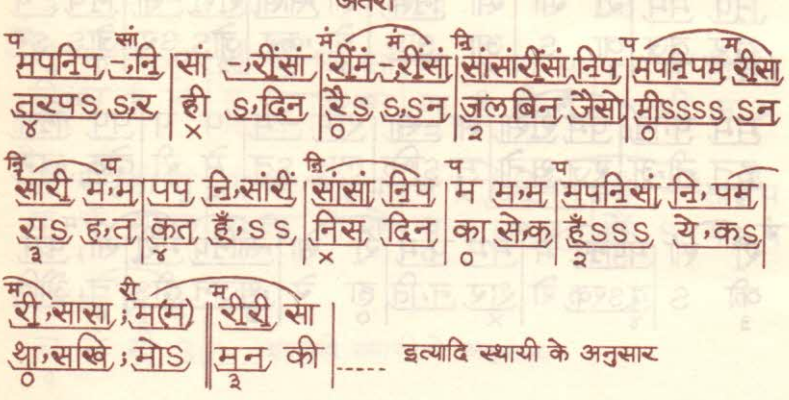

---

# राग बैरागीभैरव-होरी-धमार

स्थायीः होरी खेलत ब्रिजराज अत धूमधामसों
तट जमुना छायो रंग गुलाल सों |
अंतराः मृदंग झाँझ ढप निनादत भाँत भाँत ताल सों ||

## स्थायी

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | [प]म | [म]नि | प | म | [म]री सा सा |
| | | | | | | | | | हो | री | खे | ल | त ब्रि ज |
| | | | | | | | | | 0 | | | 3 | |

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [ग]री | - | सा | नि़ | प़ | [सा]नि़ | सा | - | सा | - | - | [म]री | म | म |
| रा | ऽ | ज | अ | त | धू | ऽ | ऽ | म | ऽ | ऽ | धा | ऽ | म |
| × | | | | | 2 | | 0 | | | 3 | | | |
| [म]री | म | - | [प]म | म | प | [सां]नि | सां | - | - | नि | - | प | - |
| सों | ऽ | ऽ | त | ट | ज | मु | ना | ऽ | ऽ | छा | ऽ | यो | ऽ |
| × | | | | | 2 | | 0 | | | 3 | | | |
| [प]म | म | प | [प]सां | - | नि | प; | | | | | | | |
| रं | ग | गु | ला | ऽ | ल | सों; | | | | | | | |
| × | | | | | 2 | | | | | | | | |

## अंतरा

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [सां]नि | नि | - | सां | - | - | [नि]सां | - | सां | - | [नि]सां | - | सां | - |
| मृ | दं | ऽ | ग | ऽ | ऽ | झाँ | ऽ | झ | ऽ | ढ | ऽ | प | ऽ |
| × | | | | | 2 | | 0 | | | 3 | | | |
| [म]रीं | [ग]रीं | मं | [मं]रीं | - | सां | - | [सां]नि | - | सां | नि | प | म | प |
| नि | ना | ऽ | द | ऽ | त | ऽ | भाँ | ऽ | त | भाँ | ऽ | ऽ | त |
| × | | | | | 2 | | 0 | | | 3 | | | |
| [प]म | - | प | सां | - | नि | प; | | | | | | | |
| ता | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ल | सों; | | | | | | | |
| × | | | | | 2 | | | | | | | | |

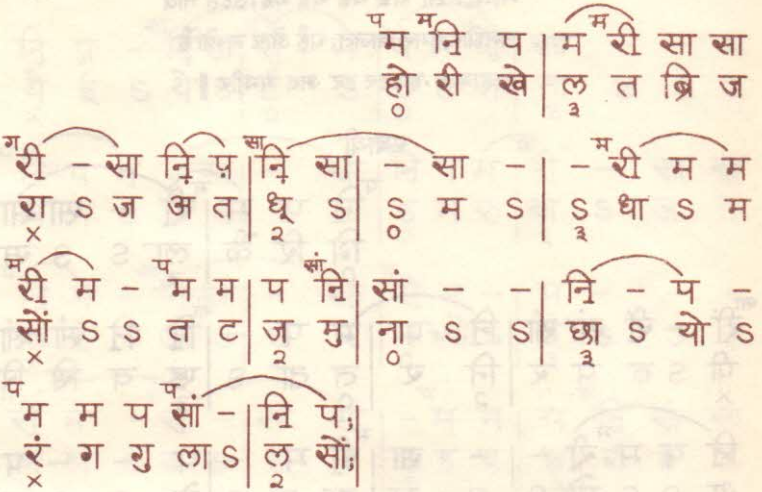

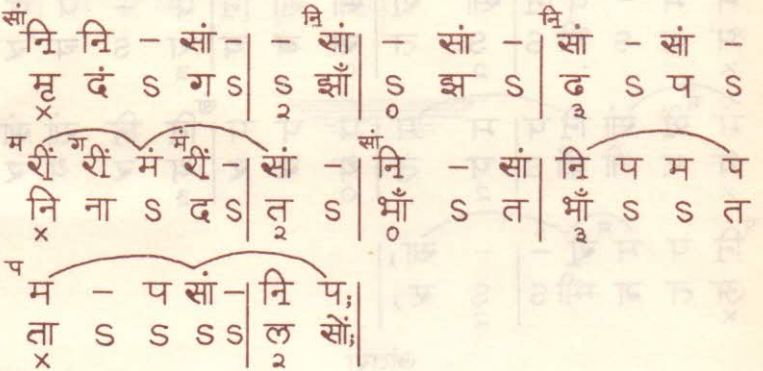

# राग बैरागीभैरव–होरी–धमार

स्थायी : गिरि कैलास पीठ पर निरत ताण्डव
सिरि शम्भो महादेव, भयभीत सब चराचर
धरनी काँपत थरर थर थर अत गम्भीर।

अंतरा : ऐसो जोगी बैरागी त्रिलोचन त्रिशूलपानी
नाचत ता थेई थेई थेई थेई, उठत नाद
घनघोर, डमरू बाजत, चहूँ ओर मच्यो है
हाहाकार, हर हर हर अत गम्भीर॥

## स्थायी

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | (प)नि | प | म | (म)री | – | सा | सा |
| | | | | | | | गि | रि | कै | ला | S | S | स |
| | | | | | | | 0 | | | 3 | | | |
| (सा)रीं | – | रीं | सां | सां | नि | प | म | प | – | (सां)नि | नि | सां | सां |
| पी | S | ठ | प | र | नि | र | त | ता | S | ण्ड | व | सि | रि |
| × | | | | | 2 | | 0 | | | 3 | | | |
| नि | प | म | (म)री | – | – | सा | (म)री | म | – | प | – | – | प |
| श | S | S | म्भो | S | S | म | हा | S | S | दे | S | S | व |
| × | | | | | 2 | | 0 | | | 3 | | | |
| (प)म | म | – | (नि)प | नि | सां | रीं | (नि)सां | सां | नि | प | – | प | प |
| भ | य | S | भी | S | S | त | स | ब | च | रा | S | च | र |
| × | | | | | 2 | | 0 | | | 3 | | | |
| मं | (मं)रीं | सां | नि | प | म | म | प | प | प | (सां)नि | नि | सां | सां |
| ध | र | नी | काँ | S | प | त | थ | र | र | थ | र | थ | र |
| × | | | | | 2 | | 0 | | | 3 | | | |
| (प)नि | प | म | (म)री | – | – | सा; | | | | | | | |
| अ | त | ग | म्भी | S | S | र; | | | | | | | |
| × | | | | | 2 | | | | | | | | |

## अंतरा

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (सा)रीं | – | – | सां | – | – | (नि॒)सां | सां | – | (नि॒)सां | (सां)नि | सां | (नि॒)सां | – |
| ऐ | S | S | सो | S | S | जो | गी | S | बै | रा | S | गी | S |
| × | | | | | 2 | | 0 | | | 3 | | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| (मं)रीं मं - (मं)रीं सां | - (नि)सां | (सां)नि सां सां | नि - प - |
| त्रि लो ऽ च न | ऽ त्रि | शू ऽ ल | पा ऽ नी ऽ |
| × | २ | ० | ३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| (प)म प नि प म | - (म)री | सा - - | (सा)री - (सा)नि - |
| ना च त ता ऽ | ऽ थे | ई ऽ ऽ | थे ऽ ई ऽ |
| × | २ | ० | ३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| नि प़ - (सा)नि सा | (म)री म | प म (म)री | सा - - सा |
| थे ई ऽ थे ऽ | ई ऽ | उ ठ त | ना ऽ ऽ द |
| × | २ | ० | ३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| (प)नि प म प सां | - सां | (प)नि प म | (म)री - सा सा |
| घ न ऽ घो ऽ | ऽ र | ड म रु | बा ऽ ज त |
| × | २ | ० | ३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| (प)नि प - (सां)नि सां | - सां | (म)री म - | प - - - |
| च हूँ ऽ ओ ऽ | ऽ र | म च्यो ऽ | है ऽ ऽ ऽ |
| × | २ | ० | ३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| (मं)रीं मं - (मं)रीं - | सां सां | - (प)म म | प (सां)नि सां सां |
| हा हा ऽ का ऽ | ऽ र | ऽ ह र | ह र ह र |
| × | २ | ० | ३ |

| | |
|---|---|
| (प)नि प म (म)री - | सा सा |
| अ त गम्मी ऽ | ऽ र |
| × | २ |



Archived by Aaraeva Business Solutions Pvt Ltd